



# डिगल - कोष

[डिगल भाषा के ६ पर्यायवाची, १ अनेकार्थी व  
२ एकाक्षरी छन्दोबद्ध प्राचीन कोषों का मकलन]

सम्पादक :

डा. नारायणसिंह भाटी,

निदेशक

राजस्थानी शोध-संस्थान, चौपासनी,

जोधपुर



प्रकाशक

जोधपुर विश्वविद्यालय द्वारा मान्यता प्राप्त शोध केन्द्र

राजस्थानी शोध-संस्थान, चौपासनी,

जो ध पु र

१९७८

प्रकाशक

चौपासनी शिक्षा समिति द्वारा मस्थापित  
राजस्थानी शोध-सस्थान, चौपासनी  
जोधपुर

---

प्रथम सस्करण १९५७

द्वितीय सस्करण (परिमार्जित) १९७८

मूल्य पचहतर रुपये

---

मुद्रक :

अनन्त प्रिण्टर्स,

जोधपुर

# विषय - सूची !

सम्पादकीय - - - - - ७

## पर्यायवाची कोष -

१	डिगल नाम - माळा	कवि हरराज	-	-	-	-	१७
२.	नागराज डिगल - कोप	: नागराज पिगल	-	-	-	-	२५
३.	हमीर नाम - माळा	: हमीरदान रतनू	-	-	-	-	३३
४	अवधान - माळा	: कवि उदयराम	-	-	-	-	६२
५	नाम - माळा	: अज्ञात	-	-	-	-	१४३
६.	डिगल - कोप	: कविराजा मुरारिदान	-	-	-	-	१६७

## अनेकार्थी - कोष -

७	अनेकार्थी - कोप	कवि उदयराम	-	-	-	-	२६३
---	-----------------	------------	---	---	---	---	-----

## एकाक्षरी - कोष -

८	एकाक्षरी नाम - माळा	वीरभाण रतनू	-	-	-	-	२७५
९	एकाक्षरी नाम - माळा	: कवि उदयराम	-	-	-	-	२८१

	अनुक्रम	-	-	-	-	-	३१७
--	---------	---	---	---	---	---	-----

## द्वितीय संस्करण का निदेशकीय वक्तव्य

इस ग्रथ के प्रथम संस्करण की सीमित प्रतिया ही प्रकाशित की गई थी। राजस्थानी भाषा के अध्यय-अध्यापन में पिछले वर्षों में द्रुतगति से विकास हुआ जिसके फलस्वरूप इसकी माग देश विदेशों में बहुत बढ़ी। संस्था की आर्थिक कठिनाइयों के कारण इसका पुनर्मुद्रण कार्य हाथ में नहीं लिया जा सका पर इस ग्रथ के महत्त्व को देखते हुए चौपासनी शिक्षा समिति ने इसके प्रकाशनार्थ विशेष रूप से स्वीकृति प्रदान की और इस कार्य में समिति के सचिव डा० गोविन्दसिंह जी ने विशेष रुचि ली जिसके लिये मैं उनको धन्यवाद देता हूँ। प्रथम संस्करण में जो त्रुटियाँ रह गई थी वे इसमें दूर कर दी गई हैं।

आशा है यह ग्रथ भारतीय भाषाओं के वैज्ञानिक अध्ययन और राजस्थानी साहित्य के उन्नयन में उपयोगी सिद्ध होगा।

—नारायणसिंह भाटी  
निदेशक

दिनांक 18 अप्रैल 78

## भूमिका

भाषा समाज की पहली आवश्यकता है और मानव के विकास का सबसे महत्वपूर्ण साधन भी। मानव के भौतिक एवं सांस्कृतिक विकास के साथ-साथ भाषा का भी विकास होना है। समाज की उन्नति और उसकी नानारूपेण प्रवृत्तियों में सतत प्रयत्नशील मानव-समूह अपनी आवश्यकताओं के अनुसार जाने-अजाने ही भाषा को नये-नये रूप प्रदान करता है। इसी से भाषा के कई रूप बनते और बिगड़ते रहते हैं। पर मिटने वाली भाषाओं का प्रभाव नवोदित भाषाओं पर किसी न किसी रूप में अवश्य विद्यमान रहता है, क्योंकि नवीन भाषाएँ प्राचीन भाषाओं की कोख से ही उत्पन्न होती हैं, यद्यपि अन्य भाषाओं के प्रभाव से भी वे पूर्णतया अछूती नहीं रह पाती। भाषाओं का यह विकास-क्रम स्वयं मानव जाति के सामाजिक इतिहास से अविच्छिन्न जुड़ा हुआ सतत प्रवहमान होता रहता है। कौनसी भाषा कितनी समृद्ध और महान है, यह उस भाषा का साहित्य ही प्रमाणित कर सकता है। साहित्य की रचना शब्दों के माध्यम से सम्पन्न होती है। अतः किसी भाषा का शब्द-भंडार ही उसकी अभिव्यक्ति की क्षमता का द्योतक है।

राजस्थानी भाषा और साहित्य की समृद्धि पर विभिन्न दृष्टियों से विचार करते समय उसके शब्द-भंडार की ओर ध्यान जाना स्वाभाविक है। शब्द-भंडार पर शब्द-कोषों के माध्यम से विचार करने में सुविधा होती है, और उसमें हर प्रकार के कोषों का अपना महत्व होता है। आधुनिक प्रामाणिक कोषों के उपलब्ध होते हुए भी संस्कृत भाषा का कोई विद्यार्थी 'अमर-कोष' की उपेक्षा नहीं कर सकता। इसीलिए इन प्राचीन डिंगल कोषों का भी अपना महत्व है।

विभिन्न भाषाओं के प्राचीन कोषों की तरह ये कोष भी छन्दोबद्ध हैं। प्राचीन काल में जब छापाखाने की सुविधा उपलब्ध नहीं थी—ज्ञान-अर्जित करना, उसे समय पर प्रयोग में लाना और आने वाली पीढ़ी को उससे लाभान्वित करना एक बहुत बड़ी समस्या थी। हस्तलिखित पोथियों का प्रयोग अवश्य होता था पर व्यवहार में स्मरण-शक्ति का भी बहुत सहारा लेना पड़ता था। लयात्मक और तुकान्त भाषा में कही गई बात स्मृति में सहज ही अपना स्थान बना लेती है, इसीलिए अति प्राचीन काल में समाज की धार्मिक, राजनैतिक और सांस्कृतिक मान्यताएँ तक छन्दों का सहारा हूँदती प्रतीत होती हैं। साहित्याचार्यों ने भी अपने मतों का प्रतिपादन छन्दों के सहारे ही करना उचित समझा, जिनके फलस्वरूप

छन्दोबद्ध रूप में कई लक्षण-ग्रन्थों तथा कोषों का निर्माण हुआ। ये बाप तत्कालीन गणना और साहित्य में जिस रूप में महत्वपूर्ण थे ठीक उसी रूप में प्राज नहीं हैं। पर आधुनिक ढंग के कोषों से जहाँ केवल शब्दों का अर्थ स्पष्ट होता है, ये कोष अन्य कोई महत्वपूर्ण तथ्यों की जानकारी भी देते हैं। इन कोषों में तत्कालीन सामाजिक, धार्मिक, राजनैतिक और साहित्यिक प्रवृत्तियों सम्बन्धी कई महत्वपूर्ण सकेत सुरक्षित हैं, जिनके माध्यम में कई महत्वपूर्ण निर्णयों तक पहुँचने में सहायता मिलती है। इनके अतिरिक्त अब में महत्वपूर्ण बात यह है कि आधुनिक कोषों में जहाँ लेखक या सम्पादक का व्यक्तित्व निहित नहीं रहता वहाँ इन प्राचीन कोषों में उनके रचयिताओं का व्यक्तित्व काफी मात्रा में सुरक्षित है।

इस प्रकार के कोषों के निर्माण की प्रवृत्ति उस समय की विशेष आवश्यकताओं की ओर भी सकेत करती है। तत्कालीन सामन्ती व्यवस्था में इन कोषों का महत्व पाठकों के अनिरपत्त कवि के लिए अधिक था। राजस्थान में जहाँ कई मौलिक सूझ-बूझ वाले और प्रतिभा-सम्पन्न कवि हुए वहाँ कविता के माध्यम व्यावसायिक लगाव रखने वालों की जमात भी काफी बड़ी थी। उनके लिए कविता इतनी स्वतः पूर्ण न होकर अभ्यास की चीज थी। कविता को अत्यधिक प्रयत्न-माध्यम और अभ्यास की चीज बनाने के लिए काव्य-रचना सम्बन्धी आवश्यक उपकरणों को स्मरण-शक्ति में हर समय बनाए रखना और उन पर अधिकार करना आवश्यक होता है। यह उद्देश्य बहुत कुछ इन कोषों के माध्यम में भी पूरा होता था, क्योंकि शब्दों के साथ-साथ छन्द-रचना सम्बन्धी नियम और उदाहरणों की व्यवस्था तक कई कोषों के साथ की गई है। रीतिकालीन हिन्दी साहित्य में तो इस प्रकार के ग्रन्थों की भी रचना हुई जो विभिन्न प्रकार के वर्णनों के लिए फार्मूले माध्यम प्रेषित करते थे। वर्षा, वाटिका, तडाग जलक्रीडा आदि वर्णनों के लिए वे निश्चित शब्दों की सूची तक बना कर इस प्रकार के कवियों की कवि-कर्म के निर्वाह में पूरी सहायता करते थे। सामाजिक परिवर्तनों के साथ जब कवि का दृष्टिकोण और उसकी साहित्यिक मान्यताएँ बदली तो साहित्य के विभिन्न अंगों के साथ-साथ इन कोषों की उपयोगिता के प्रकार में भी अंतर आया। आज वे जितने कवि के लिए उपादेय नहीं उतने विद्यार्थियों के लिए सुविधाजनक हैं।

किसी भी भाषा का कोष उस भाषा की साहित्य-रचना के पश्चात् निर्मित होता है। जब किसी भाषा का साहित्य काफी उन्नत और समृद्ध हो जाता है तभी कोष तथा लक्षण-ग्रन्थों के निर्माण की ओर आचार्यों का ध्यान आकर्षित होता है। अतः अच्छी सहायता में डिगल के इतने समृद्ध कोषों की उपलब्धि इस भाषा की समृद्धि की भी परिचायक है। इतना ही नहीं इन कोषों में तत्कालीन डिगल साहित्य की विभिन्न प्रवृत्तियों के सकेत भी मिलते हैं। प्राचीन डिगल साहित्य में अपनी सामाजिक पृष्ठ-भूमि के अनुरूप वीर, शृंगार तथा शांति-रस की धाराओं का प्राधान्य रहा है और इन्हीं रसों को व्यक्त करने वाली सशक्त शब्दावली को प्रायः इन सभी कोषों में विशेष स्थान मिला है। कविराज मुरारिदानजी के डिगल-कोष का विस्तार कुछ अधिक है पर उसमें भी ऐसे ही शब्दों की प्रधानता है।

भाषा-विज्ञान की दृष्टि से इन कोषों का महत्व प्रसाधारण है। किसी भी भाषा के विकास-क्रम को समझने के लिए उस भाषा के बहुत बड़े शब्द-समूह पर कई दृष्टियों से विचार करना आवश्यक हो जाता है। कई बातों की जानकारी तो भाषा का व्याकरण ही दे देता है पर

शब्दों के रूप में कब और कैसे परिवर्तन हुए, इसका अध्ययन करने के लिए मर्मय-समय पर होने वाले शब्दों के रूप-भेद की पूरी जाँच करनी होती है तभी शब्दों के रूप-परिवर्तन में दगते जाने वाले नियमों का भी स्पष्टीकरण होता है। अतः वैज्ञानिक ढा में राजस्थानी भाषा के विकास को समझने में ये कोप एक प्रमाणिक सामग्री का काम दे सकते हैं। इसके अतिरिक्त राजस्थानी में प्रयुक्त अन्य भाषाओं के शब्दों की स्थिति भी इनसे सहज ही स्पष्ट हो जाती है।

वर्णिक-श्रम के हिसाब से राजस्थानी का आधुनिक शब्द-कोप तैयार करने में इन कोपों से मिलने वाली सहायता का महत्व असंदिग्ध है। डिगल-भाषा के मुख्य-मुख्य शब्द अपने मौलिक तथा परिवर्तित रूप में एक ही स्थान पर उपलब्ध हो जाते हैं। कई शब्दों के समय-समय पर होने वाले अर्थ-भेद तक का अनुमान इनके माध्यम से मिल जाता है। इतना ही नहीं, मूल अर्थ-भेद को इंगित करने वाले समान शब्दों पर भी इन कोपों के आधार पर विचार किया जा सकता है। सप्रतीत डिगल-कोपों के सभी रचयिता अपने समय के माने हुए विद्वान और कवि थे। ऐसी स्थिति में उनके शब्द-ज्ञान में भी संदेह की विशेष गुंजाइश नहीं बचती। प्राचीन पोथियों की प्रामाणिकता को कायम रखने में लिपिकारों की बहुत बड़ी जिम्मेदारी होती है। अतः कई स्थलों पर उनकी असावधानी के कारण अस्पष्टता तथा त्रुटियों की सम्भावना अवश्य बनी हुई है। इनके अतिरिक्त मौखिक परम्परा पर जीवित रहने के पश्चात् लिपिबद्ध होने वाले कोपों के उपलब्ध रूप और मौलिक रूप में अवश्य कुछ अन्तर है, जिसका आभास समय-समय पर लिपिबद्ध होने वाली एक ही कोप की कई प्रतियों में हो सकता है। 'नागराज डिगल-कोप' तथा 'डिगल-नाम-माळा' इसी प्रकार के कोप हैं जो अपूर्ण भी हैं और निर्माण-काल के काफी समय बाद की प्रतियाँ हमें उपलब्ध हो सकी हैं। अतः इन कोपों का समुचित प्रयोग उपरोक्त तथ्यों को ध्यान में रख कर होना चाहिए।

अब यहाँ सम्पादित प्रत्येक डिगल-कोप और उसके रचयिता के सम्बन्ध में आवश्यक विचार कर लेना उचित होगा।

#### डिगल नाम-माळा :

यह कोप सम्पादित कोपों में सबसे प्राचीन है। मूल प्रति में इसके रचयिता का नाम हरराज मिलता है। हरराज सं० १६१८ में जैमलमेर की गढ़ी पर बैठा था। इससे यह महज ही अनुमान लगाया जा सकता है कि इस कोप की रचना उसी समय के आसपास हुई है। श्री अणुचन्द्र नाहटा के मतानुसार हरराज स्वयं कवि नहीं था। कुशललाम नामक जन कवि ने उसके लिए इस ग्रन्थ की रचना की थी\*। वैसे प्राप्य 'डिगल नाम माळा' की पुष्पिका में हरराज के साथ कुशललाम का नाम जुड़ा हुआ है। इसमें यह अनुमान होता है कि कुशललाम ने स्वयं यदि इन ग्रन्थ का निर्माण नहीं किया तो ग्रन्थ-निर्माण में सहायता तो अवश्य की होगी, अन्यथा उसका नाम यहाँ मिलने का कारण नहीं। वास्तव में हरराज कवि था या नहीं यह विषय विचारणीय अवश्य है और अतिम निष्कर्ष पर पहुँचने के लिए समर्थ प्रचारों की आवश्यकता है।

\* राजस्थान मारती, भाग १, अंक ४ जनवरी १९५७



इस कोप के शीर्षक से एक अत्यन्त महत्वपूर्ण प्रश्न सामने आता है। मूल प्रति में कोप का शीर्षक है—'अथ उ डिगल नाम-माळा', पुष्पिका में पूरा नाम 'पिंगल निरोमगे उडिगल नाम-माळा' भी मिलता है। अतः यहाँ दिये गये डिगल और उडिगल शब्दों में कौनसा शुद्ध शब्द है, कहना कठिन है। वैसे शीर्षक में प्रयुक्त 'उ' अक्षर यदि 'अथ' के साथ में टूटा कर 'डिगल' के साथ रख लेते हैं तो यहाँ भी उडिगल हो सकता है। डिगल शब्द का प्रयोग १६ वीं शताब्दी में मिलता है,\* पर उससे भी पहले, बहुत संभव है, डिगल के लिये उडिगल ही प्रयुक्त होता हो। प्राचीन डिगल शब्द को आधुनिक अंग्रेज विद्वान डॉ० ग्रियर्सन आदि ने उच्चारण की सुविधा के लिये पिंगल के आधार पर डिगल बना दिया है।† उनके पहिले इस प्रकार की ध्वनि वाला शब्द नहीं था। 'उडिगल' शब्द के मिलने में इस तथ्य पर पुनर्विचार करने की गुंजाइश बन जाती है। यह कोप प्राचीन होने के कारण कई तत्कालीन शब्दों की अच्छी जानकारी देता है, इसलिए राजस्थानी भाषा के विकास की दृष्टि में इसका विशेष महत्व है। कोप का आकार बहुत छोटा है तथा इसकी पुष्पिका में भी यही प्रतीत होता है कि यह पूरे ग्रन्थ 'पिंगल निरोमगी' का एक अध्याय मात्र है। इन कोप की केवल एक ही प्रति श्री अग्ररचन्द नाहटा के संग्रह से हमें उपलब्ध हो सकी, इसलिए उमी को आधार मान कर चलना पड़ा है।

#### नागराज डिगल-कोप

इस कोप के रचयिता के सम्बन्ध में निश्चित जानकारी उपलब्ध नहीं होती। केवल कुछ किंवदन्तियाँ सुनने को मिलती हैं, जिनमें एक किंवदन्ती तो बहुत प्रसिद्ध है ‡ जिसके अनुसार शेषनाग ही छन्द-शास्त्र का प्रणेता माना गया है। संस्कृत का 'पिंगल सूत्र' बहुत प्रसिद्ध है, जिसके रचयिता पिंगल मुनि बतलाये जाते हैं। उन्हें शेषनाग का अवतार भी माना गया है। वैसे शेषनाग का पर्याय भी पिंगल होता है। पिंगल शब्द छन्द-शास्त्र के अर्थ में प्रयुक्त हुआ है, पर डिगल-भाषा का कोई नागराज या पिंगल नाम का विद्वान हुआ हो ऐसा उल्लेख प्राचीन ग्रन्थों में नहीं मिलता। यह भी संभव हो सकता है कि किसी विद्वान ने पिंगल की प्रसिद्धि देख कर, पिंगल के नाम से ही डिगल में भी ऐसे ग्रन्थ की रचना कर दी हो जो कालान्तर में पिंगल ही की मानी जाने लग गई हो, और प्राच्य कोप उमी का अंश हो। संपादित कोप की मूल हस्तलिखित प्रति जुड़िये (मारवाड़) के पनारामजी मोतीसर के पास सुरक्षित थी। उसका शीर्षक 'नागराज पिंगल कृत डिगल कोप' है। निपिकाल स० १८०१ दिया हुआ है। अतः उमी को आधार मान कर इस कोप का प्रकाशन किया गया है। केवल २० छन्दों का ग्रन्थ होते हुए भी पर्यायवाची शब्दों की अच्छी संख्या इसमें मिलती है। मिह तथा पानी नाम तो विशेष तौर से दृष्टव्य हैं।

\* डॉ० मोतीलाल मेनारिया—राजस्थानी भाषा और साहित्य, पृ० १५

† " " " " राजस्थानी भाषा और साहित्य, पृ० २०.

‡ एक बार गरुड ने शोधित होकर शेषनाग का पीछा किया। शेषनाग ने अपने आपको बचाने की बहुत कोशिश की पर अन्त में कोई उपाय न देख कर गरुड को समर्पण कर दिया,

## हमीर नाम-माळा

इसके रचयिता 'हमीरदान रतनू' मारवाड के घडोई गाव के निवासी थे। पर उनके जीवन का अधिकांश भाग कछुभुज में ही व्यतीत हुआ। ये अपने समय के अच्छे विद्वानों में गिने जाते थे। इन्होंने छन्द-शास्त्र सम्बन्धी कई ग्रन्थ लिखे हैं, जिनमें 'लखपत पिगल' बहुत महत्वपूर्ण है। 'भागवत दरपण' के नाम से इन्होंने राजस्थानी में भागवत का अनुवाद किया है, जिससे इनके पाठित्य का प्रमाण मिलता है। हमीर नाम-माळा' डिगल कोषों में सबसे अधिक प्रसिद्ध और प्रचलित है, इसलिए समय-समय पर लिपिवद्ध की हुई प्रतियाँ भी अच्छी स्थिति में उपलब्ध होती हैं। यहाँ इस ग्रन्थ का सम्पादन तीन प्रतियों के आधार पर किया गया है। इन तीनों प्रतियों के अतिमहाले में ग्रन्थ का रचना-काल १७७४ मिलता है—

समत छहोतरं मतर मैं  
मती ऊपनी हमीर मन,  
कीधी पूरी नाम-माळिका  
दीपमाळिका तेण दिन।

—(मूल प्रति)

हमारे संग्रह की मूल प्रति (लिपिकाल स १८५६) के अतिरिक्त जिन दो प्रतियों के पाठान्तर दिये गये हैं उनमें (अ) प्रति की प्रतिलिपि भी श्री अमरचन्द नाहटा से उपलब्ध हुई है। इसके पाठान्तर बड़े महत्वपूर्ण हैं। मूल प्रति का लिपिकाल सवत १८५० के लगभग है (ब) प्रति श्री उदयराज उज्ज्वल के सौजन्य से प्राप्त हुई है। यह प्रति भी शुद्ध और पूर्ण है। इसका लिपिकाल सवत १८७४ है। 'हमीर नाम-माळा' डिगल के प्रसिद्ध गीत 'विलियों' में लिखी गई है। हर एक शब्द के पर्याय गिनाने के पश्चात् अतिम पक्तियों में बड़ी खूबी के साथ हरि-महिमा सम्बन्धी सुन्दर उक्तिर्याँ कह कर ग्रन्थ में सर्वत्र अपन व्यक्तित्व की छाप छोड़ने का प्रयत्न भी किया गया है। इसलिए यह ग्रन्थ 'हरिजस नाम माळा' के नाम से भी प्रसिद्ध है।

'हमीर नाम-माळा' की रचना में घनजय नाम-माळा, मानमजरी, हेमी कोप तथा अमर कोप से भी यथोचित सहायता ली गई है, जिसका जिक्र कवि ने स्वयं अपने ग्रन्थ के अन्त में

पर एक बात उसने ऐसी कही जिससे गरुड को सोचने के लिए बाध्य होना पड़ा। नागराज ने कहा, मुझे मरने का दुख नहीं होगा पर मैं छन्द-शास्त्र की विद्या का जानकार हूँ और वह विद्या मेरे साथ ही समाप्त हो जाएगी। ऐसी स्थिति में एक ही उपाय है कि तुम मुझ से छन्द-शास्त्र सुन कर याद कर लो, फिर जो चाहो करना। गरुड ने बात मान ली, पर एक आशका व्यक्त की कि कहीं तुम धोखा देकर भाग न जाओ। इस पर शेषनाग ने वचन दिया कि मैं जब जाऊंगा, तुम्हें कह कर चेतावनी दूंगा कि मैं जा रहा हूँ। शेषनाग ने पूरा छन्द-शास्त्र सुनाया और अंत में भुजगम् प्रयातम् (भुजगप्रयात—संस्कृत में एक छन्द का नाम) कह कर समुद्र में प्रविष्ट हो गया। शेषनाग की चतुराई पर प्रमत्त होकर कहते हैं कि गरुड ने उसे क्षमा कर दिया और आदेश दिया कि छन्द-शास्त्र की पूर्णता के लिए कोप भी बनाओ। तब शेषनाग ने शब्द-कोप का भी निर्माण किया। तब से वे ही इसके प्रणेता माने गये।

किया है।\* 'हमीर नाम-माळा' ३११ छन्दो का ग्रन्थ है। इन छन्दो मे प्राचीन तथा तत्कालीन साहित्य मे प्रचलित डिगल-भाषा के बहुत से शब्द अपने विशुद्ध रूप मे सुरक्षित हैं।

**श्रवधान-माला :**

इस ग्रन्थ के रचयिता वारहठ उदयराम मारवाड के थूकडा ग्राम के निवामी थे। इनकी जन्म-सम्बन्धी निश्चित तिथि उपलब्ध नहीं होती, पर अन्य साधनों के आधार पर यह सिद्ध होता है कि ये जोधपुर के महाराजा मानसिंहजी के समकालीन थे।† इन्होंने कछुमुज के राजा भारमल तथा उसके पुत्र देसल (द्वितीय)की प्रशंसा अपने ग्रन्थो मे स्थान-स्थान पर की है। इससे पता चलता है कि ये उनके कृपापात्र थे और जीवन का अधिकांश भाग वही व्यतीत किया था। वे अपने समय के विद्वानों में समादरित तो थे ही इसके अतिरिक्त विभिन्न विद्याओं मे निपुण होने के कारण अन्य राज्य-दरबारों मे भी सम्मान पा चुके थे।

इनके ग्रन्थो मे 'कविकुलबोध' सबसे अधिक महत्वपूर्ण है। इस ग्रन्थ की हस्तलिखित प्रति श्री सीताराम लाळस के माध्यम से उपलब्ध हुई थी। इसमे गीतो के लक्षण उदाहरण-सहित दिए गए हैं तथा गीतो मे प्रयुक्त अन्य आवश्यक शर्लीगत उपकरणो का भी सुन्दर विवेचन किया गया है। यहा सम्पादित श्रवधान-माळा, अनेकारथी कोष, तथा एकाक्षरी नाम-माळा भी इसी ग्रन्थ से उपलब्ध हुए हैं। इसके अतिरिक्त कई छन्दो के लक्षण तथा लक्ष्मी-कीर्ति-सवाद के दो महत्वपूर्ण अध्याय भी इसमे हैं।

'श्रवधान-माळा' ग्रन्थ की छन्द सख्या ५६१ हैं। डिगल के प्रचलित शब्दो के अतिरिक्त भी कवि ने कुछ शब्द विद्वतापूर्ण ढंग से बना कर रखे हैं। इस कोष की एक बहुत बड़ी विशेषता यह है कि छन्दपूर्ति आदि के लिए पर्यायवाची शब्दो के अतिरिक्त बहुत कम निरर्थक शब्दो का प्रयोग मिलता है।

इस ग्रन्थ मे इनका कहीं-कहीं उदयराम के अतिरिक्त उमेदराम नाम भी मिलता है। संभव है इनके ये दोनो नाम उस समय मे प्रचलित हो।

**नाम माळा :**

इस ग्रन्थ की मूल प्रति हमारे-मस्थान के संग्रहालय मे है। इसमें न ग्रन्थकार का नाम मिलता है न लिपिकार का। प्रति करीब १०० वर्ष पुरानी होनी चाहिए ऐसा अनुमान इसके पत्रो की लिखावट से लगता है। मूल प्रति में इस कोष के साथ कुछ गीतो के उदाहरण भी दिए हुए हैं। कई शब्दो के प्राचीन शुद्ध डिगल रूप इस कोष मे देखने को मिलते हैं, जिससे यह अनुमान होता है कि इसका रचयिता कोई अच्छा विद्वान होना चाहिए। ईश्वर, ब्रह्म, भमर, चपळा आदि के कई महत्वपूर्ण पर्याय इस कोष मे द्रष्टव्य हैं। छन्द-पूर्ति आदि के लिए भी बहुत ही कम निरर्थक शब्दो का प्रयोग देखने को मिलता है जो कवि का शब्द तथा छन्द दोनों पर अधिकार साबित करता है।

\* हमीर नाम-माळा—पृ० ८८

† हमारे शोध-मस्थान मे सुरक्षित महाराजा मानसिंहजी के समकालीन कवियों के चित्र मे इनका चित्र भी नाम सहित मिलता है। -

## डिगल-कोष

पर्यायवाची कोषो मे यह कोष सबसे बड़ा है। इस कोष के रचयिता वूदी के कविराजा मुरारिदानजी, महाकवि सूर्यमल के दत्तक पुत्र तथा उनके शिष्यो मे से थे। वशभाष्कर को सम्पूर्ण करने का श्रेय भी इन्ही को है। इस कोष में करीब ७००० शब्द ग्रन्थकार ने समाहित किये हैं। यह कोष पुराने ढंग से बहुत पहले प्रकाशित हो चुका है जिसकी प्रतियाँ अब उपलब्ध नहीं होती। इसमें छपाई की अशुद्धिया भी बहुत हैं। मूल ग्रन्थ में छन्दो तथा अलंकारो पर भी प्रकाश डाला गया है, पर कोष ही उसका मुख्य अंग है, इसीलिए पूरे ग्रन्थ का नाम भी 'डिगल-कोष' ही रखा गया है। डिगल ग्रन्थो में प्रयुक्त शब्दो को ही इस ग्रन्थ मे स्थान मिला है। अपनी ओर से गढे हुए अथवा अप्रचलित शब्दो का मोह कवि को विचलित नहीं कर पाया है। संस्कृत शब्दो को कवि ने कई स्थानो पर निमकोच अपनाया है। अमर-कोष की तरह यह कोष भी विभिन्न ग्रन्थायो मे विभक्त किया गया है, जिससे ऐसा आभास होता है कि कवि उक्त कोष की शैली अपनाने का प्रयत्न करना चाहता था। कोष के प्रारम्भिक ग्रन्थायो मे गीतो का लक्षण बताने के पश्चात गीत के उदाहरण मे भी पर्यायवाची कोष का निर्वाह किया है। इस प्रकार की शैली ग्रन्थ किसी कोष मे नहीं अपनाई गई है, यह इसकी अपनी विशेषता है। कोष का निर्माण आधुनिक काल के प्रारम्भ मे हुआ है, इसलिए डिगल से अनभिज्ञ पाठको की सुविधा को ध्यान मे रख कर नामो के शीर्षक प्रायः हिन्दी मे ही दिये हैं और उनको उसी रूप मे अनुक्रमणिका मे भी रखा गया है।

डिगल-कोषो मे यह कोष अतिम, महत्वपूर्ण एवं प्रामाणिक है।

## अनेकारथी कोष

जैसा कि पहले कहा जा चुका है, यह कोष भी बाग्रहठ उदयगम द्वारा रचित 'कविकुलबोध' का ही भाग है। डिगल भाषा का इस प्रकार का यह एक ही ग्रन्थ उपलब्ध है। इसमें डेट डिगल के अनिर्गुण संस्कृत भाषा के भी शब्द हैं। कहीं-कहीं पर कवि ने अपनी ओर से भी शब्द गढ कर रखने का प्रयत्न किया है। जैसे—'मधु' के अनेक अर्थ सूचित करने वाले शब्दो में 'विष्णु' नाम न लेकर समके स्थान पर माकत शब्द रखा है। \* मा = लक्ष्मी, कत = पति अर्थात् विष्णु। पर विष्णु के लिए माकत शब्द का प्रयोग डिगल ग्रन्थो मे नहीं देखा गया।

पूरा ग्रन्थ दोहो मे लिखा गया है जिससे कठस्थ करने मे बड़ी सुविधा रहती है। ग्रन्थारभ मे, प्रत्येक दोहे मे एक शब्द के अनेक अर्थ दिये गये हैं। आगे जाकर प्रत्येक दोहे मे दो शब्दो के अनेकार्थी क्रमशः पहली और दूसरी पक्ति मे रखे गये हैं।

'कविकुलबोध' की प्रति पर रचनाकाल और लिपिकाल न होने से इस ग्रन्थ के रचनाकाल के सम्बन्ध मे भी निश्चित रूप से कुछ कहा नहीं जा सकता।

\* अनेकारथी कोष—पृ० २६१, छद ५.

## एकाक्षरी नाम-माला :

इसके रचयिता कवि वीरभाणू रतनू भी हमीरदान के ही गाव घजोटे (मारवाड) के रहने वाले थे। इनकी जन्म-तिथि के सम्बन्ध में विशेष जानकारी नहीं मिलती। पर इतना तो निश्चित है कि ये जोधपुर के महाराजा अभयसिंह के समकालीन थे। यह उनके प्रसिद्ध काव्य-ग्रन्थ 'राजरूपक' से प्रमाणित होता है, जो अभयसिंहजी द्वारा किये गये अहमदाबाद के युद्ध की घटना को लेकर लिखा गया है। यह भी कहा जाता है कि कवि स्वयं युद्ध में मौजूद था।

उनका यह एकाक्षरी कोप आकार में बहुत छोटा है। महाक्षरण कवि रचित संस्कृत के एकाक्षरी कोप की छाया इसमें स्थान-स्थान पर मौजूद है। कोप बहुत ही अव्यवस्थित ढंग से लिखा गया है। इसमें न तो कोई क्रम अपनाया गया है और न अलग-अलग शीर्षक देकर ही कोई विभाजन किया गया है। ऐसी स्थिति में कई स्थानों पर अस्पष्टता रह गई है। ऐसा प्रतीत होता है कि कवि स्वयं कोप रचना में दिलचस्पी नहीं ले रहा है।

इस कोप की प्रतिलिपि नाइटाजी ने भिजवाई थी। उनके मतानुसार इसका लिपिकाल १६वीं शताब्दी का उत्तरार्ध है।

## एकाक्षरी नाम-माला

यह कोप भी वारहूठ उदयरामजी के कविकुलबोध' से ही लिया गया है। ग्रन्थ की दसवीं लहर या तरंग के अन्त में यह पूरा हुआ है। ऐसा क्रमानुसार लिखा हुआ पूर्ण कोप डिगल में दूसरा नहीं मिलता। संस्कृत, प्राकृत, और अपभ्रंस के कई कोपों में भी इस प्रकार की क्रम व्यवस्था कम देखने को मिलती है। अन्य कोपों की तरह इस कोप में भी कवि ने अपने विस्तृत ज्ञान का परिचय दिया है। ठेट डिगल के अनिर्दिष्ट संस्कृत के शब्दों का भी प्रयोग किया गया है, पर कहीं-कहीं तो जन-जीवन में प्रचलित अत्यन्त माघारण शब्दों तक को कवि ने अनोखे ढंग से अपनाया है। जैसे 'भँ' का अर्थ उन्होंने करभ-भेकतांवाजः अर्थात् ऊँट को बैठाते समय किया जाने वाला शब्दोच्चारण किया है, जो जन-जीवन में अत्यन्त प्रचलित है। ऐसे शब्दों का प्रयोग कवि के सूक्ष्म अध्ययन का परिचायक है।

संग्रहित कोपों में ३ कोप वारहूठ उदयरामजी के हैं। तीनों कोप अपने ढंग के अत्यन्त महत्वपूर्ण हैं। अतः डिगल-कोप रचना में उदयरामजी का विशेष स्थान है।

कोपों-लम्बवन्धी इस आवश्यक जानकारी के पश्चात् अब उनकी कुछ मामान्य प्रवृत्तियों का विवेचन किया जाता है जो इनके प्रयोग तथा मूल्यांकन में महायक होगा।

(१) इन कोपों में कई स्थल ऐसे भी हैं जहाँ जातिवाचक शब्दों के अन्तर्गत व्यक्तिवाचक शब्दों को भी ले लिया गया है। जैसे 'अप्सरा' के पर्याय गिनाते समय विशिष्ट अप्सराओं के नाम भी उन्हीं में समाहित कर लिये गये हैं। पर यहाँ एक ध्यान देने योग्य बात यह है कि डिगल के प्राचीन काव्य-ग्रन्थों में व्यक्तिवाचक शब्दों का प्रयोग जातिवाचक शब्दों की तरह भी किया गया है। एरावत इन्द्र के हाथी का ही नाम है पर साधारण हाथी के लिए भी प्रयुक्त होता रहा है। अतः समवतया ग्रन्थकारों ने इस प्रकार की प्रवृत्ति को ध्यान में रख कर ही यह प्रणाली अपनाई होगी।

(२) कई स्थानों में पर्यायवाची शब्दों का रूप एकवचनात्मक से बहुवचनात्मक कर दिया गया है। जैसे, तलवार के लिये—करवाणा, करवाळा आदि<sup>१</sup> घोड़े के लिये—हया, रेवता, साकुरा, अस्सा, जगमा, पमगा हैवरा आदि<sup>२</sup> यह केवल मात्राओं की पूर्ति के लिये तथा तुक के आग्रह से किया गया प्रतीत होता है।

(३) कही-कही पर्यायवाची देने के साथ, बीच-बीच में, वस्तु की विशेषताओं और प्रयोग आदि का वर्णन करके भी अपनी विशेष जानकारी को प्रदर्शित करने का प्रयत्न किया है। 'नूपुर' के पर्याय गिनाते समय उमसे शरीर में हर्ष मचरित होने वाली विशेषता की सूचना भी दी है<sup>३</sup> और 'नागरवेल' के पर्यायवाची शब्दों के साथ उमके प्रयोग का जिक्र भी किया है।<sup>४</sup> इसी प्रकार के कितने ही उदाहरण कोष्ठको में लिये हुए मिलेंगे।

(४) विद्वान् कवियों ने कई शब्दों की परिभाषा तक देने का प्रयत्न किया है। जैसे, प्राकृत को नर-भाषा, मागधी को नाग-भाषा संस्कृत को सुर-भाषा, और पिसाची को राक्षसों की भाषा कह कर समझाने का प्रयत्न किया है।<sup>५</sup>

(५) ऐसे शब्दों को भी किसी शब्द के पर्याय के रूप में ध्यान दे दिया गया है जो कि सही अर्थ में ठीक पर्याय न होकर कुछ भिन्न अर्थ व्यजित करने की भी क्षमता रखते हैं। जैसे 'स्नेह' के लिए 'संतोष' तथा 'सुख' आदि का प्रयोग।<sup>६</sup> इस प्रकार की उदारता थोड़ी-बहुत सभी कोषों में बरती गई है।

(६) जैसा कि पहले सकेत कर दिया गया है, कई कवियों ने अपनी चतुराई से भी शब्द गढे हैं जो बड़े ही उपयुक्त जंचते हैं। जैसे—ऊट के लिए 'फीरानाखतो'<sup>७</sup> तथा अर्जुन के लिए 'मरदा-मरद'<sup>८</sup> शब्द का प्रयोग किया गया है, पर ये शब्द प्राचीन डिगल कविता में उपरोक्त अर्थ में प्रयुक्त नहीं हुए। इस प्रकार शब्द-रचना की स्वतन्त्रता बहुत कम स्थानों पर ही देखने में आती है।

(७) कई स्थानों पर तो शब्दों के पर्यायवाची न रख कर केवल तत्सम्बन्धी वस्तुओं की नामावली मात्र दी गई है। उदाहरणार्थ—सताईम नक्षत्र नाम<sup>९</sup> शीर्षक के अतर्गत २७ नक्षत्रों के नाम गिना दिये गये हैं, जोकि सत्ताईम नक्षत्र के पर्यायवाची नहीं कहे जा सकते। इसी प्रकार चौईम अवतार नाम<sup>१०</sup>, मातघात रा नाम<sup>११</sup>, बारं रासा रा नाम<sup>१२</sup>, आदि के सम्बन्ध में भी यही युक्ति काम में ली गई है।

<sup>१</sup> डिगल नाम-माळा—पृ० २०, छंद ८

<sup>२</sup> डिगल-कोष —पृ० १७५, छंद ८१

<sup>३</sup> अवधान-माळा—पृ० १३४, छंद ४८५

<sup>४</sup> अवधान-माळा—पृ० १४२, छंद ५५६

<sup>५</sup> अवधान-माळा—पृ० १३१, छंद ४६०

<sup>६</sup> हमीर नाम-माळा—पृ० ६६, छंद २०१

<sup>७</sup> नागराज डिगल-कोष—पृ० २८, छंद ५

<sup>८</sup> हमीर नाम-माळा—पृ० ५५, छंद १२४

<sup>९</sup> अवधान-माळा—पृ० १३०, छंद ४४८, ४४९, ४५०, ४५१

<sup>१०</sup> अवधान-माळा—पृ० १३०, छंद ४४२, ४४३, ४४४.

<sup>११</sup> " " —पृ० १३१, छंद ४५६.

<sup>१२</sup> " " —पृ० १३१, छंद ४५२

(८) छन्द पूति के लिए कई निरर्थक शब्दों का प्रयोग करना भी आवश्यक हो गया है। प्रत्येक कवि ने अपनी इच्छानुसार छन्द-पूति करने की कोशिश की है। छन्द-रचना में कुछ कवियों ने कम-से-कम भरती के शब्दों को ध्यान दिया है पर कई कवियों ने पूर्ण पक्ति तक, अपने नाम की छाप लगाने को समाविष्ट कर ली है। आखो, आख, कहो, मुग्धो मुग्धात, चवो, चवीज, गिणो, गिणात आदि शब्द छन्द में गति उत्पन्न करने तथा मात्राओं की पूति के लिए बहुत प्रयुक्त हुए हैं। इस तरह के शब्दों व पक्तियों को कोष्ठको—( )—के भीतर ले लिया गया है।

आज के प्रजातान्त्रिक युग में भाषा और समाज के सम्बन्धों को अत्यन्त गहराई से हृदयगम करने के पश्चात् जब हमारी राष्ट्रभाषा और प्रान्तीय भाषाओं की उन्नति के लिए विशेष सज-गता के साथ प्रयत्न होने लगे हैं तो करीब डेढ़ करोड़ मानवों की भाषा राजस्थानी का प्रश्न भी अत्यन्त महत्वपूर्ण और विचारणीय हो गया है। ऐसी स्थिति में आधुनिक साहित्य के निर्माण के साथ-साथ उसके व्याकरण, शब्दकोष तथा भाषा के क्रमवद्ध इतिहास को प्रकाश में लाना बहुत आवश्यक है। राजस्थानी भाषा का व्याकरण तो प्रकाशित हो चुका है और राजस्थानी शब्द-कोष तथा भाषा के इतिहास पर भी राजस्थान के विद्वान बहुत लगन के साथ कार्य कर रहे हैं। ऐसी स्थिति में इन छन्दोवद्ध कोषों का प्रकाशन एक महत्वपूर्ण प्रामाणिक सामग्री का काम दे सकेगा। वर्तमान परिस्थितियों में इनकी विशेष उपादेयता को ध्यान में रख कर ही यह प्रकाशन किया जा रहा है, यद्यपि विभिन्न भारतीय भाषाओं में अन्तर्प्रान्तीय स्तर पर होने वाले शोध-कार्य में भी इनकी अपनी उपयोगिता है।

प्राचीन ग्रन्थों की बहुत ध्यानवीन करने तथा राजस्थानी भाषा के जाने-माने विद्वानों की सहायता लेने के बावजूद भी हमें केवल ६ कोप उपलब्ध हो सके हैं। राजस्थानी भाषा इतनी प्राचीन और समृद्ध है कि इसके अग्रणी हस्तलिखित ग्रन्थ विभिन्न संग्रहालयों के अतिरिक्त कितने ही लोगों के पास आज भी मौजूद हैं। ऐसी स्थिति में कुछ नये कोप तथा इन कोषों की कुछ प्रतियाँ और उपलब्ध हो जायें तो कोई आश्चर्य की बात नहीं।

श्री उदयरामजी उज्ज्वल, श्री सीतारामजी लाळस तथा श्री अरुणचन्दजी नाहुटा से हमें कई कोषों की प्रतियाँ उपलब्ध हुई हैं (जिनका उल्लेख यथास्थान कर दिया गया)। श्री सीतारामजी लाळस ने तो इस काम में विशेष दिलचस्पी लेकर 'हमीर नाम-माळा' के पाठान्तर निकालने में, कई शब्दों पर विचार करने में, तथा कई महत्वपूर्ण बातों की जानकारी प्राप्त करने में अन्त तक हमारी पूरी सहायता की है, जिसके लिये मैं इन विद्वानों का हृदय से आभारी हूँ।

राजस्थान लॉ वीकली प्रेस के मैनेजर श्री हरिप्रसादजी पारीक ने पूर्ण दिलचस्पी और परिश्रम के साथ ग्रन्थ के प्रूफ देखे हैं, अनुक्रमणिका बनाने में सहायता की है, तथा छपाई-मफाई में भी इस प्रकाशन के महत्व को समझ कर, विशेष ध्यान दिया है, जिसके लिए वे हादिक वन्यवाद के पात्र हैं।

अतः मैं जिन महानुभावों ने जिस किसी रूप में हमें सहायता प्रदान की है, उन सब का आभार प्रदर्शन करना मैं अपना अपना कर्तव्य समझता हूँ।

पर्यायवाची कोष-१

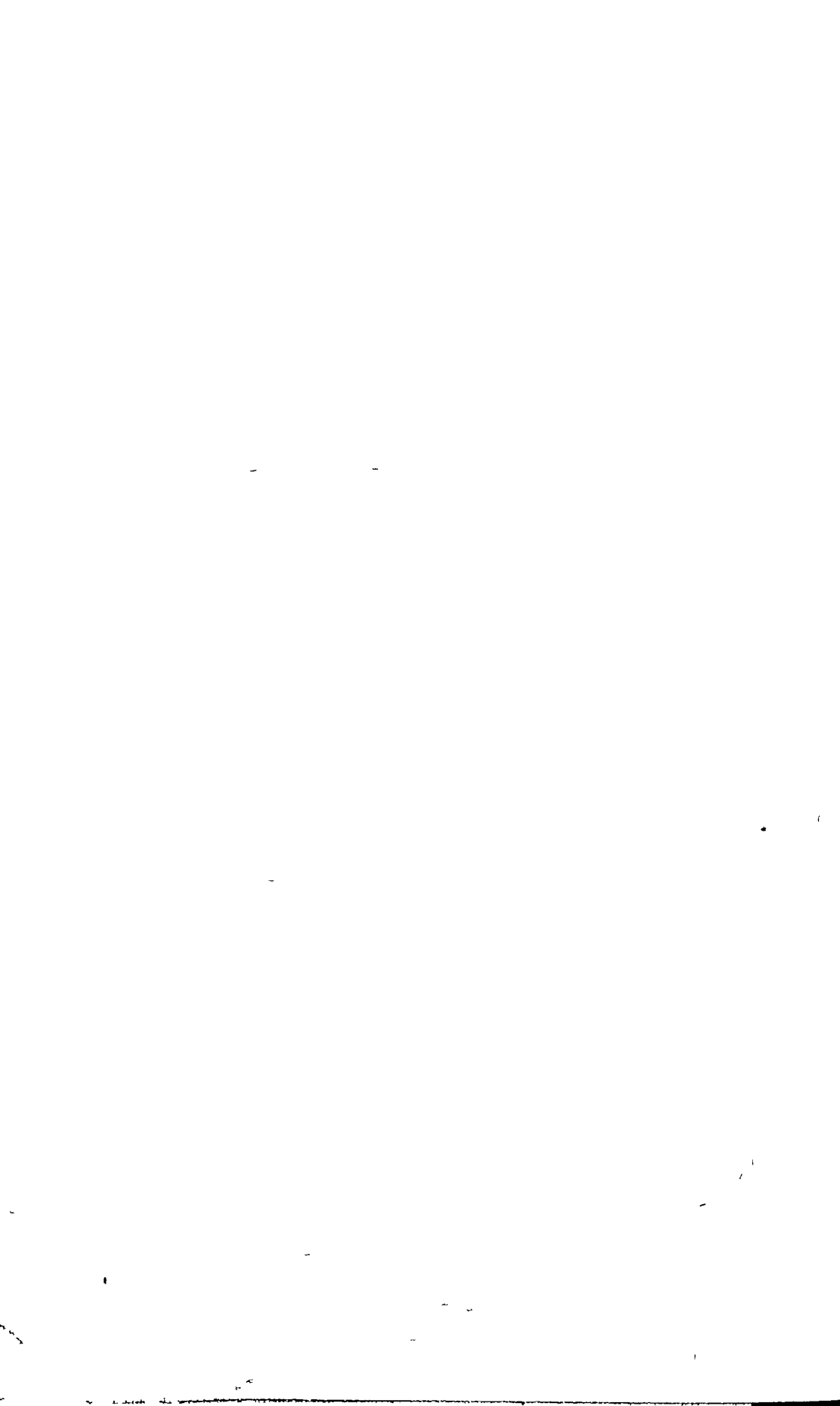
डिं ग ल नांम - माला

कविराज हरराज विरचित

---

---





## अथ उ डिगल नाम - माला

### राजा नाम

पार्थिव ख्योणीपति राज भूषाण रायहर ,  
नरवर ईस नरेद भाराकुळजा महिराणवर ।  
प्रजापाळगर (नाम)<sup>१</sup> जगतमावीत्र अजादे ,  
घणीमाळ—चोघार<sup>२</sup> भारभुज सिंह (सुनादे) ।  
अणवीह (काज) गाजागिरै सूरपति नरसिंह (कहि) ,  
(कर जोड राव हरियद लहि) राण राव (चे नाम सहि) ॥—१

### मंत्री नाम

मत्री गूढा-वाच वुधिवळ लायक (दखे) ,  
सचिवा (फिर) सचिवाळ राजअगधारसु (तख्ये) ।  
प्राभोपुरस प्रधान दारापुरघाण पुरोहित ,  
विरतीचख वरियाम फौजआभरण (जाण) मित ।  
अकहूतलेखाळ (कहि) मरद वजीरा जोघगुर ,  
(कर जोड एम पिगल कह्यो तिम रूपक हरियद कर) ॥—२

### जोधा नाम

सिंह सूर सामंत जोध भुजपाळ घडीभिड ,  
(भिडै) फौजगाहणा वेढ भीचा जोघार गिड ।  
अणीभमर वधिसमर अछरवर हंसा<sup>३</sup> (अखा) ,  
सवळ - दळा - गाहणा सूरजमडळ - भिद (सखा) ।  
रूपफौज (भूप आगळ रहै कवि पिगल अे नाम कहि) ,  
जोघार (जिसा भीमेण ज्यो) महा अडिग कमघाण(महि) ॥—३

### हाथी नाम

दती (कहि) दताळ अेकडसण लंबोवर ,  
द्विरद गैवरो द्विप्प गघमद (जाण) गल्लवर ।

१ इन कोष्ठको वाले शब्द छन्द - पूति आदि के लिए प्रयुक्त हुए है ।

२ घणीमाळ चोघार = घणी - माळ, घणी - चोघार ।

३ 'हंसा' शब्द अधिकतर अप्सरा के लिए प्रयुक्त होता है, पर शास्त्रो में योद्धा को विदेह भी कहा गया है । अत 'हंसा' का अर्थ योद्धा भी हो सकता है ।

सुडाडड सुडाळ मत्त मातग गजोवर ,  
 नाग कुजर भ्रग करी वारणा करीवर ।  
 दतुर दतुल (फेर दख चवि) चोडोळो चरणचतु ,  
 (पिंगल प्रमाण कवि पेखिय) गात्रशैल नागाण (गति) ॥—४

#### घोडा नाम

वाजि वाह वाजाळ पंख पखाळ विपखी ,  
 अर्वा (कहि) अर्वत ह्यं गंधर्व बलस्त्री ।  
 त्रिपद संधव तेज ताज तेजी वानायुज ,  
 कावोजो हसाळ जवण पुछाळ जटायुज ।  
 हैवर मनउपयग (मुणि) रेवत खैग खुरताळ रो ,  
 सावकर्ण चलकर्ण (सहि) पवणवेग पथाळ रो ॥—५

#### रथ नाम

वाहण सकट वडाळ अणे गाडो गाडोलो ,  
 सतअगो (कहि) सस्म (फेर) स्यदन सादाळो ।  
 चक्रणधुर चक्रळ भारवह-गात्र (भणिज्जै) ,  
 वाहळ (कहि फिर) वहळ माभवत रथ (सु मुणिज्जै) ।  
 अश्वरूढ ब्रखरूढ (कहि) अकुसमुख गजरूढ (गिरा) ,  
 (कहि हरियद) वाणावळो दसचरण दुधार (भण) ॥—६

#### ब्रखभ नाम

सौरभेय सीगाळ (कहि) ब्रखभ अनडुहो (गाइ) ,  
 धरिधारण कवाळधुर वाहण-सभु (कहाइ) ॥—७

#### तरवार नाम

असि करवाणा खग (भटा) करवाळां तरवार ,  
 वीजळ सार दुधार (वदि) लोहसार भटसार ॥—८

#### कटारी नाम

सर्पजीह दुवजीह (दख) कोरठ सार कटार ,  
 महिखजीह कुतळमुखी हथ्यहेक (अणहार) ॥—९

#### फरी नाम

फरी चर्मफालिक (कहो) रख्यातरण (अणुभाण) ,  
 सहण सुखण गज सहम (कहिभणो) गोळ-जिम-भाण ॥—१०

धुरभी नाम

संकू कु तळ वुरछ (कहि) डागळा वुरछाळ ,  
नेजरूप घजरूप (कहि) घमीडां-मुख-काळ ॥—११

तीर नाम

पंखी (कहि) पंखाळ विसिख वाणाळ सुवद्दं ,  
अजिहमग (कहि) अलख खग्ग (कहि) खुहम निखद्द ।  
कक्रवा करडड (कहो) मारगण अगणाळ ,  
पत्री (कहि) विणपख्य रोख-इखा इखघाळा ।  
खेड मेड खगाळ (कहि) नाराचा निरवाण (रो) ,  
नीरस्ता नाराट नख खुरसाणज खुरसाण (रो) ॥—१२

घरती नाम

घरा घरत्री धार घरणि ह्योगी धूतारी ,  
कु प्रथु प्रथ्वी काम सर्व-सह वसुमति (सारी) ।  
वसुधा उरवी वाम खमा वसुधर ज्या (दख) ,  
गोत्रा . अवनी गाई-रूप मेदनी (सुलख्य) ।  
विपुला सागर-अवेरा<sup>१</sup> खुरखूं (दीखै (गाळरा) ,  
राजाप्रथूचीपरठि (रटि) वरियण (आग) वज्रगरा ॥—१३

पुन घरती नाम

तु गा वसुधा इळा भूम भरथरी भडारी ,  
जमी खाक दरदरी घरा घरणी धूतारी ।  
मूळा महि रखमडप मुक्तवेणी सुरवाळी ,  
अमर आदि गिरधरणि सुथिर सुदर सहिलाली ।  
भूला छिकमल गोरभ गरद (घासिविया भूपति घणा ,  
(कर जोड़ कवित पिगल कहै तीस नाम घरती-तरणा) ॥—१४

अकास नाम

दिवारूप दिव (दख्य) अभ्रमारग आकास ,  
व्योम (कहि) व्योमाळ ग्रहाचोरहण अवास ।

१ 'सागर-मेखळा' शब्द तो पृथ्वी के लिए प्रयुक्त होता है पर 'सागर-अवेरा' शब्द का अर्थ स्पष्ट नहीं होता, सम्भवतः सागर है अवर (वस्त्र) जिसका 'से तात्पर्य हो ।

पुहकर अवर परठ अतरिख नभ (फिर अख्य) ,  
गगन (नाम) गण - अभ अनत सुरमारग (सख्य) ।  
अतराळ अवराळ (कहि) अच्छर - ऊपर - गायरा ,  
(कर जोड अेम हरियंद कहि नमो तेथ) घर - नायरा ॥—१५

#### पाताळ नाम

अधो - भुवन पाताळ (ग्रहा कहीजै जिण वळि रो) ,  
नागलोक निरवाण कुहर (कहि तिण) रसतळ (रो) ।  
सुखरा - मारग - सरस विवर (जिण थी वाखाण) ,  
गरता अवटा गरट (जेथ फिर) जळनीवाण ।  
अधकार आकार (कहि तामिश्रां चै तोलिय) ,  
(कर जोड अेम हरियद कहि अे पाताळा वोलिय) ॥—१६

#### अपसरा नाम

नुरवेस्या (कहि) अच्छरा उरव्वसी (अभिराम) ,  
मेनक रभ घृतायची सुकेसी तिलताम ॥—१७

#### किन्नर नाम

अस्वमुखा किन्नर (कहो जे घोहड हदे नाम) ,  
(ते मुख हूती जोडिजै मयु किन्नर अभिराम)<sup>१</sup> ॥—१८

#### समुद्र नाम

समुद्रा कृपार अवधि सरितापति (अख्य) ,  
पारावारा परठि उदधि (फिर) जळनिधि (दख्य) ।  
सिंधू सागर (नाम) जादपति जळपति (जप्प) ,  
रतनाकर (फिर रटहु) खीरदधि<sup>२</sup> लवण (सुथप्प) ।  
(जिण धाम नाम जंजाळ जे सट मिट जाय ससार रा ,  
तिण पर पाजा वधियां अे तिण नामा तार रा ॥—१९

#### पर्वत नाम

महीधरा कूधर (मुणो) सिखिर दखत (चय सोय) ,  
(धर) पर्वत धारीधरा अग्रग्राव गिर (जोय) ॥—२०

१ घोड़े के सभी पर्यायवाची शब्दों के आगे मुख शब्द जोड़ देने से किन्नर के पर्यायवाची शब्द बनते हैं, जैसे—रवतमुखा, तुरगमुखा आदि-आदि ।

२ खीरदधि लवण = खीर - दधि, दधि - लवण ।

ब्रह्मा नाम

घाता ब्रह्मा (घार) जेष्ठसुर अतम - भवन ,  
परमाइस्ट परठ पितामह हिरण - उपवन ।  
लोकईस ब्रह्माज (कज्ज) देवाण (मुकरिय) ,  
(धराहेत किह धुनि) चतर चतारण (चविय) ।  
विरच (नाम वाखाणिय) वछचोर साहोगमन ,  
(कर जोड अेम हरियद कहि जे सता वासिट चवन ॥—२१

विष्णु नाम

नारायण निरलेप निगुण नामी नरयद ,  
किसन रुकमणिहार देवगण अहिग वद<sup>१</sup> ।  
वैकुंठा - ग्रह - विमळ दैत - अरि (कहो) दमोदर ,  
केसव माधव चक्रपाणि गोविंद लाछवर ।  
पीतावर प्रह्लाद - गुर कछ - मछ - अवतार<sup>२</sup> (किय) ,  
(कर जोड अेम हरियद कहि नमो नमो जिण वेद गिय) ॥—२२

सिव नाम

पसुपति सभू परब्रह्म जोगाण गाणावर ,  
माहेसुर ईसाण सिव सकर त्रिसूलधर ।  
नागाणद नरयद जोग वासिद् सारविद ,  
त्रिहृलोचन (रत तास अग भभूत सुघसत) ।  
पारवतोपती जख्यपति भूतापति प्रमथापति ,  
(कर जोड अेम हरियद कहि नमो नमो) नागापति ॥—२३

देव नाम

जरारहित (जिण अग सोभा आकास) ,  
आदितपुत्र (अहिनाण अखिल सुरलोक अवास ।  
अमृत - पान - आधार विवुध (कहि) दानव - गज्ज ,  
(अगा आभा अमळ रोम तारागण सइभ) ।  
(तेतीस कोड सख्या तवी सेससिरोमण माहि सहि ,  
कर जोड अेम हरियद कहि कुसललाभ देवाण मयि ॥—२४

१ देवगण अहिगण वद = देवगण - वद, अहिगण - वद ।

२ कछ - मछ अवतार = कछ - अवतार, मछ - अवतार ।

सोई ग्रथा थी सुण्यो, जोई वरिणय जाण ।  
 सोई जोई घर मुकवि, आदि अत अहिनाण ॥—२६

धू अवर जा लग घरा, रिधू राम ज्या राज ।  
 ता पिगल आखी तवा सकळ सिरोमणि साज ॥—२७

इति श्री महाराजाधिराज महारावल श्रीमाल  
 पाटपति तस्यात्मज कुवर सिरोमणि हरिराज  
 विरचिताया पिगल सिरोमणे उडिगल-नाम-  
 माळा चित्र कथनं नाम मप्तमोध्याय ।

स १८०० वर्षे श्रावण सुदि ९ चन्द्रवारे लि प्रो दुर्गादास  
 गुमानीराम । सेवग वसुदेवजी तत्पुत्र सदाराम पठनार्थ ।

पर्यायवाची कोष-२

ना ग रा ज ङि ग ल - कोष

नागराज पिंगल विरचित

---





## नागराज ङिगल - कोष

नागराज ङिगल विरचित

### अगनी नाम

धिधक घोम वनि दहन जळण जाळण जाळानळ ,  
हुतासण पावक भोम सुरामुख उळत अळियळ ।  
मगळ अगनी जुनी ऋपीठ दावानळ (देखहु) ,  
साथण<sup>१</sup> क्रोध समीर हाडजळ अनळ अदोखहु ।  
वेदजा कुण्ड हुतभुख वहन अघर असम (इण विध वही) ,  
(कव कवत अहे ङिगल कहै तीस नाम) जाळानळ-(सही) ॥—१

### इन्द्र नाम

मघवा इन्द्र महीप दीपसुरलोक आखडळ ,  
सचीराट मामन्त वैर वैत्रासुर - तडल ।  
कौशक धारणवज्र पाकसासन जववेदी ,  
परहुत कळत्रच्छकेळी काराग्रह - राक्षमकैदी ।  
(तस पुव जयत सुतपाभगत) कळधारण विरखाकरण ,  
(कव कवत अहे ङिगल कहै बीस नाम) इन्द्ररह (तण) ॥—२

मुनासीर सुरईस सहसचख (जिमा) सचीपति ,  
पराखाड दुरातसत्य पाकसासन पूरवपति ।  
रिपवळी रिखप स्वराट हरी वासव जळधारी ,  
त्रिखा हलमि विवह मेघवाहण वरनारी ।  
सत्यमृत्यु भूत्राम निरध्यक्रव अछरवर आखडळी ,  
उग्रवन्त इन्द्र विडोजा हरि (इन्द्र नाम इण मडळी) ॥—३

### हाथी नाम

एरापत गज सहड सिंधुर मातग गणोसर ,  
सारग कुकम करी अथग फौर्जा-अग्रसर ।  
तवेरव - भू डाळ ढीलढाळो ढळकतो ,  
देवळ - थभो (दुरस मेर) हसत महमतो ।

१ साथण क्रोध समीर=साथण - समीर, साथण - क्रोध ।

गज - सावज (कहिये) गहीर कौसक - वाहरण अतुर-क्रम ,  
(कव कवत अहेह पिंगल कहै बीस नाम) गजराज (इम) ॥—४

## ऊट नाम

गिडग ऊट गघराव जमीकरवत जाखोडो ,  
फीरानाखतो (फवत) प्रचड पागळ लोहतोडो ।  
अरियाळा उमदा आखरातवर (आछी) ,  
पीडाढाळ प्रचड करह जोडरा काछी ।  
(उमदा) ऊट (अति) दरक (द्रव) हाथीमोला मोलघरा ,  
(कव कवत अहेह पिंगल कहै बीस नाम) ऊटा (तरा) ॥—५

## समुद्र नाम

उदध अब अराथाग आच उधारण अळियळ ,  
महरा (मीन) महाराण कमळ - हिलोहळ व्याकुळ ।  
वेळावळ अहिलोल वार ब्रहमड निधूवर ,  
अकूपार अराथाग समद दध सागर सायर ।  
अतरह अमोध चडतव अलील (बोहत) अतेरूडूववरा ,  
(कव कवत अहेह पिंगल कहै बीस नाम) सामद (तरा) ॥—६

## घोडा नाम

वाज तुरग विहग असव ऊडड उतगह ,  
जगम केकारण जडाग राग भिडग पमगह ।  
तुरी घोडो तोखार वाज वरहास (बखारणो) ,  
चीगो रूहीचाळ वरवेरण (बखारणो) ।  
(बावीस नाम वाणी बोहत कवि पिंगल कीरत कही ,  
(अथ आद देखे मता) सबळ (नाम सारा सही) ॥—७

## घरती नाम

तुगी वमुधा इळ भोम भरथरी भण्डारी ,  
खाक जमी दरदरी घरती घूतारी ।  
मही सूळा रिरामडप मुगत वेहरी खिरावाळी ,  
अचळा- उदै गिरघरण सुथर सुन्दर सोहलाळी ।  
अटळज भूला चिगरज गिरद (घासावरा भूपत घरा) ,  
(कव कवत अहेह पिंगल कहै तीस नाम) प्रथवी (तरा) ॥—८

तरवार नाम

खाडो किरमर खग घडच वाकल वाराळी ,  
 सुधवट्टी समसेर मालवन्वरा मूछाळी ।  
 कडवांधी केवाण विजठ वाराणस चमक्की ,  
 तोल धूप तरवार सगत आसुधर चक्की ।  
 किरमाळ सूर-भटका-करण (घण मरद वाधै घणा) ,  
 (कव कवत अहे पिंगल कहै तीस नाम खाडे तरणा) ॥—६

महादेव नाम

ईसर सिव हर अरु वरखव - धुज ब्रह्म कपाळी ,  
 सभु रुद्र भूतेस त्रयण तौडण मभताळी ।  
 अकलिंग लोदग गगसिर भग - अहारो ,  
 नीलकठ मुरनैण वाराणपत्ती जटधारी ।  
 सिसमत्थ विहारी सूळहथ गिरजापत वासव (गिणा) ,  
 (कव कवत अहे पिंगल कहै तीस नाम) सकर (तरणा) ॥—१०

भाला नाम

भालो सेल त्रभाग ऊळळ वभेळ सावजळ ,  
 कूत अणी असि (काज) अलळ भाळामुख सावळ ।  
 खिवण डहण अतखभ ग्रहण - वैरी उग्राहण ,  
 सापिण...छडाल साग गाजा चौघारण ।  
 वळकती - केळ लसकर (वळे) करणपोत हसती-कणा ,  
 (माम रै सुकर सोहै सदा तीस नाम वरछी तरणा) ॥—११

सूरज नाम

तरण दिवायर तिमहर भांण द्रहपती भासकर ,  
 हीर जुगण मिरण महर रसण आराण रातवर ।  
 रानापति दिवे विव मित्र हर हस महाग्रह ,  
 पिंगळ विरळ पतग धीर सामळ जगचखह ।  
 आदीत उदोत सपत हरमोद समडळ चक्रधर ,  
 (छतीस नाम) सूरज किरमाळ ज्योत विरोचन तिमरहर ॥—१२

आख नाम

चरस आख चामणी नैत्र दिग नजर निरम्मळ ,  
 लोचण कायालज जोय रतन कायाजळ ।

कामघीठ कटाक्ष रार मोहन मनरजन ,  
 (काम सिव काज भवन) विमळ जगभाळण ।  
 (वावीस नाम वांगी वोहत जाणाग गुहियण लहै) ,  
 (कव कवत अहे पिगल कहै अयनवीम) चक्षु (चहै) ॥—१३

### सेर नाम

अगपत आननपच सिंघ सादूळ मतग - रिप ,  
 किंदर - ग्रह कठीर (लाड) दीरघ - छल करछिप ।  
 लोहलाठ लकाळ भूप - वन रिण - नह - भागह ,  
 सनमुख - भाला - सहण जोग एकवळा (जागह) ।  
 केसरी खिणकर चोळचख दुडराव आसद्वनख ,  
 सारग (गाम पिगल) सवज अवनवीस (सजा दिखत) ॥—१४

### गरुड नाम

सुतपावहन (सरस) दुरस खगराज (दरसिये) ,  
 नागान्तक निखळ मरुतभानह (गुण ग्रसिये) ।  
 वेन - तनय लघुअसण चरणद्वै भुजा - वेद - चव ,  
 वायु - विरोधी जतीवाह कसप - तनु (हेकव) ।  
 तारक्ष भक्ततारणतरण (सीतहरण सीतासमर) ,  
 (वसु अयन नाम पिगल वचन) गरुड (नाम गाढा गुधर) ॥—१५

### पाणी नाम

भू अल हर अव भख तरग भ्रजण जोतवळ ,  
 रग पाणी टातव भोमीवळ (है) सेतवळ ।  
 नीर वार नीलठा छापि सी थट्ट वधाणी ,  
 नर अतर नीचघ - पणग पयोहवा आणी ।  
 भरनाळ अभुत उदग गगाजळ उजळ सीतळ (अखही) ,  
 (तीस नाम पाणी तरणा कवत अहे पिगल कही) ॥—१६

### पुन हाथी नाम

एरावत गज सिहर सिधूर गण खभ गणोसुर ,  
 मदकरणा उदमद् (वर्ण) अगखभ वर्णोसुर ।  
 ढाह ढोह ढीचाळ ढीलढाळो ढळकतो ,  
 अतीसील आवरत मैर हसतो मयमतो ।

सू डाळ सकज (ओपी) सथिर (घणु विसद आगळ घणा ,  
(कवि नागराज पिंगल कहै वीस नाम) हसती (तरणा) ॥—१७

मेघ नाम

पावस प्रथवीपाळ वसु हव्र वैकु ठवासी ,  
महीरजण अंव मेघ इलम गाजिते - आकासी ।  
नैणो - सघण नभराट ध्रवण पिंगळ धाराघर ,  
जगजीवण जीभूत जलद जळमडळ जळहर ।  
जळवहरा अन्न वरसण सुजळ महत-कळायण (सुहामणा) ,  
परजन्य मुदिर पाळग भरण (तीस नाम) नीरद (तरणा) ॥—१८

चन्द्र नाम

निसमडण निसनैण सोम सकळ की ससिहर ,  
राजा रतन निरोग इद्रु दुज जटा - अमीभर ।  
मयक अगाअक अम्व नरजपूरी तारापत ,  
रोहणीवर राकेस किरण - ऊजळ सकळीव्रत ।  
वादल<sup>१</sup> कमोदी निसचरण प्रमगुरु उडूपती सीमग (सुय) ,  
चकवी-वियोग चकोट विधु चन्द (नाम) सुभ्र (सन्नदुय) ॥—१९

पुन सिंह नाम

गजरिपु साहल ग्रीठ वाण वनराज कठीरव ,  
पचायण गहपूर वाघ (जच) सिख भुभारव ।  
महाताव अगराव सीह कठीर सहारण ,  
काळ ककाळ नहाळ दुगम दाढालह डारण ।  
अमल मयद अणभग हरी मगहदी जख अगमारण ,  
पचाण (सित पिंगल कहै तीस नाम) केहर (तरणा) ॥—२०

१ 'वादल' शब्द का अर्थ चन्द्रम होने में सशय है ।



पर्यायवाची कोष-३

हमीर नाम - माला

हमीरदान रतनू विरचित

---





श्री गणेशाय नमः श्री सारदाय नमः.

## अथ हमीर नाम - माला

### गीत बेलियो

#### गणेश नाम

गणपति हेरव लवोदर गजमुख ,  
सिद्धि - रिद्धि - नायक<sup>१</sup> वृद्धि-सदन ।  
एकदत्त<sup>२</sup> सूंडाळ विनायक ,  
परमानन्द<sup>३</sup> (हुयजै प्रसन्न) ॥—१

#### पारवती नाम

(तूभ्र) मात<sup>४</sup> गोरी पारवती , हरा सकरी<sup>५</sup> वीस-हृत्थी<sup>६</sup> ।  
उमा अपरणा अजा ईसरी , काळी गिरजा सिवा (कथी) ॥—२  
देवी सिंघ - वाहणी दुरगा , जगजगणी<sup>७</sup> अविक्का (जिका) ।  
भगवती चडका भवानी , त्रपुरासुर - स्यामणी<sup>८</sup> (तिका) ॥—३  
माहेस्वरी तोतळा<sup>९</sup> मगळा , सरवाणी त्रिसकत्<sup>१०</sup> सकत् ।  
तुलज्या<sup>११</sup> त्रिलोचना कात्यायनी , महमाया (हुयजे मदति) ॥—४

#### मूस नाम

मूसक<sup>१२</sup> ऊदर<sup>१३</sup> खणक सुचीमुख, वजरदत्त आखू असवार ।  
देवा - आगीवाण<sup>१४</sup> (हुकम दे भरणू सुजस राधा - भरतार) ॥—५

#### सरस्वती नाम

भाख गी सरस्वती भारती , वाक्य गिरा गो वच वचन ।  
ब्रह्मणी सारदा सुवाणी , धवळा - गिर - वासणी (घन) ॥—६

(अ) ५ सकरा ६ वीस-हृत्थि ७ जगजननी ।

(ब) १ सिंघ - बुधिनायक २ एकरदन ३ परमनदन ४ तुहिज मात ५ सुरसामिणि  
६ तोतला ७ त्रिसकत् ११ तुलजा १२ मुस्यक १३ ऊदिर  
१४ देवा - आगेवाण ।

## हस नाम

चक्राग्रग धीग्ट मुकताचर मानसूक<sup>१</sup> अविदात<sup>२</sup> मराळ ,  
हस सुचलि लीळग - वाहणी (ऋपा राखि जिम कथा ऋपाळ<sup>३</sup> ॥—७

## बुद्धि नाम

धी प्रगना<sup>४</sup> मनीखा धिखणा ,  
मेधा आसय<sup>५</sup> समभ मति ।  
अकलि<sup>६</sup> चातुरी सुवुधी (आपजै ,  
प्रभणा गुण त्रिभवण - पति) ॥—८

## परमेस्वर नाम

त्रिभुवणनाथ<sup>७</sup> रणछोड़ त्रिविक्रम<sup>८</sup> ,  
केसव माधव ऋण<sup>९</sup> किल्याण<sup>१०</sup> ।  
परमेस्वर करतार अपपर ,  
प्रभु परमगुरु पुरिखि - पुराण<sup>११</sup> ॥—९

हर<sup>१२</sup> रुधवस<sup>१३</sup> विसंभर नरहर ,  
गोविंद जगतारण<sup>१४</sup> गोपाळ ।  
मोहण वाळमुकंद मनोहर ,  
देव दमोदर दीनदयाळ ॥—१०

कानड रासरमण करणाकर ,  
अतरजामी अमर अनंत ।  
वीठळ व्रजभूखण लिखमीवर<sup>१५</sup> ,  
भूधर भगतवछळ भगवत ॥—११

सामळ कमळनयण मधूसूदन ,  
घरणीघर सेवग - साघार ।  
वामण<sup>१६</sup> वळिवंधण जगवदण ,  
कंसनिकदण नंदकुमार ॥—१२

- (अ) . ४ प्रागिरा ५ आसई ६ अकल ७ त्रिविक्रम ११ पुरख-पुराण १२ हरि  
१३ रघुवम १४ जगतारण १५ लिखमीस्वर १६ वावन ।  
(ब) १ मानसोक २ अविदात ३ त्रिषाळ ७ त्रिगुणनाथ ८ किसन १० कल्याण ।

असुर - दहण<sup>१</sup> घर - भार उतारण ,  
धू - तारण नरसिंघ<sup>२</sup> सधीर ।  
वासुदेव केवल जदूवसी ,  
[विसन किसन अवगत वळि - वीर]\* ॥—१३

मुरळीघर सुदर वनमाळी ,  
गोकळनाथ चरावण - गाय ।  
[निराकार निरगुण नारायण]† ,  
[रुकमणकथ सिरोमण - राय]‡ ॥—१४

रीखीकेस<sup>३</sup> राघव सारगी ,  
सुरनायक असरणसरण ।  
पुरखोतम<sup>४</sup> धारण - पितावर ,  
वारिजलोचण घणवरण ॥—१५

घणनामी अवगति<sup>५</sup> आणदघन ,  
आदपुरख<sup>६</sup> ईसर अखळीस ।  
चिदानद पावन अघमोचन ,  
जनम - मरण - मेटण जगदीस ॥—१६

सारंगधर गिरधर जगसाई<sup>७</sup> ,  
अलख अगोचर अजर अज ।  
भवतारण भैहरण त्रभगी<sup>८</sup> ,  
घणी महणमह गरुडघज ॥—१७

व्र दावनवासी व्रजवासी ,  
अवणासी<sup>९</sup> अवतार - अनेक ।  
जोतस्वरूप<sup>१०</sup> अरूप निरजण ;  
अणहद - सवद<sup>११</sup> परमपद एक ॥—१८  
पतराखण श्रीपत सीतापत ,  
निकळंक निगम निरोत्तम (नाम) ।

(अ) २ नसघ ३ रूखीकेस ४ पुरसोतम । [\*विस्वक सेन विसन वळवीर] ।

† [रुखिमिणिकत मिरमण - राय] ।

(ब) १ असुर - दहण २ अविगत ३ आदिपुरसि ४ अकलीस ५ जळसाई ६ त्रिभगी  
१० जोतिमरूप ११ अनहद । [ †निकळंक निराकार नारायण] ।

लकलियण सहोदर - लिखमण ,  
रुघराजा रावण - रिपु राम ॥—१६

पदमनाभ चत्रभुज चक्रपाणी ,  
मछ कछ आदि - वाराह मुरारि ।  
पार - अपार सकळ - जगपाळक ,  
वहोनामी<sup>१</sup> (सूरत वळिहार)<sup>२</sup> ॥—२०

#### ब्रह्मा नाम

[ऊ ओ ब्रह्मा आतमभू]<sup>\*</sup> ,  
विधि कोलाळी चत्रवदन ।  
घाता वेधा दुहिण विघाता ,  
वेद - भेद - समभण - वचन ॥—२१

परमेसटी विरच पितामह ,  
कमळासण कमळज लोकेस ।  
(कै) सुरजेठ हस जगकरता ,  
हिरण - गरभ<sup>३</sup> अज जनक - महेस ॥—२२

#### सिव नाम

सरव महेस ईस सिव सकर ,  
भव हर वोमकेस भुतेस ।  
सभू अचलेसर<sup>४</sup> कोटेसर<sup>५</sup> ,  
जोगेसर<sup>६</sup> जटघर जोगेस ॥—२३

महादेव रुद्र भीम पचमुख<sup>७</sup> ,  
सामी<sup>८</sup> चंद्रसेखर<sup>९</sup> समराथ ।  
धूरजटी श्रीकठ प्रमथाधिप<sup>१०</sup> ,  
नीलकंठ पारवतीनाथ ॥—२४

[त्रिवक भारग पिनाखी त्रिनयण] † .  
वामदेव उग्र ईसवर ।

(अ) ४ अचेम्बर ५ कोटेस्वर ६ जोगेस्वर ७ स्वामी ८ चंद्रसिखर ९ प्रमुथादिप ।

† [अव - सरव पिनाकी त्रिनयन] ।

(ब) १ वहनामी २ सूरति वळिहार ३ हरणि - गरभ ४ पचमुख ।

\* [ओ ब्रह्मा ओहिज आतिमभू] ।

पीअण - जहर<sup>१</sup> गिरीस कपरदी ,  
धमळ - आरोहण<sup>२</sup> गगधर ।

सूरज नाम

(सत-रज-तम-गुण विष्णु ब्रह्म सिव ,  
त्रण देवत वसुदेव तण) ।  
जोत-प्रकासण कोटि सूरज (जिम) ,  
कमळ - विकासण दिनकरण ।  
मारतुड हरिहस गयणमण ,  
वीरोचन रानळ<sup>३</sup> सुवर ।  
[भाण अरजमा पतग भासकर]\* ,  
[कासिप - सुतन रवि सहसकर]† ॥—२७

प्रभा विभाकर वरळ ग्रहापत ,  
अरक करम - साखी आदीत ।  
मित्र चित्र भाणू असुमाळी ,  
प्रद्योतन उद्योत प्रवीत ॥—२८

विवसवान दुतिवान विभावसु ,  
तरण तपन सविता तिगम<sup>४</sup> ।  
रातवर भगवान निसारिप ,  
जनक‡ - जमण - सिन - करण-जम ॥—२९

[उस्म-रस्म अहिमकर विधिनयण]♦ ,  
दुणियर तपघण<sup>५</sup> मिहर<sup>६</sup> दिनद ।  
(धन वडिम गोवरधन धारण ,  
चख यक सूर वियोचख चद) ॥—३०

चन्द्र नाम

सोम सुधासु सिसि सिस्तिर ,  
कळानिधि उडपति<sup>७</sup> सकळक ।

(अ) <sup>१</sup> पीवण - जहर <sup>२</sup> धवळ - आरोहण <sup>४</sup> राचल <sup>५</sup> तिगम ।

\* [भाण अरकमा पतग भास्कर] † [कासिपसुत रवि सहसकर] ।

(ब) <sup>५</sup> दिणियर <sup>६</sup> मिहर <sup>७</sup> उडपत ♦ [नसन रसमि अहिमकर ववन अनि] ।

‡ जनक - जमण जनक - सिन, जनक-करण, जनक - जम ।

कुमदवधु श्रीवधु<sup>१</sup> हेमकर<sup>२</sup> ,  
अग - अक दुजराज मयक ॥—३१

सुभ्रकर किरणसनेत समदमुत ,  
रोहणी धव - नखत्रेस निरोग ।  
डू श्रीखदी - ईस अम्रतिमय ,  
विधू रतन चक्रवाक - वियोग ॥—३२  
प्रमगुरु सोलह - कळा सपूरण ,  
(पौहचि वडी तै वडी प्रमाण) ।

#### समुद्र नांम

मथण महण दध<sup>३</sup> उदध<sup>४</sup> महोदर<sup>५</sup> ,  
रेणायर सागर महाराण<sup>६</sup> ॥—३३  
रतनागर अरणव लहरीरव ,  
गौडीरव दरीआव गभीर ।  
पारावार उघधिपत मछपति ,  
[अथग अवहर अचळ अतीर]\* ॥—३४  
नीरोवर जळराट<sup>७</sup> वारनिधि ,  
पतिजळ पदमालयापित<sup>८</sup> ।  
सरवान सामद ,  
महासर<sup>९</sup> अकूपार उदभव-अम्रति<sup>१०</sup> ॥—३५

#### नदी नांम

नदी आपगा धुनी निमनगा<sup>११</sup> ,  
परवतजा जळमाळा (पणी) ।  
[श्रोताश्रोत श्रवेती श्रवती]† ,  
तटणी तरगणी (नाम- तिणि) ॥—३६  
वाहा जभाळणी<sup>१२</sup> प्रवाहा ,  
सेलवरणी निरभरणी<sup>१३</sup> साव ।

(अ) ७ जल - रास ८ पादमालय - पार्वत ९ महासूर १० उदध - यम्रत ११ निहगा  
१२ जवाहणी \* [अथ अवहर अतर अतीर] ।

(ब) १ सीमत २ हिमकर, हमकर ३ दधि ४ उदधि ५ महोदधि ६ महिराण  
१३ नीभरणी † [श्रोत श्रोतस्वती श्रवती] ।

कुलय रवगा वाहणी कुलया ,  
 सिंधु दीपवती सभलाय ॥—३७  
 [(सरित तरणौ पती गिरिण सायर)\* ,  
 मेघ सिध तरणो मैहराण ।  
 सदा वास करि पौढे सुखिया ,  
 (विसन समद जामात वखाण) ॥—३८

तरग नाम

उरमी वेळ किलोळ (आखीजै) ,  
 (तविजै) भ्रमर इलोळ तरग ।  
 [वेलू छौळ उरमावळि वीची]† ,  
 (भरिण) नुतकळी कावळी भग ॥—३९  
 (तास नाम) वेळावळ (तवीजै) ,  
 वेळा उळधी उजळ वहाय ॥—४०

लिखमी नाम

वेळा - वळधी श्रीया (वचाई) ,  
 प्रभा रमा रामा भा पदमा ।  
 कमळा चपळा (ताई कहाई ॥—४१  
 लेखवि (नाम) इदरा लिखमी ,  
 (लिखमी - वर नाइक सुरलोक ।  
 सहिवाता राखे हरि सारै ,  
 थारै भला हुअै सह थोक) ॥—४२

गगा नाम

जगपावन त्रिपथा जाहनवी<sup>१</sup> ,  
 सुरगनदी सुरनदी (सुचग) ।  
 सरितिवरा<sup>२</sup> रिखधुनी<sup>३</sup> हरसिरा ॥—४३  
 गोम - गमण हेमवती गग ,  
 सहसमुखी आपगा सुरस्मरी ।

(अ) <sup>१</sup> जन्हवी <sup>२</sup> सरतवरा <sup>३</sup> रिखव - धुनी \* [सरता तरणो पती गिरिण साग(य)र]  
 † [वेल छौळ उमवि वळ वीची] ।



भागीरथी त्रिपथगा (भाळि) ,  
मदाकनी हरिपदी (महिमा) ।  
(पवित्र हुई हरि - चरण पखाळि) ॥—४४

## जमना नाम

जम - भगनी कार्ळिद्री जमना ,  
जमा (वळै) सूरिजिजा (जाणि) ।  
ऋणा (तास पासि की कीळा ,  
विसन वाळ - लीला वखाणि) ॥—४५

## सरप नाम

सरप दुजीह फणी पवनासरा<sup>१</sup> ,  
आसी - विख विखघर उरग । ।  
गरलस भुजग<sup>२</sup> भुजीस भुजगम<sup>३</sup> ,  
पनग<sup>४</sup> सिरीश्रय गूढ - पग ॥—४६

दद - सूक<sup>५</sup> भोगी काकोदर ,  
कु भीनस दरवीकर काळ ।  
चील प्रदाकु कचुकी चक्री ,  
वक्राती जिह्मग<sup>६</sup> अहि व्वाळ ॥—४७

लेलिहान चखश्रवा विलेसय ,  
दोरघ - पीठ कु डळी (दाखि) ।  
(काळिनाग नाथियो कान्हड ,  
भूपो - भूप तराो जस भाखि) ॥—४८

## सेस नाम

अनत्र यक<sup>७</sup> - कु डळ (वळि) आळुक ,  
भुजगपती<sup>८</sup> (कहि) महाभुजग ।  
जीह - वीसहस विसहस - नेत्रजिणि ,  
पनग - सेस (हरि तराो पलग) ॥—४९

(अ) . <sup>१</sup> पवनासन <sup>२</sup> भुजग <sup>३</sup> भुजगमु <sup>४</sup> दु दुसूक <sup>६</sup> जिमग <sup>७</sup> अणक <sup>८</sup> भुजग-ईस ।

(ब) <sup>५</sup> परग ।

पातान नांम

(तवा वाडवा - मुख प्रिथमीतळ ,  
पनग - लोक अघ - भुयण पाताळ ॥—५०

भूमि नाम

भूमि जमी प्रिथी<sup>१</sup> प्रियमी<sup>२</sup> भू ,  
पहवी<sup>३</sup> गह्वरी<sup>४</sup> रसा महि ।  
इळा समंद - मेखळा अचळा ,  
महि मेदनी घरा महि ॥—५१

धरती वसुह वसुमती घात्री ,  
क्षोणी<sup>५</sup> धरणी क्षिमा<sup>६</sup> क्षिती<sup>७</sup> ।  
अवनी विसभरा अनता ,  
धिरा रतनगरभा सथिति ॥—५२

विपळा वसव कु भती वसुधा ,  
सागर - नीमी सरवहा<sup>८</sup> ।  
गोत्रा गऊ रसवती जगती ,  
(मिनखां - मन - मोहणी महा) ॥—५३

(उरवी मुरपग ले भरि उभा ,  
वामण रूपी ब्राहमण ।  
वलि राजा छळि जैण वाधियो ,  
नमो पराक्रम नारिअण) ॥—५५

धूल नाम

धूळि खेह रज रजी धूसरी<sup>९</sup> ,  
सिकता<sup>१०</sup> रेण<sup>११</sup> सरकरा सद ।  
वेळू रेत पासु (वाळो ,  
मुख जिण हरि न भजे मतमेद) ॥—५५

(अ) <sup>१</sup> पथी <sup>२</sup> पथमी <sup>३</sup> पोहमी <sup>४</sup> गहरी <sup>५</sup> खोणी <sup>६</sup> खिमा <sup>७</sup> खित  
<sup>८</sup> धूसळी <sup>१०</sup> सिकत <sup>११</sup> रेत ।

(ब) - <sup>८</sup> सरवसुहा ।

## वाट नाम

वाट वरतमा गैल वरत्री<sup>१</sup> ,  
 पथ निगम पदवी पधिति<sup>२</sup> ।  
 अैन<sup>३</sup> सचरण<sup>४</sup> मारग अधवा ,  
 सरणी सचरण प्रचर मत ॥—५६

(उत्तम राह चालि ग्रहि उत्तम ,  
 करग दान पुनि ग्रहि सुकृति ।  
 भाखि साच जग माहि भलाई ,  
 चत्रभुज चरण राखि चित) ॥—५७

## वन नाम

विपन गहन कानन कछ<sup>५</sup> वारिख ,  
 कातार ऊख<sup>६</sup> दुरग (कहाइ) ।  
 आरण<sup>७</sup> खड ब्र दावन<sup>८</sup> अटवी<sup>९</sup> ,  
 (गोविंद तेथ चराई गाई) ॥—५८

## वख नाम

सिखरी फळग्राही वख लाखी ,  
 [विस्टर - मही रुह तरोवर]<sup>\*</sup> ।  
 [कुट विटपी महीसुत कीरसकर]<sup>†</sup> ,  
 घणपत्र पत्री खगाघर ॥—५९

[कुसमद अद्भुज फळद कराळद]<sup>‡</sup> ,  
 [निद्रा - वरत फळी निनग]<sup>◆</sup> ।  
 खितरुह रूख अनोकुह दरखत ,  
 अत्री अद्रप भाड - अग ॥—६०

(चोर चोरि तर ऊपर चढियौ ,  
 गोपगना तणा गोपाळ ।  
 अरज करै ऊभी जळ अतर ,  
 दे व्रजभूखणा दीनदयाळ) ॥—६१

(अ) <sup>१</sup> वरतणी <sup>२</sup> पधीपत <sup>३</sup> ओन <sup>४</sup> सचेरण <sup>५</sup> करव <sup>६</sup> भख <sup>७</sup> अरनि  
<sup>८</sup> वनरावन <sup>९</sup> अटावी \* [विस्टर द्रुम द्रु तरोवर कूट] † [विट महवी-सुत  
 महका करसकर] ‡ [कुसमज अदभूत फरज करालिक] ◆ [निघावरत फळी नवनग] ।

फूल नाम

लेखवि<sup>१</sup> फूल मणी - वक हलक ,  
सुम सुमनस फळ - पिता<sup>२</sup> कुसुम ।  
सून प्रसून कल्लार<sup>३</sup> सुगधक<sup>४</sup> ,  
(नाम) रगत सधक नरम ॥—६२

उदगम - सुमना पुसप लता - अत ,  
(पुसपति के कहिजै प्रिवित ।  
श्री रिणछोड तराँ सिर छौगी ,  
ईख निजरी भरीजै अत्रिति) ॥—६३

भमर नाम

रोळ - वव<sup>६</sup> चचरीक भकारी ,  
भमर द्विरेफ<sup>७</sup> सिलीमुख भ्रग ।  
कीळालप<sup>८</sup> कसमल - प्रिय मधुकर ,  
सोरभचर खटपद सारग ॥—६४

(दाखि) मधुप हरि (नाम) डडु - दर ,  
वाळ मधु - ग्राहक मधु - वरत ।  
(पुसप - गध रस अलिअळ पाळग ,  
भगतवछळ पाळग भगवत) ॥—६५

वानर नाम

मरकट गो लागूळ<sup>५</sup> वलीमुख ,  
पलवग<sup>६</sup> पलवगम<sup>१०</sup> पलवग ।  
कीस हरि वनओक<sup>११</sup> वनर कपि ,  
साखा - अग<sup>१२</sup> फळचर सारग ॥—६६

(तास कटक मेले दसरथ तराँ ,  
लोपि समद लीधो गढ लक ।  
मम करि ढील म घरि मन माया ,  
समरि समरि श्रीराम निकळक) ॥—६७

(अ) <sup>१</sup> लेखव <sup>२</sup> सफळ-पित <sup>३</sup> कळवत <sup>४</sup> सुगधक <sup>५</sup> रोलव <sup>६</sup> दुरेफ <sup>७</sup> कलालीप  
<sup>८</sup> लागूर <sup>९</sup> अजळ <sup>१०</sup> पलवगम <sup>११</sup> वनमुख <sup>१२</sup> साखा-चर ।

## हिरण नाम

वातप<sup>१</sup> हिरण एण वातायू<sup>२</sup> ,  
 सकु हरि प्रखत कुरग ।  
 अग (रूपी मारीच मारियो ,  
 भुजा भामणी राम अभग) ॥—६८

## सूअर नाम

कोड आस<sup>३</sup> लांगळ (अर) सूकर ,  
 दुगम वाडचर गिडि<sup>४</sup> दाढाळ ।  
 घोणी (अनै) आखणक घिण्टी ,  
 एकल बहु - प्रज दात्रीडीयाळ ॥—६९  
 कोल<sup>५</sup> डारपति थूळनास किर ,  
 (दाखत) वध - रोमा भू - दार<sup>६</sup> ।  
 (कहि) दस्टरी सीरोमरमा (कहि) ,  
 आदी - वाराह प्रभू अवतार) ॥—७०

## सिघ नाम

वाघ सिघ<sup>७</sup> कठीर कठीरव ,  
 सेत पिग अस्टापद सूर ।  
 अगइद्र<sup>८</sup> (कहि) पारंद<sup>९</sup> पंचमुख ,  
 पंचसिख पचाइण<sup>१०</sup> गहपूर<sup>११</sup> ॥—७१

अभग सरभ सादूळ नखायुघ ,  
 हरि जख केहरि मगहर ।  
 महानाद<sup>१२</sup> अगपति<sup>१३</sup> अग-मार ,  
 अस्टापाद गजराज - अरि ॥—७२

(कोपमान नरसिघ रूप करि ,  
 विकट विराट वदन विकराळ ।  
 सोखे रगत असुर हरिणाकस ,  
 प्रभु प्रहळाद भगत प्रतिपाळ) ॥—७३

(अ) <sup>१</sup> वात - पियण <sup>२</sup> वातापी <sup>३</sup> आसि <sup>४</sup> गिट <sup>५</sup> कवल <sup>६</sup> भू-धार <sup>७</sup> सीह  
<sup>८</sup> अगेंद्र <sup>९</sup> पारइद्र <sup>१०</sup> पचावण <sup>११</sup> ग्रहपूर <sup>१२</sup> माहानाद <sup>१३</sup> वनपति ।

हाथी नाम

गज सासज मातग मतगज ,  
हाथी इभ हसती हसत ।  
कुजर सिंधुर करी पीहकरी<sup>१</sup> ,  
मेगळ दोईरद<sup>२</sup> मद - मसत ॥—७४

गैमर नाग गइद<sup>३</sup> धैधीगर ,  
वारण भद्रजाती वयंड ।  
सारंग कवु सुडाळ सिघळी ,  
पट - हथ<sup>४</sup> तवेरव प्रचड<sup>५</sup> ॥—७५

द्विप हरि व्याळ पटाभर दती ,  
कुभी वेरक यभ अनेकप ।  
(अनत सत गजराज उधारण ,  
जपि गिर - धारण तराणे जप) ॥—७६

पीपलु नाम

(वदि) चळ-दळ कुजर-भख अस्वथ ,  
श्रीत्रख बोधीत्रख सुत्रख ।  
(प्रथी विखै उत्तम फळ-पीपळ ,  
परमेस्वर उत्तम पुरखि) ॥—७७

वड नाम

वैश्रवणालय ध्रुअ<sup>६</sup> माखा-त्रख ,  
(गिरा) रतफळ वटी<sup>७</sup> जटी निग्रोध ।  
(पान प्रयाग वड तराणे पीढियी ,  
सुजि हरि समरि ऊवर करि सौघ) ॥—७८

वास नाम

तुची - सार त्रिघज<sup>८</sup> मसकर तस ,  
प्रभणा जळफळ<sup>९</sup> सत-परव ।

(अ) <sup>१</sup> पुसकरी <sup>२</sup> दोयरदन <sup>३</sup> गयद <sup>४</sup> पट - हर <sup>५</sup> परचड <sup>६</sup> ध्रुव <sup>७</sup> वट  
<sup>८</sup> अण - घुज ।

(ब) <sup>९</sup> जव - फळ ।

(वेण वास वासळी वजावण ,  
घिनि मोहन राधिका धव) ॥—७६

### हरडी नाम

पथ्या चेतकी जवा<sup>१</sup> अव्यथा<sup>२</sup> ,  
अभया<sup>३</sup> सिवा प्राणदा (आखि) ।  
कायस्था इमिरिता<sup>४</sup> काळिका ,  
(भरिण) हिमजा<sup>५</sup> हेमवती (भाखि) ॥—८०

सरवारा<sup>६</sup> जीवती सुरभी ,  
हरडै रोम तुरजिका (होई) ।  
(सोई) पूतना (अनै) श्रेयसी ,  
(कहै) प्रेयसी (नाम सी कोई) ॥—८१

हरीतकी (जिमो रोग हरण हद ,  
हरि समरण पातिक हरण ।  
द्वारामती - पती मुख दरसण ,  
मेटो दुख जामण - मरण) ॥—८२

### केसर नाम

पीतन रगत वनी - सिख दीपना ,  
वाहलोकजा गुड - वरण ।  
(कही) सकोच पिसुण (वळि) कु कम ,  
कसमीरज मगळ - करण ॥—८३

लोहित चदण देववलभा ,  
(घर) काळक (कहे कवि धीर ।  
केसर तरणो तिलक निज कीजै ,  
विमल भजन कीजै वलिवीर) ॥—८४

### चदण नाम

पनग - पाळ रोहिणी - द्रुम (पणीजै) ,  
सोर - मूळ (अनै) गव - सार ।

(अ) . <sup>१</sup> जवा <sup>२</sup> प्रपथ्या <sup>३</sup> अभया <sup>४</sup> इमरता <sup>५</sup> हेमज <sup>६</sup> सुरत्वारी ।

मुनग<sup>१</sup> सुभाड सुगधक सुरभी ,  
सीत - रूख रूखा - सिणगार ॥—८५

उत्तम - तर<sup>२</sup> मळियातर<sup>३</sup> मलयज ,  
चील - प्यार श्रीखड चदन ।  
(चदन कुवज्या आशि चाढियो ,  
पुरखोतम करिवा प्रसन) ॥—८६

पहाड नाम

सानुमान सिखरीस<sup>४</sup> सिलोचय<sup>५</sup> ,  
धरि - नग अद्री<sup>६</sup> घराघर ।  
भाखर डूगर अनड दरिभ्रति ,  
आहारज<sup>७</sup> परवत (अवर) ॥—८७

त्रिकूट मरुत पहाड गिरिद (तवि) ,  
अग शृगी भूधर अचळ ।  
गोत्रगाव गिरवर गोवरधन ,  
(करि सिर धारै चख कमळ) ॥—८८

पाखाण नाम

गाव धात घण सिला उपल (गिणि) ,  
पाथर असम<sup>८</sup> द्रखद पाखाण ।  
(नाम प्रताप तारिया जळनिधि ,  
विधि-विधि भणि जिण रा वाखाण) ॥—८९

सोना नाम

वसू भूतम लोहीतम<sup>९</sup> सोन्न ,  
कर - बुर<sup>१०</sup> चामीकर कचन<sup>११</sup> ।  
साति-कु भ<sup>१२</sup> गागोय<sup>१३</sup> सेल-सुत ,  
हेम कनक हाटक हरन ॥—९०

(अ) <sup>१</sup> सुभग <sup>२</sup> उत्तम - तर <sup>३</sup> मळियागर <sup>४</sup> सिखरीक <sup>५</sup> स्यलोचय <sup>६</sup> ईद्री  
<sup>७</sup> आहारिज <sup>८</sup> अमर <sup>९</sup> लोहत्तम <sup>१०</sup> करव <sup>११</sup> कचन्न <sup>१२</sup> सात-कु भ  
<sup>१३</sup> गगेय ।



गैरुक<sup>१</sup> महारजत<sup>२</sup> (वळि) गारुड ,  
 भूर अस्टपद (अरु) भरम ।  
 (नाम) अगिनवीरज जावूनद<sup>३</sup> ,  
 रजत - घात ओपम रुकम<sup>४</sup> ॥—६१

(कह) तपनीय पीतरंग कु रमदन<sup>५</sup> ,  
 जात-रूप कळधोत (जथा) ।  
 (लाख जुगा लग काटन लागै ,  
 कलक न लागै राम कथा ॥—६२

#### रूपा नाम

हस रूपो खिरजूर हिमाश्रु<sup>६</sup> ,  
 मेत रजत<sup>७</sup> दुर-वरणक<sup>८</sup> (सोई) ।  
 जात - रूप कळधोत सार - जग<sup>९</sup> ,  
 (हरि सेवियो तिका घरि होई) ॥—६३

#### तावो नाम

सुलव घिस्टि<sup>१०</sup> कनोअस<sup>११</sup> (अर) सावर<sup>१२</sup> ,  
 मरकट आसि मलेछमुख ।  
 वरसट मेछ (वळै) त्रिम वरधन ,  
 रगत उतवर<sup>१३</sup> (नाम रुख) ॥—६४

(सद ओखदी परसि तावो सुज ,  
 सोन्न घात हुवै ततसार ।  
 राघव तणी परसतां पद - रज  
 इमि गोतिमि त्रिय हुआ उधार) ॥—६५

#### लोह नाम

किसना-मिख<sup>१४</sup> अय त्रण काळायस ,  
 सिला-सार<sup>१५</sup> तीखण घण सार ।

(अ) १ गारक २ माहारजत ३ जामूनद ४ रुखम ५ कुनण ६ हिमासु  
 ७ स्वेत-वरण ८ दुर-जतक ९ ताई जग १० घिस्ट ११ कनिस्ट १२ सावक  
 १३ उदमहर १४ क्रमणा - मुख १५ गिर - सार ।

[पिंड पारथ करूक पारसव]\* ,  
ससत्रक ससत्र सत्रा-सघार ॥—६६

(वोटण लोह पाप री वेडी ,  
सेवा करी हरि जाणै सही ।  
कहि चिति निति सपवित्र ही कीरति ,  
कीरति वेद पुराण कही) ॥—६७

मुलक नाम

विखय<sup>१</sup> मुलक रासट उपवरतन ,  
जनपद नीव्रति देस जनात ।  
मडळ (न को अहेडो व्रज-मडळ ,  
अवतरिया हरि करण अख्यात) ॥—६८

नगर नाम

नगम पुरी<sup>२</sup> पुर<sup>३</sup> पटण<sup>४</sup> निवेसन ,  
नगरी पुट<sup>५</sup> पतन नगर ।  
अधिस्थान<sup>६</sup> नृपस्थान (ईखता ,  
सहरा सिर मथुरा) सहर ॥—६९

तलाव नाम

सर वरख्यात पुसकरण<sup>७</sup> सरसी ,  
पदमाकर कासार (प्रमाण ।  
सिरहर अवसरा नारियण सिर ,  
वडो) तळाव तडाग जीवाण ॥—१००

नीर नाम

नीर खीर दक उदक कुलीनस ,  
क पौहकर<sup>८</sup> घणारस कमळ ।  
अरुण पाथ पय मेघपुसप अप ,  
जीवन (जा दिन पास) जळ ॥—१०१

(अ) <sup>१</sup> विखै <sup>२</sup> नम-पुरी <sup>३</sup> पुट <sup>४</sup> पाटण <sup>५</sup> पुट-भेदण <sup>६</sup> पूकर ।

\* [पिंड पथर सुत रूपक पारसव] ।

(ब) <sup>६</sup> अधिस्थान <sup>७</sup> पौहकर ।

सलिल<sup>१</sup> ऋषीट<sup>२</sup> भुवन सर संवर ,  
 आव<sup>३</sup> कवध कुस<sup>४</sup> विस्र अम्रति<sup>५</sup> ।  
 मळमजरा कीळाळ मरवमुख ,  
 पाणी पाणद वन (प्रविति) ॥—१०२

अव<sup>६</sup> वार गग तोड<sup>७</sup> धोई - अग ,  
 (करि श्रीकसन तरणा कै वार ।  
 उत्तम होई जनम - क्रम आतम ,  
 स्रगम तरै दधि विसम ससार) ॥—१०३

## कमल नाम

सहसपत्र सतपत्र कुसेमय ,  
 पकेरुह पकज पदम ।  
 नलणी जळज नालीन कोकनद ,  
 जळरुह जळरुट जळजनम ॥—१०४

सर - जनमा खरदंड सुधारस ,  
 कुवलय सरसीरुह कमळ ।  
 पुडरीक उत्तपळ हर पोहकर ,  
 पिता - विरंच महोत्तपळ ॥—१०५

राजीव कज सरीज तामरस ,  
 विस - प्रसून<sup>८</sup> नीरज अरविद<sup>९</sup> ।  
 वारज अबुज नयरा इदीवर<sup>१०</sup> ,  
 (नमो पराकम मथुर - नरद ॥—१०६

## मछी नाम

सलकीजा<sup>११</sup> दुख कुलखय कुसळी ,  
 सवर भख सफरी सफर ।  
 अनमिख इदुजयकर अलूकी ,  
 चचळ वारज वारचर ॥—१०७

(अ) <sup>१</sup> सलल <sup>२</sup> ऋषी <sup>३</sup> अबू <sup>४</sup> कुसमई <sup>५</sup> इम्रत <sup>६</sup> मग <sup>७</sup> तोय  
<sup>८</sup> विस - परसूति <sup>९</sup> अरविद <sup>१०</sup> इदवर <sup>११</sup> सलकजा ।

(चवां) आतमासी सिधचारी ,  
 वैसारण खडपीण<sup>१</sup> विसार<sup>२</sup> ।  
 प्रथुरोमा पाठीन मीन (पढि) ,  
 (केवळ मछ रूपी करतार ॥१०८

काछिवा नाम

कूरम कमठ काछवौ कछप .  
 गुपतिपचअग चतुरगति ।  
 पाणीजीवा<sup>३</sup> तुद (वळै) क्रोडपग ,  
 (प्रगट रूप सुजि जगतपति) ॥—१०९

देवल नाम

देवळ मडप चैत देवाळय ,  
 हद घजर प्रासाद विहार ।  
 (माहि तास सौभै हरि मूरति ,  
 भालिर तरणा हुअै भरणकार) ॥—११०

घजा नाम

कदळी वईजयती कैतेन ,  
 (भरणा) जयता केत (भरणाय) ।  
 (ताई) पराका चैहन पताका ,  
 (सिरै घजा हरि देवळ साय) ॥—१११

गढ नाम

वप्रवरण भुरजाळ दूरग (वळि) ,  
 परिघ श्रूळ गढ चय प्राकार ।  
 (लका कोट रामचद्र ले करि ,  
 दान दिये अँहडो दातार) ॥—११२

छडीदार नाम

छडीदार दरवान उछारक ,  
 हुसियारक हाजिरि<sup>४</sup> प्रतिहार<sup>५</sup> ।

(घ) <sup>१</sup> खडाखीण <sup>२</sup> वीसार <sup>३</sup> पाणीजीव <sup>४</sup> हाजर <sup>५</sup> प्रतहार ।

द्वारपाळ डडी<sup>१</sup> दरवारी ,  
(नुजि हरि वळै) पोळियो (मुधार) ॥—११३

#### घर नाम

गेह<sup>२</sup> ओक आमाम (वळै)<sup>३</sup> गह ,  
घवळ सकेत निकेतन<sup>४</sup> वाम ।  
पद आसय<sup>५</sup> रहणाक आमपद ,  
आलय निलय मिदर आराम ॥—११४

वास निवास स्थानिक<sup>६</sup> वसती ,  
सदन भवन वेसभ सदम ।  
घिसन अगार<sup>७</sup> (जादवां घर घन ,  
जिण घर हरि खीन्ही जनम) ॥—११५

#### राजा नाम

भूपति भूप पारथव अधिभू ,  
विभू प्रभू (अनि) ईसवर ।  
परब्रह्म मधि लोकेस देसपति ,  
सामी भरता नरेसर ॥—११६

नाथ प्रजाप<sup>८</sup> महीपति नाइक<sup>९</sup> ,  
अरज ईस ईसर ईसान ।  
नरपती नरिद<sup>१०</sup> अदपति<sup>११</sup> नेता ,  
राव<sup>११</sup> राट राजा राजान ॥—११७

(राम समान न कोई राजा ,  
सरति न काइ सुरसरी समान ।  
सती न काइ समोवड मीता ,  
गीता समोवड नको गियान) ॥—११८

#### जुधिष्ठिर नाम

भरता नवयराज लखमा<sup>१३</sup> (भरिण) ,  
कौतयस अजमीढ कक ।

(अ) <sup>१</sup>दडी <sup>२</sup>गेह <sup>३</sup>सरण <sup>४</sup>केतन <sup>५</sup>आश्रम <sup>६</sup>सुधानिक <sup>७</sup>नाथ - प्रजाह

<sup>८</sup>खितनायक <sup>१०</sup>नरद <sup>११</sup>अदप - पति <sup>१२</sup>राऊ ।

(ब) - <sup>७</sup>आगार <sup>१३</sup>लखमण ।

(सुजि) सिलियार अजात - तणोसत्र ,  
(सोम - वस राजा अणसक) ॥—११६

पाडव - तिलक पति - हृथणापुर ,  
घरम - आत्मज<sup>१</sup> (तास धन) ।  
(जीहा साच बोल ताँ) जुजिठळ ,  
(साच तणो वेली किसन) ॥—१२०

जिग नाम

मच्यु ससर ईसपति (तत) मख ,  
(तवि) सविक्रत<sup>२</sup> घ्रिति<sup>३</sup> होम वितान ।  
ज्याग<sup>४</sup> सातोमि<sup>५</sup> वहुरी अधिवर<sup>६</sup> जिगि<sup>७</sup> ,  
जिगन पुरख (त्रिभुवण राजान) ॥—१२१

भीम नाम

(दाखि) पवनसुत वळण वक्रोदर ,  
कीचक - रिपि मूंदन<sup>८</sup> किरमीर ।  
कौरव - दळण<sup>९</sup> भ्रमावण - कु जर  
(भीम सवळ जे री हरि भीर ॥—१२२

अरजुण नाम

धनंजय अरिजन जिसन कपीवज ,  
निर - कार - रूपी ब्रहनट ।  
पारथ सव्यसाची मधिपंडव  
सक्रनदन विभच्छ सुभट ॥—१२३

गुडाकेस ब्रखसेन फाळगुण ,  
सुनर मोक वेधी - सबद ।  
राधावेधा सुगत किरीटी ,  
महीसूर मरदा - मरद ॥—१२४

सेतअस्व सुभद्रेस करण - सत्र ,  
(सखा तास वसदेव सुत ।

(अ) <sup>१</sup> आतमज <sup>१</sup> सवक्रत <sup>३</sup> घ्रत <sup>४</sup> जग्य <sup>५</sup> सतोमवर <sup>६</sup> अरवधर <sup>७</sup> जग ।

(ब) <sup>८</sup> मुदन <sup>९</sup> कौरव - दळण ।

कवि 'हमीर' जसवास आस कर ,  
ताप पाप मेंटै तुरत) ॥—१२५

#### घनुस नाम

घनुख कारमुख धनव चाप (घन) ,  
करण पिनाक असत्र वोदड<sup>१</sup> ।  
सकर इखु इखुवास<sup>२</sup> सरासण<sup>३</sup>  
(पकडि भाजियो राम प्रचड) ॥—१२६

#### वाण नाम

प्रखतक<sup>४</sup> वाण कलब<sup>५</sup> ककपत्र ,  
पत्रवाह पत्री प्रदर ।  
(ईख) तोमर चित्रपूख अजिब्रहमग ,  
सायक आसुग तीर सर ॥—१२७

ग्रीधपख नाराज मॉरगन ,  
रोपण वसख सिलीमुख रोप ।  
(पण खग खुर पर राम सज कर ,  
काटण दस मस्तक करि कोप) ॥—१२८

#### करण नाम

सूततनय चपाधिप<sup>६</sup> रविसुत ,  
राधातनय करन अगराज ।  
(तिण रौ पोहर सवार तवीजै ,  
कियो प्रभू दातार सकाज) ॥—१२९

#### दान नाम

प्रतिपायण निरवधण उछरजण ,  
जपि विसरारण<sup>७</sup> विसरजण ।  
विलसण वगसण मौज विहाइति ,  
वितरण दत समपण ब्रवण ॥—१३०

(अ) <sup>१</sup> कोमड <sup>२</sup> इखुवाम <sup>३</sup> सरासन <sup>४</sup> प्रकथक <sup>५</sup> कलवक <sup>६</sup> चपादिप  
<sup>७</sup> विसरारणण ।

आपण दान (लक उचित - पति ,  
भगत निवाजण वभीखण ।  
रावण मरण खयण कुळ राकस ,  
तिको राम तारण - तरण) ॥—१३१

जाजिक नाम

ईहग भिखक जाचिग अरथी ,  
मनरख मागण मारण ।  
जग - आसगर (व) नीयक जाचण ,  
(तवि दातार दसरथ सुतण) ॥—१३२

दातार नाम

मनमोद मनऊच महामन ,  
उदभट त्यागी (प्रगट) उदार ।  
अपल महेळू उदात उदीरण ,  
(देवा देव वडो दातार) ॥—१३३

पडित नाम

[प्रायतरु विविस्वति पाडिति ,  
विधिग धिखिणि कोविद विद्वान ।  
(गिन) प्रयागिनि बुधि-सुधि दोखगिन ,  
महाचतुर वेधी धीमान]\* ॥—१३४

सूर ऋस्ट ऋतीलव धवरण - सिन ,  
विचखण सुलखण विसारद ।  
विदुख धीर अभिरूप वागमो ,  
पात्र मनीखी पारखद ॥—१३५

(जाण) प्रवीण कुसळ आचिरज<sup>१</sup> ,  
नैवोइक मतिघण निपुण ।  
(सोइज कहाकवि सुकवि कवेसर ,  
गिरधारण कहे गुण) ॥—१३६

(अ) <sup>१</sup> आचारज <sup>२</sup> नश्याहिक । \* [आतम - रूप विवसचित पडित, विदग दखुणिक कविद बुधिमान । गिन प्रागिन बुधि-सुधि दोख-गिन, महाचतुर मेधावी मान । ]



## जस नाम

जदाहरण सभगिना सुजस ,  
 वरणत सुसवद सबद वखारण ।  
 सधवाद असतूती सुपारिस ,  
 प्रिसिधि विरद सोभाग (प्रमाण) ॥—१३७

वाच प्रताप सिलोक गुणावळि ,  
 कोरति ख्यात (षिसेख कही ।  
 राम तणो भूले मत रूपक ,  
 सुर नर समरै नाम सही) ॥—१३८

## सुरिमा नाम

कळि जू भार सुभट अहूकारी ,  
 विक्रा - अत तेजसी वीर ।  
 (सूर न कोई राम सरीखी ।  
 साभण रावण रांण सधीर) ॥—१३९

## तरवार नाम

असिवर मडळाय खाडौ असि ,  
 कोखियक निसत्रस ऋपाण ।  
 चद्रहास बाणस<sup>१</sup> घात (चव) ,  
 करताळीक घाव केवाण ॥—१४०

जडळग विजड त्रजड धारुजळ ,  
 तेग खडग भुजलग तरवार ।  
 किरमर सार रुक खग (हर कहि ,  
 समहर हार - जीत हर हार) ॥—१४१

## घोडा नाम

घूरज भिडज गंधरव (अर) सिधव ,  
 वाजी वाज पमग विडग ।  
 वाह अं<sup>२</sup> चचळ वेगागळ ,  
 तारिख<sup>३</sup> ताजी तुरी तुरग ॥—१४२

असि वरहास तुरगम अरवी ,  
सपती वीती खैग सधीर<sup>१</sup> ।  
हय केकाण वितड हर<sup>२</sup> हैमर ,  
(गोविंद रूप कियो हय - ग्रीव) ॥—१४३

सत्र नाम

सत्र केवी सपतन विड सात्रव ,  
दुखदायक<sup>३</sup> दोखी दुर्जण<sup>४</sup> ।  
अभमानी अवजात<sup>५</sup> अराती ,  
पथ - कुपथन खळ पिसण ॥—१४४

वेधी खेधी दुस्ट विरोधी ,  
प्रतपख असहण विपख पर ।  
अहिति अचित दसू<sup>६</sup> दुरत<sup>७</sup> अरि ,  
हाणक यैरी वैरहर ॥—१४५

विघनकरण दोखी<sup>८</sup> अणवच्छक ,  
रिसाधाती<sup>९</sup> घातीक<sup>१०</sup> रिप ।  
(सिर ऊपर दोखी जम सिरखा ,  
नाम सिमर रणछोड नृप) ॥—१४६

सेना नाम

पताकनी सेन<sup>११</sup> चळ प्रतनी<sup>१२</sup> ,  
खरहन<sup>१३</sup> खूर कटक खघार ।  
अनेकनी<sup>१४</sup> हैथाट आरहट ,  
विंकट अनीक सकघवार ॥—१४७

वरूथनी चक्र तात<sup>१५</sup> वाहनी ,  
गरट फौज लसकर गैतूळ ।  
धूस गडूस समोदनी<sup>१६</sup> घसनी<sup>१७</sup> ,  
मोगर अखोहणी<sup>१८</sup> कळमूळ<sup>१९</sup> ॥—१४८

(व) <sup>१</sup> मुजीव <sup>२</sup> हरि <sup>३</sup> दुखदाइक <sup>४</sup> दूर्जण <sup>५</sup> अविजाती <sup>६</sup> दस्यु <sup>७</sup> दुरहित  
<sup>८</sup> दुखक <sup>९</sup> रिमि - घातू <sup>१०</sup> घातकी <sup>११</sup> सेन्या <sup>१२</sup> प्रतिना <sup>१३</sup> खरहड  
<sup>१४</sup> अनीकनी <sup>१५</sup> तय <sup>१६</sup> वादनी <sup>१७</sup> घजनी <sup>१८</sup> अखोहिया <sup>१९</sup> कळिमूळ ।

साथ समूह चमू घड साधन ,  
 घासाहर घमसाण घण ।  
 (दळ सिसपाळ तणो देखता ,  
 हर कीघो रुकमणी हरण) ॥—१४६

### जुध नाम

जुध समुदाय असागम सजुग ,  
 आहव (अन) अभ्यास अवदीक ।  
 द्वद्व आस कदन प्रव दारुण ,  
 सजुत समित सग्राम समीक ॥—१५०

समर सापरायक अघ समरक ,  
 प्रहरण आयोधन प्रघन ।  
 अमि सपाती महाहवि आजि ,  
 कळह राडि विग्रह कदन ॥—१५१

सप्रहार<sup>१</sup> सस्फोट सखि (सुजि) ,  
 ताई - प्रयात वेढि रणताळ ।  
 (जुत भारथ दसरथ सुत जीपण ,  
 खर दुखर असुरा खैगाळ) ॥—१५२

### जम नाम, घरमराज नाम

क्रिताअत<sup>२</sup> अतक सीरणक्रम ,  
 काळिंद्री - सोदर<sup>३</sup> अतु<sup>४</sup> काळ ।  
 समवरती कीनास सूरसुत ,  
 (जपि हरि - हरि काटै जमजाळ) ॥—१५३

### मिनख नाम

नी पुमान<sup>६</sup> अतिलोकी मानव ,  
 पचजन नर पुरुखा पुरख ।  
 धव आदमी गोघ कायाघर ,  
 मनुज मरुत<sup>७</sup> मानुख<sup>८</sup> मिनख ॥—१५४

(अ) <sup>२</sup> क्रनअत <sup>३</sup> कार्लिंदी - सोदर <sup>४</sup> जम <sup>५</sup> ना <sup>६</sup> पमान <sup>७</sup> मूरत <sup>८</sup> मानिख ।

(ब) <sup>१</sup> सपहार ।

(उवे आदमी भलाई अवतरिया ,  
साख तिका री भरै ससार ।  
सत भाखै राखै हरि सारै ,  
उत्तिम लखण करै उपगार) ॥—१५५

जनम नाम

जनम उपजण जणण जणक<sup>१</sup> जिणि ,  
उत्तपत्ति<sup>२</sup> भव उदभव अवतार ।  
(दस अवतार लिया दामोदर ,  
भगवत भौमि उत्तारण भार) ॥—१५६

पिता नाम

प्रथम जनयता<sup>३</sup> सविताव पिता ,  
विरजा<sup>४</sup> तात जनक (जपि) बाप ।  
(हरि वसुदेव पिता तिणि हूँता ,  
अवतरिया जण तारण आप) ॥—१५७

माता नाम

अवा मा जननी<sup>५</sup> जनयती ,  
सवती (नाम कहै ससार ।  
देव कळा घन मात देवकी ,  
कूख नीपना नदकुमार ॥—१५८

बालक नाम

अरभ कुमार खीरकंठ (उच्चरि) ,  
(घारि नाम) सिसु स्तन-घय (कहाय) ।  
पाक प्रथुक लघु-वेस डिभ पुत्र ,  
साव पोत उक्तान सहाय ॥—१५९  
(वाळमुकंद नद घरि वाळक ,  
मात लडायी जसोमती ।

(अ) . <sup>१</sup> मनुव - जण <sup>२</sup> उत्तपत्त <sup>३</sup> जनय <sup>४</sup> वीची ।

(ब) . <sup>५</sup> जणणी ।

भगतवच्छळ गोकळ मनभावन ,  
पावन मूरति जगतपति) ॥—१६०

## भाई नाम

भ्राता वधु<sup>१</sup> सहोदर भाई ,  
सगरभ हिति सोदर सहज ।  
समानोदरज वीर सोदरज ,  
(सुजि<sup>१</sup> वळिभद्र कान्हड सकज) ॥—१६१

## वडा भाई नाम

जेसट पित्र-पूरवी<sup>२</sup> अग्रज ,  
मोटो अग्रम (राम महि) ॥—१६२

## छोटा भाई नाम

वळि कनिआन अनुज लघु अवरज ,  
कनिस्ट<sup>३</sup> जवस्ट<sup>४</sup> (कस्ण कहि) ॥—१६३

## बैहन नाम

भगनी सिस वैहन वाई (भरिण) ,  
भटू सोदरी वीरि (भरिण) ॥—१६४  
... . . .

## पग नाम

चळण पाड गतिवत सचरण ,  
(कहिजे) अघ्री ओण क्रम ।  
पग पय गमन (मदा लग पालण  
करि समरण श्रीरग) कदम ॥—१६५

## कटि नाम

कलित्र<sup>५</sup> कटीर लक तनवीचि<sup>६</sup> कडि ,  
मध्यभाग<sup>७</sup> काछनी (मुणि) ।

(घ) . <sup>५</sup> कटीर <sup>६</sup> विच <sup>७</sup> विछन ।

(च) . <sup>१</sup> वधव <sup>२</sup> पूरवज <sup>३</sup> कनिन्टि <sup>४</sup> जविस्टि ।

(मोर - मुगट राजै कर मुरली ,  
तरह भामणै तास तरिण) ॥—१६६

पेट नाम

पिचड कूख (गरिण) उदर पेट (पिरिण) ,  
जठर त्वंत त्वदी ग्रभ (जारिण) ।  
(अनत देवकी ग्रभ ऊपना ,  
हिति देवा देता अति हाणि) ॥—१६७

पयोधर नाम

उरज उरोज पयोधर अचळ<sup>१</sup> ,  
(तवि) उर - मडन कुच सतन<sup>२</sup> ।  
(मुख ग्रही सोखी पूतना मारि ,  
वडिमि वखारणै धिन विसन) ॥—१६८

हाथ नाम

करग आच हथ<sup>३</sup> हसत दोर कर ,  
पच - साख<sup>४</sup> बाहू भुज पाण ।  
(पाण जोड रिणछोड पूज जै ,  
प्रथी चौगरणै वधै प्रमाण) ॥—१६९

आगली नाम

(आखि) पलव करसाख आगळी ,  
(उधरियो तिरिण सिर अनड ।  
व्रज राखियो विगौयी वासव ,  
वडौ अवर कुण विसन वड) ॥—१७०

नख नाम

भुजा - कट कर - सूक<sup>५</sup> पुनर - भव<sup>६</sup> ,  
नखर पलव - सुव करज नख ।  
(नख हरणख उधेडि नाखियो ,  
असुरा रिपि जुग - जुग अलख) ॥—१७१

(अ) <sup>१</sup> आचळ <sup>२</sup> सथन <sup>३</sup> हाथ <sup>४</sup> पच - साह <sup>५</sup> कर - सूर <sup>६</sup> पुर - भव ।

## रोमावली नाम

रोम लोम गो पसम तनोरुह ,  
 (रोम - रोम हरि नाम रहाई ।  
 मेटि भरम मन तरणो मानवी ,  
 किमन तरणो तू भगत कहाई) ॥—१७२

## ग्रीवा (गलो) नाम

ग्रीव गळो सिरो - धरि<sup>१</sup> गावडि ,  
 (कध कियौ सरीखी कैकारण ।  
 मधुकैटभ करि कोप मारियौ ,  
 देता दळण देव दीवाण) ॥—१७३

## मुख नाम

आस्य लपन<sup>२</sup> रसनाग्रह आराण<sup>३</sup> ,  
 वक्र तुड वोलण वदन ।  
 मुख (सुजि लीजै जिणि चरणाभ्रति ,  
 कीजै जस राधाकिसन) ॥—१७४

## जीभ नाम

वाया वाचा रसना<sup>४</sup> वकता ,  
 जीहा जीभ रसगना<sup>५</sup> जीह<sup>६</sup> ।  
 (इण सौं करतौ रहै आतमा ,  
 दसरथ - मुतन भजन निस - दीह) ॥—१७५

## दात नाम

दुज<sup>७</sup> रह<sup>८</sup> रदन दसन<sup>९</sup> मुख - दीपन ,  
 (दळियौ कस पकडि गज - दत ।  
 वार - वार करतार वखांणौ ,  
 सुर सिणगार सुधारण सत) ॥—१७६

(अ) <sup>१</sup> सरो - धर <sup>२</sup> लपना <sup>३</sup> रसण <sup>४</sup> रसगिना <sup>५</sup> जीहा <sup>६</sup> दुजि <sup>७</sup> रद  
<sup>८</sup> डमण ।

(ब) . <sup>३</sup> आनन ।

अघर (होंठ) नाम

ओपवणत रदछदन मुखअग्र<sup>१</sup> ,  
 ओण्ठ होठ रदघर<sup>२</sup> अघर ।  
 (गोपि अघर खडम मुख गोविंद ,  
 पीयै , महारस परसपर) ॥—१७७

नासिका नाम

अहण-सुगंध तिलक-मारग (गिण) ,  
 घ्रोण नास नासिका घ्राण ।  
 नाक (राम छेदन सुयनखा ,  
 रढ मेटण रामण रढराण) ॥—१७८

नेत्र नाम

लोचन चख द्रग आखि विलोचन ,  
 नैण नैत्र अवुक निजरि ।  
 देखण दीठि<sup>३</sup> गो जीत मीट (दे ,  
 हेक मना मुख देख हरि) ॥—१७९

मस्तक नाम

मस्तक मूढ<sup>४</sup> मूरधन<sup>५</sup> मौली<sup>६</sup> ,  
 सीरख<sup>७</sup> बरग कमळ घू सीस ।  
 क उतवग (अगुट दस - कापण ,  
 दान लक आयण जगदीश) ॥—१८०

केस नाम

सरळ वाळ सिरिमड सिरोरुह ,  
 कुतळ चिकुर चहर कच केस ।  
 (स्यामि केस रांधा सिर सोहै ,  
 नाइक रांधा किसन नरेस) ॥—१८१

(अ) <sup>१</sup> मुखाअग्र <sup>२</sup> मुस्टघर <sup>३</sup> दठ <sup>४</sup> मूढ <sup>५</sup> मूरधा <sup>६</sup> मोली <sup>७</sup> सीरक ।  
 (ब) <sup>३</sup> दठि -



## कान नाम

(त्रिवि) श्रव श्रवण करण वाडकचर ,  
 मुरति धुनीग्रह सामळण ।  
 कान सुगण (भागवंत तरणी कथ ,  
 वरणव करि अवरण वरण) ॥—१८२

## सरीर नाम

काया गात सरीर कलेवर ,  
 वरखम देही डील वप ।  
 पिंड वथ मूरति पुर पुदगळ ,  
 (अवय विभू - वर तन अलप) ॥—१८४

## वसत्र नाम

वसन दवृळ लूगडा<sup>१</sup> वसतर ,  
 सोभन तन - ढाकण<sup>२</sup> सिगागार ।  
 अश्रुग वास चीर पट अवर ,  
 (हरि द्रौपदी सपूरण हार) ॥—१८४

## सेवा नाम

(अणआटै) सेवा (ग्रह आतग्र) ,  
 भजन जाप औळग भजत ।  
 (महाघनि आन) चाकरी खिजमत ,  
 (सिमरण कर हरि जाण सत) ॥—१८५

## मन नाम

ऊचळ चचळ चेत अनिद्री ,  
 पित मनमथ मन गूढ - पथ ।  
 मांस अतहकरण हूदै (मभि ,  
 सदा समरि कानड समथ) ॥—१८६

(अ) <sup>१</sup> लूघडा ।

(ब) . <sup>२</sup> तन ढाकण ।

चचल नाम

पारि पलव चळ लोळ पर पलव ,  
चहुळ चळाचळ अति - चपळ ।  
कप अथिरि अण - घीरजि कपन ,  
(तवि हरि चित मन करि तरळ) ॥—१८७

कामदेव नाम

कळा केल मधूदीप कदरप ,  
मार रमानदन मदन ।  
अतन मनोज मनोद्रव<sup>१</sup> अणगज ,  
काम मीनकेतन कमन ॥—१८८

मनमथ हरि प्रद्युमन आतमज ,  
सबरारि<sup>२</sup> मनसिज<sup>३</sup> समर ।  
दरपक पुसपचाप दिनदूलह ,  
सुदर मनहर पचसर ॥—१८९

मद्यु स्वारथी (अनै) विखमाजुध<sup>४</sup> ,  
अनिनज<sup>५</sup> अवप अकाय अनग ।  
सूरपकार<sup>६</sup> प्रसपधन्वा (सुजि) ,  
रितपती जरा - भीर<sup>७</sup> नवरग ॥—१९०

(कोटि) मकरधज (रूप किसन कहि ,  
पिता मकरधज क्रिसन पिणि ।  
असुर सिंघार किसन अतलीवळ ,  
भगत सुधारण किसन भणि) ॥—१९१

स्त्री नाम

वनता<sup>८</sup> नारि<sup>९</sup> भारिज्या<sup>१०</sup> वळभा ,  
त्रिया प्रिया अगिना तरणि ।  
माणणि<sup>११</sup> चळा ग्रेहणी मर्हिळा ,  
वाळा अवळा नितवरणि<sup>१२</sup> ॥—१९२

(अ) <sup>१</sup> मनीभव <sup>२</sup> समरारि <sup>३</sup> मनसेज <sup>४</sup> विखमयुद्ध <sup>५</sup> अवनिज <sup>६</sup> सूरपकारिपु ,

<sup>७</sup> भीमम <sup>८</sup> वनिता <sup>९</sup> नार <sup>११</sup> भारज्या <sup>१२</sup> नितवरणि ।

(ब) <sup>१०</sup> माणचळ ।

जोखा जुवति जोखिता जोखित ,  
 वामलोचना मुग्धा<sup>१</sup> वाम ।  
 सीमतनी तनूदरी सुदरी ,  
 भीरु तलप कांमकी भाम<sup>३</sup> ॥—१६३

प्रमदा दारा पतनी परध्री ,  
 कामणि<sup>३</sup> (वळि) रगना कलित ।  
 ललना रमणी (सिरोमणी लिखमी ,  
 जास रमण जामी जगत) ॥—१६४

#### भरतार नाम

वर भरता भरतार वप्रौढा ,  
 प्रिय प्राणैय प्रसिटि प्राणैस ।  
 पीतम इस्टि भोगता (अरु) पति ,  
 रमण वरयता नाह रिदेस ॥—१६५

कांमी वलभ धणी धव कामुक ,  
 (कानड प्रिया राधिका कत ।  
 स्याम कौटि कद्रप सुदरता ,  
 अकिळी ज्योति भगवंत अनती) ॥—१६६

#### सुंदर नाम

सुलखण<sup>४</sup> कमन मनोगिन<sup>५</sup> सोभित ,  
 रुचिर मनोहर मनोरम ।  
 प्रीय कमनीय ललित<sup>६</sup> रुचि पेसळ<sup>७</sup> ,  
 सिधु<sup>८</sup> मंजु मजुळ सुखम ॥—१६७

सुभग सरूप समोभित सुदर ,  
 वाम<sup>९</sup> मधुर अभिराम वर ।  
 (दरस)<sup>१०</sup> रमण रमणीय (दीपतळ) ,  
 क्रात<sup>११</sup> (अधिक कान्हड कवर) ॥—१६८

(अ) <sup>१</sup> मुग्धा <sup>२</sup> भामरा <sup>३</sup> कामणी <sup>४</sup> सुलखण <sup>५</sup> मनोगिण <sup>६</sup> श्रेस्ट <sup>७</sup> सुकलण  
<sup>८</sup> साधु <sup>९</sup> वामम <sup>१०</sup> दमणीय <sup>११</sup> क्राति ।

नाम नाम

अभिखा<sup>१</sup> अक आह्वय<sup>२</sup> अविधा ।  
नाम धेय सग्या<sup>३</sup> (हरि नाम ।  
वेग टळे दुख दळिद्र विराम) ॥—१६६

मित्र स्याम वाइक<sup>४</sup> मन - मळग<sup>५</sup> ,  
सहकृतवास सहचर सुहृद ।  
प्राणइस्ट वलभतन प्रीतम ,  
सनिगध सहकारी सुखद ॥—२००

सनेह नाम

हेत राग अनुराग नेह<sup>६</sup> हिति ,  
प्रीत सतोख मेळ सुख प्रेम ।  
हारद प्रणय हेकमन दोहिद ,  
(गोविंद निगम सू कर नेम) ॥—२०१

आणद नाम

मुद आणद - महाहस सामुद ,  
मोद परमसुख प्रमुद प्रमोद ।  
रळी हुलास उमग उछरग रग ,  
(विसन समरि करि) हरखि विनोद ॥—२०२

सुभाव नाम

अनिज विसव सानिज गुण - आतम ,  
चळगति प्रगति रीति गति चावि ।  
सहज सरग निसरग (सुजि) ससिधि ,  
सतत रूप तक भाव सभाव ॥—२०३

स्वाद रूप (तव) लखण सील सच ,  
तरह (राख भव समद तर ।

(अ) <sup>१</sup> असिख <sup>२</sup> आह्वीय <sup>३</sup> सगना <sup>४</sup> वायक <sup>५</sup> मन - मेळक ।

मावव सिमर देह कर निरमळ ,  
पाप न लागै येण पर) ॥—२०४

### माण (नाम अहकार)

मच्छर समय अहकार दरप मद ,  
माण पाण पौरिसि अभिमान ।  
तव अभिमता गरूर रढ<sup>१</sup> (तजि ,  
घरि मत गरव घरि हरि ध्यांन) ॥—२०५

### क्रिपा नाम

(कहि) अनुक्रोस<sup>२</sup> घ्रिणा<sup>३</sup> अनुकंपा ,  
हतोगति<sup>४</sup> किरपा महिरि<sup>५</sup> ।  
मया दया (राखै जग-मडण) ,  
करणा<sup>६</sup> (निधि हरि भजन करि) ॥—२०६

### कपट नाम

परमकोस<sup>६</sup> परवाद<sup>७</sup> व्याज मिस ,  
छद्रंभ छेत्रण दभ छळ ।  
(नाम) लख्य विपदेस उपनिभ ,  
कैतव वितकरि कळह विकळ ॥—२०७

कूट कपट मनद्रोह तोत (कह ,  
राखण कय बाघो वळि राउ ।  
वाचि' हमीर, वखाण विसन रा ,  
पूजै पनग अमर नर पाउ) ॥—२०८

### समूह नाम

समुदय व्यूह समूह प्रकर (सुरिण) .  
निकर पटल संचय निकरव ।  
पूर पूग व्रज बहुत (पणीजै) ,  
कंदळ जाळ कळाप कदव ॥—२०९

(अ) <sup>१</sup> रढ <sup>२</sup> अनुक्रोस <sup>३</sup> घ्रिणा <sup>४</sup> महर <sup>५</sup> करणा ।

(ब) . <sup>६</sup> परमकोस <sup>७</sup> परिवाद ।

बंध्या नाम

ईहा चाहि वछना इच्छा ,  
 (कहि) वसना चिकीरसव काम ।  
 (विमळ हुवै मन मिटै वासना ,  
 रहि एकत समरिये राम) ॥—२१०

पाप नाम

अधम<sup>१</sup> असुभ तम-व्रजन<sup>२</sup> अघ ,  
 पाप दुरिति<sup>३</sup> दुक्किति<sup>४</sup> दुख पक ।  
 प्राचिति कलुल<sup>५</sup> कलुख दुखपालण ,  
 कलमुख कसमल किलिविख कलक ॥—२११

धरम नाम

, सत कित्त भागधेय त्रिख सुकृति<sup>६</sup> ,  
 धरि-श्रेय (अर पुनि) धरम ।  
 (पूरण ब्रह्म समरि परमातम ,  
 कर आतम उत्तम करम) ॥—२१२

कुसल नाम

[ससत सुश्रेय ससउ अघेय सिव ,  
 भव्यक भव्य भावक अभय ।  
 कुसळ खेम सुभ मद्र (मद्र कहि) ,  
 (माढव) मगळ (हपमय)]\* ॥—२१३

सभा नाम

[आसथान सदघटा आसता ,  
 ससत परखद समिति समाजि ।  
 समिजा गोठि छभा]† (सुजि सोहै ,  
 रोजि हुवै चरचा व्रज - राज) ॥—२१४

(अ) <sup>१</sup> अधम <sup>२</sup> तम - वीज <sup>३</sup> दुरित <sup>४</sup> दुक्कत <sup>५</sup> कलिल <sup>६</sup> सुखरथ ।

\*[सुसेय कुमल आणद सुख ; खेम खैर साखत सुखयाम ।

आनद उछव उछाह आखजै इसवर भज उयजै आराम ॥]

†[आसतन सता - घटा, परिखर ममत समाज, समया गोठ सभा ।]

## सबद नाम

सुर निहृघोख (अनै) निहकु ण सुनि ,  
 निनद कुणत धुनि नाद निनाद ।  
 रूंग आराव (न और) राव रव ,  
 मवद ध्रवान टेर कुण साद ॥—२१५  
 (वळि) निमिवान (हराद नाम वदि ,  
 की गजराज) आवाज पुकार ।  
 (हेदै ग्राह तुरत छोडवियो ,  
 अनत जुगा-जुग भगत उधार) ॥—२१६

## सोभा नाम

भा आभा विभ्रमा<sup>१</sup> विभूखा ,  
 कोमळता राढा दुति क्राति ।  
 सुखमा छिवि परमा श्री सोभा ,  
 (भगवत) कळा अनोपम (भाति) ॥—२१७

## दिन नाम

दिविदु दिवान<sup>२</sup> दिवस वासुर दिन ,  
 अह (इगियारसि) दिविसि<sup>३</sup> (अनूप ।  
 कीजै वरत भजन पिणि कीजै ,  
 भगत - वछळ रीभै व्रज - भूप) ॥—२१८

## किरिण नाम

रसमि<sup>४</sup> जोति<sup>५</sup> दुति गो छिवि सुचि रुचि ,  
 वसू दीधती असुग<sup>६</sup> विभा ।  
 किरिण मयूख मरीच धाम कर ,  
 भानुभा प्रतीप दीपति प्रभा ॥—२१९

(गोविंद) तेज अवार (जगत-गुरु ;  
 घट-घट व्यापक वडिम घण ।  
 ताप पाप मेटण आतम तन ,  
 विसन तरण कहि जस वयण) ॥—२२०

(अ) <sup>१</sup> विभ्रमा <sup>२</sup> दिवान <sup>३</sup> दीह <sup>४</sup> रसम <sup>५</sup> वाति <sup>६</sup> असु ।

तेज नाम (उजास नाम)

तेज उदोत वरच तम - रिपि (तवि) ,  
उजवाळो<sup>१</sup> आलोऊ उजास ।  
ग्यान प्रकास (उर सग्रही ,  
समरि - समरि हरि सास उसास) ॥—२२१

सेत (स्वैत) नाम उजल नाम)

सेत विसद अविदात हिरिण सिति ,  
सुभ्रू (अळभद्र) अरजुन सुकळ ।  
पाडूर पाड घवळ सुचि पाडू ,  
(उचरि हरि चित मन कर उजळ) ॥—२२२

रात्रि नाम

निसीथणी जामणि निसा निसि ,  
तमसी तमी तामसी (ताय) ।  
जनया खिणदा<sup>२</sup> खिपा त्रिजामा<sup>३</sup> ,  
विभावरी<sup>४</sup> सरवरी (बचाय) ॥—२२३

रात्रि रात्री<sup>५</sup> सिस - प्रिया<sup>६</sup> रंजनी ,  
(हुअ्री अस्टमी जनम हरि ।  
मुथरा माहि वरतिया मगळ ,  
घण कितूहळ घरोघरि) ॥—२२४

अधारी नाम

अघ तंमस सतमस अघ तमस ,  
तमस तिमिर भू - छाय तम ।  
अधकार घ्वातस<sup>७</sup> (मेटण) अघ ,  
(वरळ कोटि पूरण ब्रह्म) ॥—२२५

स्याम नाम

स्याम रांम मेळक (वळि) सामळ<sup>८</sup> ,  
किरिठ<sup>९</sup> धूमरक<sup>१०</sup> अश्रु भ्रू (वळि) काळ ।

(अ) - २ खणदा ३ त्रजामा ४ विभरी ५ रात ६ रस-प्रिया ७ घा अत ८ स्यांमळि ।

(ब) : १ अज - आळो २ करठ ३ धूम ।



अलिप्रभ असित नील (आखीजै) ,  
किसन-वरण (धिन क्रिसन-क्रपाळ) ॥—२२६

#### दीपक नाम

कजळ - अक<sup>१</sup> तेज धज - कजळ ,  
नेहप्रीय ग्रहिमिणि तमनास ।  
(उतम दसा करख दसय धरा ,  
आणद जोति सिखा ओजास) ॥—२२७

सारग दीप प्रदीप दसासुत ,  
ओपण धार (दसा अवतार ।  
दस अवतार लिया दामोदर ,  
भगवत भौमि उतारण भार) ॥—२२८

#### चोर नाम

प्रतिरोधक मरमोख<sup>२</sup> पाटचर ,  
निसचर दुस्टि<sup>३</sup> गूढचर (नाम) ।  
तेय पार पथक दमु तसकर ,  
एकागारक<sup>४</sup> नाळ<sup>५</sup> - अलाम ॥—२२९

कुवधमूळ मूळचप रासकदी ,  
रामण चोर लकपती राण ।  
(लेग्यौ सीत अकली लाधी ,  
कीधौ हति रुघवर किल्यारण) ॥—२३०

#### मूरखि नाम

मूरिख मुगध अजाण मीमीतमुख ,  
मूढ मदमती हीण अमेघ<sup>६</sup> ।  
वाळस<sup>७</sup> जथाजात सठ कद (वदि) ,  
नैड मूक वैधअण निखेद ॥—२३१

जालम वाळ अग्यान विवर जड ,  
असन अवूज रहिति - इतिवार ।

(अ) <sup>१</sup> कजुळ - अक <sup>६</sup> अमेद <sup>७</sup> वालिस ।

(ब) <sup>२</sup> परमोख <sup>३</sup> दुमट <sup>४</sup> यकागारिका <sup>५</sup> नाळय ।

महाविकळ अगळ ज स्थानि - निमठ ,  
(गोविंद भजै तिकै) गिमार<sup>१</sup> ॥—२३२

कूकर नाम

कूकर सारमेक कोयले ऋ ,  
भुसण पुरोगति असतभुऋ ।  
रितसाई रतिकील रितपरस ,  
(दाखि) विरित वैणता सडुक ॥—२३३  
लेखिराति जागर रसनालिटि ,  
म्रगदस साला ब्रकमडळ ।  
वळितिपू छ ग्रहम्रग चक वाळध ,  
खेतलरथ मजारखळ ॥—२३४

ग्रामसीह जीभय<sup>२</sup> स्वानि (गिणि ,  
स्वान सुनर घर तास समान ।  
कपटि कूर करम करे काळ-वसि ,  
भगतवळळ न भजै भगवान) ॥—२३५

खर नाम

चक्रिवा<sup>३</sup> रासिबि<sup>४</sup> चिरमेही ,  
परिण गरदभ<sup>५</sup> सीतल - पुहण ।  
भारवहण<sup>६</sup> सखससदी भू कण ,  
करणालब सकुकरण ॥—२३६  
खुरदम खर वालेय सरीखत ,  
(ओ) नर-मूढ-सरीख अजाण ।  
(ब्रजभूखण न जपै निसि वासुर ,  
पुराँ कूड न सुराँ पुरांण) ॥—२३७

विस नाम

(तवा मार मारण रस तीखण ,  
(गिणीजै) हाळाहळ<sup>७</sup> गरळ ।

(अ) <sup>१</sup> गीवार <sup>३</sup> चक्रिवान <sup>४</sup> रासभ <sup>५</sup> गरधभ <sup>६</sup> भारलदण <sup>७</sup> हळाहळ ।  
(ब) <sup>२</sup> जिभाय ।

ससार जहर (दुख वारण ,  
केवळ हरि व्यापक सकळ) ॥—२३८

#### अत्रित नाम

अगदराज देवभख अत्रति ,  
मधु (कहि) रतन समदसुत मार ।  
मोभ पयूख सुधा जग-साचो ,  
(सुजि श्री राम नाम तज सार) ॥—२३९

#### चाकर नाम

चाकर परपिडित पराचिति<sup>१</sup> ,  
डिर<sup>२</sup> भ्रत्य<sup>३</sup> परपघत<sup>४</sup> दास ।  
किंकर परसकद परकरमण ,  
विधकर भट परजीत खवास ॥—२४०

चेट प्रईख भुजक परचाकर ,  
नफर निजोज<sup>५</sup> सेवगर (नाम) ।  
अनुचर अनुग (हमीर अनत री ,  
गोलो खानाजाद<sup>६</sup> गुलाम ॥—२४१

#### डर नाम

भीय वीय भय वास भीत भी ,  
(तवि) साधस डर दर अतक ।  
उद्रक चमक (वळ<sup>७</sup>) आसक्या ,  
(समरि प्रभू मेटण जम-सक) ॥—२४२

#### आभना नाम

आडम हुकम आगिना अग्या ,  
मानन जोग नियोग जुसोई ।  
(प्रेव देम) आदेस (जगतपति) ,  
(हरि) फुर्माण (हुअं तिम होई) ॥—२४३

(५) : <sup>१</sup> परकीय <sup>२</sup> डगर <sup>३</sup> भ्रतीय <sup>४</sup> परदघत <sup>५</sup> निजोजि <sup>६</sup> खानेजाद ।

वेला नाम

वरतमान अनिमिख खिणि वेळा ,  
वार वेर प्रसताव<sup>१</sup> वय ।  
काळ अनीह प्रक्रमी अतर (कहि) ,  
सोम<sup>२</sup> ताळ पौहरो समय ॥—२४४

अवसर (बुही जात आतमा ,  
करि कारिमा फिटा सही काम ।  
राघव तरण जोडि गुण रूपक ,  
मारण दळिद्र वधारण माम) ॥—२४५

पीडा नाम

रुज उपताप<sup>३</sup> व्यथा<sup>४</sup> पीडा रुग<sup>५</sup> ,  
आभय आम माद आतक ।  
व्याध<sup>६</sup> रोग असमाधि अपाटव ,  
सगट<sup>७</sup> (गद भेटण हरि सक) ॥—२४६

कूड नाम

कूड ब्रथा मिथा खोटीकथ ,  
असिति अठीक अलोक<sup>८</sup> अणाळ ।  
वितथ<sup>९</sup> विकळ अनिरित अनरथ (वळि ,  
प्रभू समरि तजि) आळ - पपाळ ॥—२४७

साच नाम

तथि सचि समगि सचौक जथातथि ,  
(वदि) सद भूति विसोवावीस ।  
समीचीन<sup>१०</sup> निसचौकरि<sup>११</sup> सन्नत ,  
(जग पुडि साच रूप जगदीस) ॥—२४८

वलद नाम

वाडिभेय भद्र सौरभेय ब्रख ,  
हररथ व्रत हरनाथहर ।

(अ) <sup>१</sup> पिमताव <sup>२</sup> स्याम <sup>३</sup> उताप <sup>४</sup> विथा <sup>५</sup> रुघ <sup>६</sup> व्याधि <sup>७</sup> सकट  
<sup>८</sup> अनीत <sup>९</sup> वेतत <sup>१०</sup> समचन <sup>११</sup> चौकस ।

[घमळ वळघ धोरी सधुरघर]\* ,  
चौपग हळवाहरण (उचरि) ॥—२४६

अनुडवान पसु वळि वळद उख ,  
कुकुदवान श्रृ गी यळकार ।  
तव ब्रखभ (सुजि)रिखभ<sup>१</sup>वैल (तिरिण ,  
भूधर हुकम लियो धर भार) ॥—२५०

#### गाय नाम

माहा गाइ<sup>२</sup> गऊ<sup>३</sup> माहेई<sup>४</sup> ,  
सुरभी<sup>५</sup> सौरभेई सुरिहि ।  
अग्निना<sup>६</sup> ऊश्रा श्रृ गणी उखा ,  
कवळी<sup>७</sup> कपळा (नाम कहि) ॥—२५१

तपा (अनि) देवाघरण तवा ,  
(वळ<sup>८</sup> अरजनी<sup>९</sup> दहावन<sup>६</sup> ।  
(धरणीघर सुदर गिरि धारण ,  
धनी रोहणी ग्वाळ धिन) ॥—२५२

#### वाछडा नाम

तरण वाछडा वाछ ठोवडी ,  
वाच सक्रतकर वाछा लवार ।  
(वन मा आवि चोरिया ब्रह्मा ,  
त्रिकम नवा उपाया तार) ॥—२५३

#### दूध नाम

मधू गोरस उतमरस सोमिज<sup>१०</sup> ,  
[दुगध पु सवन उवसि (पुनि) दूध]† ।  
सतन खीर पय अम्रति<sup>११</sup> सवादक<sup>१२</sup> ,  
(मोकि किसन पीघो मन सुध) ॥—२५४

(घ) <sup>१</sup> रखभ <sup>२</sup> गाय <sup>३</sup> गाऊ <sup>४</sup> माहेवी <sup>५</sup> सुरह <sup>६</sup> अग्ना <sup>७</sup> कवनि  
<sup>८</sup> अरजुनी <sup>९</sup> महावन <sup>१०</sup> सोमज <sup>११</sup> इम्रत <sup>१२</sup> सवादिक ।  
\* [घमळ वळद घेंधोरी धीगर] । † [दगध उदसि (पुनि) ओदसि दूध] ।

दही नाम

दही<sup>१</sup> (नाम) गोरस खीरज दध ,  
(दधि पीतो हरि लेतो डारण) ।

छाद्य नाम

मथिति उदिचित काळसेम मही ,  
(पीधी) छासि तक्र (पुरिख पुराण) ॥—२५५

मांखण नाम

तक्र-सार दधसार सारज (तवि) ,  
नेगवी (ने) माखण नवनीत ।  
(धिन कानड चोरती नवोघ्रति ,  
पीतम गोकिल पुरिख प्रवीत) ॥—२५६

घृत नाम

हय<sup>२</sup> अगवीन<sup>३</sup> नूप चौपड हवि ,  
घिरत आजि आहिजि आहार<sup>४</sup> ।  
सरपि खि हविखि तेजवत सवळी ,  
अभत जोतवत तेज अवार ॥—२५७

भोजन नाम

अमि<sup>५</sup> विहार<sup>६</sup> अहार अरोगण<sup>७</sup> ,  
निधस लेह्ण जीमण धिसनाद ।  
भखण अनंद<sup>८</sup> खादण (वळि) वळभन<sup>९</sup> ,  
सुखदवि - खाण<sup>१०</sup> प्रसाद सवाद ॥—२५८  
(पति-वसाण अवसाण जगध पिणि ,  
तत करै भोजन खट त्रीस ।  
जसुमंत मात जुगति जीमाडै ,  
जीमै आप किसन जगदीस) ॥—२५९

(अ) १ महि २ हई ३ यगुवन ४ आघार ५ हरभ ६ वहार ७ आरोगण  
८ अनदण ९ वलभण १० खावण ।

## सुमेर-गिर नाम

रतन-सान<sup>१</sup> गिरपति पचरूपी ,  
 सुरगिर कचनगिर<sup>२</sup> सबळ ।  
 मेर सुमेर सुथानिक माहव ,  
 (चवा) कुरिणा काचळ अचळ ॥—२६०

## सरग नाम

ऊरधलोक नाक अमरालय ,  
 भुव<sup>३</sup> दिवत सुर-रिखभ-वन ।  
 त्रिदिव<sup>४</sup>अवय(तवि तवि)खित्र-दस-तप ,  
 (सुरगपति पति श्रीकिसन) ॥—२६१

## इंद्र नाम

इंद्र पाक - सासन आखडळ ,  
 देवराज सक्र पुरदर<sup>५</sup> ।  
 विघश्रवा मघवास<sup>६</sup> अछरवर<sup>७</sup> ,  
 वरक्रित<sup>८</sup> सतक्रति<sup>९</sup> धरवजर<sup>१०</sup> ॥—२६२

दळभ ब्रखा व्रतहा<sup>११</sup> सक्रदन<sup>१२</sup> ,  
 वासव मरुतवान मघवान ।  
 पूरवपति पुरहुति सचीपति ,  
 जिसनु<sup>१३</sup> सुरेस सरगराजान ॥—२६३

हरिहय सहसनेत्र घणवाहण ,  
 उग्रधन अरावण अघिप ।  
 सुनासीर क्रितमन सुत्रामा ,  
 (नाम) रिखभ महानूप ॥—२६४

खिलेखा रिखेभ जभभेदी ,  
 विडग्रौजा प्राचिन विरह ।  
 तुराखाट दुचवन हर तखतखी<sup>१४</sup> ,  
 कौसिक मरुत सुराट (कह) ॥—२६५

(अ) <sup>१</sup> रतनसोत <sup>२</sup> कठनगिर <sup>३</sup> भुवि <sup>४</sup> त्रदव <sup>५</sup> पुलदर <sup>६</sup> मघव <sup>७</sup> अपछरवर  
<sup>८</sup> वरक्रितु <sup>९</sup> सतक्रतु <sup>१०</sup> वजरघर <sup>११</sup> व्रतहास <sup>१२</sup> सुक्रदन <sup>१३</sup> जिष्णु  
<sup>१४</sup> तपतखी ।

(इसडा अमर जास आराधै ,  
सास - सास प्रति तास सभारि ।  
वळि - वधण काटै क्रम - वधण ,  
पूरणग्रह्य उतारै पारि) ॥—१६६

देव नाम

निरजर अमर धरहमुख नाकी ,  
आदितसुत अभ्रतेस (उचार) ।  
विवुध<sup>१</sup> - लेख त्रदसा त्रववेसा<sup>२</sup> ,  
रिभु क्तभुत्र सुमनस असुरारि ॥—२६४

अनिमिख त्रदारका अर्निद्रा<sup>३</sup> ,  
दिविअोकस दिवखद सुर - देव ।  
(देवा - देव देवकी नदन ,  
सुध मवा हरि री कर सेव) ॥—२६८

अग्नि नाम

क्रस्ण वरतमा अग्नी त्रखा कपि ,  
सिखावान<sup>४</sup> सिख<sup>५</sup> हुतासण<sup>६</sup> ।  
पावक रोहितास स्वाहापति ,  
दमुना दावानळ दहन ॥—२६९

वरहि सुक्र सुखम<sup>७</sup> उखर - बुध ,  
आसुसुखण जगणी अनळ (जाणि) ।  
मगळ सपतारची सुरामुख ,  
जळण धनजय जाळिअळ<sup>८</sup> (जाणि) ॥—२७०

वीत्रहोत्र<sup>९</sup> वहनी वैसनर ,  
सोचीकेस (सुची) पवनसख ।  
तनुनपात जातवेदा तप ,  
चित्रभानु (अर) माहेसचख ॥—२७१

(अ) <sup>३</sup> अर्निद्रा <sup>४</sup> निखवान <sup>५</sup> सुख <sup>६</sup> दहण <sup>७</sup> सुखमा <sup>८</sup> जाळनणि <sup>९</sup> वीतीहोत  
(ब) <sup>१</sup> दिविध <sup>२</sup> त्रदवेसा ।



जगाला आपित<sup>१</sup> जागवी<sup>२</sup> ,  
 आश्रगाम उदर-चउ-मन ।  
 विभावसु<sup>३</sup> छागरथ विगेचन ,  
 घ्निति आहूतण तमोघण ॥—२७२

घोम समीग्रभव फुळ वूमधज ,  
 वमु ऋसण हुतभुक हविवाह ।  
 अरच खमत (हुव हरि आतम) ,  
 दुसह (ब्रह्म भवन भदाह) ॥—२७६

(जिम जागती विपन परजाळै ,  
 वमु ऋसण हुतमुक हविवाह ।  
 दुसह (ब्रह्म भवन भदाह) ॥—२७४

(जिम जागती विपन परजाळै ,  
 परमेमर जाळै डम पाप ।  
 देवा देणां देव दर्इता दव ,  
 जादव-तिलक तरणो जपि जापु। ॥—२७५

#### वलभद्र नाम

वळिभद्र<sup>४</sup> ताळ लखण निलावर ,  
 अच्युताग्रज वळि हळायुव<sup>५</sup> ।  
 सीरपाण वळिदेव सतालक .  
 (भुरासिंध ना करण जुव) ॥—२७६

कामपाळ भेदन - काळ द्री ,  
 रोहणेय<sup>६</sup> सकरषण-राम ।  
 पीय-मद्यु मूसळी-हळी (पिणि) ,  
 (नांम अनत सीता सित नांम) ॥—२७७

(वधव तास तरणो वळि-वधण ।  
 आदि पुरख ठाकुर अविणास ।  
 सुरा सुधार संघारण असुरा ,  
 उर अतर हरि री करि आस) ॥—२७८

#### वरुण नाम

पासोजळ कातर प्रचेता ,  
 जळपति मळपति पुरंजन<sup>७</sup> ।

(अ) : <sup>१</sup> अपला <sup>२</sup> जागेवी <sup>३</sup> विनवमू <sup>४</sup> वळभद्र <sup>५</sup> हळआयव <sup>६</sup> रोहणे <sup>७</sup> परजन ।

मेघनाद नीरोवर<sup>१</sup> मदर ,  
वरुण वरणावै (जस किसन) ॥—२७८

कूबेर नाम

वसु (दरम) घनद<sup>३</sup> नरवाहण ,  
किपुर खैसर रतनकर ।  
(कहि) कुह पिसाची कमलासी<sup>३</sup> ,  
वैश्रवण<sup>४</sup> निधि-ईसवर ॥—२७९

जखाधीस हर-सखा त्रसर-जख ,  
(पुनी) जघेसर उत्तरपती  
एकपिग पौलस्त एळविळी ,  
श्री दसतोदर (नाम) मती ॥—२८०  
राजराज किंनरेस (नर-धरम) ,  
(जपि) जखराट घनाधिप (जाणि) ।  
भव थापियौ कमेर भडारि ,  
मोटा धणी तणी फुरमाण) ॥—२८१

जसट सिधी नाम

अणामा महमा<sup>५</sup> (अनै) ईसता<sup>६</sup> ,  
प्रापति<sup>७</sup> वमीकरण प्राकाम ।  
(सुजि)गरिमा<sup>८</sup> लघिमा<sup>६</sup> (आठ अँ सिधी ,  
सुजि हरि आगळी करै सलाम) ॥—२८२

नव निधि नाम

कछप खरव सख<sup>१०</sup> नील नुकदक रिद<sup>११</sup> ,  
कुद महापदम पदमा मकर ।  
(नर घर तास निवास नवै निध) ॥—२८३

द्रिच्य नाम

द्रिवण<sup>१२</sup> विभव वसु श्रवरै द्रिवि<sup>१३</sup> ,  
आइतेयक सवर अरथ ।

- (अ) १ नीपेयण २ घननदन ३ कविलासी ४ वहीवरण ५ इसमा ६ प्रापता  
७ गिरमा ८ लगमा १० सखु, सधुख ११ रिघ १२ द्रवण १३ द्रव ।  
(ब) ५ महिमा ।

मनरजण माया घन द्युमण ,  
 ग्रहमडण संधव गरथ ॥—२८४  
 वुसत इरिण<sup>१</sup>कु भरि(कथ कथ)विति ,  
 निघ रिघ सरति माल निधान ।  
 आधि खजांनी सार (अमारै ,  
 भगतवछळ गोविद भगवान) ॥—२८५

### मोती नाम

मोताहळ मुक्ताफळ<sup>२</sup> मुक्ता ,  
 (अरु) मुक्तज सुक्तज (उचरि) ।  
 गुलकारस-उदभव<sup>३</sup> सिसिगोती<sup>४</sup> ,  
 हसभख मोती (कीध हरि) ॥—२८६

### स्याम कार्तिकेय नाम

स्यामी महासेन सेनानी<sup>५</sup> ,  
 (कहि) [परभ्रति सिखडी सुकमार]<sup>६</sup> ।  
 सुतन - उमा गगा-क्रतिकासुत ,  
 चखवारह खटमुख व्रह्मचार ॥—२८७  
 तारकारि कौचार सगतभ्रति<sup>६</sup> ,  
 सरभू अगिभू<sup>७</sup> छमा सकद ।  
 रुद्रातमाज<sup>८</sup> विसाख मोररथ ,  
 (गिरधर मोरमुगटागोविद) ॥—२८८

### मोर नाम

केकी वरही<sup>९</sup> विरह<sup>१०</sup> कळापी ,  
 कुसळापाग<sup>११</sup> पनग - सघार ।  
 (मजर मोर चद्र सिर माधव ,  
 सोभा सहत प्रपित सिणगार) ॥—२८९

(अ) <sup>१</sup> हरिन <sup>२</sup> मुगतीक <sup>३</sup> गुलिकारस-उदभव <sup>४</sup> सिसिगोती <sup>५</sup> सगतभ्रम  
<sup>६</sup> विरहण <sup>१०</sup> सुकळी-माग ।

\*[माहातेज कारतिक कुमार व्रनचारि] ।

(ब) <sup>५</sup> मेनी <sup>७</sup> यग-भू <sup>८</sup> रुद्र-श्रातमज ।

(नाम) मयूर मेघनादानुळ<sup>१</sup> ,  
 (तवा) नीलकठ प्राणब्रस्टोक<sup>२</sup> ।  
 [सिंहड सिखा सिखी सिखडी]\* ,  
 कुभ सारग रथ-कारतीक ॥—२६०

गरुड नाम

सुपरण्येय<sup>३</sup> सुपरण<sup>४</sup> सालमली<sup>५</sup> ,  
 गरुतमान श्रीधल गरुड<sup>६</sup> ।  
 सोन्नतन घखपख<sup>७</sup> कासिपी<sup>८</sup> ,  
 पखपती पखी प्रगड ॥—२६१

तारख अरुणावरज<sup>९</sup> वजरतुड ,  
 वनितासुत खग-ईसवर<sup>१०</sup> ।  
 इद्रजीत मत्रपूत आतमा ,  
 चत्रभुज - वाहख भुजगमचर ॥—२६२

उतावलि (शीघ्र) नाम

(जव) उतामळ<sup>११</sup> भटत<sup>१२</sup> अजसा ,  
 तुरह<sup>१३</sup> वाज<sup>१४</sup> अहनाय<sup>१५</sup> तर ।  
 शीघ्र रभ मतुरण रस सहसा<sup>१६</sup> ,  
 सपत द्राक मखू प्रसर ॥—२६३

अश्रु तुरीस अविलवत आतुर ,  
 (भणि)द्रुति (अरु) खिप्र चपळ(भणो) ।  
 गरुडवेग (मन हूति - सतगुणो ,  
 तिको गरुड - रथ किसन तरणी) ॥—२६४

पवन नाम

वायु वात गधवाह गधवह ,  
 स्वसन सदागति सपरसन ।

<sup>१</sup> मेघनादानळ <sup>३</sup> सुपरण <sup>५</sup> आसुपुर <sup>७</sup> घकपक <sup>९</sup> अरुणावरज

<sup>११</sup> उतावळ <sup>१२</sup> भटति <sup>१३</sup> तुरत <sup>१४</sup> वाय <sup>१५</sup> अनाघतर <sup>१६</sup> सहसा ।

\*[सिंहड मिळ्या वल सेख सिखडी] ।

<sup>२</sup> प्रविसक <sup>६</sup> गुरुड <sup>८</sup> कास्यपी <sup>१०</sup> पख-ईसवर ।

मारत मारुत समीर समीरण ,  
जगत - प्रारण आसुग जवन ॥—२६५

मेघवाहण पवनमान महावळ ,  
प्रापक अघभखण पवन ।  
नील अनीळ अहिवलभ<sup>१</sup> सासनभ ,  
जळरिप चचळ प्रभजन ॥—२६६

(सुत तिरण तरणी हणूंत तिर सायर ,  
करि निज स्याम तरणी सिध काम ।  
लका जाळि सीत सुधि लायौ ,  
रळीयाईती कीधी श्रौ स्याम) ॥—२६७

#### मेघ नाम

पावस मुदर वळाहक पाळग ,  
धाराधर (वळि) जळधारण ।  
मेघ जळद जळवह जळमडळ<sup>२</sup> ,  
घण जगजीवन घणाघण ॥—२६८

तडितवान तोईद<sup>३</sup> तनयतू ,  
नीरद वरसण भरण-निवाण ।  
अभ्र परजन नभराट आकासी ,  
कामुक जळभुक महत किलाण ॥—२६९

(कोटि सघण सोभा तन कान्हड ,  
स्याम त्रेभुअण स्याम सरोर ।  
लोक माहि जम जोर न लागै ,  
हाथि जोडि हरि समर हमीर) ॥—३००

#### वीजला नाम

चपळा औरावता<sup>४</sup> चचळा ,  
खिणका सौदामणी खिनणी<sup>५</sup> ।

(अ) <sup>२</sup> जळमंडण <sup>३</sup> तोयसट, तोयद <sup>४</sup> औरावती <sup>५</sup> खिमण ।

(ब) <sup>१</sup> अहिलभ ।

सिमरिव<sup>१</sup> तडित्त<sup>२</sup> सतरिदा<sup>३</sup> सपा ,  
मिराजळ बाळा-जळ-रमणि<sup>४\*</sup> ॥—३०१

अकाळकी<sup>५</sup> रादनी<sup>६</sup> असनी  
[विद्युति छटा सुव्रीजळी बीज]† ।  
(बीज जोती पीतावर बीठळ ,  
रूप सपेख करै सुर रीळ) ॥—३०२

अकास नाम

ख असमान अनत अतरिखि<sup>७</sup> ,  
वोम गिगन नभ अभ विअद<sup>८</sup> ।  
पवन-मेघ-पथ‡ उडप सूरपथ ,  
पुहकर<sup>९</sup> अवर<sup>१०</sup> विसनपद ॥—३०३

तारा नाम

जोति धिस्म<sup>११</sup> ग्रह रिखभ ज्योतिख ,  
तारा नखत तारका<sup>१२</sup> तास ।  
उडगन उड दीपक-हरी-आगळी ,  
(इधक चगमगै ज्योति आकास) ॥—३०४

नाव नाम

वोहिति नाव वहतिक वेडो ,  
जानपात्र जळतरड जेहाज ।  
वहण पोत (भव महण लघावण ,  
तरण उदय हरि नाम तराज) ॥—३०५

सख नाम

सख कवू वारिज सिसि-सहोवर<sup>१३</sup> ,  
रतनखोड<sup>१४</sup> सावरत त्रिरेख ।

(अ) २ तडित्ति ३ सतरदा ४ जळरमणि \*बाळा-जळ-रमणि=बाळा-जळ, जळ-  
रमणि । ५ आकासकी ६ राआदनी ७ अतरिखण ८ विद्यद, वयद ९ पोहकर  
१० अमर ११ धिमन १२ तारकस १३ समहोवर १४ रतनखोडि †[विद्युत छटा  
बीजळी बीजा] ‡पवन-मेघ-पथ=पवन-पथ, मेघ-पथ ।

(ब) १ समरिव ।

(अनत तरणै आवध कर अतर ,  
विधि-विधि सोभा वणै विसेख) ,

(अनत अछेह छेहन आवै ,  
तास कमण पावै विसतार ।  
साभळि अरथ पराकृत सासिनि ,  
अकळि प्रमाणै कियो उचार) ॥—३०७

(जाडेजा सूरजि रख जळवट ,  
भुज भूपति लखपति कुळ - भाण ।  
त्रय ग्रथ कीध अजाची तिण रै ,  
जोतिख पिगळ नाम श्रव जाण) ॥—३०८

(जोइ अनेकारथ धनजय ,  
'माण - मजरी' 'हेमी' 'अमर' ।  
नाम तिका माहै निसरिया ,  
उवै भेळा भेळाया आखर) ॥—३०९

(अत जगदीस तरणै जस आणै ,  
विवरण करि कहिया वयण ।  
चिति निति हेत सही चितवियौ ,  
रीभविरी रुखमण - रमण) ॥—३१०

(समत छहोतरै सतर मे ,  
मतो ऊपनी 'हमीर' मनरे ।  
कीधी पूरी नाम - माळिका ,  
दीपमाळिका तेण दिन) ॥—३११

पर्यायवाची कोष—४

अवधान - माला

वारहठ उदयराम विरचित

---





## अथ अवधान - माला लिख्यते

### इहा

सिव सकती वंदी सदा , रमापति दिन - रात ।  
पूजै दिनकर गणपति , उकती बुध उदात ॥—१  
जोड गीत छदा जुगत , जोडै नाम सुजाण ।  
नाम - माळ त्रिविधा निपुण , पढ करि कठ प्रमाण ॥—२  
नाम - माळ मुर नाम , जुगती अवघा धुर जाणौ ।  
अेक सवद घण अरथ , वरण दधि खड वखाणौ ॥  
वरण एक विसतार , कळा लग वार उकती ।  
पद - पद अरथ अपार , सुकव तत सार सकती ॥  
अनेक ग्रंथ सूभै अरथ , कव कविता कायव कहण ।  
अव जाण गुण भारासुतन , महाराव देसळ महण ॥—३

### इहो

पात प्रथम अवघा पढौ , नाम - माळ जग नाम ।  
देसळ गुण दरियाव ज्यू , समभै स्यामा - साम ॥—४

### गणेश नाम

गणपत रगण गजानन गुणवरदान गरौस ,  
सिधवुधवायक बुधसदन हीरव पुत्र - महेस ॥—५  
द्वैमातर लवोदर निधगुण गवरीनद ,  
एकरदन अग्रेसुरं सु डाळौ सुभकद ॥—६  
विघनराज विनायक परसीपाण प्रचड ,  
(रूपो मागै राजरी अघ्नी सेव अखंड) ॥—७

### सारदा नाम

वांणी बुधदा ब्राह्मी निघवाणी (नवनीत) ,  
सुरमात्रा हमासणी सारदा सरसत ॥—८  
भाखा गो वच भारथी ब्रह्मसुता वरदात ,  
गिरा रगी धमळागिरी देवी वरदउदात ॥—९

कसमीरी कसमीरसी उजळ रूपउदार ,  
(मागै देसळ महीपति देवी वर दातार) ॥—१०

### सदासिव नाम

सकर हर श्रीकठ सिव उग्र गगवर ईस ,  
प्रमथाध्रप कैलासपत गिरजापती गिरीस ।—११  
भव भूतैस कपाळभ्रत उमयायष्ट ईमान ,  
धूरजटी अड ब्रखभधज मरवरित सुछांन ।—१२  
मिभू त्रवक सससिखर सध्यापत समसार ,  
परम पिनाकी पसुपती त्रिलोचन त्रपरार ।—१३  
वोमकेस वाहृणब्रखभ नीलकठ गगनाथ ,  
ऋसानरेता डमरूकर सूलपाण सममाथ ।—१४  
ऋतघती त्रिखयतऋत अत्युजय महादेव ,  
गिरीस कपरदी परमगुर सिधेसुर जगसेव ।—१५  
अष्टमूरती अज अकळ उरघर्लिग अहिग्रीव ,  
कपरदोस खळवधर जगतेसुर जगजीव ।—१६  
दहनमनोज ऋसानद्रग भसम जटेस भवेस ,  
विस्वनाथ रुद्र वामसर परभ्रत तपम महेस ।—१७  
विरूपाक्ष दईतेद्रवर ऋतघुंसी अधकार ,  
भीम सदासिव तम भवी दिगवासा दातार ।—१८  
लोहितभाळ विसाळद्रग अजसुत खड अनत ,  
(सुख मुकतीदाता सदा भव मुर लोक भुजत) ॥—१९

### गिरिजा नाम

श्री गिरजा सकती सती पारवती भवप्रांण ,  
हेमवती दुरगा हरा रुद्रांगी मुरराण ।—२०  
भवा भवानी भैरवी चचरच चामड ,  
मातंगी श्रव मगळा अवा जोत - अखड ।—२१  
सिवा सकरी ईखरी माहेमुरी सुमात ,  
कतियाणी काळी उमा देवी (वरद उदात) ॥—२२

अडा नितजमा मैनका दख्याणी वरदान ,  
सखांणी सिंघवाहणी अपरणा (र) ईसान ।—२३  
(जगदवा आरूढ जस, उदाकरी उचार ,  
काळी गुण भुजियां करण , चढ पदारथ च्यार) ॥२४

श्रीकृष्ण नाम

स्याम मनोहर श्रीपती माधव वाळमुकद ,  
कु जविहारी हरि कसन् गिरधारी गोविंद ।—२५  
मधुसूदन मधुवनमधुप चक्रपाण व्रजचद ,  
व्रजभूखण वसीधरण नारायण नदनद ।—२६  
दामोदर दईतेंद्रवर मरदनमेछ मुरार ,  
अघवकादिहता अनत कैटभ अजित कसार ।—२७  
पदमनाभ त्रैलोक्यपत धनसखादिकधार ,  
देवादेव जनारदन व्रज - वैकुण्ठ - विहार ।—२८  
विखकसेन यद्रावरज सखधार सारण ,  
गिरधारी धारीगदा भूधर पदव्रभग ।—२९  
विसभर करता विसनु वासदेव (विसेस) ,  
जादवपत अरजुनसखा रिखीकेस राकेस ।—३०  
पु डरीकाक्ष पुराणपख पुरुसोतम उपयद्र ,  
जगवदण जगमूरती चद्रवस - को - चद ।—३१  
कान अच्युत नरकातकत जळक्रीडा जगनाथ ,  
राधावलभ सवरित सकरखण गोसाथ ।—३२  
द्वारकेस सुतदेवकी गोपीपत गोपाळ ,  
प्रभा स्याम पीतवर जादववस - उजाळ ।—३३  
श्रीधर श्रीवक्षस्थल गुरडासण गजतार ,  
धजाखगेस अधोखज विस्वरूप - विस्तार ।—३४  
भूधरभारउतारभू भगतवछळ भगवत ,  
भवतारण भवभयहरण कारण कमलाकत ।—३५  
गोपपती प्रभु परमगुर सेखसाय अधसाय ,  
व्रण्टरसवा व्रखाकप (श्रवत मुनद्र सहाय) ।—३६

अवणासी नित अजर अज दीनानाथ दयाळ ,  
वनमाळी विठलेसवर गोकळेस पतगवाळ ।  
मधुवर्णसिधु महमहण स्याम मय्यसामद ,  
वलभज्यन रुकमणावरण केवल आनदकद ।—३८

मुरलीमनोहर मधुवनी नाथ जसोदानद ,  
ऋपासिधु (कीजै ऋपा) अकलेसुर व्रजयद ॥—३९

#### दधजा नाम

दधजापदमा यदरा विसनप्रिया हरिवाम ,  
रिधी-सिधी-दाता मार मा(नरहर)लिच्छमी(नाम) ।—४०

कमला भूजापत करम लोकमाता श्री लच्छ ,  
हरदासी लई हरिप्रिया स्यामा सुखदा (सुछ) ॥—४१

#### सूरज नाम

सूरज सविता सहसकर उसनरसम आदीत ,  
दसदिनेस दिनकर दिनद पिगळ वयळ पुनीत ।—४२

मारतड दणीयर महर भासकर चित्रभाण ,  
हस प्रभाकर तरणहर वीरोचन विवसाण ।—४३

पूखात्र ईतन ग्रहपती पदमणपती पतग ,  
अरण दिवाकर अजनमा अहिकर तेज उतग ।—४४

प्रद्योतन रानळपती तपन तिगम तमरार ,  
मित्र सुमत दुतमूरती सप्रस प्रश्रग-द्वार ।—४५

रव नभमणि पगविण रतन भग भगती भासान ,  
क्रमसाखी तीखसक्रम जगचख धरमजिहान ।—४६

सूर सुमाळी सीतहर अहिपत अरक सूवैन ,  
दोमिण द्वादसआतमा\* तमचर तिमरखतैन ।—४७

जमाकरन सनिजमपितां घात दिवाकर धीर ,  
सोमघात सुरकरिययष्ट विसवक्रमा चक्रवीर ।—४८

\* वारह आदित्य माने गये हैं, इसलिए सूर्य को द्वादस आतमा कहा गया है ।

† देखो टिपणी पृ० १५४ का फुट नोट ।

अगारक हिरळवत अहि पकजवधु प्रकास ,  
तेज कस्यपस्यातमज नरसुरधरमनिवास ।—४६

चंद्रमा नाम

सोम सुधासूती ससी ससि सीतसु ससक ,  
ससहर सारग सीतहर कळानिधि सकळक ।—५०  
चद्र निसाकर चद्रमा दुज यदू दुजराज ,  
कुमदवधु श्रीवधु (कहि) श्रीखधीस उडराज ।—५१  
विध्व हिमकर मधुकर विधी ग्लौ अगवाह अगक ,  
सुभ्रकरण निसनेत्र (सुण) अम्रतमई मयक ।—५२  
सुधारसम सिंधूसुवण रोहराधव राकेस ,  
सिवभाळी सुखमादसद निगदरतन नखत्रेस ।—५३  
(दखण) जुग पदमणपती (ज्यू) चक्रवाह-विजोग ,  
कजारी अपध्यान (कहि) सुभरासी-अहिजोग ॥—५४  
(क्रनातट गोपीकिसन सरद निसा) राकेस ,  
(रचै रासमडळ रमै विलसे हसे विसेस) ॥—५५

कामदेव नाम

मार समर विखमायुध पप-घनवा सरपच ,  
पुखैक मनमथ रतपती श्रीनदन तनसाच ।—५६  
घातवीज हर मकरधज मदन समर समरार ,  
कुसमायुध कद्रप कळ अनग काम ईसार ।—५७  
मधुर करिछय प्रदुमन मीनकेत (कहि) मैन\* ,  
तपनासी सकळ-आतमा कमन सिगारक सेन ।—५८  
लीलज द्रपक मनोज (लख) ब्रखकेतु सुतब्रम  
अतन मनोभव अगगथ पिडुपिड (अरु) प्रभ ।—५९  
आतम-भू उखापती मयण चपळ रितमान ,  
जुराधीस जरजीत (कही सुर-नर देत समान) ॥—६०

\* मीनकेत कहि मैन = मीनकेत, केतमेन ।

## इन्द्र नाम

वासव वज्री व्रतहा मघवा हर मघवान ,  
 सक्रदन सक्र सूरपती मरुतसखा अतवान :-६१  
 दिवसत गोसक सहसद्रग परजापती पुरद ,  
 ब्रखी विडूजा विधश्रवा आखडळ सुरयद ।—६२  
 दतीघावक वारदद्रू जभारात जळेस ,  
 प्रथमीपोख जिगवासपत सूरपुरनाथ सुरेस ।—६३  
 सतक्रत नाकीसुर रिखव सचीस्याम मुक्राम ,  
 सुनासीर भौजीसुधा उरधर्पिड अभ्रस्याम ।—६४  
 (नाम) पाकसासन निधू पूरवपत प्राचीन ,  
 गोत्रभेदी पुरहूगण यद्र जळघआधीन ।—६५  
 भ्रमवाहण रभापती व्यूवर क्रतत्रुखार ,  
 वभयद्री उग्रधन जिसुन पळमन्नखा दिवराट ।—६६  
 तुराखाट त्रदसाविभू पाराजातपत (पाट) ।—६७  
 (नाम) रिभूकी महान्नप दसवन वन-दरसाव ,  
 सघणवाह उचीश्रवा वरही (नाम वताव) ॥—६८

## कल्पवृक्ष नाम

सुरतर हरचनण (श्रवत) श्रवदायक सतान ,  
 तयद्रुम द्रुमपत कल्पतर ददगअखैनिधदान ।—६९  
 श्रगसुखदा मुरसपती पारजात पत्रीस ,  
 (श्रवत) कामधेनु (सदा) जिसनु (ब्रवै जगदीस) ।—७०

## वज्र नाम

वज्र कुलिस यद्रावर्ध दधीचास्थी दनुपाळ ,  
 गोत्रभदी खयपत्रगिर सत्रकौटी खळसाल ।—७१  
 सोरह सिंभूनादनी मिदरसत दभोळ ,  
 जोतसुभ्र पुरहूतजय अदभुत-ससत्र-अतोळ ॥—७२

## सरग नाम

अमरापुर अमरावती उरधलोक द्विविओक ,  
 सुरआलय त्रिदसासन सरग नाक सुरलोक ।—७३

गऊ ग्यानसत उरधगत धरमफूल सुखघाम,  
त्रदन त्रिनिष्टपथान (तव) विवधिस्याम-विश्राम ॥—७४

अपछरा नाम

अछर सुकेसी उरवसी परी घ्रताची (पथ) ,  
मजूघोषा रभ मैनका त्रिलोचना निरतत ॥—७५

गध्रव नाम

गध्रव किनर सुरगण हाहा हूहू (हास) ,  
अमर (परसपर) आदतिया विद्याधरा (विलास) ॥ | ७६

इद्राणी, पुरी, गुर, नदी नाम

सची पुलमजा सक्रप्रिया यद्राणी अरधग ,  
यद्रपुरी अमरावती गुरु ब्रहस्पत जळ-गग ॥—७७

छभा, सेना, घोडा, स्वारथी, हाथी, ददभी नाम

सुमत सुधरमा सेनसुर (वळ) उचैश्रववाज ,  
सुधरमा तुळ स्वारथी गज-अभ्र ददभ (गाज) ॥—७८

वन, रिखदरवान, वैद, विभुता, बाहण नाम

नदनवन नारदरिखी (देवनदी) दरवाण ,  
वैदक अस्नीकुमार विध विभुता वाहं विवाण ॥—७९

इद्र के पृत्र ग्रहमुख, सिलावटा, माया नाम

पुत्र-जयत प्रसाद गृहअनन अगन (अनूप) ,  
सिलपी विसवक्रमा (सदा) रसघण माया (रूप) ॥—८०

रिख नाम

तपसी तापस उग्रतप मुनी मुनेस मुनद ,  
सुकती समदम सजमी उरध्यानी आनद ॥—८१  
रिखीराज रिखन्न दरिख रिख रिखेस रिखराज ,  
काननचारी सतकती जपीतपी जगराज ॥—८२

\* अमर-कोष मे देवताओ की जातियें मानी गई हैं जिनमे विद्याधर और गधर्व दो भिन्न जातियें हैं ।



## छनीछर नाम

क्रस्न रुद्र जम कोणस्त सनी छनीछर मद ,  
पिंगळ वभ्रुपिपळा अतक सवरी - मुनद ॥—८३

## सुद्रसणचक्र नाम

कुडलीक सघारकर वज्रविसन तरवक्र ,  
सारज परछयजार सुरचक्र सुद्रसणचक्र ॥—८४

## कुमेर नाम

राजराज मनखाधरम अलकापत उतरेस ,  
श्रीदत्त सिवसिख वैश्रवण निघपत घनद घनेस ।—८५  
सक्रकोस कैलासपत किनरपती कुमेर ,  
अछद्यासपत एकपग जखराज जखचेर ।—८६  
पुरखाध्रय गध्रवपति गौह गौहकेसर (ग्यान) ,  
(वल) नरवाहण एलवळ घनुद जजेसर (ध्यान) ॥—८७

## जम नाम

भव अघडंडी डंडभ्रत घिष्टडड ध्रमराज,  
विखभधुज जम सक्रती जमनभ्रात जमराज ।—८८  
सउरी रवसुत सत्तकमी अंतक अतकर अत ,  
साधदेव धरमी सुहृद्र काळ अतत क्रतत ।—८९  
प्रेतराट हर प्राणहर सदर जमपुरस्यांम ,  
सीरण कममिख्यण (सदा नीति विचखण नाम) ॥—९०

## दईत नाम

सुरदोखा दाणव असुर दनु दईतद्र अदेव ,  
अमराभुज त्रदसाअरी दतीसुत पूरवदेण ।—९१  
सुरघाती वळ सुक्रसिख मेछ अप्रवळ (मड) ,  
जवन (हिरणकस्यप जिसा प्रथमी साल प्रचड) ॥—९२

## राकस नाम

नईरत तमचर निसचरा जात्रघान खळ (जाण) ,  
असुरा सुरद्रोही (उचा रामणादि रढराण) ॥—९३

## रामचद्रजी नाम

दामरथी लकादती सियापती कपसाथ ,  
रामचद्र रुधवसरव (नाम) राम रुधनाथ ।—९४

कटकारी काकुस्थकुळ भरथाग्रज रुघभूप ,  
घणनामी (दुत स्यामघण सवता कोटी सरूप) ॥—६५

सीता नाम

महिजा सीता मैथली सती वामघणस्वाम ,  
कुळवैदही जवकजा (रति कोटी अभिराम) ॥—६६

हडमान नाम

मारुत हडमत राममन वज्रकटक वर्जरग ,  
लकदाह श्रीरामलय (राम भीड जय रग) ॥—६७

लछमण नाम

रामानुज रुघवसमिण बाळजती रुघवीर ,  
सुतदसरथ सुमत्रसुत लछमण लछ सधीर ॥—६८

रामण नाम

कटक खळ लकापती सुरद्रोही खळसाळ ,  
मूडवर पतमदोदरी (अर) कैलासउथाळ ॥—६९  
दहकण्ठर दससीस (दिठ) वीसभुजा (वळवान) ,  
रमाचोर (रामण रुळ दळवळ ब्रथा निदान) ॥—१००

गगा नाम

जगपावन जाहरनवी गगा मुरसुरी गग ,  
देवनदी मदाकनी ईससीस अरघग ॥—१०१  
पापमोचन नदसुरपती त्रपथा सेततरग ,  
सरगतरगण सुरनदी अघमोचन गतअग ॥—१०२  
मरतिवरा जटसंकरी हेमवती हरवाम ,  
खितग खापगा मोखदा (नित भागीरथ नाम) ॥—१०३

जमना नाम

जमभगनी कृष्णा जमा जमना रवजा (जाण ,  
कृष्णा तट की श्रकृष्ण विवध रास वाखांण) ॥—१०४

## बुधी नाम

मेघा बुध धी अकल मत प्राग्यन सुध प्रबोध ,  
मिनखा धिखण धुन समभ (आश्रम जाण सबोध) ॥—१०५

## दरियाव नाम

दध मागर सायर उदध गौडीरव गभीर ,  
रतनागर उदभवरतन अतर अथग अतीर ॥—१०६  
जळरासी जळपत जळध सरसवान सांमद ,  
वारुध अवध वारनिध वेला-सवता-चद ।—१०७  
अकूपार अरणाव (अखै) महण मथण महाराण ,  
पारावार मछपळ रैणयर जळराण ।—१०८  
पदमापित पदमालय उदनमत दरियाव ,  
हदनीरोअर अवहर लहरीरव जळधाव ॥—१०९

## नदी नाम

तटणी सरन तरगणी धुनी श्रोत जळधार ,  
नदी आपगा निमनगा वाह भूमविहार ।—११०  
जळमाळा जंवाळणी (ळोता जग सतोख) ,  
शुनी श्रुवती भवसुखा परवतजा तरपोख ।—१११  
परवाहपय नद प्रसद नीभरणी वरनीर ,  
कुल्यकका सिधकुल्या दीपवती दकसीर ।—११२  
सरज्यु गंगा सरसुती जमना सफरा (जोय) ,  
गया नरवदा गोमती तापी गिलका (तोय) ।—११३  
भीम चद्रभागा (भुजौ) सिधु अरक (सुनीर) ,  
कावेरी काळीनदी साव्रती पयसीर ।—११४  
(ज्या नदिया मजन करै धरै सदा हर ध्यान ,  
उर निरोध हर आसरै विसरै नह ब्रह्म ग्यान) ॥—११५

## सप्तपुरी नाम

माया मुखरा द्वारका अजुध्या (र) उजीण ,  
कासी काची (मुकनदा पढ) दधपुरी (प्रवीण) ॥—११६

नव ग्रह नाम

रव सप्त मगळ (रटी) सुरसुर सक (सणाय) ,  
सनी राह केतु (सदा नव ग्रह पूजो न्याय) ॥—११७

वन नाम

अटवी कानन वन अरण विपन गहन त्रिखवात ,  
रन कतारक भक टुरग खड कखवा रिख ख्यात ॥—११८

त्रिख नाम

ब्रख सिखरी साखी विटप द्रुम खितरुह कळदात ,  
दरखत तर अदभुज सदळ पत्री द्रुम घणापात ।—११९  
फळग्राही कुसमद फळी निद्यावरत निनग ,  
कार सकर महिसुत कळी अघी कूट असग ।—१२०  
अद्री अघप ओकखग रूपक राळक (रीत) ,  
भाड (अनोखह भुडमै प्रीति राखै प्रीति) ॥—१२१

फूल नाम

पुसप सुगधक फळपिता कुसम प्रसून कलार ,  
रगत फूल सिधक धरम सुमन सून द्रुमसार ।—१२२  
लताअत उदगम हलक सुभम सुना सुररग ,  
(चामडा पकज (चरुण सुकवी मन सारग) ।—१२३  
कुसवावळ चपाकळी गोटाजाय गुलाव ,  
कणी केवडा केतकी जुही हवास जवाव ।—१२४  
मेंदी करिणयर मोगरा निधनलियर गुळमड ,  
रायवेल रतनावली परी गुढेर (प्रचड) ।—१२५  
करणफूल गोरखकळी जवक जाफरा (जाण) ,  
ममद सोख गुल सेवती अरक हजारी (आण) ।—१२६  
मुखमल खैरी मालती लजाळूर जटियाळ ,  
कज - फिरग कमोदनी रतनमालती साल ।—१२७  
दाडम नेजा दावदी (विवध फूल वरसाळ ,  
डवरिया खटरित डमर सीत उसन वरसाळ) ॥—१२८

## सुरव्रल नाम

सुरतर गोरक सिंसपा देवदार मदार,  
 सिवाहृद केसर सुभग वट पीपळ (विसतार) ।—१२६  
 आवा चपा आवली निगड नीव नाळेर,  
 फणस विजौरा जामफल ऋण्णा साग कणोर ।। १३०  
 नीवू दाडम नारगी सीताफळ सहतूत,  
 काठ ठीवरु कदळी (यळ) अनास (अदभूत) ।—१३१  
 वेलीदाखा पेमदी खारक ताड़ खिजूर,  
 (केता मेवा हरकिया हर हाजरी हजूर) ॥—१३२

## भमर नाम

मधुकर भकारी मधुप सोरभ भमर सारंग,  
 कसमलप्रिय भोगीकुसम भवर सिलीमुख भ्रग ।—१३३  
 मधुग्राहक मधुतरतमद चचरीक रोलव,  
 कलालीक खटपद कसन अळियळ धूम-आलम ।—१३४  
 दळ दुरेफ हरयंदुदर कुसमावळी मकरद,  
 ग्रहणगध अघाणगुण अघवाचर (आनद) ॥—१३५

## वदर नाम

कीस हरी वनउक कप पलवगम पलवग,  
 मरकट वदर वलीमुख सौसाखा सारग ।—१३६  
 साखीवर वनचर (सदा) गो लगूळ (गणाय,  
 लका वाळी लागडै सीताराम सहाय) ॥—१३७

## अग नाम

हर वातायू अग हिरण सिध्रघाव सारग,  
 अण प्रख तरक सुगघउर कांननभखी कुरग ॥—१३८

## सूर नाम

सूर कौड लागड असत्र अकल दातडियाळ,  
 घोणा घसटी परजघण दुगमी गिड दाढाळ ।—१३९  
 भूविदार सूकर भयद वधगेमा वाराह,  
 कोळ डारपत कदचर सिरोरमा दलसाह ।—१४०

(चवा) आखणक वाडचर दसटरीर भूदार,  
थूलीनास दुदीथटा (वन गिरवरां विहार) ॥—१४१

सिंघ नाम

सिंघ वाघ केहर सरव कठीरव कठीर,  
अष्टापद गजराजअर सेर अभग सधीर ।—१४२  
पचायण हर वनपती पचानन पारद,  
सूरसेत पिंग पचसिख अगमारण अगयद ।—१४३  
मग नखीयुध अगमरद जीव जज्र हरजक्ष,  
सारदूळ नाहर सगह भिक्षणोस पळभक्ष । १४४  
महानाद जगी मयद नखी भूय नहराळ,  
छटाघाव मजारछळ वाघ मयद विकराळ ॥—१४५

हंस नाम

मुगत हस घीरठ सुचळ मुगताभखी मराळ,  
मानसूक चक्राम (मुण) अग लीलग उजाळ—१४६  
रूपी ग्यानी कवररस प्राणनाम परकास,  
महतगुणा रिखमडळी जुअ्री हस उजास ॥—१४७

सिंघजात नाम

वावरैल बाजूपुरी सीनेरी सादूळ,  
(अर) केसर ऊठिया मिश्र पटैत (समूळ) ॥—१४८

हस्ती नाम

सिंधुर मदभर सिंघळी मैंगळ हर मदस्त,  
द्विप दती मदभर. दुरद हाथी हस्ती हस्त ।—१४९  
कुजर गैमर पीहकरी व्यारण कुंभी व्याळ,  
गय मातग मतगजा स्वामज गज सूडाळ ।—१५०  
यभू घैधीगर तरअरी पटहथ नाग प्रचड,  
भद्रजाती सारग मयद वैरक कव् वयड ।—१५१  
गयद अनेकप ग्राहग्रहै (की) गजराज (पुकार,  
धायै हर घखपख तज आया चक्र उधार) ॥—१५२

## ऊट नाम

करहो ऊट सरढी करभ पांगळ जूंग सुपथ ,  
तोड जमाद दुरततक गय जाखौडी (ग्रथ) ॥—१५३

## जमी नाम

थिरा रतनगरभा थिती धरणी घरा सधीर ,  
पहि पुहमी प्रथमी प्रथी सवरसहा जळसीर ।—१५४  
अवन चळा अचळा यळा भू भूमी घर भोम ,  
मही ऋभनी मेदनी गऊगोत्रा यळ गोम ।—१५५  
वसूमतो धात्री गहवरा वसुधा तरविसतार ,  
रेणा खित धरती रसा समदमेखळा सार ।—१५६  
सागरनेमी रसवती विपळा विसव विख्यात ,  
जगती जगमनमोहणी खोणी खम्याख्यात ।१५७  
दुग्धा खडी दीपदध मोहा उरवी मार ,  
कुळटा भारी कन्यका अनतापती अपार ।—१५८  
यळा इळा (नाम दे आदमै विधकर जुगतविवेक),  
घर रुहपत (यत्पादिघर उकती नाम अनेक) ॥—१५९

## पीपल नाम

बोधीन्नख पीपळ सुन्नख चळदळ कुजरचार ,  
असवन श्रीन्नख (आप सम यो श्रीक्रमन उचार) ॥—१६०

## बड़ नाम

वट निग्रीघ साखीन्नसी वडसाखी विसतार ,  
वैश्रवणालय धूजटी रतफळ (रुद्र उचार) ॥—१६१

## वसी नाम

वैरा वस जवफळ वळै त्रणघज मसकर (तास) ,  
पौहमीवदरा मतपरभ तुचीसार विसतार ॥—१६२

## हरडै नाम

सुरभी सरवारी सिवा प्रभता अभिया-पोख ,  
हरडै जया हगितकी सुखदा प्राणसतोख ।—१६३

प्रमथा चेतकी प्राणदा कायस्थ गदकाळ ,  
हेमवती हिमजा हरा परजीवती (पाळ) ।—१६४  
(कहि) अमृत काकाळका श्रेय प्रेहसी (सार) ,  
राम तुरजका पूतना अभया (नांम उचार) ॥—१६५

केसर नाम

कसमीरज मगळकरण केसर कुकुमकाय ,  
वाहलीकजा गुडवरण वहनीसिखा (वताय) ।—१६६  
पीतरगत सकज पुसन लोहितचनण (लेख) ,  
धरकाळ्य सुगधघर देववल्लभा (देख) ॥—१६७

चनण नाम

सीतरुख रूखासिरै सोरभ-मूळ सुनग ,  
गधसार मळियागरी (सेत अरुणाम्राद सग) ।—१६८  
सुरभी रोहण तरसुतर अहिपिय गधअपार ,  
सरीपाळ वल्लवसिवा श्रीखड चनण सार ॥—१६९

पहाड नाम

अद्री गिर भूधर अचळ साननाम पतसार ,  
भाखर डुगर दरीभ्रत श्रु गी घात सुधार ।—१७०  
यष्टकुटी परवत अनड त्रुकुकुत मरुत अतोळ ,  
सिलोचय सिखरी सघण आहारज्ज अडोल ।—१७१  
गोत्रगाव गिरपत गिरद धरनग धरधर धार ,  
(गिरधारी गिरधर धरै ब्रखी कोप जिण वार) ॥—१७२

पाखाण नाम

आव घात गिर वदगण पाथर घण पाखाण ,  
उपळ सिला पाहण असप (नाम दिखद निरवारण) ॥—१७३

कचन नाम

भूर असटपद अरभरम घातोप कळधोत ,  
कुनण हेम कचण कनक क चामीकर ओत ।—१७४



हाटक लोहतम हिरन सोब्रन घातासार ,  
 करवुर वसू भूतम रुकम अगनी (कीजउच्चार) ।—१७५  
 जावूनद गैरक रजत सातकुभ (अर) साळ ,  
 गारु क तपनीय (गुण) पीतरग दुखपाळ ॥—१७६

## तामा नाम

मरकट आस मलेछमुख धरज उदमर घृष्ट ,  
 सावर ब्रम वरधन सुरख तावो सुलव वरष्ट ।—१७७  
 रगत (नाम) कनियरसौ तावै (बूटी तोल)<sup>१</sup>,  
 (ज्यु कु नण ह्वै जगत मे विरद हरि गुण वोल) ॥—१७८

## रूपा नाम

जातरूप रूपी रजत हेमसू हस तार ,  
 दुरवरणक खरजूर द्रव सित कळधोत (सुधार) ॥—१७९

## लोह नाम

ऋणामुख आथुस सकसन्न सस्यगी अय सार ,  
 घराकीळा यसुखाराधर सिलामार गिरसार ।—१८०  
 परवतसुत तरजगाप्रथी रनक पारमवरोह ,  
 तिक्षण रिराभिक्षण (तितै छटा रूप भड छोह) ॥—१८१

## देस नाम

मडळ जनपदनी मुलक देस विदेश (दिगत) ,  
 विसख राष्ट्र उपवरतनी व्रत जनाद हृदवत ॥—१८२

## नगर नाम

निगम सैर नगरी नगर अदष्टाण आथाण ,  
 पुटभेदण पट्टण पुरी पुर नपवास (प्रमाण) ।—१८३  
 पुरदर निवेसण पळप्रभा सपतपुरी सुखधाम ,  
 (नटणी ज्यू मुगती नचै सदा वास सुर स्याम) ॥—१८४

## तलव नाम

पदमाकर कासर पयद ताग तडाग तळाव ,  
 कधर सरवर पोहकरण सरसी धरमसुभाव ।—१८५

नाडा जोडा नाडिया नीरनिवास निवाण ,  
पौहकर (नारण) सर (प्रभा मुगत रूप मडांप) ॥—१८६

अव नाम

अव कुलीन सदक उदक जगजीवन जळवार ,  
(अर) पाथ पय विख अम्रत घणारस घणअप धार ।—१८७  
सवर क पौहर सलिल पाणी पाणद पाथ ,  
मेघपुसप सरग्रह कमळ नीर खीर (पत नाथ ।—१८८  
प्रवतक पीठ निवास पथ तोप अथर तर तात ,  
जाद निवास कवध जप वमुधा घोख विख्यात) ॥—१८९

पु डरीक नाम

पु डरीक पचन पदम सहसपत्र सतपत्र ,  
जळरुत जळरुह जळजनम जळज कु ज जळछत्र ।—१९०  
नळणी वारज - कोकनद वसूप्रसूत अख्यद ,  
कुमलय मरसीरह कमल सरजनमा सरनंद ।—१९१  
पिताविरच महोतपल नीरज अवुज (नाम) ,  
पके रौहनाळीज (पढ) पुहकर मैण (प्रणाम) ।—१९२  
राजीव सरोज तामरस सुसार सख दड ,  
(नाम) कुसेसय हरनयण (प्रभा प्रकास प्रचड) ॥—१९३

मछ नाम

सफरी भख सवर सफर मछली सलकी मीन ,  
चचळ वारज वारचर प्रथरोमा पाठीन ।—१९४  
जाद सकळ खय मकर (जप) अडज जळआधार ,  
कुसली अनमिख (नाम कही) वैसारण ग्रहवार ।—१९५  
मछ आतमासी (मुणौ) वळखड खीणविसार ,  
(नाम) अलूकी पयनिरत सिधचीरी सुकसार ॥—१९६

कमठ नाम

गुपतअग पाचूप्रगट कूरमे कमठ कलास ,  
(पण) जीवनद उक्रोडपग (वार हुलास विलास) ॥—१९७

## देवल् नाम

देवळ देवालय दुरस सुरमडप प्रासाद ,  
द्रुमग्रह धजधर धामहर नितकृत थानअनाद ॥—१६८

## धजा नाम

केत धजा धज कदळी सतकृत चहन (सुणाय) ,  
वईजपती पुनवती (दरस) पताका (दाय) ॥—१६९

## गढ नाम

गढ दुरग भुरजाळगही किली अगजी कोट ,  
परदसाल प्राकार (पढ चव) वप्रवरण अचोट ॥—२००

## छडीदार नाम

द्वारपाळ दरवान दर हुसियारक प्रतहार ,  
दरवारी दडी दुरत छडीदार छकसार ॥—२०१

## घर नाम

ग्रेह ओक आराम ग्रहि निलय निवास निकेत ,  
नरण वास वेसम सुग्रही सदन भवन सकेत ।—२०२  
मिंदर आलय माळया धमळ सोध घर धाम ,  
पदआश्रय निजआसपद वस्ती पुर विश्राम ।—२०३  
रहण सुथानक धिसनु ह्च आश्रय वसी आगार ,  
(वरणाम निरभय वसै तिकै सरण करतार) ॥—२०४

## राजा नाम

नृपत नाथ नरनाथ नृप नरपत भूप नरद ,  
घरपत भूअत घरमद्युज राजा प्रभू रजंद ।—२०५  
प्रथीनाथ पांहे पाटपत राव राट राजान ,  
परब्रढ त्यामी पारथव अरज ईस ईसान ।—२०६  
अध भूभरता ईसवर ईसप अधप प्रजाप ,  
नरेन नेती नाह नरपळ लोकस अधाय ॥—२०७

जुजठल नाम

(सुज) सिल्लार अजातसत्र भरतान वयअभीत ,  
कउतेय अजमीढ कक पडवतिलक पुनीत ।—२०८  
सोमवस, हस्तपुरपत\* जुद्धस्थिर कुरजीत ,  
सतवाची जुजटळ (सदा किसन क्रीत सू प्रीत) ॥—२०९

जिग नाम

मनु समतन तत्र सप्तमुख सतक्रत ज्याग सनोय ,  
जिग धूरज अधवर जिगन (हृद वितान घर) होम ॥—२१०

भीम नाम

भीम ब्रकोदर बहुभखी गजवध सघणगाज,  
कीचकार गजेकरु सत्राजीत (समाज) ।—२११  
जुरासधखय गजभ्रमी बळी गदावळवान ,  
गधवाहसुत अगमगम अकवानद अमान ॥—२१२

अरजुण नाम

कपीधाय रिपकैरवा धनुजय सरधनुधार ,  
यद्रजीत अगनीसखा दानीरिप दैतार ॥—२१३  
सवदवेध अरजुन जिसुन पंडवमघ पाराथ ,  
पाथ किरीटी पडसुत हरीसखा जयहाथ ।—२१४  
काळपूक वैधीकरण सरअजीत सक्रनद ,  
सवसाची वीभव सुभट वहनट सगतिविलदा ।—२१५  
महासूर नर कारमुख सूनर माक ब्रखसोन ,  
गुडाकेस कलि फालगुन सेतअसनयसेन ।—२१६  
सुभ्रदेस जयकरणसत्र राधावेधी (रग) ,  
(सखा रूप श्रीकृष्ण रै सदा) धनजय (सग) ॥—२१७

पाताल नाम

वडवामुख थानकवळ प्रिथमीतळ पाताळ ,  
पनगलोक अधलोक (पढ) दनुपत (थाप दयाळ) ॥—२१८

\* सोमवसपत = हस्तपुरपत ।

## सरप नाम

आसीविख विखधर उरग भुजग भुजग भुयग ,  
सरप भुजगम अहि सिरी नाग दुजीह पनग ।—२१६

प्रदाक कुभी गूढपद काकोदर क्रतकाळ ,  
फकारी चक्री फणी वक्रगति (कहि) व्याल ।—२२०

चीळ कचकी चखश्रवा गरळस भोगी (ग्यान) ,  
ददसूक दीरघपिष्ट जिह्मग जैहरी (ज्यान) ।—२२१

लेलहान विलेसरी (ओरे) कु डळी (आण) ,  
नसदरवी पवनासनी (ज्यू) धंधीगर (जाण) ।—२२२

(काळी ध्रह काळी नथै क्रसना तीर क्रसन ,  
कालद्री निरविख करी श्रीजसवती सुतन) ॥—२२३

## सेस नाम

सहसफणी चखधूसहस जिह्वादोयहजार ,  
सेस अनत खगैसअर धरैहारजटधार ।—२२४  
भुयगेस भूभारधर वराआलुकविसतार ,  
कु डळ (एक) अहीस (कर करै तलप करतार) ॥—२२५

## रज नाम

धूळ रजी रज धूसळी सिकता वेळू सद ,  
खेह पास (वलै) रेत खग रैण सरकरा (त्रद) ।—२२६  
सूतधर चर पतरुहसुता वसुधासिरविसतार ,  
(पत गैह धर जदनी पर उपजै नाम अपार) ॥—२२७

## धनुख नाम

धनुख सरासण चाप धुन करण अस्त्र कोमड ,  
सकर आसय इषुआससिध प्रहा पिनाक (प्रचड) ॥—२२८

## सायक नाम

नायक पत्री अदर सर विसिख सिलीमुख वाण ,  
श्रीधपख यपु मारगण ककपत्र करपाण ।—२२९

खुर पपरी नाराज खग तिक्षण रोपण तीर ,  
 करणक लव चित्रपूख (कहि) तोमर वसीतुनीर ।—२३०  
 सस्त्रअज मघवळ असत्र पत्रवाह पारद ,  
 (प्रखत करोप अगजपथ सरविद्या सामद) ॥—२३१

सरजात नाम

नावक (कर) पावक नखी चावक चपळा (चग) ,  
 कटी (छिद्र) कळदरी खपरी परी (खतग) ।—२३२  
 त्रुका त्रघार कटार (तव) चद्रकार चौघार ,  
 अठास छिद्री आकडा किलकी (जंगीकार) ।—२३३  
 (लिसग) जखाली त्रुका (वाण) गिलोला (वघ) ,  
 चुगा फील (पग चपणा नाम विदाम निमघ) ॥—२३४

करन 'नाम

रवसुत चपाधप करन सूतपाळ अरसाळ ,  
 अगराज राधातनय नेमप्रात दनचाल ॥—२३५

दातार नाम

मौजी त्याग मोटमस उदभट प्रगट उदार ,  
 महातमा सुदता मुदन दानअयन दातार ।—२३६  
 द्रवउभेळ दानेसरी (ओर) उदीरण (आण) ,  
 कहि महेम दाता करण वरतन प्रात वाखाण) ।—२३७  
 विलसण तद वगसण व्रवण समपण मौज सुदात ,  
 रीभ विहायत विसरजण वितरणदान (विख्यात) ।—२३८  
 प्रतपायण निरवयण (पढ तवा) उछरजणत्याग ,  
 विसरायण उदक (वळ भूप व्रव वड भाग) ॥—२३९

याचक नाम

ईहग जाचक आसकर रेणव दूथी (राह) ,  
 मनरख मागण मारण अरथी भिखग अचाह ।—२४०  
 लोभी नीपक लेणरित दवागीर (दिनरात) ,  
 जाचक (माग दसूत जिण वदीजण विख्यात) ॥—२४१

## कव नाम

कोविद पिंडत कव सुकव मेधादध धीमान,  
 दोखविधूसी खुणविदुख विद्याधर विदवान् ।—२४२  
 चतुर निपुण विचक्षण सुचत (प्रापत रूप) सुपात ,  
 प्रायग्न विध गिद विपसचित वेता धीर विख्यात ।—२४३  
 सुबधी गिन ग्याता सुधी आचारण अभभूत ,  
 सुरकसट क्रत लवधसुण सम्रतीयद (रूप) ।—२४४  
 सुलक्षण मेधी वरनसन विवधा (जाण) प्रवीण ,  
 गुणी मनीखी वागमी लोभीगुणारसलीण ।—२४५  
 (कुसळ विसार धक वद कवि कवराजा कवराज ,  
 नायक मन निध पारखद काव्य कवेसर काज) ॥—२४६

## जस नाम

सुसत्रद कीरत सजस जस वरण ववयण वखाण ,  
 साधवाध असतूत प्रसध (पढ) सोभाग (प्रमाण) ।—२४७  
 वरद विसेख गुणावळी कीरत ख्यात सुकाज ,  
 (सुनत) सुपारस (ममगिना जदा हरण जय ज्याज ।—२४८  
 लिसद प्रताप सलोक यळ रट रूपग रुधनाथ ,  
 सोभा खीरसमद सी गुण जस ऊजळ गाथ) ॥—२४९

## जू झार नाम

सूर वीर विक्रम सुभट (कळ) जू झार सुक्रीत ,  
 तेजस्वी अहकारतन (पढ) विक्रमात (पुनीत) ॥—२५०

## तरवार नाम

असमर खाडी खडग अमि किरमर विजड ऋपाण ,  
 चद्रहास वाणास (चव) कण्ठालग केवाण ।—२५१  
 जडळग धारुजळ दुजड मडलाग किरमाळ ,  
 रूक सगर तरवार खग तिजड जीतरिणताल ।—२५२  
 लोह धात धजवड लपट काखैयक खळकाळ ,  
 निसतेयम आभानरा प्रभावक (भूपाळ) ॥—२५३

घोडा नाम

हर हेमर वैगाल ह्य वाजी खंग विडग,  
रेवत गाजी गघरव ताजी तुरी तुरग ।—२५४  
अस धूरज सिधव असप वाह तुरगम वाज,  
चचळ तारख भिडज (चव रच) पवग घजराज ।—२५५  
कव वीती (घजराज कही) अरवा सपती (आण),  
तेज सजीव वितंड तन कह्या नांम) केकारण ॥—२५६

द्रोपदी नाम

द्रोपदजा (कहि) द्रोपदी जग्यासेनी (जाण),  
पंचाळी पंडवप्रिया (वेर) वेदजा (वखांण) ।—२५७  
सरअगना ऋसना सती वेदवती सिखवान,  
(पोखण सोखण द्रोपदी देवी रूप निदान) ॥—५५८

सत्र नाम

हाणक दोखी वैरहर वैधी अरी विपख,  
सत्र सपतन सात्रव सत्रु केवी अहित कुरख ।—२५९  
दुखदायक दुनड दुयण असहरण प्रसण अभीत,  
विघनकरण अणवळकी अमभाती अवजीत ।—२६०  
पथकपथक, प्रतपखी दुष्ट विरोधी (दाख),  
खेधी दसू अमत्र खळ रिम घेखी रिप (राख) ।—२६१  
दुरहित विडघातू दुरी अरद घातक (आट),  
दुरत दुसंह दुसमण दुखी विखम कुवादीवाट ॥—२६२

सेन्या नाम

प्रतना सेन प्रताकनी खूर कटक खधार,  
वीरथाट दळ वाहनी अनी कनी कळियार ।—२६३  
चक्र तत चतुरगणी घोढाघटा घडूस,  
रेणाविखमी आहरट घराविघूसण अरघूस ।—२६४  
विखम वादवी वाहणी गरट फौज गैतूळ,  
सकदवार अरसाघनी मौगर घड कडमूळ ।—२६५



चकर सकळ धजनी चमू घासाहार घमसाण ,  
 थटहय थाट वरूथनी खरहडभड सुरसाण ।—२६६  
 साथ समूह सबधनी गरट दमगळ गोळ ,  
 (गजरा रामरा लक गढ चढ रॉम चखचोळ) ॥—२६७

#### जुघ नाम

सजुग भारथ जुध समर समहर दुद समीक ,  
 कळह आसकदन कदन अभ्यामरद अनीक ।—२६८  
 प्रहरण आयुधन प्रधुन तेगभाट रिगाताळ ,  
 जग जुघ कळ जज्रवत वाड राड विकराळ ।—२६९  
 मधू समरद संग्राम (मुण) सप्रहार सखात ,  
 कळि आजी ससफोट (कहि) प्ररहा वेढ प्रघात—२७०  
 महाहव्य रिगासाल (मुख) सपरापक खळसाळ ,  
 सारभकोळा सपसुज प्राणदान अरपाळ ॥—२७१

#### मनुख नाम

अतलोकी मानव मनुख धव नर कायाधार ,  
 देहतती (जग) आदमी सुग्यानी तनसार ।—२७२  
 पुरख (गोद) पचीकनी (नाम मान) गुणनीत ,  
 मनुज (देह भुज मुगत कै पूरण राम प्रतीत) ॥—२७३

#### जनम नाम

जनम उपजण जनुख जण उपत भव अवतार ,  
 सश्रत उदभव जगश्रजत (करै पाळ करतार) ॥—२७४

#### बाप नाम

पित प्रपिता सविता पिता बीजाकारण बाप ,  
 तात जनयता जनक (तव) वितदाता (विख्यात) ॥—२७५

#### माता नाम

अवा जणणी सबयती सबती मात (नसार) ,  
 कुखधारण रळाकरण माता (गुण मदार) ॥—२७६

बालक नाम

अग्रभ पुत्र वालक असुध सिसु लघुवेस कुमार ,  
पाक प्रथुक अपकठ (पढि नाम) वाल (निरधार) ॥—२७७

डिमतनु धप डमरू साव पोत ततसार ,  
सुंदर ललत उत्तान सहि कोमळ नंदकुमार) ॥—२७८

भाई नाम

सगरव हित सोदर सह भाई वधव भ्रात ,  
समानोदरज वीर (सिव बल) मोदरज (विख्यात) ॥—२७९

बड़ा भाई नाम

जेठी पित्र पूरवज अग्रज मोटा अग्रम (मान) ॥—२८०

छोटा भाई नाम

कनसट जवमट अवरकज अनुज लवू कनियान ॥—२८१

पद नाम

कदम ओयरा पग गवरा क्रम विचरणा पद गतवत ,  
चलण पाव अघी चरण पय (परक्रमा पुरत) ॥—२८२

कडि नाम

कड कटीर तनमध कटी कळनलक कट (कीव) ॥—२८३

पेट नाम

पेट कू ख तू दी (पढी) उदर गरभ (भव दीध) ॥—२८४

पयोधर नाम

उरज कुच स्तन पयधरा उरदुत उरज उरग ॥—२८५

हाथ नाम

हाच आच कर भुज हसत पाचू साख (प्रसग) ,  
करग जुधजयदौर कर पाण वाह (परचड) ॥—२८६

आगली नाम

(यो) करसाखा अगुळी (खळ दल सार विखड) ॥—२८७

## नख नाम

भुजकट नख पुनरभव नखर पुनरनव (नाम),  
करज नखी करसूक (कहि) विखदाती (वेकांम) ॥—२८८

## रोमावली नाम

रोम पसम गो तनरूह लोम वख सथळ (लेख) ॥—२८९

## ग्रीवा नाम

ग्रीवा गावड कध गळो सिस्सथम (सपेख) ॥—२९०

## मुख नाम

वकक्र तुड वोलण वदन रसनाग्रह सुररास,  
आस लपन आनन अखण मुख (हर नाम मिठास) —॥२९१

## जीभ नाम

रटण वाच वाया रसण जिभ्या वगता जीह,  
(जिकै)रसग(नाहर जपौ नित "ऊदा" निस दीह) ॥—२९२

## दात नाम

दत रदन रद डसण दुज मुखदत वाणीमड ॥—२९३

## होठ नाम

ओट होट रदघर अघर रदरळ अघर (मुखड) ॥—२९४  
होट ओट रदघर अघर रदनसदन मुखरूप,  
दत रदन रदडसण (दुज अमुख रूप अनूप) ॥—२९५  
(रसण जिभ्या स्वादरस वाया वगता वाच,  
रसण रसगना जीह रट समरण जीहा साच)† ॥—२९६

## श्रवण नाम

मुरत धुनीग्रह साभळण करण श्रवण श्रव कान,  
वायकचकर श्रोता (वणै दिस जासू दुनिदान) ॥—२९७

## नाक नाम

ग्रहणगध मुरतग्रहि घोणा नासा घ्राण,  
नाग तिलकमग नासका नक (नाकी निरवाण) ॥—२९८

† छंद २९२ में आये हुए जीभ के पर्यायवाची शब्दों की पुनरुक्ति यहाँ की गई है।

नेत्र नाम

देखण द्रठा चख आख द्रग नेत्र विलोचन (नाम) ,  
नैरा नयण अवक निजर रार निरख गो (राम) ॥—२६६

माथा नाम

कं मसतक माथी कमळ मड रुड उतमग ,  
मऊळी सीरख मूरधा (वळ) सिर सीस वरग ।—३००  
उरध मूळ (यौ) भ्रकट (अस दळै राम दससीस ,  
पाट वभीषण थापियो दान लक जगदीस) ॥—३०१

केस नाम

कु तळ सिरोरुह चिहुर कच सरळ वाळ सिरमड ,  
चिकुर केस मोहितचखा (प्रभता) स्याम (प्रचड) ॥—३०२

सरीर नाम

वरखभ देही डील वय पुदगळ काया पिंड ,  
अग कलेवर आतमज मूरत अप घण मड ।—३०३  
तन वध गात सरीर (तव) पयगुण देहीपच ,  
अगी (सूत अळूभियौ परखै सत प्रपच) ॥—३०४

सेवा नाम

भुजन जप सेव भगत पाठीवेदपुराण ,  
नवधागुण हरनांम(ल्यौ) ग्यान ध्यान(गुण जाण) ॥—३०५

वसत्र नाम

वसत्र वाज पिंघन वसन चितहर अवर चीर ,  
लजरख वसतर लूगडा सोसन ढकणसरीर ।—३०६  
तनसणगार दकूळ (तव) पैरावणि पौसाक ,  
(भूप ब्रवै सिरपाव भण तेज रूप तमचाक) ॥—३०७

आभूखण नाम

आभूखण दुतअगमै (सुख) भूखण सिणगार ,  
(जडत घाट विधविध जकै तवा कमक गततार ॥—३०८

(कै) भूखण मोती कडा पना (जडत) सिरपेच ,  
 कठी नग माळा मुगत वीटी वेळ वरोच ।—३०६  
 लुदरी चाडम रुळ (सै) कुंडळ मुरकी (कान) ,  
 (वाहा) वाजूबंध (विहू) पूची (जडत प्रमाण) ।—३१०  
 (पग) लगर वेडी प्रभा (जुडत) जनोई (जाण ,  
 मुर आभूखण मरद का ससत्र छतीस वखाण) ॥—३११

### छतीस सस्त्रों के नाम

(चौरासी) वदूक (चल चौसट चोट) कवाण ,  
 (वाक) पटा खग सेल (वहि विध चौईस वखाण) ।—३१२  
 (च्यार) कटारी (हाथ चढ पाच मार) पिसतोल ,  
 चुगा (तीन विध सू चलै) खंजर (वसू गुण खोल) ।—३१३  
 (पाण)गुरज (गजण)(प्रसण)वलम मोगर (वीस) ,  
 भिडरपाळ (भूखडिया) तोमरार (खट तीस) ।—३१४  
 चावक अकुस चक्र (चढे) गुपती गदा (गणाय) ,  
 छुरी नखा फूळता (छटा) नेजम खाखर (न्याय)—३१५  
 (दावपेच) फरसी (दरस) साग ढाल तिरसूळ ,  
 (कठण) मूठ (वाना करग) करपत्री काधार ।—३१६  
 तेग दुधारी करतरी (यौ जग) भफ (उचार) ॥—३१७

### चचल नाम

चटळ चळाचळ कप चपळ चचळ तरळ (उचार) ,  
 (पार) पळव अथर पलव लौल अधीरज (लार) ॥—३१८

### स्त्री नाम

वनता नारी वलभा भामण कामण भाम ,  
 दारा इन्त्री सुदरी वामलोचना वाम ।—३१९  
 वाला त्रिया नितवणी अर्वाळा तरुणी (अग) ,  
 महळा ग्रेहणि माणणि प्रमदा प्रिया (प्रसंग) ।—३२०  
 जुवती जुअती जोखता अगना ललना (आण) ,  
 मुगधा कलत सपूतनी जोखा पतनी (जाण) ।—३२१

रमण तनूदर पुरधी तलय (काम मन तार) ,  
गजगवणी वारगना (व) सती (नाम विचार) ॥—३२२

भरतार नाम

स्याम प्रणय वर मनयष्ट भरता पत भरतार ,  
प्रीतम प्रिय प्राणोम (पर) वलभ विभौडा (वार) ।—३२३  
प्रेष्ट भोगता असू पती रमण धणी घव (रग) ,  
कामख नाह (र) देसकत (सुख) वरयता (सग) ॥—३२४

सुदर नाम

वाम मधुर अभिरामवर सुदर मनहर (सार) ,  
साध मजु मजुल सुखम पेसल सोभन (प्यार) ।—३२५  
रुच सुलखण दीपत रुचर कमन ललित कमनीय ,  
सुभग सरूप (र) दरसणी रम सोभत रमणीय ।—३२६  
तनकाती अनुपम (तवा) अदभूत रूप (उदार) ,  
जोत तेज (गुण जगत में सही रीभै ससार) ॥—३२७

नाम नाम

अवधा सगना आहवै नामधेय (निरधार) ,  
अवखा अक सकेत (उड ज्यासू नाम जभार) ॥—३२८

मित्र नाम

सहकतवा सहचर सुरुद्र प्रीतम सुखदा प्राण ,  
मेळग मित्रू मनहितू वलभ यष्ट (वखाण) ।३२९  
सवय स्याम वायकसदा वयच सहायक (वेस) ,  
प्रेमीगुण सधी (चपढ) हारद (जाण हमेस) ॥—३३०

स्नेह नाम

हेत राग अनुराग हित प्रेम मेळ सुख प्रीत ,  
हेकमन हारद प्रणय नेह सतोख (पुनीत) ॥—३३१

आरांद नाम

मृद आणद (र) हरखमन मोद (र) रळी प्रमोद ,  
रळी महारस प्रमदरस (विलकुल) उमग विनोद ।—३३२

समंदहुलास (र) परमसुख रसवतमन उछरग ,  
ब्रमग्यान (चरचावणै उर पूरण सुख अग) ॥—३३३

#### अहंकार नाम

मछर गरव अहंकार मद माण ताण अभमान ,  
मनी रंड पौरस समय दरप गरूर (निदान) ॥—३३४  
तव अभम तामग (जतन) गुमर बडाई गाढ ,  
तेख (अरुच उपजै तठै वाका वचना वाढ) ॥—३३५

#### सभाव नाम

आतम मानुज (गुण अनुज) एसिध (सहज) सुभाव ,  
(सतत रूप) निसरग सरग चलगत प्रगती चाव ॥—३३६

#### ऋपा नाम

मया दया करुणा महर ऋपा घ्रणा अनुकोस ,  
(पढ) हतोगत प्रसनता (प्रभू) अनुकपा पोस ॥—३३७

#### कपट नाम

छद छेतरण द्रोह छळ कपट तोत ठग कूड ,  
मरम कोस परवाद मिस व्याज यम विधचूड ॥—३३८  
कैतव वितरक कळ विकळ (दाखो नभ उपदेस) ,  
विपद (लखत) चातुरज (विध विवधा जुगत विसेस) ॥—३३९

#### पाप नाम

अध्रम पाप दुख दुक्त अध कळमुख कलुख कलक ,  
अनकुळल कमख असुभ प्राचत वरजत पक ॥—३४०

#### धरम नाम

धेअभाग सतकृत धरम सुकृत सेयब्रख (सार) ,  
पुन पुनीत सतगुण (प्रभा मूरब्रख सौ संसार) ॥—३४१

#### कुसलखेम नाम

भवक भव्य भावक अभय सुसत सेव भद्रसेव ,  
कुसलखेम मुभद्र (कही) अभय मंगळ सिव (अवे) ॥—३४२

छभा नाम

ससत परखद आसता समत छभा समाज,  
आसथान समजायता सासद (घटा सकाज) ॥—३४३

सवद नाम

सवद घोख निहघोख (सुद) निनद कुणद धुन नाद,  
रिण आरव निरावर (सुणत टेर कर साद) ॥—३४४  
निहकुण राव धुकार नद सोर घोर श्रवसार,  
(ग्रहै ग्राह दध गयद नै घर हर कियो उधार) ॥—३४५

सोभा नाम

भा आभा द्रुत विभ्रभा कोमळता छिव क्रात,  
परभा (कुण) सोभा प्रभा सुखमा (राधा सात) ॥—३४६  
(कहै) विभूखा ककला श्री (सकर तनमार,  
सारे सार वस्तु सिरै "ऊदा" प्रभा उचार) ॥—३४७

दिन नाम

दिन वासर दिव दुदिवा दिनद (तेत) अहिदीह,  
(आठ पौहर निस दिन उचर "ऊदा" भजन अवीह) ॥—३४८

किरण नाम

रुच सुच गो छिव द्रुत रसम जोतर तेज उजास,  
किरण मयूख मरीचिका भानुभा करभास ॥—३४९  
प्रभा विधा वसू दीपती किरणावळि (सुखकद,  
सुखद धाम) कर असु (रव यळा पोख आनद) ॥—३५०

तेज नाम

तेज उहासत द्योत तप जगचख वरच उजास,  
तमरिप निसचरत्रास उजवाळो "ऊदा" अरक ।  
(यौ उर ग्यान उजास) ॥—३५१

उजल नाम

सेत सुभ्र पडरु सुकळ अरजुन सिव अवदात,  
विसद वळख पडरु धमळ सुच उजळ पिंड स्यात ॥—३५२



## अधारी नाम

अधकार तम अवत मम अवारी (या) अध ,  
तिमर तम सवळस तमम अध (भूमधा अध) ॥—३५३

## रात नाम

निमीथिणी रात्रि निमा निम रजनी तमनीत ,  
तमसा खणदा तामसी विभावरी (वदनीत) ॥—३५४  
जणिया सखरी जामणी रात त्रजमा (रीत ,  
नाम) खिया पखनी निमा (पठ) समप्रिया (पुनीत) ॥—३५५

## स्याम नाम

किरट धूम धूमर कसण स्यामल मेचक स्याम ,  
अस्त नील प्रभू अळअळी स्याम राम घणस्याम ॥—३५६

## जोत नाम

दीपक दीप प्रदीप द्रुत मिखाजोत सारग ,  
कजळअ क ग्रहमणि कळा ताईतिमर पतग ॥—३५७  
नेहानेह मिखजनम उत्तमदसा उदोत ,  
(घांम) उजासी कळधन (प्रगट दसा भव पोत) ॥—३५८

## चोर नाम

चोर निसाचर गूढचर प्रतरोधक परमीख ,  
मेघा कुवधी मलमुलच तसकर परसतोख ॥—३५९  
परास कंधी पाटचर अकागार अलाम ;  
दसू पथुकनाळ दुष्ट (तेन पारख हित ताम) ॥—३६०

## मूरख नाम

मूरख जड सठ स्यानमठ मूढ कुंठ मतमद ,  
मात्रीमुख कदवद मुगध (दुयण सयणघर दुंद) ॥—३६१  
(जथा जात) जालम निलज मद अजाण अमेध ,  
अगन विकळ अगळज असन खळ वेधेअ निखेध ॥—३६२  
नैड मूक विवरण निलज वाळ गिंवार अवूभ ,  
वैतवार डांडो विमुखगुण विणवाट अगूभ ॥—३६३

स्वान नाम

कौळ्यक कूकर कुतौ रतसाई रतकील ,  
 रातजगण लटरत (परस) वळतपू छ, रतवीळ ।—३६४  
 खेतळअस मजारखळ सारमेय असुन स्वान ,  
 भुसण पुरोगत अस्तमुख गहिचक्र वाळध (ग्यान) ।—३६५  
 द्रामसीह जिभ्याप (गण) ग्रहमृग मडळगाढ ,  
 साला ब्रख भ्रगदेस सठ (और) तदुख (आढ) ॥—३६६

खर नाम

खुरदम खर गरदभ खुरप भूकण लादणभार ,  
 करणलव सकूकरण अवापीहण (उचार) ।—३६७  
 (चिरमो हीरा सब चळै चव वाळै अन च्यार) ,  
 सखमवदी (राखै सदा भरै माटी कु भार) ॥—३६८

विख नाम

गरळ हाळाहळ जैहर (गण) मारण तीखण मार ,  
 विख रस (दुख ससार विध कर रिळ्या करतार) ।—३६९

अम्रत नाम

सोम पियूख मधु सुधा अम्रत मार (उचार) ,  
 अगद (राज भोजन) अमर दधसुत रतन (उदार) ॥—३७०

चाकर नाम

किंकर चाकर सेवकर दास नफर भ्रत (दाख) ,  
 चैडौ परभ्रत परमचित अनुचर डिगर (आख) ।—३७१  
 परसक दपरजात (पय) विधकर अनुग-खवास ,  
 परपिंडा दिनि जोज (पढ) चेर प्रईक चरास ।—३७२  
 भुजग सेवगर हुकममय परचाकर वपतप्रीत ,  
 (स्याम धरम साचौ सदा चाकर जिंकै नचीत) ॥—३७३

हुकम नाम

अग्या आयस आगना (मुर्गै) हुकम फुरमाण ,  
 सासन जोग निजोग (सुण ज्यू) आदेस (सुजाण) ॥—३७४

## शातग नाम

भीय वीह डर भीत भय उद्रक चमक आतक ,  
(साधक) असक भ्रमक (सो हर मेटण) सँक ॥—३७५

## वेला नाम

वार वयण प्रसपार वय (कहि) अक्रम गत काळ ,  
वरतमान अतर वहण (यो) अनमख हरियाळ ।—३७६  
(स्याम) ताळ पौहर समय खण अनी (विख्यात  
देखत भूली जगतदळ जीव सरवत वहिजात) ॥—३७७

## पीढा नाम

वपरोगी पीढा विथा आमय गद आतक,  
रुग उताप दुख असह रुज सकट माद ससक ।—३७८  
(हरी अपाटव) कण्ट (हर मेट) व्याघ असमाधि ,  
(हरहर सिमर हराहरा सिवसिव भुज्या समाधि) ।—३७९

## कूड नाम

कूड वृथा मिथ्याकथन असत अठीक अणाळ ,  
विथत विकळ अनरत विरत अलीक आळपपाळ ।—३८०  
(वचन) भूठ विपरीतविघ (स्वारथ कज ससार ,  
परमारथ पद पूज गुर “ऊदा” राम उचार) ।—३८१

## साच नाम

साच सयग चौकस सुसत जथा तथा सिव जीक ,  
वीसविसा (दसभूतत्रर) समीचीन सत (चौक) ।—३८२

## वन्ध नाम

तत्र ब्रखभ वळ रिखभ (तत्र) ककुदमान वळकार ,  
वाडभेय ब्रखसेन (वळ) श्रगी भेड ब्रखसार ॥—३८३

## गाय नाम

मुरभेई सुरभी सुरह गऊ अगना गाय ,  
घेनु रोहणी देवधन गत उखा महागाय ।—३८४

उसा दह्वन अरजुनी तमा त्रवा तार ,  
निधमहेई निलयका (सो) श्रगणी (जग सार) ॥—३८५

बछ नाम

बछा केरडा वाछडा तरण टोगडा (तोल) ,  
सकृत करजा वाछ (मुर यो) नलवार (अमोल) ॥—३८६

दूध नाम

मधू दूध पय खीर (मुण) गोरस बळमयगात ,  
उत्तमरस ऊधस अन्नत सतन पुसर ससात ॥—३८७

दही छाछ नाम

दही खीरज गोरस दही मथन छास तक्र (मड) ,  
कालसेय उदस्त (कहि पाचू स्वाद प्रचड) ॥—३८८

माखण नाम

तक्र-सार दघसार (तव) नैगवीन नवनीत ,  
मेळसरुज माखण मधुर परघ्नत (साद पुनीत) ॥—३८९

घी नाम

हई यगवन तूप हवि घिरत आज आघार ।  
आहिज चौपड अगवळ सरप खह विखसुघार ॥—३९०

भोजन नाम

भख जीमण भोजन भखण अभवहार आहार ,  
आरोगण खादन असन निगस लेह अनसार ॥—३९१  
पतवसान अवसान (पढ सुखदा) साण (सवाद) ,  
(गहि)बळवघरा वखाणगुण नित्यासी यस(नाद) ॥—६९२

मेरगिर नाम

सुरथानक कचन सिखर सुरगिर गिरद सुमेर ,  
पचरूप नगमिणप्रभा (महि) सुरथानक मेर ॥—३९३

देवता नाम

विवुध अमर व्रदारक दर्ईत्यारी सुर देव ,  
देव वरद दिवोकसा आदत्या अदतेव ॥—३९४

नीका त्रदखा निरजरा वहिनमुख गिरवाण ,  
 त्रदवसा सुमना त्रदस सुधाभुजीस (प्रमारा) ।—३६५  
 सुमन अनद्री असपरा (रट) रिभूकत असरार ,  
 अनमुखाद अगनीभुखा “ऊदा” (नाम उचार) ॥—३६६

#### अगन नाम

दावानळ अगनी दहण सिखा हुतासण (सार) ,  
 मगळ सपती अमरमुख पावक तेज (अपार) ।—३६७  
 जळण धनजय जाळियल दवना दार विदार ,  
 क्स्नवरतमा त्रखाकप सिखवान सिखसार ।—३६८  
 आसल पन जाळण अनळ स्वाहापती सतेज ,  
 वरहीमुज सुचवन दहन ज्वाळाजीह जगेज ।—३६९  
 उखर विध सुखमा अपत दुसह विरोचन दाह ,  
 चित्रभाग माहेसख सोचकेस सुरचाह ।—४००  
 आसउदर वहनी उसन वेदपित्त वित्रहोत ,  
 विभा विहद भानू विखम सखासमीर (उदोत) ।—४०१  
 रोहतास वसू छागरत प्रजळत तनूनपात ,  
 धोम समीग्रभ धूमधज हर हय (कहिपात) ।—४०२  
 आसआस आतस असह (वळ) हुतभख हववाह ,  
 (सोख पोख ससार मे समता जगत सराह) ॥—४०३

#### वलभद्र नाम

सकरखण वळ सितामित भेद जमा वळभद्र ,  
 कामपाळ वळराम (कहि) मुसळि हरिण प्रियभद्र ।—४०४  
 नीलंदर अश्रानिका दळअभग वळदेव ,  
 कर्णआग्रज (रु) अनत (कहि रोहणोय रस सेव) ॥—४०५

#### वरण नाम

प्रासी जळकतार (पढ) जळविभू वरण जळेस ,  
 मेघवरण दववाम (मुण) पयग प्रचेता (पेस) ।—४०६  
 (नमा) परजण नीरपत वारसार वायांर ,  
 जळज (जितारछक जवर) वरणपास (विसतार) ॥—४०७

देवता जात नाम

किनर गध्रघ सिधकर जख रिख तूमर (जाण) ,  
विद्याधर चारण वसू पितर प्रसाच (प्रमाण) ।—४०८  
सध्याभ्रत अपसर सुरज नाकी धरम (पुनीत) ,  
गौहक भ्रत मुरलोकगत (पूजौ साच प्रतीत) ॥—४०९

अष्ट सिध नाम

अग्निमा महिमा ईसता प्रापत (नै) प्राकाम ,  
वसीकरण गिरमी (वळै) लघुमा (वसू नाम) ॥—४१०

नवनिधि नाम

कल्प खरव मुकद (कहि) नील पदम (निरधार) ,  
महापदम सखर मकर (यी) निधकद (उचार) ॥—४११

धन नाम

आय तेयक सवर अरथ माया धन धरमड ,  
द्रवणवसू लखमी दिरव (खित) निध रिध (नवखड) ।—४१२  
सपत माल निधान (मुण) आथ खजांनी (आख ,  
वण कु भ रखत प्रखत विध भव किरपा सू भाख) ॥—३१३

मोती नाम

मोती मुगता मुगतफळ गुलका रस समगोत ,  
मुकतज मुगतज सीपसुत उदकज स्वात (उदोत) ॥—४१४

स्यामकारतक नाम

सिवकुमार वाहणसिखी क्तका उमाकुमार ,  
प्रखतवाह विसाख (पढ) सेनानी व्रमचार ।—४१५  
तारकार कतार (तव) सगभू छमा सकद ,  
खटमातुर खटवदन (कहि) अगभू (दे आनद) ॥—४१६

मोर नाम

केकी वरही मोर (कहि) सिखी प्रखत सारग ,  
नीलकठ घणनाद नळ प्रकण्व प्रसणपनग ॥—४१७

ब्रखक सिखडी सिहड (वळ) सेनानीरथ (सार) ,  
सुखलापग सिखावळी कु भ कळापी (सार) ॥—४१८

### गुरड नाम

पखीपत तारख सुप्रसण गुरड सेस खगराज ,  
अरुणानुज व्यालारि अळि हरिवाहण गिरराज ॥—४१९

सालमिली सुपरण सजव वैनतेय मनवाह ,  
सुधाचरण सकतीधरण गरतमान अहिगाह ॥—४२०

सोन्नत कस्यपसुतन पखीपती धखपख ,  
ग्रीवळ खग पखी प्रगड सुपरण्येय अणसख ॥—४२१

वजरतुड अरुणावरज यद्रजीत अणभग ,  
मत्रपूत तारक (मुदै) पूतातमा (प्रसग) ॥—४२२

### वेग नाम

सप्रद (दाख) मकू प्रसर सिध्न वेग जव (सार) ,  
तुरत वाज अधायतर अजुसार वस (उचार) ॥—४२३

तरस आस आतुर सतुर चचळ दाप चलाक ,  
तूरण अवलवत भट तर वरय चपल रमाक ॥—४२४

सहस उतावळ दुत (सरस) अवगत रसा अरोड ,  
(अस) सतेज धोडैय धक(जळद पवन मन जोड) ॥—४२५

### पवन नाम

जगतप्राण आसक जवन वाय वात गधवाह ,  
अगवाहण मारुत मरुत अहिभख पवन असाह ॥—४२६

सुपरस दागत सुपरसन अहिवळ भख ऊमान ,  
अनळ नील नभसास (यळ) जळरिप प्राणजिहान ॥—४२७

वायू चचळ गधवह सबळ प्रभजण (साख) ,  
सोभ समीर समीरण (अौज) प्रकवण (आख) ॥—४२८

वाएरी आंधी विखम घणवह चक्र वधुळ ,  
(सीत मद गत उसन मै गिगन) धू ध गैतुळ ॥—४२९

घण नाम

धाराधर घण जळधरण मेघ जळद जळमड ,  
 नीरद वरसण भरणानद पावस घटा (प्रचड) ।—४३०  
 तडितवान तोयद तरज निरभर भरणनिवाण ,  
 मुदर वळाहक पाळमहि जळद(घणा) घण(जाण) ।—४३१  
 जगजीवन अभ्रय रजन (हू) काम कमहत किलारण ,  
 तनयतू नभराट (तव) जळमुक गयणी (जाण) ।—४३२

बीजली नाम

चपळा तडिता चचळा विद्युत असनी बीज ,  
 (मुण) जळवाळा जळरमण खिणका कासखीज ।—४३३  
 सपा समरव सतरदा छटा रासनी (छेक) ,  
 आकाळकी अरावती विजळी खिण (विवेक) ॥—४३४

आकास नाम

वोम गयण अभ तभ वघद अतरीख आकास ,  
 ख असमान अनत खह पीहकर अमर प्रकास ।—४३५  
 मेघ, खगपथ\* पवनमग (सुर उडपत ततसार) ,  
 पूरण आभौ विसनपद सुन्य पौल (दुत सार) ॥—४३६

तारा नाम

जोत घिसन ग्रह जोतकी तारा उड रिखतेज ,  
 (रि) तेज रूपमणि तारका नखत्र दीपनभ (सेज) ॥—४३७

सख नाम

संख कव वधव सखी दधसुत वारज (देख) ,  
 विसद खौड सावरत (विध) रतना मध्यत्ररेख ॥—४३८

नाव नाम

वैडी वैडी पोत वळ जळतर नाव जिहाज ,  
 वाणवहण वोहि (वळ) तरण (नाम सिरताज) ॥—४३९

\* मेघ, खगपथ=मेघपथ, खगपथ ।



## खेवटिया नाम

वाणी माळम दधविधी खेवटिया (जळ ख्यात) ,  
 दधभेदी दूरतेरी (निपुण) नाकवा (न्यात) ।—४४०  
 खारीवा नीखाखा ओरेभ डाळाअग ,  
 नावाहाकण (गुण निपुण पारावार प्रसग) ॥—४४१

## चौईस अवतार नाम

राम कसन नरहर रिखभ ब्रखम हरी वाराइ ,  
 मछ कछ (मीन) मनतर नारायण (मुरनाह) ।—४४२  
 ध्रूवरदाम धनतर कपलदेव निकळक ,  
 सनकादिक हसादि दत्त प्रथू व्यास (परियक) ।—४४३  
 वामण बुध दुजराम (वळ यौ) ह्यग्रीव (उचार ,  
 वपधारै चत्रविसती यळकज भार उतार) ॥—४४४

## सीता नाम

जगदवा श्री जानकी वैदेही हरवाम ,  
 सीता भूजा सिया मती जनकजा (स्याम) ।—४४५  
 महामाया मा मडथळी (ककट करण अकाज ,  
 जिक्को कोप लका जळी राकस विगडै राज) ।—४४६

## अरपत नाम

हस्ती अरपत हसत मघवावाहन मतग ,  
 रामणभ्रम सुरनाथरथ (और) वलभउतग ॥—४४७

## सताईस नक्षत्र नाम

असनी भरणी (आददे) क्रतका रोहणी (काज) ,  
 अगसर आद्रा पुनरवसू पुस असलेखा (पाज) ।—४४८  
 मघा (नाम दसमौ मुणौ) पुरवाफालगुणी (पेख) ,  
 उतराफालगुणी हस्तउड चित्रा स्वात (विसेख) ।—४४९  
 वैसाखा अनुराधा (वळ) जेष्टा मूळ (जणाय) ,  
 पूरवाखाडा उतर\* (पढ) श्रवण धनेष्टा (पाय) ।—४५०

\* उतराखाडा ।

सतभिख पूरवाभाद्र (सुणि) उतरा\* रेवती (अग ,  
नाम सताईस सू नखत्र सुण कवियण परसग) ॥—४५१

वारं रासा रा नाम

मीन मेख व्रख मिथन करक सिंघ कन्याह ,  
तुल व्रसचक धन मकर (तव रास्वा) कु भ (सराह) ॥—४५२

नग नाम

मिण मारणक मुगताहळ पना लाल पुखराज ,  
चद्रमिणी चिंतामिणी अहिमिण पारस (आज) ॥—४५३  
नीलमिणी सैलान नग चूनी हीरा चूंप ,  
(ले) पीरोजा लसणिया पारस फटक (अनुप) ॥—४५४  
गोमोदक . मू गा (गणौ) पदमराग परवाळ ,  
(निघ)मरकतमिणी नीलवी (अत दुत तेज उजाळ) ॥—४५५

सात घात रा नाम

कचण तार जसोद (कहि) सीसौ लोह (सुणाय) ,  
तावौ (वळै) कथीर (तव सात घात दरसाय) ॥—४५६

सात उपघात रा नाम

(हेद) पारौ विख हीगळू (त्यू) अब्रक हरताळ ,  
रसकपूर मू गा (रटी विघ उपघात विसाळ) ॥—४५७

हस नाम

मानसूक धीरठ (मुणौ) मुगताचाळ मराळ ,  
चक्रगी अवदातचळ लीलग हस वलाल ॥—४५८

मूसा नाम

मूसा ऊदर सूचिमुख मूखक भखमजार ,  
वजरदत आखू (वळै) ऊदर (नाम उचार) ॥—४५९

खट भाखा नाम

प्राकृत (नरभाखा पडौ नागा) मागध (नीत ,  
सुरभाखा सो) ससकृत (रकस) पिसाची (रीत) ॥—४६०

\* उत्तराभाद्रपद ।

अप्रभिसी (पसीउकत दनुज) हुसैनी (दाख ,  
प्रभता काव्य प्रकासमै औ भाखा खट आख) ॥—४६१

#### च्यार पदारथ नाम

(घार प्रथम सुक्रत)घरम (द्रव)गुणअरथ(दिखाय) ,  
काम (सपूरण कामना प्रभूपद) मौख (उपाय) ॥—४६२

#### सखी नाम

सखी सहेली सहचरी हितु सुवच्छक (हेत) ,  
वयसां सद्रीची (वळ सुखदा) सयण सचैत ॥—४६३

#### च्यार प्रकार री मुगती रा नाम\*

निश्रेयस निरवाणपद अम्रत मुंगत अपवरग ,  
गतनिरभयआवागमण सुखाधीस वरस्वरग ॥—४६४  
ग्यानमुगत केवळगत महामुगत नरमोख ,  
पुरीवास सामीप (पढ समस जोत सतोख) ॥—४६५

#### दासी नाम

दासी भ्रत्या दिलरखी गोली चेडी (गात) ,  
कळचाळी (गुण) किंकरी विदरी (चळ विख्यात) ॥—४६६

#### काजल नाम

(मुण) कज्जळ पाटणमुखी नागदीय-सुत नेह ,  
(गज) अजण मोहरण गती सुख-त्रिय नैणसनेह ॥—४६७

#### हीरा नाम

कुमख वज्र हीराकरी (औ) दधीचरिखअस्त ,  
निकख पदकभरणा निधी(सिरहर) नगा(समस्त) ॥—४६८

#### भंगल नाम

अगारक कुज यळसुवन लोहिताग दुतलाल ,  
मगळ भौम कुमारमहि चत्रभुज वृखी (सुचाल) ॥—४६९

#### सुक नाम

भारगव उसना सुक्रमण कायव कवि चखअ्रेक ,  
हिरणगरभ दनुप्रोहिता विद्या संजीवन (नेक) ॥—४७०

\*चार प्रकार की मुक्ति—सालोक्य, सारूप्य, सामिप्य, सायुज्य—मानी गई हैं। उन्ही के पर्यायवाची यहा दिए गये हैं, जिनमे से पाच का उल्लेख 'अमर कोष' मे भी है।

नमसकार नाम

प्रणत प्रधन वदत (पढौ) नमो नमसकृत (नाम ,  
विध)सिलाम(वसू) डडवत नमसकार(नित नमि) ॥—४७१

सीढी नाम

नीश्रेण (सा) सोपान (कनिज) आरोहण आरोह ,  
सेढी नीसरणी (सदा मोहण भुजन समोह) ॥—४७२

पुत्री नाम

तनिया तनुजा पुत्रका दुहिता मुता (वदत) ,  
कुळजा वेटी कन्यका कुळस्वासणी (कहत) ॥—४७३

सेज नाम

सेज तलप सज्या सयन सवेसण सयनीय ,  
कस्यप दुगध दधफीण (कत) कतहरख(कमनी) ॥—४७४

तकिया नाम

गिंदुक तकिया (हर) गिलम उयवर (वर उपधान ,  
(म्रदुल)उसीस उठग(मुण वद)उसीर(विदवान) ॥—४७५

भाल नाम

भाळ निलाड लिलाट (भण) अलकमध्य विघन्नक ,  
भागधाम अछरभवन (नर घर साच निसक) ॥—४७६

टेढा नाम

वाम कुटिल टेढो विखम वक असुध विरुध ,  
वक्र (नाम) कुचत (मिमर राम मन सुध) ॥—४७७

वंसी नाम

मतस्या घानी भीनहा कुंढी वनसी (कांम) ,  
'विडस कुंभ निभख वधक (रह न्यारौ भुज राम) ॥—४७८

चिबक विदी नाम

चिबक (स्याम) विदी (चढै असित नील दुत आख ,  
स्याम राम)भेचक(असत सस लछण) छिव(साख) ॥—४७९

## ब्रह्मपत नाम

सुराचारज सुरगुरु (सदा) ब्रह्मपत (जीव वखाण)  
रिखी मुनेसर वेदरस (जात) सिखडी (जाण) ॥—४८०

घिखण सुखडज सुरधरम वाचसपति कव (वाच) ,  
रगपीत दुज अगिरस सरगपूज सुरसाज ॥—४८१

## छिद्रघटिका नाम

कार्ची रमना किकणी (सूत्र) मेखळा विसाळ) ,  
छिद्रघटिका छिद्रावळी (जुगत अनुपम जाळ) ॥—४८२

## तरकस नाम

भाथौ भाथ निखग (भण) तरकस तून तूनीर ,  
उपसाग यखूधीसता विसखधाम (रितवीर) ॥—४८३

## घनुख नाम

पिसकस आयदा (पढौ) वॉणासणी कवाण ,  
सारगी वधसत्रवा तूजी घनुख (ताण) ॥—४८४

## नूपर नाम

पादा अगद नूपर (प्रभा मिलय) घूमर मजीर ,  
तुलाकोट भ्यकारतन (संजण हरख सरीर) ॥—४८५

## पान वीड़ा नाम

दुजमुख - मडण पान दळ तिव्र विफळ तवोळ ,  
नागलता मुखवास ( निज ) रदछ्दरगण वोळ ॥—४८६

## आरसी नाम

प्रतर्विवी आदरस (पढ) मुकर आरसी (मड) ,  
दरपण काच (रु) मुखदरस खुखदावती (अखड) ॥—४८७

## वीणा नाम

वीणा तत्री वळकी जत्री जंत्र (मुजाण) ,  
गुमी (प्रपची) सुरआह (पारावर प्रमाण) ॥—४८८

सुवा नाम

सुक तोता मुरगह सुवा किमुक मुखमा कीर ,  
रगतचू च लीलगरित (रस बहु रग सरीर) ॥—४८६

गुप्त नाम

(तवा) तिरोहित अतरित गुप्त लुक गूढ ,  
दुरत निलीह अताक दव मुगध प्रछन लुक (मूढ) ॥—४९०

हलद नाम

पोडा रजनी हळद (पढ) पीता गवरी (पाळ) ,  
गुणदा हरदी मगळा (सो) कचनी (रसाळ) ॥—४९१

क्रोध नाम

(दुरत) रोख अमरख दुसह कोप रोस रुट क्रोध ,  
रोख मन्यू तम रोस (रुख) विखमी प्रजुळ विरोध ॥—४९२

दीरघ नाम

प्रथुल प्रामु परणाह प्रथु ब्रधु गुर दीरघ विसाळ ,  
आयुत स्यूढ उत्तग (कहि स्याम) बडौ सिखराळ ॥—४९३

वेद नाम

आमनाय श्रुत वेद अंग निगम अगोचर (नाम) ,  
घरममूळ श्रवकामधुनि ब्रमरूप (विश्राम) ॥—४९४

स्याम जुजर रुघदेव (सुर असुर) अथरवा (अग) ,  
वेदा च्यार पुराण व्रण सो अढार परसग ॥—४९५

रुधिर नाम

श्रोण रुधर रगत जोस असुक (खित जात) ,  
रत लोहू जीवन रुचावप पुसरी (विख्यात) ॥—४९६

समीप नाम

तट नजीक ढिग निकट (तव) उप समीप (अभ्यास) ,  
यू) पारसव अवद्दर (अत) पासै नैडौ पास ॥—४९७

## सध्या नाम

निसमुख सध्या पित्रीप्रसू संभ्रया सायंकाल ,  
साभ्र त्रसभा आसुरी प्रदोखत मचर (पाल) ॥—४६८

## पपीहा नाम

कळतकठ हरस्वात (हर) पपिया चातुक पीव ,  
(पीव-पीव सारग (पट चळघण तडपत जीव) ॥—४६९

## गिनका नाम

वारवधू जगवलभा निलजा पुंसचली (नाम) ,  
दासी दारी द्रवत्रिया (यी) लभिका (अलाम) ॥—५००

(ज्यू) खाला धनजोखता कुळटा (पीत निक्राम ,  
कहत) सभली कामकी वैस्या गिनका (वाम) ॥—५०१

प्रेमास्वारथ परप्रिया रूपजीवा (रग) ,  
चातुर भंगतण कंचणी चती (चाह अचग) ॥—५०२

## पतझता नाम

साधवी सती मनस्विनी पतपरताप पतप्रेम ,  
सुचहिय सुचरुच मनसमी (निपुण चाल) उरनेम ॥—५०३

## नीचा नाम

नमण नीच अध तळ नमत खणत वितळ (जल ह्यात) ,  
उरघलोक (आसा करो भुज हर-चरण विह्यात) ॥—५०४

## सुछम नाम

तुछ अल्प लव सुखम तनु निपट चसोदर (नाम) ,  
ओछो कम थोडो अणू वारवुद (विश्राम) ॥—५०५

## मकरी नाम

मकरी सूत्रा मरकटी ऊरणनाभ (भख आस ,  
कहि) लूतार कुळायती कौळीवाड (प्रकास) ॥—५०६

## दिसा नाम

कन्या काप्टा ककुभ (दिस) गो आसा दिस (गात) ,  
पूरव मछम उत्तर (पह तव) दिखण (दिस तात) ॥—५०७

वायव (अरु) नईरत (वळै) अगन (दिसा) ईसान ,  
(दोय दिसा विचमे दिसा वरणी सवरा विधान) ॥—५०८

पत्र नाम

पत्र परण दळ पान (कहि) पत्रा वरह छद पात ,  
(जव खरकत कूपळ जरत अंग खग छांह लुभात) ॥—५०९

दुख नाम

कदन विधुर सकट कष्ट गहन व्रजन दुख (गात ,  
माधव दुख जामण मरण प्रभू टाळी) उतपात ॥—५१०

लाज नाम

लाज लज व्रीडा लज्या (कर) सकुचन (विनु काज ,  
लख ही कृपा मुलायजी सुघरै काज समाज) ॥—५११

मदरा नाम

मद आसव मदरा मधू वारा वारणी (वार) ,  
सुरा (पान) हाला सुरा सिधूप्रसूत दधसार ।—५१२  
मयकामा ही मयमिरा कादवदी चिकाळ ,  
प्रसना बुधहा मुगधप्रिय मदनी मदवामाळ ॥—५१३

समूह नाम

घणा जूथ जूथप सघण समुदय व्यूह समूह ,  
पूरपूग विधचय पटळ फौजा कटक फतूह ।—५१४  
वहुत कुरभ कदंव वहु औध अनत अपार ,  
कलाप कुल प्रकरण करण विसरण (चय विसतार) ।—५१५  
भूल चक्र सदोह भड तोम समाज सघात ,  
कदळ जाळ कनिचय (कहि) ग्राम वौहळ (जळगात) ॥—५१६

अत नाम

अतसय अत अत वेळ अलि यवक नितत अनत ,  
अत अनत (रजकण यळा रचना राम रचत) ॥—५१७



## तनक नाम

दर स्तीक ईखद अलप मद तुछ मदाक ,  
अौछ तुछ रचक अगू (अौ सुख विखिया आख) ॥—५१८

## पगरखी नाम

पायत्राण पदपीठ (पढ) पहनी खलो उपान ,  
जोड़ी पानह जूतिया काटारखी कुदान ॥—५१९  
पगसुख पनिया पगरखी पापपोस पैजार ,  
मौजा मोचा मोचडा पगपाखर पयचार ॥—५२०

## अटा नाम

उरधअ्रीक मैडी अटा सीध हरम सुखमार ,  
(मुर जुग भूमो) माळिया (धरम पुसप निरवार) ॥—५२१

## गली नाम

तुरती प्रणा प्रतोलका वीथी सेरी वाट ,  
मग डाडी (सूधी मिळै उपजै नही उचाट) ॥—५२२

## उपवन नाम

वाग वगीचा उपवना (सीत रुख तर सार ,  
अवादिक केता अनत लता सुगध लसत) ॥—५२३

## पंखी नाम

पछी खग सुकनी पत्री दुज अडज परदरप ,  
विहग विहगम हरिन्नती सजव पत्ररथ सरप ॥—५२४  
विपत्त पत्रती नभवटी पंखी पतग पतग ,  
कळकठी (अत) आकृती (सदा तपी) तरसग ॥—५२५

## रगसाल नाम

लोहित राता पातलख अरुण साल आरक्त ,  
(उत्पम तर विवधा अरथ अरथी जन आमक्त) ॥—५२६

## वसत नाम

कुसमाक रितराज (कहि) वर द्रुमभूप वसत ,  
मघ सुरभी कुसमावळत (लता सुगध लसंत) ॥—५२७

पाडल नाम

पाडळ थाळी पलकही वामासार भवक्ष ,  
द्वु वसामध दूधका (पखी चाहत प्रतक्ष) ॥—५२८

अवा नाम

पिकवलभ कामाग (पढ) सखमदरा, सहकार\*,  
नूतर साळ अनूपतर अवा (ब्रक्ष उदार) ॥—५२९

चंपा नाम

चापेयक सुभेय (चव) कुसमाहिम सुकुमार,  
चपक चपौ (भमर चित अडै न वास अपार) ॥—५३०

दाडम नाम

(पीतरग) दाडम (पढी लाल फूल कण लाल),  
सुकप्रिय हालमकर (सुण) पिंगपुष्ट गदपाळ ॥—५३१

नालेर नाम

सुरभी सिलूप सदाफला नीला अद्रुल नाळेरे,  
ताळविलव मालूर (तव विविध चढै वर वेर) ॥—५३२

तमालपत्र नाम

कालकधता पिछक (कहि) तडुळ ताळ तमाळ,  
(गंध पत्रता मेट गद मधुता भोज तमाळ) ॥—५३३

पलास नाम

त्रप तक परण पलास (तव) वात पोत (विध ब्रख,  
एक श्रुकज निसू अस्त्र हळदी नाहर-नख) ॥—५३४

कदम नाम

मदरा गध सुवासमद हरप्रिय कदम (कहत),  
नीप तूल देवानिनग (सुरगण सेवग सत) ॥—५३५

\*सखमदरा, सहकार=सखमदरा, मदरासहकार ।

## वेडा नाम

अक्षक रखफळ कटूकफळ भूतावास वभीत ,  
समर कळि ब्रख मुध पिंड वहेडा (प्रीत) ॥—५३६

## सोपारी नाम

घोटक मुखछूवा कफळ पुग सुपारी (प्रीत) ,  
पुगीफळ फौफळ (पढी नरमुख वास पुनीत) ॥—५३७

## नारेल नाम

वानरमुख सुभकामयर कठणकाचळी केर ,  
अमर भेट फळ नाळियर नाळेकेर नाळेर ॥—५३८

## कनछ नाम

कोळ कळका कडुकर कैवत्र खणक (निकाम) ,  
कळुळफळी कपटुयण (कहि विन तावा वेकाम) ॥—५३९

## मिरच नाम

मिरच तीख तिखता मिरी कसनाफळ सिधकाम ,  
(कहि)उखणा(अर)कौलका सुधकर(गोली स्याम) ॥—५४०

## पीपर नाम

तिगम मगधी तदुळा सुडी कसना (सार) ,  
कौळा वैदेही कणा पीपर स्यामाधार ॥—५४१

## सूठ नाम

विस्वा नागर सूठ (वळ) महाऊखधी मड) ,  
श्रीपाळी सतवी (सिरै चमतकार परचड) ॥—५४२

## प्रवाल नाम

त्रिद्रुम प्रवाल रगत दधसुत मूगा (दाख) ,  
मुखरा नगीन लीधमिण (कपोता हिकव भाख) ॥—५४३

## दाख नाम

अद्रुका स्वादी मधूरसा दाख गुडा (दरसाय) ,  
काळमोख काण्टफळ छुद्रा गोस्तनी (छाय) ॥—५४४  
वेदाणी दांणी दुविधमेटण (रोग मलाम) ,

सोनजुही नाम

सोनजुही (र) सुगंधका जूही जूयका (जाय),  
गिनका हिरणी (नाम गिरण देव पुष्पका दाय) ॥—५४५

मालती नाम

मधुमई सुमना मालती उत्तमगधा (आख),  
अवष्टा प्रियवादनी सुगंधमल्यका (साख) ॥—५४६

रामवेलि नाम

राजघ्रनीका रसवती रायवेल मितरंग,  
अवजस (पुन) प्रियवलका (मधुकर भ्रमत मतग) ॥—५४७

सजीवनी नाम

सार मजीवन मधुश्रवा जीवा जीवण (जाण,  
वळ) जीवती वलका (उर हर भगती आण) ॥—५४८

माधवी नाम

कुदलता माघ्री (कहि) ललितलता (यक लेख,  
मधुप उछव अत मुगतमद कछुतइक वसती पेख) ॥—५४९

बधूक नाम

जीववधू बधूक (जप) जपा (कहत घण जाण,  
परखी) दुपहडपीरिया (पुसपा जात प्रमाण) ॥—५५०

गुजा नाम

रगलाल चिरमी रती (सो) गुजा मुखस्याम,  
काकवचुका कृष्णाला तुला चिणीठी (ताम) ॥—५५१

खिजूर नाम

पिचकिच जायती पडद वणदुम ताळ खिजूर,  
परपत्रावळि खीडिया जगमख (स्वाद जरूर) ॥—५५२

लवंग नाम

देवकुसम जायक (दखै) श्रीसग तीक्ष्णसग,  
तीव्रतेज तीक्ष्ण (वळी लघु नर अग लवंग) ॥—५५३

## अलची नाम

त्रकुट वाळका तत्रलता एळा एळची (अग) ,  
चद्र कन्यका मुखवास (चव पढ निखकुटी प्रसग) ॥—५५४

## नागरवेल नाम

तावूळी अदीवेळ (तव) दुजपानदळ (दाख) ,  
नागरवेल तवोळनित (अरुण अघर मुख आख) ॥—५५५

## तट नाम

तीर रोध अन्यास तट कूल पुलिन उपकठ ,  
काठी पाज अजाद (कहि चल) थिर पाळ चमठ ॥—५५६

## कुज नाम

विजुळ सीत विदुळरथी विटपतटी लुकवेस ,  
कुंजभवन तरकुंज (कहि दपती-कृष्ण सुदेस) ॥—५५७

## कोकल नाम

परभ्रत पिक कोकल(पढी) अद्रुधुनि कोयल (मड) ,  
दुतसुर भरव्रत रतगद्रग (खुल वसत अखड) ॥—५५८

## इन्द्रिय नाम

इद्री विखई यद्रीया गोवेता गुणग्यांन ,  
गुणआकर खणकरणगत (घरणा विखै जुग घ्यान) ॥—५६९

## मकरद नाम

कुसमसार मकरद (कहि) सौरभवास सुगध ,  
रसमय मधूपन पुसपरसं (घखि अळि-मोह प्रवध) ॥—५६०

## नाम-माला

रचयिता अज्ञात

---



## नाम - माला

### चौईस अवतार नाम

मीन कमठ, नरसीघ मनु तर ,  
नारायण हरि हंस घनतर ।  
व्यास प्रथु सनिकादिक वामण ,  
दत्तित जिग वुध रघुनदण ।—१

कपिल काह\* रिछ निकलकी ,  
धूवरदन दुजराम (धनकी) ।  
रिखभदेव ह्यग्रीवा (रूप ,  
सत सुरा कज किया सरूप) ।—२

### राम नाम

रुवकुळतिलक राम रुघराजा ,  
सीतापति रुघवर सुरपाजा ।  
भरणभरणकुळ रुघनदन (भणि) ,  
मकराक्षा रिखरारिवसमिण ।—३

कु भकदन , कुकुस्त मित्रकपी ,  
(ज्यानकी सु) रुघुनाथ राम(जपी) ।  
रामचद्र भरथाग्रज (राजै) ,  
दासरथी (अवतार सदा जै) ।—४

ईसअजोध्या (अकळ अनूप) ,  
रामणारि (द्वादस रवि रूप) ।  
लकादती विधूसीलका ,  
सेतवध रुघवस (असका) ।—५

लछमणभ्रात अजादालगर ,  
भगतापति राकसा-भयकर ।

### सीता नाम

सीया सती ज्यानकी सीता ,  
वैदही मैथली (वदीता) ।—६

\* 'काह' शब्द का अर्थ स्पष्ट नहीं है ।



रामप्रिया (भुजा) रुघराणी ,  
(वेद पुराण क्रीत वखाणी) ।

#### लछमण नाम

रामानुज लछमण असुरारि ,  
वाळजती सेखा-अवतारी ।—७

सौमंत्रेय लखमण दसरथमुत ,  
जसरुघवसी इद्रीजीतजेत ।

#### हणमत नाम

वज्रकटक वंकट वजरगी ,  
हणमत हणुमान हणुअगी ।—८

रामभीच एकादसरुद्र ,  
सुसरनद कपि भफसमुद्रं ।  
मारुति जती महावळ (मडिति) ,  
(राम ध्यांन उर ग्यान अखडिति) ।—९

#### ईश्वर नाम

अंतरजामी निगम अगोचर ,  
गोपिरासिरमण गो-गोचर ।  
त्रिगुणनाथ त्रीकम गजतारण ,  
अमर अजर धरभारउतारण ।—१०

हरि माधव कमलापति नरहर ,  
जगदाधार वसीधर गिरधर ।  
धूतारण भूधर धरणीधर ,  
केसव राम कर्ण करणाकर ।—११

गोपीजनवलभ गोविंद ,  
चक्रपाणि श्रीधर ब्रजचन्द ।  
गोवरघनधारी गोपाळ ,  
दासरथी रुघनाथ दयाळ ।—१२

द्वारकेस वीठळ मधुसूदन ,  
देतादुयण देवकीनदन ।

प्रभु जसोदानद व्रजपती ,  
वाळमुकद मुकद (सब रिती) ।—१३

वासदेव विसनु जगवंदरा ,  
..... कसनिकंदरा ।  
नद-नद निरगुण नारायण ,  
रामणारि वेता-रामायण ।—१४

इद्रावरज उर्पिद्रश्रवत अज ,  
घणी विसभर अलख गरुडघज ।  
आणदकद अच्युत अवणासी ,  
पतितउधारण जोतिप्रकासी ।—१५

पदमनाभ चत्रभुज परमेशर ,  
पुरसपुराण धरणापीतवर ।  
स्याम मुरारि मनोहर सुन्दर ,  
देवादेव अनत दमोदर ।—१६

मधुवनमधुप अकळ वनमाळी ,  
कैटभकदन मरहन - काळी ।  
भगतवच्छळ भगवान त्रिभगी ,  
सीतापति रुघवर सारगी ।—१७

वृद्रावनपति कुजविहारी ,  
विखकसेन तारकअसवारी ।  
मधुवनसिंधु ब्रखाकपि मोहरण ,  
व्रजभूखण वामण बलिबघण ।—१८

असुरवहरण भगवत अघोखिज ,  
गोकळेस करता भरताअज ।  
विस्वरूप- वैकूंटविलासी ,  
राधारवण रचणव्रजरासी ।—१९

गोपी, गोप ग्वाळपति\* सरगुण ,  
निरविकार निरलेप निरजण ।

\* गोपी, गोप ग्वाळपति=गोपीपति, गोपपति, ग्वाळपति ।

निकळ क रिसीकेस बहुनामी ,  
सकटहर प्रम गुर सुरस्यामी ।—२०

पुंडरीकाक्ष जनारदन जट्टपति ,  
मोचनअघ केवल जगमूरति ।  
श्रीवखस्थळ सज्या-सेसू ,  
लकादहण व्रवण-लोकेसू ।—२१

धनुख, सख, चक्र, गदा, पदम-धर ,  
वळभुज अघसाय रमावर ।  
गरुडारूढ अगम गरुडासण ,  
घणमाया-सव्रत आणदघण ।—२२

रांमचंद्र भयहर भवतारण ,  
कूंभकदन अविगति जगकारण ।  
जळक्रीडा (नै) सिध जळज-चख ,  
सतापाळ व्रम दातासुख ।—२३

आदिपुरख निरकार अरूपं ,  
सुखसागर नितजोग सरूपं ।  
पतराखण जगर्दास परमपद ,  
हरण-भरण-पोखण हद अणहद ।—२४

जगहरता करता जगजांमी ,  
भयहरता भवतारण (भामी) ।  
चिदानद घणस्याम अघोचर ,  
भाण-भाण-कुळ खळा-भयकर ।—२५

असरणसरण अज्योघ्यानायक ,  
सेतवघ द्रौपदीसहायक ।  
नरक-अत-कृत राम निरोत्तम ,  
वई विक्रम मोहण पुरसोत्तम ।—२६

जळसाई दधिमथ ताताजन ,  
रामाअत तारग रुधुनदन ।  
पारअपार परम अरपम्पर ,  
अेक अनेक अमछ अनतर ।—२७

वारिविरोळण दैतविडारण ,  
 आदिवराह घराउद्धारण ।  
 रुघराजा काकुस्थ खरारि ,  
 ब्रस्टर-सवा अखितविहारी ।—२८

ब्रह्मा नाम

क ब्रह्मा वेदग कुलाळ ,  
 परजापति अज पतिमराळ ।  
 विध वेधा सुरजेठ विधाता ,  
 भवपित दुहिन (नाम) भूधाता ।—२९

सिष्ठा ध्रुव विरज सुरजेष्ट ,  
 पदमनाभ चत्रमुख परमिष्ट ।  
 सूयभू कज - जोनि - सरवेस ,  
 कजासण कजज लोकेस ।—३०

सेसर जगतपिता महसद् ,  
 हिरणगरभ आतम - भू (हद्) ।  
 हसगर जोगुणी जगहेत ,  
 (खाणि - च्यार-उतपति-खित-खेत) ।—३१

सिव नाम

सिव श्रीकठ महेम्बर सकर ,  
 गिरिस गिरीस रुद्र गगाधर ।  
 जोगेसुर जटधर जागेस्वर ,  
 क्रतधु सी त्रवक कोटेसर ।—३२

सिंभू चंद्रसिखर अचलेस्वर ,  
 वोमकेस ईसान वरद हर ।  
 वामदेव पसुपति क्रतवासा ,  
 विरुपाखि पुरभ्रत दिग्वासा ।—३३

महादेव तापस समरारि .  
 प्रमथाघ्रप सूळी त्रिपुरारि ।  
 भव भूतेस उग्र म्रिड भीवं ,  
 उरर्धालिग भडग अहिग्राव ।—३४

ईस त्रिलोचन खड उमावर ,  
 गगसीस करडमरू परमगुर ।  
 धूरजटी अघकार ब्रखमधुज ,  
 क्रसान-रेता अत्यु जय कज ।—३५

वाहनब्रखभ सुछान वामसुर ,  
 अष्टमूरति परमध्यानउर ।  
 नीलकंठ अद्रमूळ पिनाकी ,  
 खडपरस पचमुद्रा खाकी ।—३६

कै कपाळभ्रत लोहितभाळ क्रत ,  
 सध्यापति द्रपजार सरवरित ।  
 लोहित नील विख्यात लदी ,  
 कपरदोस ग्लौ-भाळ कपरदी ।—३७

## इद्र नाम

मघवा ब्रखी यद्र मघवान ,  
 मरुतराट सतक्रत अतवान ।  
 सहस्रनैरा दिवराज सुरेसुर ,  
 परजापति ब्रत्रहा पुरिंदर ।—३८

दिवसत गोत्रभिदी सक्रदन ,  
 दसवन नाकपति नदन ।  
 पूरवपति प्राचीन सचीपति ,  
 कोसक सक्र आखडळ वरक्रत ।—३९

वज्रायुधी विघश्रवा वासव ,  
 सुनोसीर वैळरितं सुररखव ।  
 ब्रह्म सतमन पुरहूंत विडूजा ,  
 दलमअखा भ्रमवाहण (दूजा) ।—४०

पूहमीपोख (नांम) प्रतवासत ,  
 जभराति पाकसासन (जुत) ।  
 सुक्राम स सतमनू सत्रामा ,  
 हर हप अतुत सखाहर (नांमा) ।—४१

घरि-गज-ध्याय तुखाट उग्रवन ,  
उरपिड पुलमजापति (अन) ।

इंद्र रौ राणी, पुत्र, पुरी, छभा, सदन ,  
रिख, कुकुभ वाज, रथ, गुर, वन, वैद ,

गज, दल आदि नाम—क्रमश .

यळा पुलमजा सची इद्राणी,  
सुतजयत सुरपुरी (सुहाणी) ।—४२

समति सुघरमा नदन प्रसाद(प्रासाद) ,  
नारदरिख दुदभ घणनाद ।

वाज उचीश्रव रथ विवाण ,  
जीव विप्र वन नदन (जाण) ।—४३

अस्वनीकुमार वैद गज उजळ ,  
मोगर मेघ स्वारथी मातुळ ।

विस्त्रकरमा सुरथान सिलपवर ,  
देव नदी दरवान पुरिंदर ।—४४

इद्रजाळ आवध वज्रायुध ,  
(सनमुख वदन जिगा) भोज सिध ।

वज्र नाम

कूल्यस वज्र भिंदुर सतकाट ,  
इद्रावध अ... .. अतोड ।—४५

खटकूणी दभोळ रिखस्तं ,  
सोरहसिभो कादनी सुस्त ।

ऐरापती नाम

इद्रहस्वरावण ऐरापति ,  
भ्रम वळ भ मातग सुभ्रदुति ।—४६

सक्रवाह गजराज (असकत) ,  
भीगोरारि पटाकर भूभ्रत ।

## परी नाम

अच्छर घ्रताची परी उरवसी ,  
 मजघोसा मैनका सुकेसी ।—४७  
 रभा त्रिलोतमा वारगा ,  
 सारिका मुरति सारगा ।

## गध्रव नाम

अमर परस किनर आदत्या ,  
 गध्रव हाहा हूह गत्या ।—४८  
 व्यधाधर सुरगणा (वखाणै ,  
 जिका राग इद्रादिक जाणै) ।

## कलपन्नछ नाम

द्रुमपति पारजाति श्रवदायक ,  
 सुरतर हरिचदणा सुखस्यायक ।—४९  
 द्रवण (अखै) मदार कलपद्रुम ,  
 (कहि सैतान वरदान शुभ क्रम) ।

## सरग नाम

सुरआलय सुरलोक सरगं ,  
 उधरलोक नाक अपवरग ।—५०  
 त्रिदव त्रिवष्ट पंतावख त्रिदख ,  
 अमरापुरी अवयदिव (अख) ।

## वैकूठ नाम

परमघांम सुखकरणा परमपद ,  
 अखित स्वरग वैकूठ अमरपद ।—५१

## इन्द्रपाट नाम

सुरपतिपाट निकटक नाकासणा ,  
 सुक्रत अक्षर सुरासणा ।

## मेघ नाम

मेघ जळद नीरद जळमडणा ,  
 घणा वरसणा नभराट घणाघणा ।—५२

महत किलाण अकासी जळभुक ,  
मुदर बळाहक पाळग कामुक ।

धाराघर पावस अत्र जळघर ,  
परजन तडितवांन तोयद (पर) ।—५३

सघण तनय (तू) स्यामघटा (सजि) ,  
गजणारोर निवाणभर गजि ।

चपला नाम

विद्युति तडित वीज जळवाळा ,  
दामणि खिवण छटा दुत्रिमाळा ।—५४

चचळा सपा ममर (व) चपळा ,  
आकाळकी वीजळा अकळा ।

ऐरावती रादनी असनी ,  
कसविधु सी खणका ऋसनी ।—५५

देवता नाम

अदतीसुत ऋतभुज अमर ,  
नाकी देव अर्निद्रा निरभर ।

अदारक अनमिख त्रिदवेस ,  
दिवउखद दिवखद रिभु त्रिदस ।—५६

अअतेस सुमनस असुरारि ,  
विवघ अपसरा, अग विहारी\* ।

सुपरवाण गिरवाण सुधाभुज ,  
अअताभख दिवाकैसा अज ।—५७

देवता जाति नाम

विद्याघर चारण रिख तुवर ,  
सध्या गुहिक पिसाचा अपसर ।

किनर अत गघरव जख राखस ,  
(जाति देव जपै नित विसन जस) ।—५८

\*अपसरा, अग-विहारी=अपसरा-विहारी, अग-विहारी ।



## आदीत नाम

भाण दिनद हस भासंकर ,  
 कस्यपसुत आदीत अहसकर ।  
 पदमणिपति सूरज प्रद्योतन ,  
 विसक्रमा भगवांन विरोचन ।—५६

क्रमसाखी रवि महिर दिवाकर ,  
 पदमवध चक्रवध प्रभाकर ।  
 तिगम प्रवीत मित्र रातवर ,  
 वरळ पतग अचळ रानळ वर ।—६०

सविता सूर अरक खग सीरख ,  
 चित्रभाण पिगळ हर जगचख ।  
 मारतड विवमान गयणमिण ,  
 तरण तीखअस तिमरत तपघण ।—६१

धव द्वादसआतम श्रगद्वार ,  
 तपन पुखात्र इतन तिमरारं ।  
 सप्रस प्रदोमन भासान ,  
 विद्योतन तप तेज वितान ।—६२

अरुण अरजमा अहिपति (एता) ,  
 -विभावसू विखरतन सुवेता ।  
 कजविकास सुमाळी दिनकर ,  
 सोमघात अगारक सरकर ।—६३

सहसकिरण भगदसू दिनेसर ,  
 जेमा,सनी,अस्वनी, भव, क्रन, जम- ।  
 तात\* (यता रवि नाम वधे तिम) ।—६४

रिख ग्रहपति सुएँन निसारिप ,  
 उण्णारस्म कक रक्खणआतप ।  
 भकत चक्रधर (नाम) चत्रभुज ,  
 हरिहसळ वतघात हितवारस ।—६५

\*जमातात, सनीतात, अस्वनीतात, भवतात, क्रनतात, जमतात ।

किरण नाम

किर प्रभा दुति जोति रस्म कर ,  
 तेज - अवार - घाम अरितिमर ।  
 असु मरीची विभा मयूखा ,  
 दीपति भानू भा छवि (दखा) ।—६६  
 सुचि रुचि वसू दीधती गो सित ,  
 (नभ मिण दिन ससि निसा प्रकासित) ।

दिन नाम

दिवस दिवा दिव दीह अयन दिन ,  
 वासर दू अहि (त्रथा भजन विन) ।—६७

सोभा नाम

श्री आभा भा दुति विव सुखमा ,  
 राढा कळा विभूखा परमा ।  
 कोमळता (रू) विभ्रमा काति ,  
 सोभा रूप विमळ (सरसती) ।—६८

उजास नाम

भास प्रकास उजास तेज (भव) ,  
 तमरिप वरच उद्योत करज (तव) ।  
 जगभासक आलोक उजाळो ,  
 तरण ग्यान (माया तम टाळी) ।—६९

उजळ नाम

अरजुण धवळ वलख सुचि उजळ ,  
 सुभ्र स्वेत सित पुडर सुकळ ।  
 विसद हरण पडु अवदातं ,  
 विसद (क्रीत हरि उचरि विख्यात) ।—७०

चंद्रमा नाम

ससि ससक अगअक सुधाघर ,  
 कळ। मयक सकळक सुधाकर ।

हितचकोर पदमणीपति मसिहर ,  
कुवधवधु श्रीबंधु छिपाकर ।—७१

हिमहित चद हिमस हिमकर ,  
विधु दधिसुत यंदु रोहिणवर ।

सीतअसु दुजराज निसाकर ,  
भग्वनिस सोम चद्रमा चदर ।—७२

ओखधीस उडपति अम्रतभव ,  
सुभ्रकिरण नखत्रेस सुधाश्रव ।  
वरपणजगत ग्लौ जगवदक ,  
छदनाच गुणरासि सुखाछक ।—७३

सुभरासि पहसाच सुसीरं ,  
तनकळानिघ विसदसरीरं ।

उदैभौर अपघातम गुणयळ ,  
चकवाविरह विचविवभू चचळ ।—७४

पानपखीण मलीण\* पुहकर ,  
(मागरभरत रतना मिणश्रीकर) ।

#### नखत्र नाम

तारिक नछत्र ललग्रह तारा ,  
जोति रिखभ उड जोति खेयारा ।—७५

#### सताईस नखत्र नाम

अस्वनी भरणी क्रतका रोहिणि ,  
म्रगसिर आद्रा पुनरवसू (मुणि) ।  
पुख असलेखा मघा (पवत्रा) ,  
पूख उत्रा हस्त (स) चित्रा ।—७६

स्वांति विसाखा अनुराधा (सम) ,  
जेण्टा मूळ पूरव उत्रा (जिम) ।  
श्रवण घनेण्टा सतभिख (सारं) ,  
पूरवा उत्रा रेवती (मार) ।—७७

\* पानपखीण, मलीण = पानपखीण, पानपमलीण ।

नव ग्रह नाम

सूर सोम कुज बुध गुरु भ्रगसुत ,  
सनी(र) राह केतु (ग्रह विहसत) ।

बारै रासी नाम

मीन मेख व्रख मिथन करक(मुणी) ,  
मिघ कन्यातुल व्रस्चक घन(सुणी) ।—७८  
मकर कुंभ (ऐ रासि लगन मत ,  
कडण रासि ग्रह पूजा दत क्रत) ।

निसा नाम

सोमप्रिया रचनी निस स्यामा ,  
तमी तामसी निसा त्रिजामा ।—७९  
रेणा जामणी जनया रात्री ,  
तमसा नोसीथणी तममात्री ।  
खिपा (रू) राति सरवरी खणदा ,  
विभावरी तमचारी प्रमदा ।—८०

अंधकार नाम

तिमर तमस अंधकार सतमस ,  
अघ तमस तम घात अवतमस ।

स्याम नाम

स्याम धूम धूमर प्रभस्यांमळ ,  
असति नील मेचक किरठ अळि ।—८१  
क्रसण राम अल प्रभ (कहि) काळ ,  
अघ तम (मेटि ग्यान उजवाळ) ।

दिवा नाम

(आणद)ज्योति सिखादसई(घण) ,  
मेटरातम रिपपतग घवळमिण ।—८२  
दीप प्रदीप दसासुत दीपक ,  
नेहप्रीय सारग निसातक ।

कजळअ क दसाभव (कीर्ज ,  
दसा) करखधज (कजल दीर्ज) ।—८३

उत्यमउजाम तेजग्रह (ग्रीपण ,  
उर ग्रह नाम दीप आरोपण) ।

#### गुरड नाम

गुरड सेस अलमित्र खगेसर ,  
चपळवान धखपख भुयगचर ।—८४

विखहर इद्रजीत हरिवाहण ,  
सोअनतन सक्तीघर सुपरण ।  
वैनतेअ ग्रीधळ वळवतं ,  
वजरतु ड तारक दिढवत ।—८५

अहिरिप अम्रतचरण अरुणानुज ,  
पत्रीराज गिरराज कस्यपात्मज ।

पूतआतमा गरतमान (पडि) ,  
दुजपती सालमली (भक्ती दिडि) ।—८६

#### सुदरसेण चक्र नाम

सारज वज्र चक्र सघारण ,  
ज्वाळामुख दभी खळ—जारण ।

सुदरसेण परवय विस्णतर ,  
कुंडळीक दुतीतेज सहसकर ।—८७

#### बलभद्र नाम

बळभद्र कामपाळ नीलबर ,  
घरिप्रिय मधूमूअळी हळघर ।

रोहिणेय सकरखण राम ,  
सूर सितासित अग्रजस्याम ।—८८

अस्वान (कहय) मुगध अनत् ,  
विरहीवीर प्रलव वळवत ।

ताळलखण बळ सीरपाण (तत) ,  
विघनप्राण वळदेव सातवत ।—८९

रवण - जमा - भेदण मधुरगी ,  
भ्रातृविजेसर अमरअभगी ।

वरण नाम

जळपति मद्धपति वरण परजन ,  
जळकतार पिसाचागजन ।—६०  
पकजग्रह प्राचोप प्रचेता ,  
(नीर समीप पास भ्रत नेता) !

घनेस नाम

घनद कुवेर निघेस घनाधिप ,  
राजराज जखराज उचारिप ।—६१  
जेखाधीस जखराट जजेस्वर ,  
सक्रकोस धिध ग्रहकेस्वर ।  
श्रीद रमाद वसू दसतोदर ,  
कविलासी सिवसखा रतनकर ।—६२  
मिवभंडारी गुहृ वैश्रवण ,  
हर प्रि किनरेस नरवाहण ।  
अळकापुरीपती पतिउत्तर ,  
सुभ्रम त्रिसर जख कि पुरिखेसर ।—६३  
पिसाचकी पौलस्त एलविल ,  
मनखाध्रम जखचेर (नाम यळ) ।

अष्ट३ सिद्धि नाम

अणमा महमा गिरमा ईसति ,  
प्राकाम (रू) लघुमा वसि प्रापति ।—६४

नव निघ नाम

मकर नील खूव सख मुकद ,  
कळप पदम महापदम कुंद ।

द्रव नाम

माया आयतेय ग्रहमडण ,  
राद्रव विभव वसू मनरजण ।—६५

रैवस संपति मा अरथ रिघ ,  
नूतनसुख धन गरथ द्रवख निघ ।

सार निधान हिरण द्रव सेवघ ,  
जळ कसवर द्यूमन खजाना ।

(विद्या मान दांन जस वाना) ।—६६

#### मोती नाम

सुक्ताहळ मुक्ताफळ मोती ,  
गुळका दधि जळज ससिगोती ।  
धीरठभख मुक्ता मुक्तज (घरि) ,  
सुक्त(वळे)आथिकुभ रखत प्रखत(विघ) ।—६७

#### अग्नी नाम

गरथघ्नत आहुतन ... .. ,  
मारुतसखा क्रसान तमोघन ।  
जातवेद जागवी जागतौ ,  
रोहिताम सयना रुचिरातौ ।—६८  
अपति धूमघज ब्रह्मभाग (उर) ,  
आमआस उदरच द्रव अतर ।  
वीतहोत (कहि) अरुचिख महवर ,  
घोर समीग्रव कुळमड (घर) ।—६९

#### स्यामी कारतिक नाम

खटमाता सेनांनी खटमुख ,  
स्यांम महासेन द्वादसचख ।  
रुद्रातमज विसाख मोररथ ,  
ऋतका गगा, उमा नद\* (कथ) ।—१००  
दिडक छत्रदेव भूरख गुह (दखौ) ,  
प्रकवाहण ब्रमचार (परेखौ) ।  
तारकारं फेनार सकतीभू ,  
(आसनरां) सुरश्रगभू अगभू ।—१०१

\* गगा, उमा नद = गगानंद, उमानंद ।

बहुळातमज बहुलकौचिरित ,  
 (भाखि) सक देसाखकुल दुहुभ्रत ।  
 स्यामकारितिक महतिजसुर ,  
 वरहीवाह विसाख (देण वर) ।—१०२

मोर नाम

सिखी सिखावळी सिंहड सिखडी ,  
 मोर मयूर कळान्नतमडी ।  
 नीलकंठ नीरद नादानुळ ,  
 खग दुति सारंग कु भ व्याळखळ ।—१०३

विरही वरहण घणामुठ (व्यापी) ,  
 केकी तुकळा पग कळापी ।  
 रथकुमार प्रकवि खकर (चाया) ,  
 विविधेसुर खग (नाम वताया) ।—१०४

हस नाम

मानसूक घीरठ मुक्ताचर ,  
 हस मराळ चक्रग जळहर ।  
 उग्रगती लीलंग अवदात ,  
 विमळरूप कळहस (विख्यात) ।—१०५

मूसा नाम

आखू खणक सूचीमुख ऊंदर ,  
 वजरदत मुख्य यतिदेवर ।

बुधी नाम

धी बुद्धी मेघा मति धिखणा ,  
 अकल प्रागना मनखा (अखणा) ।—१०६

आसय समभि चातुरी (आणौ ,  
 विवुध करी हरि क्रीत वखाणौ) ।

जमराज नाम

काळ डंडभ्रत सुमन क्तत ,  
 अंतक जमनभ्रात जम अत ।—१०७



प्राणहरण सीरण क्रमपासी ,  
 धरमराज जमराज विघासी ।  
 साधदेव कीनास भाणसुत ,  
 जमहर सुमन प्रतिपति गजत ।—१०८

ब्रखभधुजी अतकर समव्रत्री ,  
 प्रेतराट सजमनी पत्री ।

#### दैत नाम

देवानुज दइत्यद्र अदेव ,  
 दाणव सुररिप पूरवदेव ।—१०९

दतीसुत असुर सुकासिख (दखौ) ,  
 मेछ जवन सुरध्रमरिम (अखौ) ।

#### राकस नाम

नईति राकस असुर निसाचर ,  
 तमचर जातधान उच्चातुर ।—११०

#### रांमण नाम

कटक दैतपति दहकधर ,  
 सुरधोही रामण लकेसुर ।  
 सीताहरण दससीस पौलसित ,  
 ग्रहाग्रहण त्रिकराचळयितगति ।—१११

#### मेरगिर नाम

गिरपति मेर सुमेरगिर ,  
 गिरद सुथानक अचळ कनकगिर ।  
 पचरूपी कनकाचळ (पावा) ,  
 रतनसान सुरगिर गिरराका ।—११२

#### आकास नाम

आभ अनत अतरिख अवर ,  
 पवनधिस्ण सुर, घणपथ\* पुहकर ।

\* सुर, घणपथ = सुरपथ, घणपथ ।

वयद विसनपद ख नभ वोम,  
गिगन गयण मडणछत्र गोम ।—११३

अरस अकास गैण असमान,  
विहग परीगम\* ससि, विवसानु ।

खट भाखा नाम

(वाणीमानव)मागधनागर(विलासा,  
भेद) ससकृत (निरभर-भासा ।—११४

विद्या) प्राकृत (मानव वाणी),  
अपभ्रसी (पखी उर आणी ।  
दैता भाख) हुसैनी (दखी,  
राकस वाणी) पिसाची (रखी) ।—११५

(अहि सुर नर मुर वाणी उक्ती,  
सिस जीवन ब्रद्धा सरसती ।  
वेद हरित दिग मूढत वाणी,  
यू सुर भाख व्रम मुख आणी) ।—११६

च्यार पदारथ नाम

घरम अरथ (सुभ)काम मोक्ष(ध्रत,  
साधी च्यार पदारथ सुकृत) ।

घरती नाम

वसुधा विसव वसुमता विपळा,  
उरबी यळा अनता अचळा ।—११७

जमी रतनगरभा छित जगती,  
रेणा रसा घरा घर घरती ।  
समदमेखळा रजत श्रोणी,  
क्षिमा प्रिथी भूमि भू म्ही क्षोणी ।—११८

घात्री गऊ रसवती घरणी,  
हेळा सरवस मनहरणी ।

\* परीमग, ससि, विवसानु=परीमग, मग ववत

थिरा कुभनी विसभरा थित ,  
 खोरिण खेत गह्वरी वसुह खित ।—११६  
 वसुधरा वसुमती कु वामा ,  
 सागरनेमी श्रीदत्त स्यांमा ।  
 महि गोत्रा पहि मही मेदनी ,  
 अमळा अकळ कुमारी अवनी ।—१२०

#### गिरद नाम

ग्राव गिरद अनड नगा गिरवर ,  
 गोत्र पहाड अद्री गिर डूगर ।  
 घर सिलोचय अचळ घराघर ,  
 भूघर मरुत दरीभ्रत भाखर ।—१२१  
 सिखरी सानमान अग्र श्रगी ,  
 परवत कूट त्रिकूट उपलगी ।  
 अस्टकुळी पस्वै आहारज ,  
 घातहेत द्रुमपाळ तुगघज ।—१२२

#### वन नाम

कतारक अटवी भूख कानन ,  
 विपुन दुरग खंड अरण्य गहन वन ।  
 कखवा रिखतर मधूप्रकासी ,  
 (विद्रावन धिन रासि - विलासी) ।—१२३

#### ब्रख नाम

ब्रख सिखरी फळग्राही तरवर ,  
 घणपत्र अदभुज निनग खगाघर ।  
 साखी कुसमद फळद महीसुत ,  
 द्रुम खितरूह पत्री तर दरखत ।—१२४  
 कूठ फळी अघ्रप कारसकर ,  
 विटप रूख अद्र व्रस्टर ।  
 निद्यावरत सुभाड (अनोखह) ,  
 सुवरण कराळक पतीवसंतह ।—१२५

फूल नाम

सुमना सुमन कल्हार सुगधक ,  
सून प्रसून कुसम सुम संधक ।  
प्रसव-फूल फळपति पुस्पावळि ,  
उदगमनरम रक्त हलकावळि ।—१२६

लताअंत मणी वक (लेखी) ,  
पूफ धनुवासर तरभव (पेखी) ।

भमर नाम

चचरीक खटपद सौरभचर ,  
कुसमळप्रिय भकारी मधुकर ।—१२७

मधुग्राहक मधुवरत सिलीमुख ,  
सारग मधुप दुरेफ गघसुख ।  
अलिअळ कळाप यदुदर ,  
अग रोळव अलीहर भमर ।—१२८

मरकट नाम

साखाम्रग मरकट साखीचर ,  
वनर कीस हरि कपी वनचर ।  
भो लगूळ पलवग पलवगम ,  
पलवग ऊक वलीमुख प्रीडुम ।—१२९

पीपल नाम

दतीभ्रख बोधीन्नख चळदळ ,  
श्रीन्नख सुन्नख असीन्नख पीपळ ।

वड नाम

वट निगोध रतफळ साखीन्नख ,  
वैश्रवणाय जटी सूवड रिख ।—१३०

वस नाम

जवफळ वेण वस त्रिणधज (जिण) ,  
तुचीसार मसकर तप्तरवण ।

## चंदण नाम

सुरभी सीतळरूख मुगधक ,  
 रोहिणीद्रुम चदण अहि..... क ।  
 व्याळपाळ ध्रीखड रूपवन ,  
 मळयातर उत्त्यमतर अहिमन ।—१३१  
 सौरभमूळ सुनग गधसार ,  
 वाससुद्रुम मलयुजविसतार ।

## केसर नाम

कुंकम केसर मगळकरणी ,  
 वह्निसिख दीपन गुडवरणी ।—१३२  
 देववल्लभा लोहितचदण ,  
 पीतन रकत संकोचप्रसण (पुण) ।  
 घरकाळ्येर बाहलीक (धरी) ,  
 कसमीरज(हरि सेवत तिलक करि) ।—१३३

## हरडै नाम

अभया जया सिवा अमरतका ,  
 कायस्था चेतकी काळका ।  
 प्रयथा हिमजा पथ्या प्रेयसी ,  
 सरवारी पूतना श्रेयसी ।—१३४  
 मुरभी (राम) तुरजका (सुखदा ,  
 पट्टि) हरडै जीवती प्राणदा ।  
 स्यामा हेमवती सकरणी ,  
 हरीतकी (काया गदहरणी) ।—१३५

डिंगल-कोष

कविराजा मुरारीदान विरचित

---



## सक्षेपतो शब्द निर्णय.

### दोहा

रूढ'र जोगिक मिसर रा, नामा रो कर नेम ,  
सुकव रचूं इण कोस मै, प्रणमि सारदा प्रेम ।—१  
वरां नही जिण सवद री, व्युत्पत्ति ह वखाण ,  
रूढ नाम तिण रो कहो, आखढळ ज्यू आण ।—२

### अथ दोहा-सोरठा का लक्षण सोरठा

दोहा तुक दूजीह, सो पहली घरण सुकव ,  
परगट तुक पहलीह, इण रं आगं-आणणी ।—३  
आगं चौथी आण, इण आगळ तीजी अखो ,  
जिका सोरठा जाण, नागराज रो मत नरख ।—४

### सोरठा का उदाहरण

जोगिक अनवय जाण, सो क्रिय गुण सवघ सू ,  
वेखो एह वखाण, कहै पूर्वं सवघ कवी ।—५  
क्रिया सजादिक आण, गुण सुनीलकठादि गण ,  
सो सवघ सुजाण, स्वामी सेवक आदि सब ।—६  
जोवो नाम जमीन, पत आदिक आगै पढौ ,  
पाल ह मान प्रवीन, घण नेता इण आदि घर ।—७  
जन्यागळ इम जाण, करता जनक विघात कर ,  
वळे जनक वाखाण, जै भव जोनी जाणजै ।—८

### दोहा

विश्वक करता विश्वकर, विश्व मघात विख्यात ,  
विश्व जनक इम नाम वद, ऐ कारण रा आत ।—९  
आतम जोनी आतमज, आतम भव इम आण ,  
आतम सूती आत्म सू, जनक नाम सू जाण ।—१०

### सोरठा

जळ वाचक जो नाम, सो पहली घरणा सुकव ,  
केवल धीरो काम, याद राख करणु अठै ।—११



वेखो मवद वळेह, धुर केवल वडवा घरो ,  
 अगनी अगवाणेह, व्हे जो नाम हुतास रा ।-१२  
 भूपाँदिका भगत, सुकव सूणू इण कोस में ,  
 पलट दुनाम पढत, रिघू सरव इण रीत सू ।-१३  
 पढचो जाय पलटाण, सवद जिको इण में सदा ,  
 जिण नू जोगिक जाण, कह इण रीत मुरार कवि ।-१४  
 सवद सिमर इम सोध, जोवण में जोगिक जिसो  
 वणै न जिण रो बोध, गीरवाण जिसडो गिणू ।-१५  
 कवि रूढी हि कहत, मिसर रूढ जोगिक मही ,  
 मन मत्तै न मुणत, कहियो ज्यू पूरव कव्या ।-१६

### गरुडेश नाम

गवरीनद गरुडेश गणपत नृजआनन गणप ,  
 (ऊडो अरथ असेस आपो उकति नवीन अब) ।-१७  
 गजानंद गणाराज लम्बोदर कालीसुतन ,  
 (मेटण विघन समाज) उमाकवर गणवै (अवै) ।-१८  
 मूसावहण (माण दाख) विनायक इकरदन ,  
 (जेम) हुडवी (जाण) परसीतस हेरव (पढ) ॥-१९

### सरस्वती नाम

ब्रह्मसुता वाणी (ह) वरदायणी वागेशुरी ,  
 (गूढन करगाणीह चीताणी में मूढ चित) ।-२०  
 हसवाहणी (होय) गिरा वाकवाणी (गवै) .  
 सुरसत सारद (सोय) वेधाघी भारिते (वणै) ।-२१  
 (विसनू ब्रह्म वळेह, महादेव महमाय रा ,  
 इद चद रवि एह, अतन आग देवा तरणा ।-२२  
 परथी राजा पेख, वळे समद तरवार रा ,  
 अस हाथी अवरेख, नाम रीत इण नरखणा ।-२३  
 जो-जो जिण-जिण जाग ऊपर लखिया नाम जो ,  
 वेखो करे विभाग, घरणा था राखे घरम ।-२४  
 जुवा-जुवा जपताह, तो नह टावर समजता ,  
 रिघू यहा राख्या ह; इण कारण थी एखठा) ॥-२५

अथ संक्षेपतो गीत लक्षणानि

दोहा

परथम दोहा तुक पहल, अढ्दारह-कळ आण ,  
तुक दूजी पनरा तरणी, जुग अठ तीजी जाण ।—२६

सोरठा

चौथी ऋड चवुदाह, जोडण वाळा जाणज्यो ,  
निसचं माई नाह, इण दोहा में ईहगा ।—२७  
परथम तुक सोळा पदो, मुहरा चवुदा मेळ ,  
दोहा दूजा री दुग्म, इण ही रीत उजेळ ।—२८  
चौथा तीजा पाचवा, दोहा में इण दाघ ,  
पहली तीजी ऋड प्रगट, सोळह मत्त सुणाय ।—२९  
दूजी चौथी ऋड दुरस, दस चो पनरं दाख ,  
तीजा दोहा री दुतुक, ऐण रीत सू आख ।—३०  
चौथा दोहा री चवा, साकळ दू चां सोघ ,  
तेहर-तेरह कळ तुलं, वोलं ऐम प्रवोघ ।—३१  
पचम दोहा कळ प्रगट, दसचवु दूजी दाख ,  
चौथी ऋड तेरह चवो रीत ऐरसी राख ।—३२  
कहु गुर मोहरा लघु कहु, आणै नेम न श्रीर,  
जपं कव इण रीत जो, सो छोटी साणोर ।—३३

गीता छोटा साणोर

महादेव नाम

गरजापत महादेव गगाधरं भव हर सिव जोगी भूतेस ,  
भाळचद्र सकर भूतेसर मनमथहरण रुद्र महेस ।—३४  
मुडमाळ इकलिंग कमाळी पचानन कैळासपती ,  
जटघर ईस ब्रखभद्युज सभू ससमाथै वरवीसहती ।—३५  
भगअहारी जटी भूतपत त्रिचख गौरपती त्रपुरार ,  
पनगहार सघराव पानकी धूरजटी ईसर ब्रखधार ।—३६  
वाणपती काशीरावासी ब्रह्म सुळहथ ईसवर ,  
भोळानाथ कपाळी भैरव जोगिंद धूजट जहरजर ।—३७

ब्रह्मसुतन गहीर डगवर दाळदहरण दताळद्रप ,  
भूतनाथ भगवतीभरता नीळकठ कैळामन्नप ॥—३८

### दोहा

अड्डारह कळ आद तुक, दूजी पनरह देख ,  
तीजी तुक सोळा तणी, पनरह चौथी पेख ।—३९  
दोहा दूजा सू डुरस, सहक्रम जाण सु जाण ,  
सोळह पनरह कळस कळ, एम वेलियो आण ।—४०  
मुहरावाळी तुक मह, मुहरा माहि मृणन्त ,  
वणै गीत इम वेलियो, आद गुरू लघु अन्त ।—४१

### गीत वेलियो

#### विष्णु नाम

अवघेसर विसन प्रभू व्रजनायक केसव हरि परभू करतार ,  
पूरणब्रह्म गदाधर श्रीपत मधुसूदन रघुवीर मुरार ।—४२  
लखमीवर सायी गोपाळक भगवत गिरधारी भगवाण ,  
सारगधरण विसभर ईसर लोयणकमळ किसन कलियाण ।—४३  
त्रिभुवणनाथ त्रिलोकीतारण राधावर भूधर रघुराज ,  
अलख अजोणीनाथ ईसवर सदगतनाथ निरजन (साज) ।—४४  
पीतावर श्रीरग रमापत नारायण गोपीवर नाथ ,  
वासुदेव दामोदर वीठळ परमेसर मत्रीपाराथ ।—४५  
अवधईस महमहण नारियण दीनानाथ कसन जगदीस ,  
गोपीनाथ गरडधज गामी आदपुरख कान्हू सुरईस ।—४६  
सीतानाथ लाछवर सावळ रघुवर जगनायक बळवीर ,  
चक्रधरण जगनाथ सुचेतन राघो भगतवछल रणधीर ॥—४७

### दोहा

धुर अड्डारह कळ घोरो, सम पर चउदह,सोय ,  
विखम सरव सोळह वणै, जिको सोहणू जोय ।—४८  
मोहरारी ऋड माहिनै, अवस लघू गुर आण ,  
नेम सोहणै इम निपट, बीदग करै वखाण ।—४९

गीत सोहणो

पारवती नाम

जोगण महमाय सिवा जगदवा सगत अद्रजा गोर सती ,  
 आठाभुजा ईसरो अवा सकरघरणी वीसहती ।—५०  
 रुद्राणी लंबोदरआई भगवती भैरवी भवा ,  
 गवरी उमा चडका गौरी सिंहवाहणी वाहसवा ।—५१  
 जोगमाय गिरजा जगजराणी बाघवाहणी पारवती ,  
 ककाळी काळी महकाळी हरा भावनी सूळहती ।—५२  
 देवी खडगघारणी दुरगा माहेसुरी सकरी (मुणा ,  
 मु भनिसु भभाजणी सगती (गीता) अबक (नाव गुणा) ॥—५३

दोहा

कळा पहल दस आठ कर, जुग दस दूजी जोय ,  
 सोळह वाहर तुक सरब, दखा मेळ गुर दोय ।—५४  
 इण दोहा में त्रप अबस, राखी जो यह रीत ,  
 सो छोटा साणोर रो, गणै जागडो गीत ।—५५

गीत जागडो साणोर

पृथ्वी नाम

घरती घर चास यळा खत घरणी गोरभ अचळा गोमी ,  
 वसू गोम प्रथमी वाराही भोम सुचाळी भोमी ।—५६  
 अळ भूमड मेदनी अवनी भूयण रैण भडारी ,  
 रतनागरभ रेणका रेणा घरण मही धूतारी ।—५७  
 वसु घरा पुहमी पुह वसुधा छित तू गी खित छोणी ,  
 रसा भरतरी सुदर मूळा हिरणनैण बधहोणी ।—५८  
 प्रथी खाख पुहवी भू पोमी सथर अचळ सोलाळी ,  
 रणमडा भूगोळ दरदरी जमी कसपरजवाळी ॥—५९

दोहा

प्रथम कळा नव दूण पढ, दूजी तेरह दाख ,  
 सोळह तेरह तुक सरब, अत दोय लघु आख ।—६०

भेटिरी तुक भाणवा, उभै लघु आणोर ,  
रखै नेम इण रीत रो, सोहि खुडद साणोर ।—६१

### गीत खुडद - साणोर

तरवार नाम

खाडहळ खाग दुधारो खाडो खडग त्रिजड ऐराक खग ,  
जडळग धूप असम्मर भुजळग करम्माळ बाणास क्रग ।—६२  
तेग रूक धाराळा तेगो वाढाळी सारग विजड ,  
बीजूजळ पाधर असि बीजळ सार दुजड करमर सुजड ।—६३  
हैजम डोढहती चद्रहासा केवाण (र) पाती करद ,  
धजत्रड करमचडी धारूजळ सत्राटाकरणीसरद ।—६४  
वाक जनेव प्रहास (वखाणू ) पाडीस (र) नाराज (पढ) ,  
मूठाळी समसेर भुठाणी किरमाळ (र इम) वाढकड ॥—६५

### दोहा

धुरपद कळ तेवीस घर, दुतिय अढारह देख ,  
वीस कळा तीजी वणै, बळे अठारा वेख ।—६६  
विखम वीस कळ तुक वणै, अडढारह सम आण  
मोहरै गुरु लघु नेम कर, वड साणोर वखाण ।—६७

### गीत वडो साणोर

राजा नाम

नरानाथ नरपाळ भोपाळ महपत न्रपत भूपती धरपती यळापति भूप ,  
प्रथीपत छत्रधर नरेसुर महीपत अधपती रसापत तेजआनूप ।—६८  
महीरानाथ छत्रधार राजा महिप गढपती वेसपत पाळदुजगाय ,  
राण दैसोत नरनाह राजानिया राजइद नरांइद महीइद राय ।—६९  
धराराथभ भूपत छत्रधारण पोहमीईस यळधीस प्रजपाल ,  
नरप न्रप राज भोगणजमी नरेस (ह) महीवर सुपह यळनाथ महपाळ ।—७०  
ईसवरनरा भूपग अधिप यळाइद नाहदुनियाराणारा छतप अवनीस ,  
रजवळी रोरहर प्रथीरापुरदर राजसुर नरानायक धराधीस ॥—७१

### दोहा

कला प्रथम तेवीस कर, दूजी सतरा दाख ,  
इण ही भड रै अन्त गुरु, रीत मेळ री राख ।—७२

बीस कळा सतरा वळे सरव गीत इण सोय ,  
भेद वडा साणोर भव, हृद परिहास जु होय ।—७३

गीत प्रहास

हाथी नाम

दुपी गेद गजराज सू डाळ दती दुरद मदाभर फीळ पैनाग मसती ,  
गैवरा व्याळ सामज मतंग मैगळा सू डधर करी गै नाग हसती ।—७४  
वड्जावाह दताळ कुजर वयड हसत सारंग गज गयद हाती ,  
पदम्मी तंवेरण करिंद वारणपती दताहळ मढ, अग, भद्र, जाती\* ।—७५  
अरापत अनेकप सिधुर रेवाउतन वनकजळऊपना दतवाळा ,  
सू डडड वितुड वारण कळभ भू डहळ कर हरी मदाळा कु भि काळा ।—७६  
करेणपती दुरदाळ पोलू (कहा) अनळपखचार छछाळ (आखा ,  
गीत परिहास साणोर इण रीत ग्रह भेव साणोर वड दौय भाखा) ॥—७७

दोहा

अखर अठारै आद तुक, बीजी चवुदह वेख ,  
विखम अखर सोळह वळे, सम चवुदह सपेख ।—७८  
मेळ तणी भड माहिनै, गुरु लघु अन्त गिरणाय ,  
पैखो गीत सुपखरो, बीदग ऐम वणाय ।—७९

गीत सुपखरो

घोडा नाम

वाजी तोखार तुराट तुरी ऐराक वैडूर वाह वैडाक केसरो हरी काछी खैग वाज ,  
होवास ब्रहास घांटी वडगी निहग हस वाजिद तारखी प्रोथी घोडो वाजराज ।—८०  
उडड चामरी ताजी हैराव सारग अस्व भिडज्जा काठियावाड हीसी बाहभाण ,  
पमगाण हैजमा हैवरा लच्छीवाळापूत कु डी हयाराज तुरा घुडल्ला केकाण ।—८१  
अलल्ला वितडा हया सपत्तासवाळाअसी रेवता साकुरा अस्सा जगमा तुरग ,  
क्रमणाका पमगा हैवरा सिंहविक्रमाका चचळा तुरग्गा घजाराज है सुचग ।—८२  
मासासी पकल्ल देव सिधुजात वासू मुणा वगळी जगळी रुमी अरव्वी कवोज ,  
(जोवो पांच दौय नाव खेत सू उपाया जिके नामी पात तुरीनाम वखाणै हनोज) ॥—८३

\* मढ, अग, भद्र, जाती = मढजाती, अगजाती, भद्रजाती ।

## दोहा

धुर मात्रा तेवील धर, वाकी वीस वखाण ,  
मुहरा सम च्यारु मिळै, सावभडो सुभियाण ।—८४

गीत वडो साणोर सावभडो  
सूर्य नाम

हरा विव करनाळ आदीत पकजहती पतग डुडियद दनइस रानापती ,  
तरण भरळाटतन मेटतवरतती रवी कासवसुतन सूर (चढती रती) ।—८५  
धीर महचक्र रवि हस घरधूपरा (उगणा) दिवाकर (मेर गर ऊपरा) ,  
प्रभाकर विरोचन अरक वहरूपरा भाण गगनापती प्रकासतभूपरा ।—८६  
करण, जमना, जनक\* दीत सूरज कपी पीथ मणगयण जगदीप दनकर पपी ,  
तपण दनमण किरण सपतसपती तपी अरुण खग वयळ जमजनक वनकर अपी ।—८७  
छतरपत वरसरथ मित्र मेटणछपा अरीअघार जनगैण चोरणअपा ,  
तिगमअस विभाकर(जगत राखण ऋपा)करमसाखी प्रभू(करण भगता ऋपा)।—८८

## पुन सूर्य नाम

भासकर दुनियण भण जगसाखी (घणजाण) ,  
मितश्रवता ग्रहपत (मुणा) मारतड अप्रमाण ।—८९  
वौमतलक गगनवटी वेदउदय ब्रह्माण ,  
पदमनाभ तापण (पढो आखो) धुजअसमाण ।—९०  
तेजपु ज (अर) विकरतन लोकवधु लखवान ,  
(कह) रातंवर सहसकर भासवान भगवान ।—९१

## दोहा

कळा अक दूणी कर'र, आद विखम भड आण ,  
सोळह सोळह तुक सकळ, मुहरा च्यार मिलाण ।—९२  
सीखो वाचा जो सुकव, धारो एम घडोह ,  
सो छोटा साणोररो, जाणू सावभडोह ।—९३

गीत सावभडो  
चंद्र नाम

रजनीपत चंद्र छपाकर राजा विधू भपत अगअक (विराजा) ,  
सेतकर दुजपत सस साजा मोम चदमा नखतसमाजा ।—९४

\* करण, जमना, जनक = करणजनक, जमनाजनक ।

सेतवाह सोळहकळस्वामी नेमी सुधांधरण ससि (नामी) ,  
 जगनराय दधसुत वुधजामी गोधर रातरतन नभगामी ।—६५  
 पतउड इद ससीहर पीतू हिमकर तपस कमोदणहीतू ,  
 जरण सेतदुत रोहण (जीतू) भ्रातालछी कमळतन भीतू ।—६६  
 राजाराज रयणपत राका पतओखद सद एणपताका ,  
 छायावाळ (अमी रस छाका) निसकर मयक विधातनताका ॥—६७

दोहा

सरव भेद साणोर री, गल्ली सोही रीत ,  
 तवा दुवाळा तीनरो, गणू पखाळी गीत ।—६८

गीत पंखालो

समुद्र नाम

सायर महाराण स्रोतपत सागर दध रतनागर महण दधी ,  
 समद पयोधर वारध सिंधू नदीईसवर वानरधी ।—६९  
 सर दरियाव पयोनध समदर लखमीतात जळध लवणोद ,  
 हीलोहळ जळपती वारहर पारावार उदध पायोद ।—१००  
 सरतअधीस मगरधर सरवर अरणव महाकच्छ अकुपार ,  
 कळन्नछपता पयध मकराकर (भाखा फिर) सफरीभडार ॥—१०१

दोहा

अरध सावभड में अवस, मुहरा ह्वं सम मेळ ,  
 पहली जो मात्रा\* पढी, वैही अठ उजेळ ।—१०२

गीत अर्द्ध सावभडो

अग्नि नाम

जोनकपीट छागरथ ज्वाला मंगळ आग अगन भळमाळा ,  
 जातवेध आतस भळजीहा अगनी सुक्र पवनघणईहा ।—१०३  
 परळैकरण धुवाधुज पावक वडवाअगन खडीवनखावक ,  
 घासदेव वन्ही वैसदर हिरणरेत सम्हा वित्तिहोतर ।—१०४



वायूसखा दहरा हववाहरा हुतभुक अनळ हुतास हुतासरा ,  
 बहुल चित्रभानू हवि वरही हुतवह समीगरभ तमहर (ही) ।—१०५  
 वीरोचन सुचि रोहितवाहा सुसमा सखी जळण पतस्वाहा ,  
 विभावसू (रु) कसानु (बखाणू) आअयआस घनजै (आणू) ॥—१०६

### दोहा

आद अढारह तुक अखो, सोळह सब सपेख ,  
 पहल दुवै चोये पर्दे, दुरस मोहरा देख ।—१०७  
 तुका मिळै नह तीसरी, मोहरा सू इण माष ,  
 रूपग जो इण रीत सू, सो भडलुपत सुहाय ।—१०८

### गीत भडलुप्त

#### इंद्र नाम

देवापत सक्र सुरेस पुरदर अरजनपता बडूजा अदर ,  
 ऊचीश्रवावाह आखडळ मघवा इद सुरगपत मदर ।—१०९  
 माघवान जभासुरमारण घन्वा उंग्रवज्जराधारण ,  
 वासव पाकरिपू वळवैरी वाहरामेह चढणमितवारण ।—११०  
 नैणहजार निरजरानायक देवसची - अपछर - सुखदायक ,  
 परवतअरी नाहदिसपूरव सुनासीर सूरियद (सुहायक) ।—१११  
 अरीपुलोम अम्मराईसर देवाराज धारघर (दीसर) ,  
 जनकजयत जामनेमी जय सुरप (रोसघर) ब्रत्रअरी (सर) ॥—११२

### दोहा

मान अठारा प्रथम तुक, आगै सोळह आण ,  
 सोळह सोळह तुक सकळ, मीत अवंकडै गण ।—११३

### गीत ब्रवकडो

#### अह्या नाम

वेदोघर कमळसुतन विघ विघना अज चतुरानन जगतउपाता ,  
 सतानद कमळामन सभू ध्रुव लोकेस पतामह घाता ।—११४  
 परजापत ब्रह्मण पुराणग ब्रह्मा ब्रह्म वेह कवि वेधा ,  
 सनत हमवाहरा सुरजेठो मुखचवु आठद्रगन बडमेधा ।—११५

सुरसतजनक स्वयम्भू सतधत वेदगरभ अठश्रवण विधाता ,  
 आतमभू सावत्रीईसर नाभीसभव कमन सुहाता ।—११६  
 सत्यलोक गायत्री ईस क वेधस लोकपता (विध्याता) ,  
 हिरणगरभ विरची द्रूहिण द्रुघण विश्वरेतस (वरदाता) ॥—११७

### दोहा

आद कळा दसआठ री, तेरह मुहरा तोल ,  
 रगण इणीमं राखजे, मोळह विसम सुवोल ।—११८  
 रिघू नाम इण गीतरी, सीहचलो सपेख ,  
 उदाहरण माहें अरवस, दल नसचं कर देख ।—११९

### गीत सिहचलो

#### देवता नाम

देवत गिरवाण सुधाभुज (दाखा) दाणववैरी देवता ,  
 विवुध (बळे आखो) ब्रंदारक सुरगी पुरियदसेवता ।—१२०  
 निरजर कामरूप सुर नाकी अमर पूज (जग आखजे) ,  
 वरहीमुख अन्नतास विमाणग देव चिरायुस (दाखजे) ।—१२१  
 स्वाहाअसण मरुत अदतीसुत वाससुमेर (वखारणजे) ,  
 सुपरवाण ऋतुभखण अस्वपन अनमिख समनस (आणजे) ।—१२२  
 (आखो) लेख रिघू दिवओकम त्रिदस नलंप (तवाजजे) ,  
 रूडो देव नाम रो रूपग कवि निस दीह कहीजजे) ॥—१२३

### दोहा

पहल अठारा कळ पढो, दाख बळे खटदूण ,  
 सोळह बारह तुक सकळ, राखीजं इण रूण ।—१२४  
 मेळ पहल चौथी मिळें, मुहरा दु तिय मिलत ,  
 अघक गीत सालूर इम, गुणियण नाम गिरणत) ।—१२५

### गीत सालूर

#### कामदेव नाम

धानकांफूल पचसरधारी नाथपूत रतिनायक ,  
 सवरारि श्रीसुत सुमसायक अतन मच्छअसवारी ।—१२६

दरपक कामदेव हरदोखी अगज मार अनगी ,  
 अनिरुधपता मनोज अढगी अबळासेन (अनोखी) ।—१२७  
 मधूसारथी आतम जोणी काम मदन भककेतू ,  
 (है) प्रदुमन कद्रप मधुहेतू (सुरग गीत सब छोणी) ।—१२८  
 कमन वळेसरागारज (कहणू) मनमथ मैण (मुणीजै) ,  
 सुमनसधुज मक्रकेत (सुणीजै) रागरज्जु (मनहरणू) ॥—१२९

## दोहा

पहली गण खटकळSSS०पढो; च्यार बखत कळच्यारSS० ,  
 मुणू वळे दुव मातरा, पुण चव तुका सुप्यार ।—१३०  
 चवो उलाळा छदरी, दुरस अन्त तुक दोय ,  
 अट्टावी मात्रा अवस, इम क्रम छप्पय होय ।—१३१

## छप्पय

## यमराज नाम

घरमराज जज्राट काळ जमराण महिखधुज ,  
 मारतडसुत जज्र हरी अतक जमुनानुज ।  
 सजमनीपत प्रेतपती जम विस्वकसहर ,  
 धूमोरण दवखण (प\* वळे) जमराज दडधर ।  
 कीनास पितरपति अतकर समबरती (र) कतान्त (सइ ,  
 वावीस नाम सुकव्या सुणू जेम) मीच (जम नाम कह) ॥—१३२

## दोहा

धुग खट कळ दुव दोय घर, लघू एक कळ दाय ,  
 कळ खट दो कळ गुरु कहो, हिक लघु दोहा होय ।—१३३

## दोहा

## लक्ष्मी नाम

छीरोदधजा लाख लछ दधसुतनी पदमा (ह) ,  
 रमा ई आ नारायणी लखमी मा कमळा (ह) ॥—१३४

## कुवेर नाम

नरवाहण जच्छप धनद अलकापत धनईस ,  
 श्रीद सितोदर तीनसिरं नरधरमा रनधीस ।—१३५

\* धूमोरणप, दवखणप

कुह वैसरवण रतनकर किंपुरुसेस कुवेर ,  
उत्तरदिकपति ईससख (घर कैलास सु घेर) ॥—१३६

स्वर्ग नाम

ऊरधलोक (र) पुरअमर सरग नाक सुरलोक ,  
देवलोक सुरथान दिव इदलोक सुरओक ॥—१३७

किरण नाम

रसमी सुचि असू किरण जोती गो दुति (जाण) ,  
वसु प्रभा दीपति विभा भा मरीचि छवि (भाग) ॥—१३८

धूप-४, चव्रिका-३ नाम

तावडो (सु) परकास (तिम) आतप ताव (अखंड) ,  
चद्रापत (अर) चादणी हिमप्रकास (ब्रह्मड) ॥—१३९

गरुड नाम

गुरुड राजपत्री गरुड वैनतेय विहगेस ,  
सरपअरी विनतासुतन खगराजा (र) खगेस ।—१४०  
खगपत विखहा पखपत वज्रतुंड हरिबाह ,  
सुपरण अहिभुक कासपी तारख उनतीनाह ॥—१४१

दैत्य नाम

दैत असुर दाणव दनुज इन्दअरी सुर (एव) ,  
सरवधू (अर) सुक्रसिस दतिसुत पूरवदेव ॥—१४२

राक्षस नाम

सभावळ दाणू असुर निकसासुत नसचार ,  
राकस कोणप रात्रिवळ करवुर नरखयकार ॥—१४३

वरुण नाम

जळपत संब्रत पुरजन अरणव मदिर (आख) ,  
परचेतस जादसपती (वळे) वरुण (अव भाख) ॥—१४४

यक्ष-४, किन्नर-४ नाम

जक्ष पुण्यजन (फेर) जख वडवासी (विख्यात) ,  
किन्नर मयु (अर) किंपुरुख तुरगवदन (कहतात) ॥—१४५

## द्रव्य-८, सामान्यनिधि-५ नाम

विभव वित्त द्रव सार वसु हेम अरथ धरा (होय),  
नधी कुनाभि निधान नध जवर सेवधी (जोय) ॥—१४६

## नवनिधि नाम

महापदम चरचा मकर पदम कुद (पहचाण),  
कच्छप सख मुकद (कह) नीला (नवनिधि जाण) ॥—१४७

## अष्ट सिद्धि नाम

अणिमा लघिमा ईसिता प्रापति वसति प्रकाम,  
(यत्र काम) अवसायिता ईसरता (अठ नाम) ॥—१४८

## स्वामी कार्तिक नाम

गगा, क्रतिका, गोरि, सुत\* सेनानी शिखिवाह,  
महासेन खटमुख (वळे) गुह (अरु) तारकगाह ॥—१४९

## आकास नाम

गैरा वोम अवर गगन आसमान आयास,  
अतरीक गैराग (अर) आभ अत्र आकास ॥—१५०  
निहग गयरा खै वियत नभ गगापथ ग्रहनेम,  
पथछाया दिव विसनपथ उडपथ मारुत (एम) ॥—१५१

## तारा नाम

उडगरा तारा नखत उड तारायरा भै (तात),  
उडू तारका (एम अख) नखतर (जिम नरखात) ॥—१५२

## मेघ नाम

मेघ घनाघन घरा मुदिर जीमूत (र) जळवाह,  
अत्र वळाहक जळद (अख) नभधुज (नाह) ॥—१५३

## मेघमाला-२, अतिवृष्टि-२, मेघतिमिर-२, वर्षा-२ नाम

मेघमाला कादविनी अतिवरसरा आसार,  
दुरदिन वीकासी (दखो) व्रष्टी वरसरा (बार) ॥—१५४

\* गगा, क्रतिका, गोरि, सुत = गगासुत, क्रतिकासुत, गोरिसुत ।

ओळा-४, बादल-६ नाम

अमरा गडा ओळा करक धूमज वादळ (घार),  
अभ्र वादळी आभ (घर कही वळे) जळकार ॥—१५५

विजनी-६, गर्जना-४, उल्कापात-२ नाम

बीज दामणी बीजळी तडता छटा तडाळ,  
गाज कडक धूहड गरज उल्कापात (अचाळ) ॥—१५६

सामान्य दिशा-४, पूर्व-१, दक्षिण-१, उत्तर-२, पश्चिम-२ नाम

दिक आसा चक्का दिसा पूरव दक्खण (पाय),  
उत्तर (वणो) उदीची (अथ) अपरा पच्छिम (आय) ॥—१५७

अष्टदिकपाल नाम

इद अगन जम असुर (अर) वरुण (वळे कह) बात,  
अलकापत (इम) ईसवर (आठ दसा पत आत) ॥—१५८

पंच देव-वृक्ष नाम

पारजात मदार (पढ तत) कळवळ सतान,  
हरिचन्दन (ए देव हरि पांच रूख पहिचान) ॥—१५९

दिन-६, रात्रि-१७ नाम

दीह दिवस परभात दन वासर अह (बुलवात),  
निसा छपा जामनि उखा रजनी छणदा रात ॥—१६०  
रात्रि रातरी सरबरी त्रीजामार त्रिजाम,  
तमवाली दोसा तमी बिभावरी ससिबाम ॥—१६१

सामान्य समय-७, अच्छा समय-५ नाम

समे काळ वेळा समय वखत अनेह बार,  
आछी रूडी आसती चोखी भली (उचार) ॥—१६२

बुरा समय-११, जोरावरी-६ नाम

अवखी बुरी अनासती विखमी खोटी (वार),  
जळाबोल कूडी (जवर) माठि नमामी (धार) ॥—१६३  
नहरूडी (अर) नासती माडै जोरी मारा,  
वरजोरी जोरावरी (ज्यू ही) जवरी (जाण) ॥—१६४

निमेष, काष्ठा, लव, कला, लेस, घड़ी वर्णन

मान अठार निमेषरो काष्ठा नामक जाण ,  
काष्ठा द्वै रो एक लव पनरा कळा पिछ्छाण ॥—१६५  
कळा दोय रो लेस ह पनरा खण मै पेख ,  
निसचै छै खण नाडिका इद घडी घटि देख ॥—१६६

सायकाल-४, सध्या-४नाम

सवली उत्तसूर (सु कहो) साय (र) दिनअवसाण ,  
सभा सध्या साभ (कह) सभया (सरवस माण) ॥—१६७

रात्रिप्रारभ-३ पहर-४ नाम

रजनीमुख परदोस (है फेर) प्रदोस (पछ्छाण) ,  
पहर पैर (फेरु) प्रहर जाम (नाम एजाण) ॥—१६८

अंधकार नाम

तमर अधारो सतमस अधकार अधार ,  
घरछाया अधातमस निसाचरम (नीहार) ॥—१६९

महीना-१, संवत-६ नाम

(पखवाडा दो ए प्रगट मुणू सदा हिक) मास ,  
(वारै मासा से वळे जाणू सवत जास) ॥—१७०  
सवत हायन वरस सम वच्छ सरत (वाखाण) ,  
वच्छर संवच्छर (वले) जुगअसक (तू जाण) ॥—१७१

मार्गशिर-४, पौष-१, माघ-२, फाल्गुण-२, चैत्र ३, वैशाख-३,

जेष्ठ-१, आषाढ-२ नाम

आगण सवतआद सह मंगसर (मास मुणत) ,  
पोस माघ तप फालगुण फागण (फेर पुणत) ॥—१७२  
(तत) चैत्रक मधु चैत (अख ज्यू) वैसाख (सुजाण) ,  
माघव राव (रु) जेठ (मुण अर) असाढ सुचि (आण) ॥—१७३

श्रावण-३, भाद्रपद-५, आश्विन-३ नाम

सांवण नभ (जिम) सावणिक भाद्रव भाद्र (भणोज) ,  
भाद्र भादव भाद्रपद इस कु वार आसोज ॥—१७४

कार्तिक-४, मार्गशिर-षीष-१, माघ-फाल्गुन-१, चैत्र-वैशाख-२,  
जेष्ठ-आषाढ-८, श्रावण-भाद्रपद-१ नाम

कार्तिक काती कारतिक बाहुल (वळ्ळे वखाण ,  
रत) हेमत (र) ससर (है) इण्य वसत (सु आण) ।—१७५  
ऊन्हाळागम ऊसमक दाह (रु) तपत निदाघ ,  
श्रीखम तप उसणागम (क वाखाणू) वरखा (घ) ॥—१७६

आश्विन-कार्तिक-२, प्रलय-१० नाम

सरद घणात्यय प्रळय खय सवरत्तक सहार ,  
परिवरत ख परळ्ळे प्रळ्ळे अंत कळप (उच्चार ॥—१७७

अमी-३, नित्य-७ नाम

(अखो) हनोज अवार अव नत प्रत सदा हनोज ,  
(वळ्ळे कहो इम) सरवदा (रख) हमेस नत रोज ॥—१७८

वचन नाम

चैण वयण कहवत वचन व्रवै वोलडा वोल ,  
चवै जप ऊचरै मुणै गोय रट (मोल) ।—१७९  
पुणै पयपै कथ पढै वरण वकै भण (वाण) ,  
कहै कहण प्रारथ कथन आखै भाखै (आण) ॥—१८०

वेद-५, चारवेद ४, षट्वेदांग-६ नाम

आमनाय श्रुति वेद (अर) निगम ब्रह्म (निर्धार) ,  
रग जजु साम अथर्व (ए च्यार वेद उच्चार) ।—१८१  
कलप निरुक्ती व्याकरण जोतिस सिकसा (जाण) ,  
छद (नाम अ सव छ रो एम पडगी आण) ॥—१८२

चौदहविद्या नाम

अ गी खट आन्वीक्षिकी च्यारू वेद विचार ,  
घरमसास्त्र मीमास (घर और) पुराण अठार ॥—१८३

सामान्य वात नाम

वात उदत प्रव्रति (अर) समाचार समचार ,  
समाचरण व्रत्तात (सह) वार्ता (वळ्ळे विचार) ॥—१८४



बुलाना-५, शपथ-४, व्यवहार-२ नाम

हक्कारक हव हूति (कह) आकारण आकार ,  
मोगन सपन (रु) सपथ सप (है) बुहार व्यवहार ॥—१८५

प्रश्नवचन-३, सत्यवचन-६, मिथ्यावचन-२,  
स्तुति-८, निदा-२ नाम

प्रच्छा अनुयोजन प्रसन समीचीन सत साच ,  
(आख) जथातथ लीक ऋत वितथ अलीक (सुवाच) ॥—१८६  
असतूती असतूत (अर) वरणन नुती वखाण ,  
सतवन परससा स्तुती निदा नदा (जाण) ॥—१८७

कीर्ति नाम

पगी कीरत पागळी सेतरगी सोभाह ,  
सुसवद सतरगी सुजस प्रभा क्रीत प्रभात (ह) ॥—१८८

आज्ञा नाम

सासण (ओर) निदेस (कह मुणू) हुकम फुरमाण ,  
वासक निरदेसक (बळे इम) आदेश (सु आण) ॥—१८९

अगीकार-५, गान-६, नाच-७, बाजा-४, नाम

सवित सधा आसथा आश्रव अ गीकार ,  
गीत गाण गधर्व (अर) गावण गेय सुगार ॥—१९०  
नाटक ताडव न्त न्त नरतन नटन सुनाच ,  
बाजो तूर वादत्र (है वळे) मैणधुज (वाच) ॥—१९१

फूंक के बाजे-१, तार के बाजे-१, ताल-मजीरा आदि १,  
चमडे से मडे बाजे-१, बीणा-४, बीणा अंग-२,  
बीणा दड-१, बीणा की छूंटी-१ नाम

(वसादिकरो) सुसिर (वक) तत घन (आदिक ताल) ,  
(आद) मुरजआनद्ध (अव जोवो) बीणा (जाळ) ॥—१९२  
वेण बीण (अर) बल्लकी कोलवक (तिण) काय ,  
(बीणा दड) प्रवाळ (है) उपनह (वधण आय) ॥—१९३

नगारा नाम

त्रंवागळ त्रमाळ (है) भेरी दुदुभि (भाख),  
जागी बव दुजीह (अर इम) नीसाण (सुआख) ॥—१९४  
त्रामागळ त्रामाळ (त्रिम) त्रबक (अर) त्रवाळ,  
टामक (रु) त्रंमाट (है) डडाहड डडाळ ॥—१९५  
ईडक घूसो (अख बळे दाखो ओर) दमाम,  
(एम) त्रमाट (बखाण अर नरख) नगारो (नाम) ॥—१९६

नागरे का बजना नाम

त्रहत्रहिया गरहर त्रहक वज रुडवो रुड वाज  
घुरियो घुरवो घोकियो नीघस डहक निहाज ॥—१९७  
जप ध्रीह घुर वाजवो (फेर) रणाक (पढाव),  
वाजण विजयो वाजियो (निसचै कहो निवाह) ॥—१९८

शृ गारादि नवरस नाम

(रस) सणागार (रु) हस करण वीर रुद्र (बाखाण),  
मयानक (रु) वीभत्स (है) अदभुत सात (सु आण) ॥—१९९

अनुराग-४, हास्य-४, बहूत हसना-१, उपहास-१, शोच-३ नाम

राग प्रीत रति अनुरती हास्य हसन हस हास,  
अट्टहास अपहास (अर) सोच सोक सुक (तास) ॥—२००

कोप नाम

क्रोध छोह रुट मछर कुप जाजुळ तायळ जोस,  
घोम ताव क्रुध रीस धुव रोख (रु) अमरख रोस ॥—२०१

उत्साह नाम

उद्यम (और) उछाव (अख) उच्छव (बळे) उछाह,  
आभियोग उद्योग (है एम) उमाव उमाह ॥—२०२

भय-६, भयकर-१३ नाम

भै डर भी अतक भय त्रास भीत सी त्राप,  
भीम भयकर भीसम (रु) भीषण भैरव (भाप) ॥—२०३

भयाणक दारुण (भगू) अध्यामण अकराळ ,  
घोर कराळअघोरघर विडरूप (रु) विकराळ ॥—२०४

#### आश्चर्य नाम

आसचरज अचरज अचरज अदभुत विसमै (आण) ,  
फुल्ल अचभो (फेर पढ) विसमय (और वखाण) ॥—२०५

#### सतोष ३, स्मरण-६ नाम

धीग्ज सतोख (रु) ध्रती समरति (वळे सु) आद ,  
मुमिरण समरण (अर) समर (यू ही भाखो) याद ॥—२०६

#### बुद्धि नाम

बुद्धि चित धिसणा सुबुध धी मेधा मति धीय ,  
उपलवधी उकती उकत (जाणू) प्रतिभा जीय ॥—२०७

#### लज्जा नाम

लज्या लज्जा लाज लज व्रीड व्रपा विख्यात ,  
सकुचण (अर) सकोच (है) सरम (सदा सरसांत) ॥—२०८

#### अप्रसन्न नाम

उणामण अणामण (आख अव) अप्रसन (अर) अवसाद ,  
वराजा वेराज (वद) वेदल दुमन (विखाद) ॥—२०९

#### निद्रा नाम

सवेसर निद्रा सयन सलय तद्रा स्वाप ,  
विनजागण (अर) नीद (वद) जुरा निदडली (जाप) ॥—२१०

#### याद करना नाम

अवळूडी (दाखो अवस आखो) रणक (उमाह) ,  
ओळू डी अतलाग (अख) ओळू उतकठा (ह) ॥—२११

#### आलस्य-४, प्रसन्नता-४ नाम

कोसीद (रु) तंद्रा (कहो) आळस (अर) असळाक ,  
संमद चितपरसन्नता अणद प्रमोद (सु आक) ॥—२१२

गर्व नाम

मुठठ मजाज मरोड (मुण), गरवर गुमर गुमान,  
गुररो मुरड गरूर (गिण) अहकार अभिमान ।—२१३  
मनऊचो ममता (मुणू) मान दरप मगरूर,  
मुधनही मद (अरु) टसक (पुणा) मगज छकपूर ॥—२१४

निर्वन-५, दीनता-२, परिश्रम-१० नाम

अवळ नवळ वळहीण (अख) दुरवळ निरवळ (दाख),  
करपणाता (जिम) दीन (कहू) आयास (रु) श्रम (आख) ।—२१५  
परीसरम तंकलीव (पढ) खेचल मँनत खेद,  
प्रीश्रम (और) प्रयास (है भाख) कलेस (सुभेद) ॥—२१६

मृत्यु नाम

मोत काळ अत्त मरणा निधन समावण नास,  
अमत मीच अवसण (अर) -जोखम वीसम (जास) ॥—२१७

मनुष्ये नाम

मानव माणस नर मरद आदम मनख (सुआंण),  
मानुस ना मनुज (रु) मनुस पूरख पुरूख (प्रमाण) ॥—२१८

वालक नाम

पोत पाक छीरप (पढो) वाळक टावर वाळ,  
गीगो कूको गीगल्यो अरभेक साव (उताळ) ॥—२१९

ब्रद्ध नाम

जीरण जरठ (रु) जावरो वूढो वूढळ (वाण),  
डोकरडो (अर) डोकोरो जंरण ब्रद्ध (तू जाण) ॥—२२०

कवि नाम

पात ब्रवण कवि नीपणा ईहग बीदग (आख),  
गुणियण सुकवी माणणा भाणव हेतव (भाख) ।—२२१  
कवराजा ताकव (कहो) रेणव (ज्यू) क्यवराज,  
(दाखो) चाडव दूथिया जोडागुण जसजाज ॥—२२२

## शासन नाम

आगाहट (अर) उदक (अख) सासण नेस (सुरात),  
गढवाडा (फेरू गिराणू) तावापतर (तुलात) ॥—२२३

## पडित नाम

पडित अभिरूप (र) मुधी विचछन मेघावाळ,  
कोविद ऋति ऋटी वळे (जपणवाणी जाळ) ॥—२२४

## चतुर नाम

परवीण (र) सिच्छित निपुण नागर पट्टु निसणात,  
कुसल चतुर ऋतमुख(कहो) अभिजाणण (तिमआत्) ॥—२२५

## मूर्ख नाम

मद मूढ (अर) मातमुख जड सठ वाळ अजाण,  
जथाजात मूर्ख (जपो) अबुध (र) जालम (आण) ॥—२२६

## स्वाधीन-४, पराधीन-४ नाम

सुततर (र) स्वच्छद (है) सुरुचि (वळे) स्वाधीन,  
नाथवाळ निघनक (कहो) आयत्तर आधीन ॥—२२७

## धनवान-४, संपत्ति-४ नाम

लछमीवाळ (र) लच्छमण धणी ईसवर (धार),  
लछमी श्री सपत (लखो) सपत्ती (सुविचार) ॥—२२८

## दरिद्र नाम

रोर दळिद्र कुरिद (अर) टोटो घाटो (आख),  
कसालो (र) दाळीद (कह) दुरगत कीकट (दाख) ॥—२२९

## स्वामी नाम

अधिप ईस प्रभू ईसवर इद पती विभु (एम),  
नायक स्वामी नाथ इन (जंपो) भरता (जेम) ॥—२३०

## दास नाम

चाकर वेली चेट (चव) परिचारक परजात,  
किंकर अत (र) करमकर अनचर दास (सु आत) ॥—२३१

शूरवीर नाम

सूर वीर सांवत सुभड जोरावर जोघार,  
जोरावार (रु) जोमरद भिडज अरोडा (भार) ॥—२३२  
भडु खीवर रावत (भरू) मरद मुहड घडमोड,  
घडामोड जंगजूट (घड) क्रोधगी (नहकोड) ॥—२३३  
जंगसारधारण (जपो) सेनावेघ (समाळ),  
रिमादाट जोमंग (रट) जोसगी (रमजाळ) ॥—२३४

कायर नाम

कायर काचा कातर (क) पसकण डरपण पोच,  
कादर (ज्यू) भीरू चकित (सुण अर) करणसोच ॥—२३५

कृपण-२०, दयावान-५ नाम

करपर करपण सूम (कह) नाटवाळ नाकार,  
माठा दमजोडा (मुणू) अदेवाळ अदतार ॥—२३६  
करमठ्ठा लोभी (कहो) दलमाठा (र) अदात,  
चठमठ्ठा (अर) सचगर अदावान कुच (आत ॥—२३७  
पुण) चतमाठा (ओ) कृपण द्रढभूठी (रु) दयाळ;  
करणाकर सूरत (कहो) कोमळचीत कृपाळ ॥—२३८

दया नाम

करणा अनुकृपा कृपा दया मया (तिम दाख),  
महरवानगी महर (मुण) सुनजर करपा (साख) ॥—२३९  
सुधानजर सुद्रष्ट (सुण भाणव इण विध भाख),

मारता-३२, काटना-६ नाम

मारण गजण मारिया अत (र) हचतो (आख) ॥—२४०  
भज विहडण भाजियो घातक जोखम घात,  
खडण हणै सिंहार खप आलभन वध (आत) ॥—२४१  
पेलै नास खपावणू भूभ पछाडै भाड,  
मार (रु) हिंसा मारतो भाणण दळै विभाड ॥—२४२

वाढरण चरजरा वाढियो. काटरा कटियो काट ,  
वाढियो वेहर ' वाढियो त्राछरा मूछरा त्राट ॥—२४३

तोडना-३, मारने को तयार-१, मृतक-५,

कपटी-४ सरल-२, घूर्त-५ नाम

भागरा तोडरा भाजियो (अखो) आततायी (ह) ,  
प्रेत परेत परासु (पढ) उपगत मुरदो (ईह) ।—२४४  
कपटी सठ अन्नजु निकत सुधो सरळ (सुहात ,  
घूर्त सठ वचक (घरो) कुहक (रु) जालिक (आत) ॥—२४५

ठगई-३ कपट-६ नाम

कुस्रती माया सठ कपट छदम कूट छळ (आत)-,  
उपघा व्याज (रु) मिस (अखो) कैतव दभ (कुहान) ॥—२४६

सज्जन-३, चुगलखोर-७, नाम

सज्जन साधू (है) सजन दोगजीह खळ (दाख) ,  
करणेजप सूचक पिसुन नीच मच्छरिन (आख) ॥—२४७

चोर-३, दाता-२, दान-२६ नाम

चोर मोस (अर) चोरडो दाता (अर) दातार ,  
वगसै क्यावर (अर) व्रवै आलर दत आचार ।—२४८  
रीक सुमोज वरीस (कह) समपीजै (रु) समाप ,  
त्याग समापण दान (तिम) आलै मोजै आप ।—२४९  
करतव अपवरजन (कहो) बितरण देण प्रवाह ,  
उतसरजन अहति (अखो वोल) नवाज विदाह ॥—२५०

क्षमा-३, भरखपन-३, जोरावर-३६ नाम

खिचता धीरज (है) खमा भारीखवू (सुभाख) ,  
खूदालम (अर) भरखवू (एम), अमावड (आख ।—२५१  
जपो) , जोरावर जवर वामराड विकराळ ,  
जोरदार अखडैत (जिम कहो) सवळ लकाळ ।—२५२  
साड कराळ अस्तीग (अर) अडीखभ अरडीग ,  
खागडा अनड ताखडा (जपो) जाजुळ धीग ।—२५३

माभी (अर) वेढीमणा अतळीवळ ओनाड ,  
 अनमीखध पूचाळ (अख) वका अनम विभाड ॥—२५४  
 नाटसाल अनमी (नरख आख) अरोड अठेल ,  
 आपायत ऊवावरा एढा (खळा उथेल) ॥—२५५  
 अनडर डाकी (फेर अख) अडपायत अजरळ ,  
 वडाळा (र वरियामरा भाणव सारा भाळ) ॥—२५६

निर्भय नाम

अडर नडर अणभै अभै नरभै नभै नसक ,  
 अभग अवीह अभंग (अर) अजरायल अणसक ॥—२५७

ईर्षालु-२, ईर्षा-१, क्रोधी-४ नाम

कुहन ईरखावाळ (कह एम) ईरखा (आख) ,  
 कोपवाळ क्रोधी (कहो) रोखण (रोखी) (भाख) ॥—२५८

भूख-४, प्यास ४ प्यासा-२, सोखना-२ नाम

रोचक भूख (रु) छुध रुची तस तरखा त्रट पान ,  
 तरसित तरखावाळ (तिम) सुसवी सोसण (मान) ॥—२५९

दाल-२, व्यजन-१, गुलगुला-१, मालपुवा-१, पतला लगावण-१

सेव-१, बडा-१, गुड-६ नाम

दाळ सूप व्यजन (दखा) पूवा मालपुवा (ह) ,  
 तेवण चमसी (तिम) वडा गोळ इच्छु गुड (गाह) ॥—२६०

श्रीखड-१, दाल का रस-२, मिश्री-बूरा-२,

शक्कर-२, दूध-१२ नाम

सखरण रस्सो जोस (कह) मसरी सिता (मुणाय) ,  
 मधूधूळ (अर) खाड (मुण) दूध दुगध (दरसाय) ॥—२६१  
 पै गोरस जळमित पय जीवनीय सर (जाण) ,  
 रसउत्तम (ज्यो) छीर (कह) ऊवस अम्रत (आण) ॥—२६२

दही-४, घृत-३, मक्खन-४ नाम

दध गोरस छीरज दही घरत हवी आधार ,  
 माखण (अर) नवनीत (मुण) सरज और दधसार ॥—२६३



## गुज्जी-रावड़ी-६, मठा-३ नाम

(बोलो) गुज्जी रावड़ी काजी काजिक (आह),  
कु जळ (बळे) (सुधीर) (कह) छाछ (रु) गोरस छाह ॥—२६४

## तेल-३, राई-२, घनिया-१, सोठ-२, हल्दी-२ नाम

तेल अभजन स्नेह (तव) असुरी रायी (आख),  
घगु सूठ नागर (धरो) हळद (र) हळदी (दाख) ॥—२६५

## मिर्च-३, जीरा-२, पीपर-२, हींग-२ नाम

कोलक बेलज मरच (कह) जीरक जीरो (आत),  
पीपळ (अर) पीपर (कहो) हिंगू हींग (सुहात) ॥—२६६

## भोजन नाम

भोजन जीमण अद भखण असण ग्रसण आहार,  
लेहण खादन-भख गलण अदन जखण घसि (आर) ॥—२६७

## ग्रास नाम

कुवा पिंड ग्रासण कबळ गाळा गुड (अर) ग्रास,  
अदनचीज टुकडो (अखो) कवक गुडरेक गास ॥—२६८

## लोभी नाम

लोभी अभिलाखुक लुबघ (त्रिखो) त्रणगावाळ,  
आसा अछा वाळ (अख) लोलुप (अर) लोभाळ ॥—२६९

## लोभ नाम

त्रणगा काळा लोभ त्रट अभिलाखा आसा (ह),  
काम मनोरथ ईह (अख) अछ्या बस इच्छा (ह) ॥—२७०

## कामी-३, हर्षित-२, दुचिता-५ नाम

कामवाळ कामी कमन हरखमाण हरख्याह,  
वीचेतस दुरमन विमन (मुण) दुमनू-दुमना (ह) ॥—२७१

## मतवाला-५, उत्कठित ७, अभिशाप-४ नाम

मतवाळो उतकट (मुणु) छीव मत्त मदचाह,  
ओळूवाळ (रु) उतक (अख) उतकठित (कह) आह ॥—२७२

उत्सुक ऊमण (फेर अँव चवो वळे) अतिचाह ,  
आक्षारित दूसित (अखो) अभिशप्त वाच्या (ह) ॥—२७३

बंधा हुआ नाम

वधित वाध्यो बद्ध सित सयंत नद्ध सुहात ,  
निगडित अर सदानिकत कीलित (वळे कुहात) ॥—२७४

बधन-२, अनमना-२, तंगढाया हुआ-२, निकाला हुआ-१ नाम  
वधण (अर) उद्दान (बद) मनहत प्रतिहत (माण) ,  
प्रतीछिपत अधिछिपत भण(जिम) निसकासित(जाण) ॥—२७५

हारना नाम

विप्रकार परिभावं (भण वळे) पराभाव हार ,  
अभिभव अत्यांकार (इम निसचै आख) निकार ॥—२७६

सुवक्कड-५, जागरण-२, वहमी-२, पूजा-३,

दडित-२, पूजित-५ नाम

सुपनक सयुआळ सुपन नीदाळ नीदाळ ,  
जागरया (अर) जागरण वहमी सदेहाळ ॥—२७७

अरचा पूजा अरहणा दड्यो दडित (देख) ,  
अरहित अपचित अचित (ह) पूजित अरचित (पेख) ॥—२७८

नमस्कार नाम

नमस्कार वदन नमो प्रणाम वद प्रणाम ,  
अभिवादन आदेस (इम पढ) दंडोत प्रणाम ॥—२७९

शरमिदा-१, सिटपटाया हुआ-२, पूजा को सामग्री-२, पुष्ट-६ नाम

विकलव विह्वल विकल (बद) वलि उपहार वखान ,  
पीवर पीवा पीन (पढ) पुसट थूळ पळवान ॥—२८०

दुबला-८, -थोंदवाला-८ नाम

दुरवळ पेलव दूवळा फस (अर) करस (कुहात) ,  
तलिन अमाम (र) छीणतन दूदवाळ (दरमात) ॥—२८१  
दूदाळो (अर) दूदळो उदरी उदरिळ (आत) ,  
तुंदी तुंदिक तुदिभ (र) ब्रहत कूख विख्यात ॥—२८२

नकटा-२, पगु-२, काना-३, कूवड़ा-२ नाम

नाकविहीण अनासिक (र) पगू श्रोण (पुरात) ,  
कारण कनन (अर) एकचख कुवज (र) गडुल (कहत) ॥—२८३

नाटा-३, बहरा-२, लगडा-३, कुवड़ा-२ नाम

खग्दसाख बावन खरव बहरो वधिर (बुलात) ,  
खोडो खजक खोर (कह) अध आधळो (आत) ॥—२८४

रोगी-४, रोग ६ नाम

रोगवाळ आतुर (अपटु) रोगित रोगी (जाण) ,  
रोग रुजा आतक रुग गद (अरु) अपाटव (गाण) ॥—२८५

घाव-४, खुरंट-२, शोथ-३, औषध-६, वैद्य-८ नाम

ब्रण छत चगदा घाव (कह) किण ब्रणपद (सु कहात) .  
सोथ सोफ सोजो (कहो) भेसज तत्र (भगात) ।—२८६  
अगद आयु औषध (अखो) वैद (नाम विख्यात) ,  
भिसज रोगहारी (प्रभण) दोसजाण (दरसात) ।—२८७  
(फेर) हकीम तवीव (पढ) जुररो नायत (जाण) ,  
विसद नांव वैदाण रा एण रीत सू आण) ॥—२८८

विपत्तिवाला-२, विपत्ति-६ नाम

आपदथित आपन्न (अग) वपत विपत्ति (वखाँण) ,  
आपद विपदा आपदा (जिम) आपत्ति (सुजाण) ॥—२८९

स्नेहवाला-२, सभासद-३, सभा-६, ज्योतिषी-२ नाम

नेहवाळ वच्छळ (नरख) सभावाळ (सूजाण) ,  
समातार सामाजिका (अवै नाम) सद (आण) ।—२९०  
आसथान परसत (अखो) ससत सभा समाज ,  
मूरतजाणणहार (मुण तेम) गणक (सिरताज) ॥—२९१

वंश नाम

अभिजण कुळ संतान (अख) गीतर गीत (गणात) ,  
अनववाय अनवय इमहि जनन कडव (जणात) ॥—२९२

स्त्री नाम

तरिया तिरिया असतरी वाळा गोरी वाम ,  
 अवळा वाळी अगना भामण सुंदर भाम ॥—२६३  
 जुवती प्रमदा जोखता जोसा रमणी (जोय) ,  
 महळी पदमण पदमणी रामा नारी (होय) ॥—२६४  
 भीरू जोसित भामणी अगनैणी तिय (मान ,  
 तेम) कामणी (अर) त्रिया (जेम) महळ (सू जान ॥—२६५

बलैया-२, बलैया लेना-५ नाम

(मुणू) वारणा भामणा भामी वारी (भाख) ,  
 वळू मरू (अरीरू अखो) वारीजावण (आख) ॥—२६६

पत्नी नाम

प्यारी जोडायत प्रिया घण (सु) सुधारणघाम ,  
 लाडी काता लाडली बधू बल्लभा वाम ॥—२६७

पति नाम

पत साहिव पीतम पती रमण कत भरतार ,  
 घव साजन बालम घणी ढोलो पीव (सुदार) ॥—२६८  
 कथा खावद कथ (कह) नायक सैण (र) नाह ,  
 वर भरता माटी वळे वरियत करणविवाह ॥—२६९

दुलह नाम

वीद दुलह वनडो वनू वर लाडो (विख्यात) ,  
 मोडवध (फेरू मुणू) दुलह (नाम दरसात) ॥—३००

दुलहिन नाम

दुलहण दुलही दुलहणी वनडी बनी (वखाण ,  
 देखो) लाडी वीदणी (जेम) लाडली (जाण) ॥—३०१

बराती-५, बरात-२ नाम

जानी जान्या जानियां (वळे) बराती (वाण ,  
 ज्यू हि) जनेती (जाण ज्यो) जान बरात (सुजाण) ॥—३०२

## विवाह नाम

जगन सुयवर त्यांग जग (मुणू) स्वयव विमाह ,  
उपयम माडो (फेर अख वळि) उदवाह विवाह ॥—३०३

## दामाद-६, जार-२ नाम

जमाता धीपत (जपो) धीप जमाई (घार ,  
पत) दुखतर दुहितापति (जपो) उपपत जार ॥—३०४

## पतिव्रता-३, व्यभिचारिणी-७, सखी-३, वेश्या-६ नाम

पतवरता (अर) एकपत इकपतनी (इम आख) ,  
सुभञ्जरिता साध्वी सती भामण कुळटा (भाख) ।—३०५  
असती धरसण इतवरी वधकि अवनीता (ह) ,  
सध्रीची आली सखी कचनी (र) कुलटा (ह) ।—३०६  
गनका भंगतण गायणी वेसा पातर (वाम) ,  
रूपजीवणी (फेर पढ) नगरनायका नाम ॥—३०७

## माता नाम

जणणी अवा मा जणी माता मादर माय ,  
मायड मायी मावडी आई अमा आय (आय) ॥—३०८

## बेटी नाम

कवरी लडकी डीकरी तनया पुत्रि सुता (ह) ,  
बेटी धी (अर) डावडी (जिम) दुखतर तनुजा (ह) ।—३०९  
समरधुका (अर) सारधू पुतरी (फेर पढाव ,  
तात नाव आगळ तणी बेटी नांव वणाव) ॥—३१०

## पिता नाम

जणो जनेता जनीया वाप जनक (बखाण) ,  
पिता तात वपता जामी (नाम सुजाण) ॥—३११

## पुत्र नाम

पूत जोव नदन पुतर जायो सुतन सुजाव ,  
छावो बेटो छोकरो घोटो नन्द (घराव) ।—३१२  
(वळे) सिवाई डावडो सुत (र) डीकरो साव ,  
तात सूनू कुळघर तनय अगज पुत्र (अणाव) ।—३१३

(वाळा तरण ये दुव सवद<sup>३</sup> अगा नाम पित आत ,  
ईखो नाव दु ईहगा वेटा रा बणजात)\* ॥—३१४

सामान्य संतति नाम

तुक प्रसूत सतति प्रजा तोक अपत सतान ,  
(आवै जो इण विघ अवस सो सतति सामान) ॥—३१५

पोता नाम

पोतो पोत्रो पोतरो दूजो बीजो (दाख) ,  
वीयो दुवो (जांणू वळे एम) अभनवा (आख) ॥—३१६  
हरा कळी घरं (फेर) हरं (ओर) समोभ्रम (आण) ,  
सुकव कळो घर रा सरव वारह नाम वखाण ॥—३१७

पोती-३, सगा भाई-४, छोटा भाई-४, बडा भाई-६ नाम

पोती पोत्री पोतरी वंधव वधू (बिखू) ,  
आत सहोदर (फेर भण दुरस) कण्ठी (दिख) ॥—३१८  
वधव लघुवधव अनुज जेठी जेठळ (जाण) ,  
पहली भव (अर) पूरवज अग्रज जेठो (आण) ॥—३१९

वहिन-३, देवर-२, ननद-३,

सवधी-६, स्वजन-६ नाम

जामि सुसा भगनी (जपो) देवा देवर (दाख) ,  
नणद (रु) नणदल नणदली वधव वधू (भाख) ॥—३२०  
स्वै सगोत्र जाती सुजन स्वै निज सुकिय (सुजाण) ,  
आतमीय (जिम) आपणू (ओर) अप्पणू (आण) ॥—३२१

देह नाम

तन पिंजर घड डील तनु करण कलेवर काय ,  
अग गात अग आतमा मूरत देह (पुणाय) ॥—३२२  
विग्रह घट वपु पिंड वप संचर तनु सरीर ,  
पुर पुदगळ (अर) पीजरो धूघर वेर (सुधीर) ॥—३२३

\*पिता के नाम के आगे तरणा, वाळा आदि शब्द लगाने से पुत्र का अर्थ व्यजित होता है ।  
जैसे—गुमनेसवाळो, गुमनेसतरण अर्थात् गुमानसिंह का पुत्र ।

## मृतक-२, रुड-घड-२ नाम

(वनाजीव विग्रह वळे) कुणप (रु) अतक (कुहात) ,  
(विण माथा रो देह वद) रुड कवध (रहात) ॥—३२४

## अग-४, मस्तक-१४ नाम

अवयव अपधन अग (अख) सर भरकुट घू सीस ,  
करण त्राण माथो कमळ मसतक मुड (मुणीस) ॥—३२५  
मोली मूंड (रु) मूरघा उतवग भ्रकुटक (आख) ,

## मुख-१२, ललाट-भाग्य-१३, कान-१२ नाम

मूळो आनन लयन मुख दंतालय घण (दाख) ॥—३२६  
मूह घनोत्तम वदन मुंह वकतर तुड (वखाण ,  
भाळ ललाड (रु) भोवरो अलिक ललाट (सु आण) ॥—३२७  
तालो गोधि नसीव (तिम) करम भाग तकदीर ,  
चाचर (वळे) अळीक (चव) श्रुती (नाम सुण घीर ॥—३२८  
कान गोस (अर) कानडा सरवण श्रवण (सुहात) ,  
सवद, धुनि, ग्रह\* श्रोत्र श्रव करण पिजूस (कुहात) ॥—३२९

## भोह-३, नेत्र-१३ नाम

भ्रूकुट भु हारा भूंह (भण) द्रष्टि विलोचन (दाख) ,  
नेत्र नैण लोचण नयण अवक लोयण (आख) ॥—३३०  
आख रूपग्रह चख (अखो) द्रग रोहज (दरसाव ,  
आखा रा कवियण अवस तेरह नाव तणाव ॥—३३१

## देखना नाम

जोवै भाळै जोयिजै लखै विलोकै देख ,  
सूळै ईखो सूजवै वेखो न्हाळो वेख ॥—३३२  
पेखै सपेखै (पढो) दीठो दरसण (दाख)  
निरवरणन भासै नरख अवलोकन (इम आख) ॥—३३३

## नाक नाम

नाक नासका नासिका नरकुट नासा (जाण) ;  
गधजाण (अर) गधवह घोण गधहर घ्राण ॥—३३४

\*सवद, धुनि, ग्रह=सवदग्रह, धुनिग्रह ।

होठ नाम

दातबसन (अर) रदनछद होठ अधर (इम होई ,  
ओठ नाम ऐ ईहगा मुख रा मडण जोइ) ॥—३३५

दात नाम

दात डसण खादन रदन दुज रद दसण (दिखात) ,  
दंस दत दोलू (दखो एह नाम रद आत) ॥—३३६

जीभ नाम

रसणा रसजाणण रसन जीहा जीहा जवान ,  
लोला रसमाता (लखो) जीभ (नाम ए जान) ॥—३३७

डाढ-४, गाल-३, मूछ-४ नाम

डाढ जभ दाढा डसा गल्ल (रु) स्रकवरण गाल ,  
मूछ मुछारा मौसरा (जोवो) मूछा (जाल) ॥—३३८

डाढी-४, गरदन-६ नाम

खत डाढो डाढी खता ग्रीवा गावड ग्रीव ,  
गळो नाडकी गावडी नाड वळे नस (नीव) ॥—३३९

हाथ नाम

करग आच भुज सुकर कर हसत पाण तस हात ,  
पचसाख सय वांह (पढ) हाथ (रु) भुजा (कुहात) ॥—३४०

कधा-३, कक्षा-कखुरी ५, अंगुली-२ नाम

अस खघ भुजसीस (अख) ककसा खडिक काख ,  
भुजकोटर भुजमूळ (भाण कह) अंगुळि करसाख ॥—३४१

पहेंचा-३, मुक्की-४ नाम

(इण आणै)पू ची (अखो) मणि मणिबघ (मुणाह) ,  
ओडडी मूठी (अखो सुण) मूकी सग्राह ॥—३४२

कुहनी-३, नख-७ नाम

कफणि भुजाविच कूरपर माराकुस महाराज ,  
नखर करज नाखून नख भुजकाटा (तस भ्राज) ॥—३४३



## छाती नाम

उर उराट छाती उरस मनघर वच्छ (मुगात) ,  
भुजअतर (फेर प्रभरा) कोड (र) वकस (कुहात) ॥—३४४

## हृदय-५, स्तन-५ नाम

हरदो थराअतर हिया असह मरमचर (आख) ,  
उरमांडरा थरा कुच उरज (फेर) पयोधर (भख) ॥—३४५

## पेट नाम

उद्र पेट तुंदी उदर जठर पिचड (मुजारा) ,  
गरभकूख जाठर (गिराऊ फेरु) कूख (पिछारा) ॥—३४६

## कलेजा-३, आंत-४ नाम

जगर कळेजो काळजो आंत आतडा अंत ,  
अत्रावळ (रा नाम ए कवियरा च्यार कहंत) ॥—३४७

## फेफड़ा-३, मन-६ नाम

कलो फेफरो फूकराऊं चित चेतन दिल चेत ,  
मन मारास मनडो (मुगाऊ) रदो दिलडो (हेत) ॥—३४८

## रोमावली-२, नाभी-३, कमर-३, मेरुदण्ड

## रीढ़, नितव-२, योनी-५ नाम

रोमलता रोमावली नाभी नाही नाह ,  
काचीपद कड़ कट कमर (त्रिक वसाव तथा ह) ॥—३४९  
पूठवस रीढक (पढो) पुत कडप्रोथ (प्रमारा) ,  
भग मततिपथ जोरिण (भरा)वुलि वरअग (वखांरा) ॥—३५०

## लिंग-४, गुदा-३, जांघ-३ नाम

लिंग शिशनु लागुल लगुल पायू गुदा अपान ,  
ऊर साथल जाघ (अख) जानू गोडा (जान) ॥—३५१

## घुटना-२, पिडली-३, टखना-५ नाम

पीडी नळकीनी प्रमत चररागाठ (पहचांरा) ,  
मुरच्या टक्कण्या (जेम) गुलफ घुट (जांरा) ॥—३५२

पेर नाम

चलण पाव ओयण चरण पै पग पद पय पाय ,  
कदम अघ्न नग क्रम क्रमण (चउदह नाव चवाय) ॥—३५३

तलुआ-३, एघो, रुधिर-१६, मास-११ नाम

तळ ओयणतळ एडी घुटअघ (घुटअघ आण) ,  
रगत रुद्र लोही रुधिर खून घतज (बाखाण) ॥—३५४  
प्राणद आसुर रत्र (पढ) सोणत ओण (सुणात) ,  
मासकरण नारग (मुण) अस्र विस्र रत (आत) ॥—३५५  
सोणित सोयण रुधिर(सुण) जगळ मास (जणात) ,  
पलल मेदकर कव्य पळ कासप कीन (कुहात) ।  
रगत, तेज, भव\*(अर)तरस आमिख पिसित(अणात)॥—३५६

जीव-४, मेद-४, हड्डी-७, मास की हड्डी-१,

मास की वोटी-२ नाम

वायहस (जिम) हस (वद) जीवक जीव जपत ,  
मेद गूद गोतम वसा कीसक हाड कहत ॥—३५७  
असथी मेदज सार (इम) करकर मीजीका (र ,  
घूरोहाड) करोटि (घर) वोटी वडी (बुलार) ॥—३५८

अस्थि-पजर-३, खोपडी-२ नाम

(असथी सारा अगरा कहो) करक ककाळ ,  
(असथी) पंजर (फेर अख) करपर (अवर) कपाळ ॥—३५९

मज्जा-५, वीर्य-६, बाल-१५ नाम

कोसिक मीजी सुक्रकर असथन मज्जा (आख) ,  
बीरज रेतस बीज वळ इद्री सुक्र (इमाख) ॥—३६०  
आणद, मीजी, उदभवनं पोरस धातु-प्रधान ,  
रोम लोभ (अर) रूगटा वाळ केस विग्यान ॥—३६१  
वल्लिताग्र कुतल ब्रजिन तीर्तवाक कच (तेम) ,  
तुचामैल तनरुह (तवो) अस्र चिकुर कज (एम) ॥—३६२

\* रगत, तेज, भव=रगतभव, तेजभव ।

† आणद, मीजी, उदभवन=आणउदभवन, मीजीउदभवन ।

वालों का जूडा-२, अलक-१, चमड़ी-७,

नम-२ नाम

जूडो मोठी अलक (जप) चरम चामडी चाम ,  
खान तुचा छवि खालडो नस (अर) वसनस (नाम) ॥—३६३

छोटो नस-४, मैल-२, गोजड़-१, लार-२ नाम

नाड़ि घमनी नाडी सिरा मैल (रु) कीट (मुगात) ,  
आखजदूसीका (अखो) स्रगिका लाल (सुगात) ॥—३६४

मूत्र-४ मल-६ नाम

मेह मूत स्रव वस्तिमळ विड पुरीस विसटा ,  
मळ वरचस असुची समळ (भरू) गूह भिसटा ॥—३६५

स्नान-३, चंदन-५ नाम

भूलण गोळ सनान (जप) मलयज चनरा (मुगात) ,  
चदन रोहराद्रुम (चवो) गघसार (गघगात) ॥—३६६

जायफल-२, कपूर-४, कस्तूरी-१ नाम

जातीफल (जिम) जायफल सोमनाम घरासार ,  
करपूरक करपूर (कह) म्रगमद कहै (मुरार) ॥—३६७

केशर-५, पघडी-५ नाम

कसमीरज केमर रकत कूकू कुकुम (धीर) ,  
मुकूट पाघ मोळी (मुगू कह) करीट काटीर ॥—३६८

जेवर-४, गूंयना-५ नाम

अलंकार आभरण (अख) भूषण गहरू (भाख) ,  
गूथरा अथरा गुंफ (गिरा) रचना सद्रभ (राख) ॥—३६९

भुजबद-३, हाय का गहना-५ नाम

भुजभूषण अगद (भरू कहो वळे) केयूर ,  
करभूषण कटक (रु) कडा वलय अवाप (वहूर) ॥—३७०

करघनी-४, नूपुर-६ नाम

कम्मरसूत कलाप (कह) रसरा मेखळा (राख) ,  
ओयरा आगै कटक अख डरा विघ अगद (आख) ॥—३७१

तुलाकोटि रमछोळ, (तिम) नेवुर नूपुर (नाव) ,  
मजीरक मजीर (मरा) हसक (फेर सुहाव) ॥—३७२

कपडे नाम

चैल वसरा अवर सिचय (अवर) पूंगरण (आण) ,  
पट दुकूळ करपट पकड वसतर चीर (वखाण) ॥—३७३

अचल-४, ओडनी-२ नाम

(चव) अचल (इम) छेहडो पलो पटोली (पेख) ,  
प्रच्छादन प्रावरण (पढ दुरस अनाहत देख) ॥—३७४

स्त्री का अधोवस्त्र-४, लहगा-३

नाडा-नीवी-२ नाम

अतरीय अधवसन (इम) निवसन उपसख्यान ,  
चडातक लहगो चलण उच्चय नीवी (जान) ॥—३७५

अगिया नाम

चोल कचुवै काचली आगी अगिया (आख) ,  
कचुक काचू कचुळी (आठ नाम ये भाख) ॥—३७६

साडी-६, घू घट-४ नाम

साडी चोटी साटिका साडी साळू चीर ,  
घू घट छेडो घू घटी पल्लो (कहत पहीर) ॥—३७७

गठजोडा नाम

(चव) गठजोडो छेहडो वरजोडण वरजोड ,  
अचलवध (सु जाण इम जपै सायर जोड) ॥—३७८

कमरबद-२, गिलाफ-खोली-३, परदा-४ नाम

परिकर कमरदुकूळ (पढ) कुथ परितोम कहाण ,  
प्रतिसीरा (अर) काडपट जवनी अपटी (जाण) ॥—३७९

चदव्वा-४, रावटी-२, डेरा-खेमा-९ नाम

चद्रोदय उच्चोल (चव) कदय वितान (कुहात ,  
कहो) केणिका पटकुटी दूसय थूळ (दिखात ॥—३८०

गूडर डेरो (ओर निरा वेखो) सायीवान ,  
(ज्योही फेरू ) सिविर (जप) तम्बू कदक वितान ॥—३८१

तृण-शैया-३, मेज-शैया-८ नाम

ससतर प्रसतर साथरो कसिपू तलप (कुहाय) ,  
सैन सेभ सय्या सयन सज्जा तलिम (सुहाय) ॥—३८२

पलंग-७, सिरहाना-२ नाम

पलग ढोलियो मच (पढ) माचो मचक (मान) ।  
चोपायी परजक (चव) ओसीसी अपघान ॥—३८३

काच नाम

काच विमासी मकुर (कह) आतमदरस (इखात) ,  
सारगक आदरस (अख) दरपण (वळे दिखात) ॥—३८४

कंधा-३, आसन-३, लाख-६ नाम

केसमारजन ककतक (फेर) प्रसाधान (पात) ,  
आसण त्रिसटर पीठ (अख) लाखा (लखात) ॥—३८५

खतमेटरा क्रमिजा (अखहु) पलकसा जतु (पेख) ,  
रगजननि राक्षा (रखो वळे) द्रुमामय (वेख) ॥— ३८६

अलता, महाउर ४, कज्जल-३ नाम

आलकतक आलकत (अख) जावक जाव (जपत) ,  
दीपकसुत अजन (दखो) काजळ (एम कहत) ॥— ३८७

दीपक नाम

दीपक दीवो दीवलो दीप प्रदीप (दिखात) ,  
मुण) काजलकर घरमणी काजळधुजा (कुहात) ॥—३८८

गंद, खिलोना नाम

(क्रीडा वाळक कारणै) गैदा गिरिगुड (गाय) ,  
गिरिक गिरीयक गुड गिरि(सु) कटुक गैद (कुहाय) ॥—३८९

पंखा-३, खस आदि को पखा-४ नाम

वीजण व्यजणक वीभंगू आलावरत (अखात) ,  
पखा पखी (फेर पढ) वावकरण (विख्यात) ॥—३९०

मडलेइवर राजा-२ चक्रवर्ती राजा-२,  
राजा पृथु-२ नाम

मद्धम मडळाधीस (मुण) सावरभोम (सुहात) ,  
चक्रवरती (फेर चव) प्रथू वेणसुत (पात) ॥—३६१

श्रीरामचंद्र नाम

कोमल्यानदन (कहो) दासरथी (कुळदीत) ,  
अधमउधारण (जग अखै) रिधूराम (री रीत) ॥—३६२

सीता नाम

सतवती सिय धरसुता मिथलापतजा माण ,  
जेम) जनकजा जानकी (इम) विदेहधी (आण) ॥—३६३

लक्ष्मण नाम

रामानुज सोमित्रि (जप सुभ) लछ्मण (सूजाण) ,  
सेस मुमित्रासुतन सुण वळे अनन्त (वखाण) ॥—३६४

भरत-२, सत्रुघ्न-४ नाम

भरत केकयीसुत (भणू) सत्रुघण (तिकण) मुजाव ,  
भरतअनुज सत्रुहण (प्रभण च्यार दासरथि चाव) ॥—३६५

वाली-वानर-२, सुग्रीव-२,

हनुमान-२० नाम

इदपूत वाली (अखो) सूरजमुत सुग्रीव ,  
पवननद वजरग (पढ) जपणरामपदजीव ।—३६६

हणूमान वकट हणू हडूमान हणवत ,  
वजअग (अर) वाकडो महावीर हणमत ।—३६७

(ललित) कीसवर लागडो केसरिपूत कपीस ,  
वायनद मारुत (वळे) अजनीज जति-ईस ॥—३६८

रावण-१०, मेघनाद-५, कु भकरण-३,

विभीषण-१ नाम

दसकधर दसमुख (दखो द्रढ) दसकंध (दिखाय) ,  
रिखिपूलस्तसुत असुरपत रावण राकसराय ।—३६९

लकापत (अर) लकपत बीसभुजा (वाखाण) ,  
 मेघनाद घणनाद (मुण) अंद्रजीत (इम आण) ॥—४००  
 रावणि मदोदरिसुतन कृभो कुभ (कहात) ,  
 कुंभकरणा (फेरू कहो वळे) विभीषणा (बात) ॥—४०१

#### लका नाम

कुनरापुर लकापुरी लका लक (लखाय ,  
 पुरट नाम आगळपुरी नाम लंक वण जाय) ॥—४०२

#### भीष्म-१२, युधिष्ठिर-११ नाम

गगकाज गागेय (गिण) गगिकाज गगेव ,  
 सातनव (रु) सतनसुतन कुरुईस कुरुदेव ॥—४०३  
 भीसम भीखम भीष्म (भण) द्रढव्रत्ती (दरसाय) ,  
 धरमपूत जेठळ (धरो) सत्यअरी (सरसाय) ॥—४०४  
 (फेर) जुजीठळ पडुसुत पडवेस पडीस ,  
 पाडवेय पाडव (पढो) कु तीसुत कुरुईस ॥—४०५

#### भीमसेन-६, अर्जुन-१७ नाम

भीमसेण भीमेण (भण) जेठीपाथ (जणात) ,  
 कीचक, वक, मारण\* (कहो) भीमू भीम भणात ॥—४०६  
 (वळे) व्रकोदर वायसुत पारथ अरजण पाथ ,  
 गुडाकेस पथ फालगुण पारथ्यी पाराथ ॥—४०७  
 सेतबाह जय बासवी ब्रहनट विजय (वखाण) ,  
 धनजै सुनर कपिधुजा (जेम) करीटी (जाण) ॥—४०८

#### सहदेव-२, नकुल-२, द्रोपदी-३ नाम

सहदेव सुमाद्रेय (मुण) नकुळ माद्रिसुत (नाम) ,  
 पाचाळी (अर), द्रोपदी (वळे) पडुसुतवाम ॥—४०९

#### कर्ण-५, विक्रम-२ नाम

अगराज अरकज (अखो) चपापुरत (चवात) ,  
 भाणसुतन राधेय (भण) वीकम वीक (वुलात) ॥—४१०

\* कीचक, वक, मारण = कीचकमारण वकमारण ।

सहस्रबाहु-४, परीक्षित-३ नाम

कारतवीरज सहसकर हैहय अजण (सुहात) ,  
परीछत (सु) प्रीछत (पढो) अभिमनपूत (अखात) ॥—४११

भोज-२, बलि ५ नाम

भोज उजैणीपत (प्रभण) इदसेन बळ (आत) ,  
बली विरोचनसुत (बळे) वैरोचन (विख्यात) ॥—४१२

राज्य के सात अग नाम

स्वामी कामेती सुहृत देस दुर्ग बळ (दाख ,  
इण विध फेरु) कोस (अख राज अग ऐ राख) ॥—४१३

छत्र २, चवर-५ नाम

आतपवारण छत्र (अख) वाळव्यजण (वाखाण) ,  
रोमगुच्छ चामर चवर (जिम) चम्मर (सू जाण) ॥—४१४

कामदार नाम -

कामदार कामेति (कह) सचिव प्रधान (सुजाण) ,  
मत्री मूसायव (मुगू) व्याप्रत (अर) दीवाण ॥—४१५

चोबदार नाम

द्वारपाळ दडी (दखो धरो) वेतधर धार ,  
वैत्री उतसारक (बळे) प्रतीहार प्रतिहार ॥—४१६

रसोई का दरोगा-२, रसोईदार-६ नाम

सूद रसोयीईस (अख) आरालिक गुण (आत) ,  
भुक्तकार ओदनिक (भण) सूप सूद (दरसात) ॥—४१७

अवरोध-६, शत्रु-२८, बंर-३,

मित्र १२, मित्रता-४ नाम

अन्तेवर सुद्धान्त (इम) अवरोधन अवरोध ,  
भीतर अतेउर (प्रभण) सत्रू सात्रव (सोध) ॥—४१८  
अरियण वैरी अरि अरी दीयण दुसमण (दाख) ,  
पिसण सत्र सात्रय (पढो) अरहर रिमहर (आख) ॥—४१९



सत्राटा केवी दुमह अमुहर विया अयार ,  
 वरीहर खळ (अर) विपख रिपु अरिंद रिम (घार) ॥—४२०  
 असहन दोखी अहित (इम) वैर विदोख विरोघ ,  
 मीत मित्र मत्री सुमन सवय सनेही (सोघ) ॥—४२१  
 साथी हेतू (जिम) सखा सज्जन नेही सैण ,  
 सोहारद सोहद (सुगु सगत वळ) सुवैण ॥—४२२

गुप्तदूत-५ दूत-८, पत्रदूत-३, दोहाई-२ नाम

मत्रजाण अवनरप (मुण) चर हेरिक (इम) चार ,  
 चर हलकारो दूत (चव) कहणससेनो कार ॥—४२३  
 घावण खवरी चार (घर) पत्रपुगावण (पेख) ,  
 कासीदक कासीद (कह) आण दुहाई (एख) ॥—४२४

पराक्रम-४, गुप्तमत्र-सलाह ४ नाम

पराकरम प्राक्रम (प्रभण) पोरस विक्रम (पेख) ,  
 आळोचण आलोच (इम) रहसि मत्र (अवरेख) ॥—४२५

रजपूती नाम

माटीपण छत्रीघरम रजवट रजपूती (ह) ,  
 खत्रीवाट (र) खत्रवट खत्रवाट (अखणीह) ॥—४२६

एकान्त-४, न्याय-४, मर्यादा-२,

अपराध-६, राजकर-४ नाम

केवल छत्र डकत रह न्याय कलप नय न्याव ,  
 मरजादा मरजाद (मुण) आगस हेलन (आख) ॥—४२७  
 अपराधक अपराध (अख) बिप्रिय मनु (विचार) ,  
 मागधेय बलि कर (प्रभण) हासल (द्रव्य विहार) ॥—४२८

फोज-१७, सेना का पडाव-१, सेनापति-६ नाम

घैसाहर हेजम घड़ा कटक अनीक (कुहात) ,  
 तंत्र चाक चतुरगणी सेना सेन (सुहात) ॥—४२९  
 वळ दळ प्रतना वाहणी फोज दड चमु (फेर ,  
 इण री थिति हू ) सिविर(अख)कटकईस वळ (केर) ॥—४३०

फोजमुसायत्र सेनपत सेनानायक (सोय) ,  
फोजदार चतुरगपत हैजम, चमू, प\* (होय) ॥—४३१

सेना का अगला भाग-४, सेना का पिछला भाग-१ नाम  
(अणी चमू री आगली) हरवळ मोर हरोळ ,  
मोहर (जिरानू फेर मुण चव पाछै) चदौळ ॥—४३२

सेना का बाहना भाग-१, सेना का बाया भाग-१ नाम  
(जप वगल वळ जीवणी) रोसन (नाम रहात ,  
वळे फौज वाई वगल) चपक (सु नाव चवात) ॥—४३३

सेना की चढाई-४ ध्वजा पताका-५

झडा-३, पालकी-४ नाम

सज्जण उपरच्छण सजण सभरणू (अवर सुहात) ,  
धुजा पताका (फेर) धुज केतन केत (कुहात) ॥—४३४  
(धुजाडड) झडा (धरो) नेजा (अर) नीसाण ,  
(पढ) चौपालो पालकी सिविका पिन्नस (जाण) ॥—४३५

गाडा-३, गाडी २, पहिया-५ नाम

अन गाडो (जिम)सकट (अख) सकटी गाडी (सार) ,  
पहियो पैडो चक्र (पढ) अरि रथाग (उपचार) ॥—४३६

पहिया की नेमी पूठी-३, धुरी-२,

पहिया की नाह-४, जुआ-२ नाम

घारा पूठी नेमि (धर) अणी धुराई (आत) ,  
नाही नाहू नाभि ना जूडो जुगक (जणात) ॥—४३७

जुआ का निम्न भाग-२, यान मुख-२,

भूला-३, भूलने वाला-२ नाम

परजूडी प्रासग (पढ) धरसू डो धुर (धार) ,  
हीडो भूलो हीचणू हीडण भूलणहार ॥—४३८

बाहन-सवारी-३, गाडीवान-२, सवार-४ नाम

घोरण बाहण यान (धर) यत सागडी (आख) ,  
अस्ववार असवार (इम) सादी तुरगि (समाख) ॥—४३९

\*हैजम, चमू, प=हैजमप, चमूप ।

घोडा उठाना-३, घोड़े की अयाल-२,

तवेल-१, जॉन-४ नाम

(अख) कोमखी ऊपड़ी (फेर) उपाड़ी (पेख) ,  
याल केसवाली (अखी) अससाला (अवरेख) ।—४४०  
(फेर) तवेलो पायगा जीण छेवटी (जाण) ,  
काठी (इण सवध कह पढज्यो फेर) पलाण ॥—४४१

लगाम-४, घोड़ों का भुड-२, साईस-२ नाम

लवच्छेपणी वांग (अख गावो) कुसा लगाम ,  
कारवान (अर) हेड (कह) पाडू सइस (प्रकाम) ॥—४४२

हाथी का सवार-१, हाथी का सेवक-३,

अकुश-३, सांकल-२ नाम

(हाथी रा असघार हूं नरख) निसादी (नाम) ,  
मावत आघोरण (मुणू) कुंभीपाळक (काम) ।—४४३  
आकस (अर) गजवाग (अख) मावतससतर (मान) ,  
आई डगवेडी (अखी थिर गज राखण थान) ॥—४४४

सुभट नाम

मोहड खीवर भड सुहड़ भट रणमल्ल भडाळ ,  
सुभड़ वीर सावत सुभट भीच (र) जोधा (भाळ) ॥—४४५

कवच-१६, टोप-३ नाम

कोच जरद कंकट कवच कुंगळ कंग (कुहात) ,  
वरंगोळ कडियाळ (वद) माठी दस (मुणात) ।—४४६  
वरंग जगर वगततर वरम (सुणू) वरम्म सनाह ,  
सिरत्राण (अर) सीरसक (पड़) उतवंगपनाह ॥—४४७

पेट का बंधक-२, करस्ताना-२, लोहे की जाली ३-नाम

उदरत्राण नागोद (अख) वाहुल वाहूत्राण ,  
(जपो) जाळी जालिका (फेर) राखणीप्राण ॥—४४८

सस्त्र-६ नाम

मसतर असतर (डम) ससत्र आवध आयुध (आण) ,  
प्रहरण लोह हथ्यार (पड जिम) हथियार(सु जाण) ॥—४४९

सिपाही-३, धनुर्धर-४ नाम

आवधवाळो आवधी (ओर) सिपाही (आख) ,  
धानकी धनुधर (धरो) धनुभ्रत धन्वी (भाख) ॥—४५०

धनुष नाम

धनु पिनाक कोडड (धर) कोडडीस कुवाण ,  
चाप सरामन वाण (चव जेम) सरासण (जाण) ॥—४५१  
(अर) अढारटकी (अखो) धेनु तुजीह (धरात) ,  
पैनाक (रु) सारण (पढ) कोमड धनख (कुहात) ॥—४५२

पणच-७, तीर-१४ नाम

मुरवी जीवा गुण (मुणू) वाणासण (वाखाण) ,  
पणच द्रुणी सजनि(पढो)विसिख तीर सर (वाण) ॥—४५३  
पत्रवाह पत्री प्रदर तुक्को सायक (तिम) ,  
ककपत्र खग काड (कह) जिम्हग आसुग (जेम) ॥—४५४

पख-५, वाण का टाटवा-२, भाया-२ नाम

पंख वाज (अर) पांखडा पाखा पक्ष (पढाव ,  
तवो) पुंख (अर) करतरी सरधि निखग (सुवाण) ॥—४५५

म्यान नाम

परीवार इमकोस (पढ धर) तरवारपिधान ,  
चद्रहासघर (फेर चव मुणू) सस्त्रघर म्यान ॥—४५६

ढाल-५, ढाल पकडने का-२, छुरी-२ नाम

आडण खेटक आवरण ढाल चरम (पढ एम) ,  
हथवासो सग्राह (मुण) जडळगधी छुरि (जेम) ॥—४५७

कटारी नाम

(आख) त्रिजड अधियामणी वादळी वाढाळ ,  
(जिम) सुजडी विजडी (जपो मुण) पट्टिस प्रतिमाळ ॥—४५८  
प्रतिमाळी जमडाढ (पढ जेम) जडाळी (जाण) ,  
दुजडी दुवधारी (देखो एम) दुधारी (आण) ॥—४५९

भोगळियाळी (फेर भण) भोगळियाळ (भरोह) ,  
घाराळी कट्टार (घर) अगियाळी (आरोह) ॥—४६०

### भाला नाम

कूंत त्रिभागो सेल (कह) नेजो (अर) नेजाळ ,  
सावळ गाजो सागडो छडवाळो छडियाळ ॥—४६१  
वरछो वास दुधार (वद चव) भालो चोधार ,  
प्रास छडाळ (र) नेत (पढ) दुवधारो दोधार ॥—४६२

### वरछी-५, चक्र ३, त्रिशूल-२, वज्र-६ नाम

वरछी सकती साग (वद) सावळ कासू (धार) ,  
चक्र चकर चक्कर (चवो) सूल त्रिसीस (सुहार) ॥—४६३  
वज्र इदससतर वजर अद्रससत्र (क आख) ,  
पवी सक्कघण भिदुर (पढ) असनी असनि (इमाख) ॥—४६४

### तोप-४, वटूक-४, युद्ध-३६ नाम

सोरभखी नाळी (सुण) आगजत्र (इम आख) ,  
तोप तुपक वटूक (तिम) सोरभखी (जग साख) ॥—४६५  
अगनजत्र (ओरूँ अखो) आरण आहव (आख) ,  
कळहण भारत जुध कळह रोळो कजियो (राख) ॥—४६६  
सामरात राडो समर रण समहर आराण ,  
(जम) धकचाळा घमगजर प्रहरण रिण पीठाण ॥—४६७  
आहर द्रोमज वेध (इम भण) दमगळ भारात ,  
लडवो आहुड जग लड हूचक आजि (कुहात) ॥—४६८  
सगर विग्रह कळि (सुण) सपराय सग्राम ,  
आकारीठ (र) जुद्ध (इम) भगडो रीठ (जुधाम) ॥—४६९

### डाकू नाम

घाडी डाकू घाडवी (पढो) घाटि परपात ,  
भोकायत अवकद (जप) घाडायत (घरात) ॥—४७०

### डाका-३, रात का डाका-३, युद्ध मे से भागना-५ नाम

घाडो डाक (र) घाड (घर रातमाहि) रत्याव ,  
रातावाह सुपतिक (रखो) समुद्राव सद्राव ॥—४७१

मूर्छा-२, हारना-३, जीतना-३ नाम

द्राव पलायन द्रव (दखो) मोह मूरछा (मान)  
हार पराजै अजय (हव) जै यज विजय (सु जान) ॥—४७२

बदला लेना-४, दगा छल-३ कारागृह-२ नाम

वैरवहोडगा वैरसुध आटो आटल (आत),  
चूक दगो (प्रच्छन्न) छळ कारा चार (कुहात) ॥—४७३

खैचना-४ घुसना-८ नाम

तागा खैच अचगा तमक परठै पैस (पढाता),  
घसं पैठ पैसगा घसगा उळै वडै (इम आत) ॥—४७४

दवाना-३, वरावर-६, वरावर वाला-१३,

छोडना-६, ओसान-४ नाम

भीचगा दावै भीच (भगा) सरभर सरवर (सोहि),  
ईढ वरोवर मीढ (अख मुगा) समवड सम (जोहि) ॥—४७५  
(वळे) तडोवड (एम वद ओर) समोवड (आख),  
समवडिया समवड समी (जाडी) जोडा (भाख) ॥—४७६  
समोवडया (अर) सारसा वरोवर्या (वाखारा),  
सारीसा सरखा (सूरा जेम) जोरडा (जागा) ॥—४७७  
सारीखा (अर) सारखा तडोवड्या (कव तेम),  
मोखगा पहडै मोख (मुगा) छोडगा छूटो जेम ॥—४७८  
छूट वछूटो छोडियो खूटो (फेर वखाख),  
उरजस वख ओसागा (इक वोल वळे) अचसागा ॥—४७९

कंदी ५, कंद करना-६ नाम

प्रग्रह उपग्रह वद्य ग्रह ग्रहक (सु पाच गणाव),  
कंद जेर रोकगा रुकत वध अटक (वरगाव) ॥—४८०

हठ-७, शक्ति-३ स्थिर-६ यत्न-३, मानना-२ नाम

आट टेक अडवी असगा हट हठ पसभ (सुहात),  
समरथ पूछ (रु) सामरथ अडग रिधू थिर (आत) ॥—४८१  
(चव) अडोल नहचळ अचळ धुव अवचळ धू (घार),  
जतन सुरच्छा जावती समजगा मानगा (सार) ॥—४८२

## तय्यार-३ ललकारना-६ नाम

भीड तय्यार (रु) सभ (प्रभण) वातळव वतळाव ,  
(एम) हकाल वकार (अख जप) छेडै (रु) खजाव ॥—४८३

## जोडना-३, प्रमाण-२, मिलना-३, आना-जाना-१ नाम

जोडण साधण जोड (जप पढ) प्रमाण परमाण ,  
मिलण (ओर) भेटै मिलै (वोल विहाण) विहाण ॥—४८४

## दोनो ओर-३, जलना-४, मुरदे को आग में

## फेरने की लकडी-१ नाम

(वदो आवरत) सावरत दोयराह दहु राह ,  
वळण जळण वळवो वळै चीघण (चाळवियाह) ॥—४८५

## पकडना-पकडाना नाम

भालै भेलै भालिया ढाबै गहै ढवाव ,  
(लखो) भलाया भेलिया साहै (फेर) सहाव ॥—४८६

## शस्त्र चलाना नाम

पछटी वाही पाछटी जडकी (मारव) जाड ,  
एमजडी (अर) आछटी धीवी बही (सुघाड) ॥—४८७

## साथ-३, समूह-१० नाम

साथे साथ (रु) लार (सुण) सहित (वळै) समूह ,  
प्रकर थाट गण थोक (पढ) जूथ भूल ब्रज जूह ॥—४८८

## उलटना-४, खडा रहना-४, चलना दौडना-१४ नाम

सालुळिया (अर) सालुळै उलटे उलटण (आण) ,  
ऊभो ठाढो (इम) खडो भटकै भाजण भाख ॥—४८९

चालै हालै गमण (चव) हीडै वहै विहार ,  
चलण न्हामण खडण (चव सुण) अट खडै सिघार ॥४९०

## पागल नाम

वेडा गहला वावळा काला मसत (कुहात) ,  
चळचैत वावळ विकळचत गहलो उनमत (गात) ॥—४९१

पछताना-२, संपूर्ण-७ नाम

पछतावण पछताव (पढ-मुणू) सरव तम्माम ,  
सगळो सपूरण सकळ पूरण सारो (पाम) ॥—४६२

चहु ओर नाम

चोगडदा चोफेर (चव) चोतरफां चहुकोर ,  
चहूकूट चोमेर चव चहुकानी चहुओर ॥—४६३

उमर-५, अच्छा-१३ नाम

आवरदा आयुस (अखो) आयू ऊमर आव ,  
आछ्यो उत्तम ऊमदा सुदर सैर (सुहाव) ॥—४६४  
वर तोफा श्रेसट (बळे) रूडो रूपाळो (ह) ,  
ठाळो सखरो पूठरो (आखो इम) आछो (ह) ॥—४६५

अप्सरा नाम

अच्छर अपछर अपछरा अछरा अछर (अखात) ,  
पुरी सुरगवेसा (प्रभण) बारग हूर (विख्यात) ॥—४६६

हिन्दू नाम

वेदक आरज देव (अख) हीदू हिंद (सुणात) ,  
सुकबी हीदू रा सरव पचक नाम पुणात) ॥—४६७

ब्राह्मण-१३, जितेंद्रिय-४ नाम

मुखसभव जोसी मिसर दुज भूदेव दुजात ,  
(पढो) गोरजी पाडियो बाडव विप्र (वुलात) ॥—४६८  
वेदगरभ वामण (बळे अवर) वरामण (आण) ,  
सात समन(अ)श्रात (सुण)जितेंद्रिय(जिम जाण) ॥—४६९

शुद्ध आचरण-४ जनेऊ लेना-३ नाम

अवदान (रु) आचरण (अख) करमक सुद्ध (कुहात) ,  
उपनाय (र) उपनय (अखो) बटूकरण (वुलवात) ॥—५००

जटा-३, यज्ञ-११ नाम

जटा सटा जपता (जपो) जगन सत्र सव जाग ,  
तोम सपतततू ऋतू यग्य मन्यु मख याग ॥—५०१



## समिध-ईंघन-५, भस्म-५ नाम

ममित भेघ एघस (अखो) इघण तरपण (आख) ,  
भूती वानी राख (भण) भसम छार (इम भाख) ॥—५०२

## परशुराम नाम

फरमवरण अगुपत फरस दुजराजा दुजरांम ,  
फरसराम दुजराज (पढ) राम (रु) परसूराम ॥—५०३

## नारद नाम

रिखीराज नारद रिखी देवरिसी (दरसात) ,  
कलिकारक पिसुनी (कहो) सतघसुत (सरसात) ॥—५०४

## विश्वामित्रनाम

गाधिपूत कोसक (गिरू) विसवामत्र (वुलात) ,  
कहो) त्रिसकूजगनकर (तिम) गाधेय (तुलात) ॥—५०५

## वेदव्यास नाम

वेदव्यास माठर (वदो) पारासरय (पढात) ,  
ल्या वादरायण (वळे) जोगनगघाजात ॥—५०६

## सत्यवती-३, वाल्मीकि-४ नाम

सत्तवती (अर) वासवी जोजनगघा (जाण) ,  
वालमीक वलमीक (वद) आदकवी कवि (आण) ॥—५०७

## वसिष्ठ-३, वसिष्ठ की पत्नी-२ नाम

अरुंघतीस वसिष्ठ (अख) ब्रह्मापूत (वखाण) ,  
अखमाळा (रु) अरु घती (जिण री महळा जाण) ॥—५०८

## व्रत-४, उपवास-२, आचार-३ नाम

वरत नेम (अर) नियम व्रत उपवसत (रु) उपवास ,  
चरण चरित आचार (चव तीन नाम कह तास) ॥—५०९

## जनेऊ नाम

जग्यसूत उपवीत (जप वळे जयन) उपवीत ,  
ब्रह्मसूत (फेरू वदो राख) पवित्र (सुरीत) ॥—५१०

क्षत्रिय नाम

छत्री घत्रिय छत्र (चव) खत्रिय खत्री (आख),  
आचप्रभव रजपूत (अख) राजपूत (इम राख) ॥—५११

वैश्य-१३, वारिण्य-४ नाम

विस वाण्यू (अर) वारिण्यो वराक कराड वकाल,  
आरज साहूकार (अख) ऊरुज साह (उताल) ॥—५१२  
सेठ महाजन भारसह (पढ इणारी) वोपार,  
वारिणज (ज्यूंही) वराज (वद)साचभू टकर (सार) ॥—५१३

मोल-३, मूलधन-४, व्याज काधन-३नाम

मोल अरघ मूलय (मुगूँ) परिपण पडपण (पेख,  
दोखो) मूळ (रमूळ) द्रव लाभ कळा फळ (लेख) ॥—५१४

वेचना-३, एक-६ दो-६, तीन-७, चार ७ नाम

वित्रय विपणक वेचवो हैकण एकण (होय),  
एक हेक इक पहल (अल) दो दुव वे जुग दोय ॥—५१५  
उभै तीन त्रण (अखो) त्रि मुर त्रहू गुण (तेम),  
च्यार चतुर चत्रु चत्र चव (जप) चरे चारू (जेम) ॥—५१६

पाच-४, छ-४, सात-३ नाम

पाच पच सर तत्व (पढ) हीनदूण खट (तात),  
छै रस (इम फेरू चवो सपत सत्त (जिम) सात ॥—५१७

आठ-४, नी-१० नाम

आठ वसू चउदूण अठ नाडी नव निधि नोय,  
नौ ग्रह अक (सु) नाग (अख जेम) खड गो (जोय) ॥—५१८

जहाज-५, नाव-७ नाम

पोत जिहाज वहित्र (पढ) महानाव महनाव,  
तरणी तरि वेडा तरी नोका तूगी नाव ॥—५१९

डोगी-४, भारवाही-१ नाम

वेडो (अनै) वहित्र (वद) भेलो डूडो (भाख),  
काठ नीरवहणी सुकव) द्रोणी (जिरानू दाख) ॥—५२०

डाड-२, घडनाद-२, नाव की उतराई-१ नाम

(वदो खेपणी खेवणी कोल तरड (कुहात ,  
उतरायी रा आथरो) आतर (नाम सुहात) ॥—५२१

व्याज-३, ऋण-३, भरणा-२, ऋणी-२ नाम

बद्धि कलातर व्याज (वद) रण रिण (अर) उद्धार ,  
आपमितय भरणू (अखो) धुरियो ग्राहक (घार) ॥—५२२

बोहरा-१, जामिन-२, साक्षी-३, रहन-बंधक-२ नाम

(उत्तम) रणदायक (अखो) प्रतिभू जामन (पेख) ,  
साखी थैयक सायदी वधक धरणू (वेख) ॥—५२३

माशा-१, कर्ष (तोल)-२ नाम

(पचम गुंजा रो प्रगट) मामा (मान गणात ,  
सोळ्ह मासा रो सदा) करस (र) अक्ष (कुहात) ॥—५२४

पल-१, अक्ष-१ विलत-१ नाम

(करस च्यार) पळ (मान कह) सुवरण (मान सुणात ,  
हिक पळ मान सु हेमरो मतकुरु) विसत (मुणात) ॥—५२५

तुला-१, भार-२ नाम

(पळ सत फेर प्रमाण रो) तुळा (नाम तोलात ,  
तुळा बीस रा तोल रो) भार सलाट (भणात) ॥—५२६

आचित-१, हाथ-१ नाम

(रिधू अवे दस भार रो) आचित (नाम उचार ,  
आगळ च्यार रु बीस अब वेख) हसत विसतार) ॥—५२७

दड-१, कोस-१ नाम

(मुणू च्यार कर मानरो) दंड (नाम दरसात ,  
दोय हजारक दड जो सको) कोस (सुर सात)- ॥—५२८

दो कोस-२, योजन-१ नाम

बव्यूती गोस्त (गिणू मान दुकोस प्रमाण ,  
च्यार कोस चा मान रो) योजन (नाम सजाण) ॥—५२९

गायों का स्वामी-२, ग्वाल-७ नाम

गोमान (रु) गोमी (कहो) गोदुह गोप गुवाळ ,  
(अख) अहीर आभीर (इम) गोपाळक गोपाळ ॥—५३०

किसान नाम

खेत—जीव खेती हळी करसो करसक (जाण) ,  
करसुक खेतीवळ (कहो) कडुववाळ करसाण ॥—५३१

हल-३, चऊ-१, हाल-१ नाम

लागल चासविदार हळ कुटक (निरीस कुहात) ,  
ईसा (हलरी हाल इम सीता पथ सुहात) ॥—५३२

फाल-कुश्या ४, दराती-२, मूठ-बेंटा-४ नाम

फाल कुमिक (अर) कसिक फळ दात्र दातळी (देख) ,  
मुदै जिकारी मूठ रो) वैसो वंटक (बेख) ॥—५३३

खानत्र-खणोत्य-२, कुदाली-२ बँलहाकने का-३ जोत-२ नाम

अवदारणक खनित्र (अख) कूदारण कुदाळ ,  
प्रवयण तोत्र प्रतोद (पढ) जोता ऽऽवघ (सुजाळ) ॥—५३४

मोगरी-३ मेध्य-ढेले फोडने का-४ नाम

मेधि मेढ मेही (मुगू) भेदक—डगळ (भगात) ,  
चावर कोटिम (फेर चव जेम) मे दडो (जात) ॥—५३५

शुद्ध नाम

अतवरण सूद्रक (अखो) ब्रसल (क) पद्य (बुलात) ,  
मूदर (फेरु) पज्ज (सुण) जघन ज ओयण (जात) ॥—५३६

कारीगर-४ कारीगरी-३, माली-४, मालिन-१ नाम

कारीगर कारी (कहो) सिलपी कारु (सुणाय) ,  
सिलप कळा विप्यान (सुण) माळाकार (मुणाय) ॥—५३७

फूलजीव (आरु प्रभण) माळी माळिक (माण) ,  
पुसप चूट लावै प्रमद) पुसपलावि (परमाण) ॥—५३८

दरजी-रफूगर नाम

तूनवाय सवचक (तथा) सोचथ सूयोधार ,  
महीदोत गजधर (मुगू) दरजी कपडविदार ॥—५३९

## सुई-३, कंची-५ नाम

सूची सूई सीवणी कातर कत्तरणी (ह ,  
कहो) ऋपाणी कलपनी अवर करतरी (ईह) ॥—५४०

## कु भार नाम

कोलाळी (रु) कुलाल (कह) कु भकार घटकार ,  
चक्करजीवत (फेर चव) परजापत कू भार ॥—५४१

## नाई-हफ्जाम नाम

नापित नाई नेवगी मूडवाळ मूडाळ ,  
केसकाट नेगी (कहो बळो) वणावणवाळ ॥—५४२

## हजामत-६, निहानी-२ नाम

परिवापण खिजमत वपन भद्राकरण (भणात ,  
तिम) मुडण (अर)कातर्या नखहरणी नखघात ॥—५४३

## बढ़ई नाम

रथकरता खाती (रखीं) काठकाट रथकार ,  
(घर) बाढी (अर) वरधकी थपती तट सूथार ॥—५४४

## आरा-५, वसुला-३ टाकी-१ नाम

करपत्रक वहरार (कह) करवत ऋकच करोत ,  
वासी तच्छणि ब्रच्छभित पत्थरफाडी (होत) ॥—५४५

## हलवाई-३, तेली-४ नाम

कदोई खाणूकरण हलवायी (जिम होय) ,  
धूसर तेली चोधरी (जिम ही) घाची (जोय) ॥—५४६

## सकलीगर-६, सान-२ लोहार-३ नाम

असिधावण (आखो अवे) आवघमाजण (आण) ,  
साणजीव भरमासतक सगलोगर (सू जाण) ॥—५४७  
असिधावक (ओरू अखो) साण निकस (खरसाण) ,  
लोहकार लोहार (लख) वेदाणी (वाखाण) ॥—५४८

अहरन-२, हतोडा-२, धोकनी-३, वर्मा-२ नाम

(चव) अहरण (अर) भाचरो हतोडो घण (होय) ,  
घवणी घूण (र) धूकणी सार वेधणी (सोय) ॥—५४६

सोनार नाम

नाडीधमण सुनार (कह) सोनी सोब्रणकार ,  
मुस्टिक (ओर) कलाद (मुण मुण) घडियो सोनार ॥—५५०

मनिहार-४, चितेरा-३ नाम

लक्खारो मणियार (लख) मणिकारक मणहार ,  
रगजीव चतरामकर (हमकै) चतरणहार ॥—५५१

धोवी-४, रगरेज-३ नाम

गजी रजक धोवी (गिराणू) धावक (फेर घरात ,  
लख) नरगोजक लीलगर रगरेज (दरसात) ॥—५५२

पीजनी-४, जुलाहा-३ नाम

पीनण पीजण पीजणी विहननतूल (बुलात) ,  
जुल्लावो वणकर (जपो) ततूवाय (तुलात) ॥—५५३

कलार नाम

मदजीवण धुज सेठ (मुण पान) कराड (पढात) ,  
आसवकरण कलाळ (इम) दारूकार (दढात) ॥—५५४

मद्य नाम

दारू मद कादवरी मदिरा इरा (मुणात) ,  
आसो मधु औराक (इम) समदरसुतन (सुणात) ॥—५५५  
हारहूर (अर) हलिप्रिया सुरा वारुणी (सोय) ,  
आसव महुवावाळ (अख) हाला सुडा (होय) ॥—५५६

खारभजना-गजक नाम

(खार) भजणू चखण (अख वळे) नुकळ (वाखाण) ,  
मदपअसण अवदस (मुण जिम) उपदस (सु जाण) ॥—५५७

आसव-३, प्याला चुसकी-५ नाम

आसव अभिसव आसुती चसक (रु) सरक (चवात) ,  
प्यालो चुसकी (फेर पढ) दारूपात्र दिखात) ॥५५८

## अफीम नाम

नागभाग कसनागरा काळी अमल (कुहात) ,  
 नागफेण पोसत (नरख) आफू कैफ (अखात) ॥—५५९  
 (अख) अफीम अफीण (इम) काळागर (कह तात ,  
 वळे) सावळो दाणवत काळो (फेर कुहात) ॥—५६०

## भग नाम

सवजी मातगी (सुणू) यिजया (अर) वू टी (ह) ,  
 भाग बीजभव (तिम प्रभण लखो फेर) लीली (ह) ॥—५६१

मल्लाह-धीवर-३, ओद-३, मछली पकडने का काटा-१ नाम

धीवर खेवट कीर (धर) वडिस ओद (वाखाण) ,  
 मच्छवेघणी (फेर मुण जेम) कुवेणी (जाण) ॥—५६२

मदारी-३, वाजीगरी-२, इन्द्रजाल-४, कौतुक-खेल-४ नाम

वादगिर जाळी (वळे) मायाकार (मुणाय) ,  
 माया सावरि (करम तस सोही ओर सुणाय) ॥—५६३  
 इन्द्रजाळ (अर) जाळ (अख) कुस्त्रती कुहक (कुहात) ,  
 कौतूहळ कौतुक कुतुक (ओर) कुतूहळ (आत) ॥—५६४

आहेडी-शिकारी-६, शिकार-५ नाम

आहेडी थोरी (अखो) लुवधक लुवध (लखात ,  
 वळे) पारधी सावळा नायक व्याध (मुणात) ॥—५६५  
 धगवधजीवण (फेर मुण सुण) आखेट शिकार ,  
 आछोटण भगया (अखो) पापकरण (अणपार) ॥—५६६

## भालू-वनरक्षक नाम

भालू टूक्यो भाळवी (कहज्यो फेर) करोल ,  
 (सुकवी भालू रा सरव बिसद नाम ऐ वोल) ॥—५६७

जालवाला-३, जाल-४ नाम

जाळकार जाळिक (जपो ओर) वागर्यो (एख) ,  
 जाळी जाळ (र) जाळिका (वळे) वागुरा (वेख) ॥—५६८

वामला-२, फंदा-२, मगपाश-४ नाम

अवट (अनै) अवपात (अख) पासी फंद (पढात ,  
वेखो) रज्जू गुण बटी (और) बटारक (आत) ॥—५६६

कसाई नाम

कोड़िक खटिक खटीक (कह एम) कसायी (आत) ,  
कोटिक सोनिक मासकर वैतासिक (बिख्यात) ॥—५७०

चमार-मोची नाम

चरमकार भाभी (चवो) मोची (और) चमार ,  
पावरच्छणीकरण (पढ कहो) मोचडीकार ॥—५७१

जूता नाम

पावरच्छणी पादुका जूती जरवो (जाण ,  
चवो) उपानत मोचडी प्राणहिता (पहचाण) ॥—५७२

मुसलमान नाम

रोद रवद खदडो तुरक मीर मेछ कलमाण ,  
मुगल असुर वीवा मिया रोजायत खुरसाण ।—५७३  
कलम जवन तरामोठ (कह) खुरासाण (अर) खान ,  
चगथा आसुर (फेर चव मानहु) मूसलमान ॥—५७४

फिरगी नाम

अगरेज अग्रेज (अख) गीरा मेछ गुरड ,  
भूरा टोपीवाळ (भण) बदसाहब (बळवड) ॥—५७५

बादशाह नाम

पातसाह पतसाह (पढ) साह दलेस (सुणात ,  
फेर) डेलडीपत (पुणू एम) दलेसुर (आत) ॥—५७६

अत्यज नाम

विवरण प्राकृत नीच (बद) पामर इतर (पढात ,  
परथक) जन (फेरू पढो) बरबर (एम बुलात) ॥—५७७

भगी नाम

चूडो महतर चूहडो भगी सुपच (भरोह ,  
धरो) जनगम धाणको बुकस निसाद (बरोह) ,—५७८



खाकरेज गडसूरखज अतेवासी (आण) ,  
पुक्कस (इम) चाडाळ (कह) प्लव चडाळ (पिछाण) ॥—५७६

#### म्लेच्छ-भेद नाम

निमठ्या सवरा नाहला (ओर) पुलिदा (आण) ,  
भिल्ला माला अरभटा (जात मेछ सव जाण) ॥—५८०

•

### पृथ्वीकाय प्रारंभः

#### दोहा

दुतिय खड माहे दुरस, भू रा नाम भणेह ।  
इराथी भूमि कायिका, पहली अठे पढेह ॥

#### उपजाऊ भूमि-१, ऊसर-२, टीला-२ नाम

(ररव धान होवै सरस जिको) उरवरा (जाण) ,  
इरिण (बळे) ऊसर (अखो एम) थळी थळ (आण) ॥—१

#### निर्जल देश-२, बिना जुती भूमि-२ मिट्टी ५ नाम

निरजळ जगळ (नाम धर) बीडो खिल (वाखाण) ,  
माटी मटी अतिका गार (र) लछमी (गाण) ॥—२

#### नमक की खान-१, नमक ३, संधा-३'

#### सचर-२, धूल-६ नाम

(नरख लवण री खान रो) रुमा (नाम दरसात) ,  
लवण लूण मीठो (लखो) सिंधूभव (सरसात) ॥—४  
मिधुदेसव सीतसिव सचल (सूळ) नसात ,  
धूळ गरद रेणू (धरो) रेत खेह रज (आत) ॥—५

#### देश नाम

देम मुलक जनपद (दखो) मडळ खड (मुणात) ,  
विसयक उपवरतन (वळे सातहि नाम सुणात) ॥—६

आर्यावर्त नाम

(बिभ्र हिमाजळ बीच मै) आरजवरत (अखात ,  
सो) अचारवेदी (सुणू) धरमधरा (सुधरात) ॥—७

अन्तर्वेद-१, कुरुक्षेत्र-२ नाम

(जमुना गगा विच जमी) अन्तरवेदी (आख) ,  
धरमखेत कुरुखेत (धर दुवदस जोजन दाख) ॥—८

कामरूप-२, वगाल-१, मालवा-१, मारवाड़-३,

साल्व-१, अग देश-१ नाम

कामरूप (अर) कागर वग माळवो (वेख) ,  
मारवाड़ मुरधर मरू साल्व अग (सपेख) ॥—९

त्रिगर्त-१, कश्मीर-१, मेवाड-२, केरल-१,

मगध-२, डूंडाड़-२ नाम

जालधर कश्मीर (जप) मेदपाट मेवाड ,  
केरल कीकट मगध (कह) डुडदेस डूढाड ॥—१०

गाव-३, सीमा-६ खलियान-३ देला-४, चूरण-२ नाम

ग्राम गाव निवसथ (गिणू) अत सीम अवसाण ,  
सीमा मरजादा (सुणू जिम) सीवाडो (जाण) ॥—११  
कार हद्द अवधी (कहो) खळो (खळ) धान खळा (ह) ,  
लोठ ढगळ (डम) दलि डगळ चूरण खोद (चवाह) ॥—१२

वामला नाम

वामलूर (अर) वामलो वझीकूट (बुलात) ,  
कीडापरवत नाकु (कह तिम) बलमीक (तुलात) ॥—१३

नगर नाम

नयर नैर नगरी नगर पट्टण पुर (प्रकटाय) ,  
पुटभेदन पत्तन पुरी सहर नग्र (दरसाय) ॥—१४

गढ-२, किला-६, कोट-४, बुर्ज-२, गली-४ नाम

गढ (अर) कोट दुरग द्रुग (भणू) दुरग भुरजाळ ,  
कल्लो (जिम) आसेर (कह सुणू) वरण अरसाळ ॥—१५

कोट (अनै) प्राकार (कह) खोम अटाळ (अखात) ,  
परतोली विसिखा (पढो) गळी प्रतोली (गात) ॥—१६

गया-२, काशी-४, अयोध्य-४, मिथिलापुरी-३, पटना-१ नाम

(पढो) गया गयनपपुरी कासी कामि (कुहात) ,  
वागारसि सिवपुर (वळे) अवघ कोसला (आत । —१७  
इम) साकेत अजोधिया मिथिलापुरी (मुगात ,  
पढो) विदेहा जनकपुर पाटलिपुत्र (पुरात ॥—१८

द्वारका-२, मथुरा-२, उज्जैन-३ नाम

द्वारवती (र) दुवारका मथुरा मथुरा (माण) ,  
उज्जयणी (र) उजीण (अख जेम) अवती (जाण ॥—१९

कन्नोज-२, दिल्ली-७, नरवर-२, चपापुरी-२, चदेरी-२ नाम

कानकुवज कन्याकुवज पाडवनगर (पढात) ,  
दल्ली दल्ली डेलडी गजपुर (वळे गिरात । —२०  
(गिरा) हतरापुर (र) रवदगढ नळपुर निसवा (नाम) ,  
करापुरी चपा (कहो) त्रिपुर चदेरी (ताम) ॥—२१

मार्ग नाम

पदवी मारग डकपदी मग गैलो पवि माग ,  
पद्धति सरणी पथ पथ अयनक बाट (अथाग) ॥—२२

सुमार्ग-२, अमार्ग-२, कुमार्ग-३ सूतामार्ग-२ नाम

आछोमारग पथ (अख) ऊवट अपथ (अखाड) ,  
कदधव कापथ विपथ (कह अख) प्रातर उज्जाड़ ॥—२३

चोराहा-३, राजमार्ग-३ नाम

चोहट्टो (अर) चोहटो) (वळे) चोवटो (बोल) ,  
राजपथ ससरण (कह तिम) घटापथ (तोल) ॥—२४

वाजार-३, हताई-३ मरघट-७ नाम

वराजपथ वाजार (वद) विपणी (वळे वखारण) ,  
पद (र) हतायी आसपद (सुरा) मसारण समसारण । —२५

(पढ) करवीरक पितरवन (बद) खेत्रा (दरगाव) ,  
प्रेतगेह (फेरुं प्रभण जेम) मसाण (जगाव) ॥—२६

घर-२६, राजघर-३, कुटी-२, घास की झोपडी-१ नाम  
आलय निलय अगार (अख) थानक मदर थान ,  
गेह ओक आगार ग्रह कुट ऐवास मकान ।—२७  
सदन झुंपडो घर सदम धिसण खोलडो घाम ,  
भोगा निकेतन कुळ भवन वसति निवास-सुवाम ।—२८  
जाग ऐण आथाण (जप) सोध महल प्रासाद ,  
उटज परणसाळा (अखो) कायमान (त्रणकाद) ॥—२९

शयन-गृह-२, मडप-२ सूतिका गृह-३ नाम  
पडवो सोवणघर (पढो) मडप जनघर (माण) ,  
सूतकगेह अरिष्ट (जिम जापा रो घर जाण) ॥—३०

रसोई का घर-३, भडार-१० नाम  
सूदकसाळा रसवती (एम) महानस (आत) ,  
पाकथान (फेरु पढो) भाडागार (भणात) ।—३१  
(वेख) खजानू द्रव्वघर कोस (वळे) कोठार ,  
रोकट मोहर रूप घर (मुण) भडार (अमार) ॥—३२

हाट-५ चवूतरी-४ नाम  
अट्ट हट्ट आपण (अखो) विपणी हाट (वखाण)  
वेदी वेदि वित्तिका (जेम) जूतरी (जाण) ॥—३३

आंगन-३, दर्वाजा-४ नाम  
अगण अगन आगणू नोरण पोळ (तुलात) ,  
दरवाजी (ओरु दखो वळे) दुवार (बुलात) ॥—३४

द्वार-५, भुजागल-४ नाम  
बलज दुवारो वारणू द्वार वार (दरसात) ,  
आगळ परिघ (र) अरगळा भागळ (फेर भखात) ॥—३५

किवाड नाम  
अरर पट्ट फाटक (अखो कही) कुवाट कमाड ,  
अररि कपाट कवाड (इम कही) कुवाड कवाड ॥—३६

देहली-५, भोपडी कच्चा घर-२, छत-१ नाम

देहळ डेहळ देहळी उवर उवुर (आत) ,  
बलभी गोपानसि (वदो) पटळ (ऊपली छात) ॥—३७

गज-१, कोना-७ नाम

कुटिम (तैलीछात कह) खूणू कूट (अखात) ,  
कोण अन्न पाली (कहो) कोटी अणी (कुहात) ॥—३८

सीढी-४, निसैनी-३ नाम

आरोहण अवरोह (अख सुण) सीढी सोपान ,  
नीसरणी निश्रैणिका (जिम) अधिरोहण (जान) ॥—३९

पेटी-४, भाडू-६, कूडा-३ नाम

मजूसा मजुस (मुण) पेटी पेयी (पेख) ,  
सजवारी (अर) सोवणी (वळे वुवारी (वेख) ॥—४०  
समारजनी सोधणी वहूकरी (वाखाण) ,  
कूडो कचरो अवकर (क जेम) कजोडो (जाण) ॥—४१

श्रौखल-३, मूसल-४ नाम

(आखो) ऊखळ ऊखळी (एम) उदूखळ (आख) ,  
खाडणियो (अर) खाडण्यू मूहळ मुसळ (इमाख) ॥—४२

चालणी-३, सूप-२, चूल्हा-४, हडिया-२, कुम्हार का चाक-३,  
घडा-वेहडा-८ नाम

(लखो) खेरणी चाळणी तितऊ (फेर तुलात ,  
जप) सूपडो छाजळो चूल्हो चुल्लि (चवात) ॥—४३  
अधिअयणी असमत (डम) कु भी चरू (कुडात) ,  
चाक चक्क चक्कर (चवो) वे वेहडो (वुलात) ।  
कुंभ घडो घट निप कळम (तेम) वेवडो (तात) ॥—४४

मटकी-६, अणीठी-४, भाड-२, पीने का पात्र-२ नाम

मटकी गानर माथणी काहेली (प्रकटाय ,  
तेम) कायभी पातळी सिगडी हसनि (सुहाय) ॥—४५

गाडी (डम अगाररी ओर) अगीठी (आण),  
भाड अवरिसक (मणू) पारो चसक (पछाण) ॥—४६

रुई-५, रुई का थंवा-२, पात्र २ नाम

मथ खजक मथान (मुण) रयी भेरणू (आत),  
विसकभक मजीर (बद) भाजन पात्र (भणात) ॥—४७

पर्वत नाम

डूगर पवै पहाड गर भाखर परवत (भाख),  
अग गरिंद मूघर अचळ अद्री मगरो (आख) ।—४८  
गरवर नग सखरी गिरी सानूमान (सुहात),  
सैल कदराकर (मुणू) सानूवाळ (सुणात) ॥—४९

उदयाचक्र-३, अस्ताचल-२, हिमालय-३ नाम

(चवो) उदय पूरव अचळ असत चरमनग (आण),  
उदक) अद्रि हिमवान (अख जेम) हिवाळो (जाण) ॥—५०

कैलाश-२, विंध्याचल-२, बिमलाचल-१ नाम

रजताचळ कैलास (रख) बीभाचळ (वाखाण),  
जळवाळक (तिणनू जपो) सत्रु जय (सूजाण) ॥—५१

सुमेरु नाम

रतनसानु गरमेर (धर) मेरू मेर सुमेर,  
गरापती (अर) हेमगर (पढो) देवगर (केर) ॥—५२

शिखर-४, कराडा-२, पर्वत का मध्य भाग-२ नाम

शृंभ कूट सानू सिखर (कहो) प्रपात काराय,  
(भाखर विचला भाग हू) कटक नितव (कुहाय) ॥—५३

गुफा-३, पत्थर-८ नाम

दरी गुफा गुद कदरा पत्थर सिल पाखाण,  
पूणू भाटो उपल (पढ) पाहण (जिम) पासाण ॥—५४

खान-३, गेरू-२, खड़िया मिट्टी-५ नाम

आकर गजा खान (अख) गेरू घातु (गुणाय),  
खटणी कठणी खडी पाडू (बळे) पुणाय ॥—५५

## लोहा नाम

लोह पारमव लोहडो अय कालायस आत ,  
सिलासार घण पिंड (सुण) ससतर धीन (सुणात) ॥—५६

## तावा-४, सीसा-७ कलई रागा-७ नाम

मुगू उदुवर मेछमुख तावो ताम्र (तुलात) ,  
सीसपत्र सीसो सियो (गडूपद) भव (गात) ।—५७

नाग (हेम) अरि सिस (नरख) अणु कथीर सठ (तेम) ,  
वग (नाग) जीवन (वळे) आलीनक गुरु (एम) ॥—५८

## चादी नाम

रूपो चादी वसु रजत जीवन तार (जगात) ,  
जीवनीय खरजूर (जप) भीरुक सुभ्र (भगात) ॥—५९

## सोना नाम

कचन कुनरा वसु कनक सोनू सुवराण (सोय) ,  
चामीकर चामीर (चव) हाटक अरजुण (होय) ।—६०

सोन्न (अर) हेमग (मुण तेम) भरम तपनीय ,  
जातरूप गारुड (जपो) रजत हेम रमणीय ॥—६१

## पीतल-५, कासा-४ नाम

पीतलोह पीतळ (पढो) आरकूट गिरि आर ,  
खरण चोस कासी (रटी प्रकट वीजळीप्यार ॥—६२

## पारा-६, अभ्रक-२ नाम

पारद पारत सूत (पढ) चळ रस चपळ (चवात ,  
मेह नाम इण रा मुगू) अभ्रक भोडळ (आत) ॥—६३

## कसीस-५, गन्धक-६, हरताल-६ नाम

काससक खेचर कसक कस (र वळे) कसीस ,  
पावकोड सात्रव (पढो) गधक मुलव (गुणीस) ।—६४

सुकपिच्छक दयितेन्द्र (सुण) हरितालक हरताळ ,  
नटमडण पीतन (नरख इम) वगारी आळ ॥—६५

मंनसिल-५, सिन्दूर-३ नाम

सिला रोचणी मैणसल नेपाली कुनटी (ह) ,  
नागरगत नागज (नरख डम) सिदूर (सुईह) ॥—६६

इगुर-२, शिलाजित-४, बीजावेल-६ दूरबीन-चश्मा-३ नाम  
हसपाद (अर) हीगलू गिरिज सिलाजतु (गेय)  
सिलाजीत असमज (सुणू) बीजावोळ (विधेय) ।—६७  
वोळ गधरस सस (वळे) पिंड गोपरस (प्राण) ,  
चसमू (अर) दुरवीन (चव जेम) कुलाली (जाण) ॥—६८

रत्न-४, वैदूर्य मणि-१, पन्ना-४ नाम

माणक वसु (अर) रतन मणि वैदूर्य (वाखाण) ,  
मरकत पन्ना हरितमणि (जिम) गरुतमत (जाण) ॥—६९

लाल-४, हीरा-३, मूगा-३ नाम

पदमराग लछमीपुसप माणिक लाल (मुगात ,  
जतरी अभिवा वजररी सो अर अठै सुगात) ।—७०  
सूचीमुख हीरक (सुणू वळे) वरारक (वोल) ,  
रक्तकद रक्ताग (रख तिम) परवाळो (तोल) ॥—७१

सूर्यकान्त मणि-२, चंद्रकान्त मणि २ मोती ७,

भूषण-६, शृंगार २, राजावर्त हीरा-३ नाम

सूरकात सूरजअसम चदकात मणि (चेत) ,  
मोताहळ सारग (मुण) सुकतिज मुक्ति (समेत) ।—७२  
मुकताफळ मुकता (मुणू) मोती (रसभव माण ,  
रट) आभूषण आभरण गहणू भूषण (गाण) ।—७३  
गैणू (ओरु) (साज गिण वद) सणगार वणात ,  
राजपट्ट वैराट (अख) राजावरत (रखात) ॥—७४

समाप्तोऽथ पृथ्वीकाय



## अपकाय प्रारंभः

दोहा  
पानी नाम

अब तोय दक पै उदक अभ सलल (अर) नीर ,  
पाणी जळ सारग पय वार आप वन छीर ॥—७५

अथाह पानी-२, गहरा पानी-२ नाम

(जेम) अगाध अथाह (जळ) गहर निमन गभीर ,  
ऊडो (फेर) असेवता गैरो वळे) गभीर ॥—७६

साफ पानी-३, पानी का सोता-२, गदला पानी-५ नाम

सुच्छ, अच्छ, परसन्नता (अख) सेवो उत्ताग ,  
अप्रसन्न कलुस (रु) अनछ आविल गुघळो (आन) ॥—७७

बर्फ नाम

अवमयाय प्रालेय (अख) हिम मिहिका नीहार ,  
पाळो हिंव (अर) वरफ (पढ) तूहिन (बळे) तुसार ॥—७८

लहर नाम

लहरी उत्कालिका लहर उरमी वेळ (अखात) ,  
उभल उभेल उभल्ल (डम) भग हिलोळ (भगात) ॥—७९

भवर-४, भाग-५ नाम

(भरण) आवरत (रु) जळभमरण बोलक भूण (वखाण) ,  
फेण समदकप फेन (पढ) भाग डिडीर (सुजाण) ॥—८०

किनारा नाम

कूळ कच्छ रोधस (कहो) तठ (अर) तीर प्रतीर .  
पुलिन (अनै) परताप (पढ धरो) कनारो (धीर) ॥—८१

नदी नाम

सरित तरंगाळी सलत सरता नदी (सुणात) ,  
निरभरणी तटनी धुनी परवतजा (सु पुणात) ॥—८२  
नै सेवळनी निमनगा (सिधु) वाहणी (सोय ,  
धरो) आपगा जळधिया (जिम) जवालनि (जोय) ॥—८३

गंगा नाम

भीसमसू भागीरथी गगा गग (गिरगाय) ,  
सिद्धआपगा सुरसरी देवनदी (दससाय) ॥—८४  
भीसमआयी (फेर भण) मदाकणी (सुगात) ,  
सरितवरा हरसेखरा सुरगीनदी (सुगात) ॥—८५

यमुना नाम

जमना जमुना यमि जमि सूरजमुता (मुगाय) ,  
जगभगनी (ओरू जपो) कालदी (मु कुहाय) ॥—८६

नर्वदा-४ तापी-२ नाम

मेकलाद्रिजा नरमदा (ओर) इदुजा (आत) ,  
पूरवगगा (फिर पढ) तापी तपती (तात) ॥—८७

चम्बल-३, गोदावरी-२ कावेरी-१ नाम

चरमवती चामळ (चवो) रतिनदी (जिम राख ,  
दख) गोदा गोदावरी अरघसुरसरी (आख) ॥—८८

अटक-३, वनास-२, बैतरणी-१ नाम

करतोया (अर) अटक (कह) सदानीर (सरसात) ,  
वासिसठी (ह) वनास (वद) बैतरणी (विख्यात) ॥—८९

प्रवाह-३, घाट-३, नाला-२, बूद-२ नाम

वेणी ओघ प्रवाह (बक) तीरथ घाट वतार ,  
नाळो जळनिरगम (नरख) विदू प्रसत (विचार) ॥—९०

मोरी-३, रेत २, घोरा-२ नाम

परीवाह परिवाह (पढ) मोरी (फिर मुगात) ,  
वालू मिकता बालुका सारण पान (सुगात) ॥—९१

कीचड-७, दाह-४ नाम

कादो गारो पक (कह जप) करदम जवाळ ,  
चीखिल्लक (अर) चीखलो (अख अगाघ) जळवाल ॥—९२

[दाह—क्रमश ] कुआ-६, तालाव-६ नाम

द्रह दह ह्रद (ओरू दवो) अघु ढीमडो (आत) ,  
 कुओ वेरो (अर) कवो कोर तळाव (कुहात) ।—६३  
 सरवर ताळ तडाग सर सरसी (अर) कासार ,  
 (एम) सरोवर (फेर अख) पदमाकर (अणपार) ॥—६४

वावडी ३, खेल-२, तलाई-२, रेंहट २ नाम

वापो वाय (रु) वावडी उपकूपक आवाह ,  
 पुसकरणी खातक (पढो) रेंट (रु) अरट (अणाव) ॥—६५

खाई-३, थावला-२, भरना-४, कुंड-२ नाम

खाई परिखा खातिका आलवाल आवाप ,  
 निरभर कर समि न्रव (नरख) कुड जळासी (काप) ॥—६६

समाप्तोऽय अप्काय .

## अथ तेजस्कायमाह

दोहा

वडवानल-२, दावानल ३, मेघज्योति-२, तुषानल-२ नाम

वडवानळ वाडव (कहो) दावानळ दव दाव ,  
 मेघवन्हि (अख) डरमद कुकुल तुसाग (कुहाव) ॥—६७

उपलों की आग-२, तापना-२, ज्वाला-४ नाम

करीसाग छागण (कहो) ताप (बळे) सताप .  
 भाळ (रु) भळपट (फेर जप) ज्वाळा कीला(जाप) ॥—६८

अगीरा-५, अगीरे की ज्वाला-१, घुआ-८, चिनगारी-१ नाम

उलमुक (अनै) मटीट (अख) अगीरो अगार ,  
 (डम) अलात उतका (अखो) घूम घुवा घू (घार) ।—६९  
 वायुवाह खतमाल (वद) भभ आगवह (भाख) ,  
 दहनकेत (ओरू दखो) अगनीकण (इम आख) ॥—१००

समाप्तोऽय तेजस्काय

## अथ वायुकायमाह

दोहा

पवन नाम

वायु समीरण वायरो मरुत वाव पवमाण ,  
अनिळ महाबळ मेघअरि पवन प्रभजण (आण) ।—१०१  
पच्छिम, उत्तर. दिसपती\* गधवहण जनप्राण ,  
सुचि समीर सामीर (सुण) वात हवा पवनाण ॥—१०२

वृष्टियुक्त पवन-१, प्राण-वायु-१, अपान-वायु-१,

समान-वायु-१ नाम

जाभ (विण्टिजुत वाव जप) प्राण (हिया मे पेख ,  
नरखो पवन) अपान (गुद नाभि) समान (मु देख)—॥—१०३

उदान-वायु-१, व्यान-वायु-१ नाम

(कठदेस माहे प्रकट आखो • सदा) उदान ,  
(सरव देह वरती सदा वोल समीरण) व्यान ॥—१०४

आधी-४, लू-४ नाम

आधी वावळ डूज (अख अर) अधारी (आत) ,  
दवनतपत (इम) भकड (पढ) लू (अर) भकर (लखात) ॥—१०५

समाप्तोऽय वायुकाय.

## अथ वनस्पतिकाय माह

दोहा

वन नाम

अटवि विपिन कातार (अख) दव कानन वन दाव ,  
गहन कक्ष अटवी (गणू बळे) अरण्य (वणाव) ॥—१०६

\* पच्छिम, उत्तर, दिसपति = पच्छिमपति, उत्तरपति ।

## बाग-६, बाहर का बगीचा-१ नाम

अपवन उपवन बेल (अख) बाग बगीचो (बेख ,  
कत्रिमवन) आराम (कह) पोरक (वारै पेख) ॥—१०७

## प्रमदा-वन१, स्थानिक बाग-२, वाडी-१ नाम

(महिप जनाना माहिलो) प्रमदावन (पहचारा ,  
अहाराम निसकुट (नरख) वाढी (फूल बखाण) ॥—१०८

## वृक्ष नाम

तर माखी तरवर तरू द्रुम द्रुमंग (दरसात) ,  
रुख फळद अग रुखडो साळ ब्रच्छ (सरसात) ॥—१०९  
पादप विटपी विटप (पढ) चरणप अगम (चवत) ,  
फूलद छितरूह नग (प्रकट) परणी वसू (पढन्त) ॥—११०

## बेल-६, अकुर-४ नाम

लता बेल बलि' बेलडी बेली ब्रतति (बखाण) ,  
अकुर रोह प्ररोह (अख जिम) अकूर सुजाण ॥—१११

## शाखा-४, जड-३, छाल-३, मजरि २ नाम

साख सिखा साखा लता जटा सिफा जड (जोय) ,  
छाल चोच बलकल (चवो), मजरि मजा (होय) ॥—११२

## पत्र-११, पत्रकी नस-२ नाम

पत्र छदन छद पानडो परण पात दळ पान ,  
वरह पलास (रु) वरग (वद) माढी छदन(समान) ॥—११३

## पुष्प-१०, गुच्छा-२ नाम

सुमनस कुसुम प्रसून सुम फूल मणीवक (पात) ,  
प्रसव सून गुल (अर) पुसप गुच्छो गुच्छ (गिराणत) ॥—११४

## पराग-३, पुष्प-रस-५ नाम

रज पराग (अर) फूलरज मद्यु रस (ओर) मरद ,  
सुमनसरम (सुकवी सुणू मुणू बळे) मकरद ॥—११५

फूले हुए पुष्प नाम

प्रफुलित उतफुल फूल (पढ) विकसत दलित (बुलात) ,  
विकच फुल्ल व्याकोम (वद तेम) विमुद्र (तुलात) ॥—११६

सुगन्ध नाम

गव डमर सूगध (गिरा) वास महक कसबोय ,  
वगर (वळे) वासावळी (जेम) वासना (जोय) ॥—११७

कली नाम

(चव) मुद्रित (अर) सकुचित (नरख वळे) निद्राण ,  
मीलत नहफूलण (मुगू वळो) अफुल्ल (बखाण) ॥—११८

कच्चा फल-२, फल-१, गाठ-२ फलो-५ नाम

आम सलाटू फळ (अखो) ग्रथी गांठ (गिरात) ,  
कोमि बीज सिवा (कहो) सवी समी (सुहात) ॥—११९

पीपल नाम

पीपळ कु जरअसन (पढ) वोधितरू (बाखाण) ,  
कसनावास अस्वत्थ (कह जिम) चळदळ (कवि जाण) ॥—१२०

वरगद-४, गूलर-२, आम-४, मोलसरी-२

अशोक-२, विल्व-२ नाम

वैश्रवणालय वड (रु) वट वहूपाव (वरणाव) ,  
जतूफळ मसकी (जपो) आव रसाळ (अणाव) ॥—१२१  
माकदक सहकार (मुण) केसर वकुल (कुहात) ,  
ककेली (रु) असोक (कह) श्रीफळ वील (सुहात) ॥—१२२

ढाक-४, ताड-३, बंत-२ नाम

त्रीपत्रक किसुक (तवो पळ) पलास पालास ,  
त्रणाराजक तल ताल (तव) वेतस विद्रुल (विकास) ॥—१२३

केला-४, बेरी-३, भाऊ-२ नाम

रभा मोचा केळ (रख) कजळी (फेर कुहात) ,  
बदरी कुवली वोरडी भावू पिचुल (सुभात) ॥—१२४

नीम-३, कपास-३, रुई-२, अडूसा-३ नाम

नीम निव (अर) नीमडो पिचवय (अर) करपास ,  
वादर तूलक तूल (वक) ब्रस अरडूसो वास ॥—१२५

अमलताश-२, वण-२, धूहर-सेहूड-२, पीलू-२ नाम

आरगवघ गरमाल (अख वद) मदार वकारण ,  
महातरु धूहर (मुगू) सिन गुडफळ (मूजाण) ॥—१२६

महुवा-३, चिरोंजी-२, गूगल-२, कदव-२ नाम

महुवो मुवो मधूक (मुगू) चार पियाळ (चवत) ,  
पलकसा गूगळ (पढो) हळिप्रिय नीप (कहत) ॥—१२७

इमली-२ नारंगी-२, हिंगोट-२, ल्हिसोडा-२ नाम

अम्लीका (अर) आमली नागरग नारग ,  
तापसद्रुम इगुदि (तवो) सेलू स्लेसम (अग) ॥—१२८

वीजा-३ भोजपत्रका वृक्ष-२, पाटल-३, तू बी-२ नाम

पीतमाल वीजो प्रियक बहुतुच भूरज (वाल) ,  
पाडळ पाटलि पाटला तुवि अलावू (तोल) ॥—१२९

आवला-२, वहेडा-२, हरड-२, हरड-वहेडा-आवला-१ नाम

वात्री आमलकी (घरो) अक्ष विभीतक (आत) ,  
हरडै (अर) हरीतकी त्रिफळा (तास तुलात) ॥—१३०

वेला-३, चमेली-३, जासूल-३, सोनकुही-१ नाम

पल्ली मलिका मोगरो जाति चमेली (जोय) ,  
जपा जवा जासूल (जग) हेमफूलिका (होय) ॥—१३१

चंपा-२, जुही-२, दुपहरिया-२, करना-२ नाम

हेमपुसप चपक (हुवै) जुही जूथिका (जात) ,  
वधुजीव वधूक (वद) करणा करुण (कुहात) ॥—१३२

जमीरी-३, कनीर-२, विजोरा-२, करीर-२ नाम

जभ जह्येरी जभलक करणिकार कनीर ,  
वीजपूर वीजोर (वक) करकर (वळे) करीर ॥—१३३

एरंड-२, नारियल का वृक्ष-२, कैय-३, इलायची-२- नाम  
पचागुळ एरड (पढ) नारिकर नारेळ ,  
दधिफळ कैत कपित्थ (दख आख) अमायचि एळ ॥—१३४

बांस-४, सुपारी-३ नागरवेल-६ नाम  
मसकर सतपरवा (मुणू) वेणू त्रणधुज (बोल) ,  
पूग क्रमुक गूवाक (पढ) ताबुलवेली (तोल) ॥—१३५  
(नाग नाव आगै निपुण) वल्ली वेल वुलात ,  
नागरवेल तबोळ (नत) तांबूली (सुतुलात) ॥—१३६

केवडा-केतकी-२, कचनार-२ मदार-घतूरा-३ नाम  
क्रकचच्छद केतक (कहो) कोविदार कचनार ,  
घतूरो घतूर (घर वळे) घतूर (विचार) ॥—१३७

गु जा-धु गची नाम  
(कहो नाम जो कनक रा सो इण रा सू जाण ,  
रख) चररू गु जा घती (ओर) कृष्णाला (आण) ॥—१३८

दाख ३, खस की घास २, खस-२ नाम  
दाख हारहूरा (दखी और) गोथणी (आख ,  
बोली) गाडर बीरणी कस (रु) उसीरक (भाख) ॥—१३९

नेत्रवाला-३, लोध-२, पुवाड-३ नाम  
बालक जळ ह्रीवेर (वद) गालव लोद (गणात) ,  
प्रपुन्नाट पव्वाड (पढ और) एडगज (आत) ॥—१४०

कमल की वेल-३, कमल-२२, श्वेत कमल-१,  
लाल कमल-२, गडूल-२ नाम  
नालिनी पकजिनी (नरख और) अणाली (आत) ,  
कमळ कवळ पकज (कहो) विसप्रसून (विख्यात) ।—१४१  
(पंक सवद आगै प्रकट, जनम, ज, रुट, रुह, जाण)\* ,  
सहपात सतपत्र (सुण) पोयण कज (प्रमाण) ।—१४२  
अवज पदम अरविद (इम रख) पुसकार राजीव ,  
तामरस (रु) सारग (तव सुण) सरोज (जळसीव) ।—१४३

\* पकजनम, पकज, पकरुट, पंकरुह ।



सरसीरूह (अर) जळज (सुण) पु डरीक सितपात ,  
कवळलाल (रु) कौकनद उतपळ कुवलय (आत) ॥—१४४

कमल की नाली-३, अन्न-३, चावल-५ नाम

तंतुल विम (रु) अणाल (तव घरो) नाज अन धान ,  
चोखा चावळ साळ (चय) तदुळ अखसत (तान) ॥—१४५

जो-३, चने-२, उदं ३, जवार-२ नाम

जव तुरगप्रिय जो (जपो) हरिमथक चण (होय) ,  
माम मदन नदी (मुणू) जोनळ जीरण (जोय) ॥—१४६

गेहू -३, मू ग-२, कुलत्य २, सावा-२ नाम

सुमन गहू गोधूम (सुण) मुदग वलाट (मुणाय) ,  
कुळय काळव्र तक (कहो) साऊ श्याम (सुणाय) ॥—१४७

अलसी-३, सरसों-२, वाल-भुट्टा-४ नाम

अळस उमा अलमी (अखो) मरस्यू तु तुभ (सोय) ,  
दागी ऊमी वाल (दख जेम) कणीसक (जोय) ॥—१४८

लहसुन-३, प्याज-४, सूरन-२ नाम

ल्हसण अरिष्ट रक्षोन (लख) दीररपत्र (दिखात) ,  
प्रजन कादो प्याज (गिण) सूरण कद (सुहात) ॥—१४९

कुम्हडा-२, तुरई-१ ककडी २, मूली-२ नाम

कूममाड करकारु (कह) कोसातकी (कुहात) ,  
करकटिका (अर) करकटी सेकिम मूळ (सुहाय) ॥—१५०

अदरक-४, सरकडा-५ नाम

अद्रक आदो आरद्रक शृ गवेर (सरसात ,  
कहो) गुद्र सर सरकना तेजन मूज (तुसाय) ॥—१५१

कुशा, दुर्भा-४, दूव ६ नाम

दरव डाभ कुस कुथ (दखो) हरिताली रूह (होय) ,  
दोभ अनता दूरवा सतपरवीका (सोय) ॥—१५२

गन्ना-५, गन्ने की जड-१, कास-२ नाम

ईख ऊख डच्छू (अखो सो) असिपात रसाळ ,  
मोरट (जिण रो मूळ है) कांस इसीका (भाळ) ॥—१५३

घास-५, नागरमोथा-२, उपल (घास)-२ नाम  
जवस घास त्रण खड (जपो) अरजुण (ओरू आत ,  
मेघनाम मुसता (सुगू) बलवळ उपल (बणात) ॥—१५४

समान्प्रोऽय पृथिव्याद्योकेन्द्रियादौ वनस्पतिकाय.

### अथ द्वीन्द्रिया नाह

क्रीडा-४, सूक्ष्म कीडा-१, शरीर के कीडे-१,  
बाहर के कीडे-१ नाम

क्रमी कीट कीडो किरम (मुच्छम) कीकस (जाण ,  
वेरमाहि) नीलगु (वद बारै) छुद्र (वखारण) ॥—१५५

लकडी के कीडे-१, कंचुवा-२, गिजाई-२,  
जोक-८, सीप-२ नाम

(कह) घुण (कीडो काटरो) किंचुल कुसू (कुहात) ,  
गज्जायी गडूपदी असपीवणी (आत) ॥—१५६  
जळसपणी जळशोक (जप) जळालोक जळजात ,  
जोख जळूक जळोक (जिम) मुक्ती सीप (सुहात) ॥—१५७

शख-५ घोघा-२, कीडी २, नाम

वारिज कवू सख (वक) तीनरेख दर (तोल) ,  
साखूल्या सवूक (सुण) कोडि -बराटक (बोल) ॥—१५८

उक्ता द्विन्द्रियाः

### त्रीन्द्रियानाह

चीटा-३, चींटी-१, दीमक-४ नाम

चीटो पील मकोट (चव) चींटी (नाव चवात) ,  
उपजीहा उपदेहिका दीमक दीम (दिखात) ॥—१५९

लोक-३, जू-२, गोवडी-२, गोवड़ा-१ नाम  
लिकसा रिकसा ल्हीक (लख) जू खटपदी (जणात),  
गीगोडी गोपालिका गोमयजात (गणात) ॥—१६०

खटमल-३ वीरवहूटी-४ नाम  
माकण मतकुरण किटिभ (मुण, वीर वहोडी) (वेख) ,  
वुड्ढन मामूल्यो (बळे) इदगोप (अवरेख) ॥—१६१

उक्तास्त्रीन्द्रिया.

## चतुरिन्द्रियानाह

मकड़ी नाम

जाळकार जाळिक (जपो) ऊरणनाभ (अखात),  
मरकट लूता माकडी लालासाव (लखात) ॥—१६२

विच्छ-३, डक-१, भौरा-वर-१०, जुगनू-३ नाम  
वीछू द्रुण आली (चदो) अलि (तिण पू छ अणात) ,  
भंवर भसळ अलि भ्रमर (भण) भू रो भमर (भणात) ।—१६३  
चचरीक सारग (चव) मधुकर मधुप (मुणाय) ,  
जोरिगण जोरिगणू (मो) खद्योत (सुणाय) ॥—१६४

मधुमक्खी-२, शहद-३, भोम ३, भोंगर-४, टिड्डी-१,  
पतग-१, तितली-२, डास-२ नाम

मरधा मधुमाखी (सुणू) सहत सैत मधु (सोय) ,  
मदन मैण मधुऊठ (मुण) भोंगर भिल्ली (होय) ।—१६५  
चीरी भ्रगारी (चवो) सलभ पतग (सुणाय) ,  
तवो) पुत्तिका तीतरी दसक डास (दिखाय ॥—१६६

मक्खी-१, मच्छर-२, पशु-२, हथिनी-५ नाम  
माखी माछर ममक (सुण) ढाढो पसू (पढाय) ,

उक्तापचतुरिन्द्रिया.

## पंचेन्द्रिया नाह

वसा गजी हथरणी (वळे) इभी करेणू (आय) ॥—१६७

### षट्पात

मकना हाथी-१, पाच वरस का हाथी-१, दस वरस का-१,  
वीस वरस का-१, तीस वरस का-१, मस्त हाथी-३,  
मतवाला हाथी-२, तिरछी चोट करने वाला हाथी-१ नाम

(दुरद समे पर दत वळे नह ऊचा अगरो),  
मतकुण (नाम मुणात) बाळ (गज पच वरसरो) ।  
वोत (बरस वढहु) बिकक (गज वीस वरस वर),  
कलभ (नाम करटी सु तीस जाणू संबच्छर) ।  
मत्त(रु)प्रमिन्न गर्जित (मसत)मदउतकट मदकल(मुणू,  
तिरछी मु चोट करवै तिकण परिणत) दतावळ(पुणू) ॥—१६८

### छद पद्धतिका

मद्र उतरा हुआ-३, यूथपति हाथी-३ नाम

उदवात अमद निरमद(अखात उतर्या मद इभरा नाम आन),  
जूथप मतगपति जूहनाह (तवेरम टोळापति तथाह) ॥—१६९

युद्ध के लिये सज्जित हाथी-२, छुष्ट हाथी-१ नाम

(इभ जुद्ध निमित्तक किय तयार) सज्जित (अर)

कल्पित (नाम सार,

माने नह अकुस जो मतग गभीर) वेदि (नामक अभग) ॥—१७०

डुष्ट हाथी-१ जवान हाथी के लाल दाग-१ युद्ध योग्य

हाथी-१, राजा की सवारी का-२ नाम

(आरण जो होवै दुसट)व्याल(जो)पन्न(करी व्हे विदुजाल,  
समरोचित गज जो व्हे)सनाह्य उपवाह्य भूपगजराजवाह्य ॥—१७१

(लघे बातवाला-२, हाथी कामद-३, हाथियों की

रचना-१ नाम

(दती)उदग्र(ईसा) सुदत (जिण रै रद लवा सो भजत),

मद दान प्रवृत्ति (क गमद जाण अरणपार) घडा

(गज नाम आण) ॥—१७२

हाथी की सू ड-५, सू ड की नोक-२ नाम

हसतीनासा कर हसत सुडा सूड (सुरात ,  
इरा रो अग्रक आख इम) पोगर पुसकर (पात) ॥—१७३

नोक के आगे की अगुली-१, हाथी का कधा-२, हाथी का  
दात-१, कान का मूल-१, हाथी का ललाट-१, सू ड  
का पानी-१, आखो के ऊपर का भाग-१ नाम

(गै पोगर री आगळी एक) करणिका (आत),  
आसण (गै असक अखो दत) विसाण (दिखात) ॥—१७४

(लख कन मूळक) चूलिका (गै ललाट) अवगाह ,  
(करसीकर) वमथू कहो आखकूट (इसिकाह) ॥—१७५

मस्तक कु भ-१, कु भ के बीच का भाग-१ कु भ के नीचे का  
भाग-१, विदु के नीचे का भाग-१ नाम

(पिड दुगै धू) कु भ (पट बीच कु भ) विदु (तोल) ,  
आक्षरक (दुव कु भ अध) वातकु भ (अधबोल) ॥—१७६

वातकु भ के नीचे का भाग-१, वाहित्य के नीचे का भाग-१  
आख का कोया-१, हाथी बाधने का स्तभ-१ नाम

इरा रै अध) वाहित्य (अख तिरा हेठै) प्रतिमान ,  
(इभ) निरयाण (अपाग अख इभ बध थभ) आलान ॥—१७७

पू छ का मूल-१, अकुश से रोकना-१, महावत का पैर  
हिलान -२ नाम

(पू छ मूल) पेचक (पढो अकुस रोकण) यात ,  
(अखपैकरम) निसादियत व्रीत (नाम दुव आत) ॥—१७८

अकुश की नोक-१, होद कसने का रस्सा-२ फधे का  
रस्सा-२ नाम

(अकुस अग्र) अपण्ठ (अख) वरत वरत्रा (बोल) ,  
कठवधण कठवध (कह तेम) कलापक (तोल) ॥—१७९

श्वेत घोडा-२, श्वेत पिगल-१ नाम

(ह्य धोळो सब होय तो कहो) करक काका (ह) ,  
धोळो पिगळ रग धरै गूढ असन) खोगा (ह) ॥—१८०

पीला घोड़ा-१, दूधिया घोड़ा-१, काला घोड़ा-१

लाल घोड़ा-१ नाम

(पीत रग हय) हरिय (पढ रग दूध) सेराह ,  
(कसनरग) खु गाह (कह यू रग) लालकियाह ॥—१८१

काली पिडलियो का स्वेत घोड़ा-१, कावरा घोड़ा-१ नाम  
(जघ कसन सित व्है जरा उग रो नाम) उराह ,  
(गिगू कावरो रग मव हय रो नाम) हलाह ॥—१८२

षट्पात्

कपिल रग का घोड़ा-१, अयाल व बालछा श्वेत रग वाला त्रिगूह-१,  
काले घुटने वाला पीले रग का-१, पीत रक्त व  
कृष्ण रक्त-१, नीला-२, गुलाबी-१ नाम

(रग कपिल रो वाज होय तिगानू) त्रिगूह (कह ,  
(याल पू छ अवदात जपो) वोलाह (नाम जह ।  
पढ) कुलाह (रग पीत जरा जानू सित जिगरै ,  
पीतरगत) उकनाह (तुच्छरग धूमर तिगरै ।  
सब देय रग नीलो सरस) आनील (मु) नीलक अखो ,  
रेवत रग) पाटल (सरव वो रु खान नामक रखो) ॥—१८३

दोहा

पीत हरित-२, काच जंसा श्वेत-१ नाम

(हरित पीत रग होय जो) हालक हरिक (सुहात ,  
श्वेत काच रा रग सम) पिगुल (नाम पढात) ॥—१८४

घोड़ों के खेत नाम

(घरू देस सबध सूं साकुर नाम सुरात) ,  
बनायुज (रु) बाल्हीक (बलि) पारशीक (सु पुरात) ॥—१८५  
सिधूभव कावोज (सुरा) खुरासाण तोखार ,  
गोजकारा केकारा (गिरा घर) भाडेज (सुधार) ॥—१८६

बछेरा-३, वेगवाला-२ नाम

(अलप) अवसथा वाळ (अस प्रकट) किसोर पढात ,  
जव जिगामै घणव्है जिको) जवन जवाधिक (जात) ॥—१८७

जातवत घोडा-१, अच्छा चलने वाला-१ नाम

(जात) खेत जो व्हे तुरी) आजानेह (अखात ,  
साधु फिरै चालै सदा सो) विनीत (सरसात) ॥—१८८

बुरा चलने वाला १, अष्ट-मगल-१ नाम

(बुरो फिरै चालै विरस) सूकल (नाम सुणात ,  
उर खुर मुख कच पुच्छ सित) मगलअष्ट (मुणात) ॥—१८९

पचभद्र नाम

(पूठ हियो मूढो प्रगट दो पसवाडा देख ,  
जिण हयरै घोळा जिको) पचभद्र (तू पेख) ॥—१९०

हाथी की सकल-४, हाथी का कपोल-४

बाघने व पकडने का स्थान-१ नाम

अद्रुक (अर) हिंजीर (अख) साकळ निगड (सम्हारि) ,  
करट कपोल (रु) गंड कट (वघणगज) भू वारि ॥—१९१

हाथी की चार जात-४ घोडी-५ नाम

भद्र मद अग मिश्र (भण जात चार गज जोय) ,  
घोडी बडवा घोटकी हयी तुरगी (होय) ॥—१९२

पूछ-५, खच्चर-३, खुर-२ नाम

पूछ मुराला पुच्छ (पढ) लूम (अने) लंगूल ,  
वेसर खच्चर वेगसर सफ खुर (पांव सुमूल) ॥—१९३

गधा नाम

गधो गधैडो खर (गिरा) रोडीराव (रखाह) ,  
लंबकरण रासभ (लखो बळे) सीतळावाह ॥—१९४

ऊट नाम

सढो पागळ साढियो ऊट टोड गध (आण)  
मुणकमळो पाकेट सल जाखोडो सल (जाण) ॥—१९५  
करहो जूग करेलडो नसलबड कुळनास ,  
कटकअसण गडग (कह लघण) दुरग (हुलास) ॥—१९६

भोळि क्रमेलक भूतहन दायककुल दासेर,  
महाअंग बीसंत (मुण) प्रियमरू रवणक (फेर) ॥—१६७

बेल नाम

वैल ब्रखभ ब्रस गो बळद घोरी घवळ (घरेह,  
गरू) साकवर डागरो अनडुह भद्र (अणोह) ॥—१६८

साढ-३, बछडा-६ नाम

आकल नोपत मदक (अख) तरण जैगडो (तोल),  
वच्छो वतसर वाछडो (वळे) टोगडो (बोल) ॥—१६९

बैल का कुब्बड-२, सोंग-२, गाय-१०, भैस-४ नाम

असकूट कुकुदक (अखो) सीग विसाराण (सुहात),  
सीगाळी सुरभी सुरै तवा घेन (तुलात) ॥—२००  
(पढ) तपा (रु) नलपिका गो माहेयी गाय,  
लालचखी महखी (लंखो) भैस हिडवी (भाय) ॥—२०१

भैसा नाम

भैसा जमवाहरण (भरू) महखो महिख (मुणाय),  
वाहरणअरी जरत (जप लखो) हिडव लुलाय ॥—२०२

वकरी नाम

(कहो) वाकरी वोकडी छाळी छागी (होय),  
अजा टाट मंजा (अखो ज्यू ही) वुज्जी (जोय) ॥—२०३

वकरा नाम

छाळो वुज्जो अज छगळ छग वकरो पसु छाग,  
वोक वसत तभ वोकडो वरकर वक्कर (वाग) ॥—२०४

भेड नाम

गाडर लरडी गाडरी मेसी भेड (मुणोय),  
रुजा रूगटाळी कुररि हुडी घटोरी (होय) ॥—२०५

मंडा नाम

ऊरण मीढो हुड अवी घेटो मेस घटोर,  
(गिरू) रुवाळो गाडरो एडक भेडो (ओर) ॥—२०६



## गोवर-४, उपला-कडा-४ नाम

गोवर गोमय गायत्रिट भूमोलेप (भरोह),  
छाणा कडा (अर) छाणा (एम) करीस (अरोह) ॥—२०७

## कुत्ता नाम

कुत्तो लट्टो कूकरो म्वान भसण सुन (मोय),  
कुरकुर मडळ कूतरो (जेम) टेगडो (जोय) ॥—२०८

## सिंह-३१, भूखा सिंह-६ नाम

करीमार हरि केहरी नखआवध वनराव,  
वाघ सेर लकाळ (वद राख) दुछर अगराव ।—२०९  
महानाद नाहर मयद अगराजा (रु) अगेस,  
सारदूळ (अर) सीघळी नखि भाखरानरेम ।—२१०  
मीह सिघ सारग (सुण) कठीरव कठीर,  
मरगराज अगराज (मुण) केहर नार कठीर ।—२११  
मादूळो अगयद (सुण) अघप डाखियो (आख,  
वळे) अघायो वाघलो भूखो वेगळ (भाख) ॥—२१२

## तेंदुआ, चीता-४, अष्टापद सिंह-४ नाम

राखदुपी (अर) वरगडो चित्रक चीतो (होय),  
अष्टापद कुजरअरी सरभ आठपग (सोय) ॥—२१३

## भालू-४, जरख-४ नाम

अच्छभल्ल भालूक (अर) भल्लक भाल (भरोह),  
डाकण-वाहण अगडचण जरख तरच्छु (जरोह) ॥—२१४

## रोझ-३, मंडा हाथी-२, सूअर-२० नाम

रोझ गवय वनगव (रखो) खडगी खडग (अखाह),  
कोडी कोलो गिड कवल (रख) वराह वाराह ।—२१५  
(भण) भाकररोभोमियो टू डाहळ टू डाळ,  
दातळल जेखल (दखा) डाढवाळ डाढाळ ।—२१६  
भूदारक गिडराज (भण) मूकर सूर (सुणाय),  
थूळनास बहुप्रज (तथा) मुखलागळक (मुणाय) ॥—२१७

गीदड नाम

गीदड जवुक गादडो स्याल्यो भरुज सियाळ ,  
भूरिमायु गोमायु (भरण गण) फेरड खगाळ ॥—२१८

भेडिया-३, लोमडी-४, खरगोस-७,  
सेही-३, लगूर-१२ नाम

वरी भेडियो वरगडो लूगती (रु) लूका (ह ,  
लखो) लूकडी नूमडी मुसल्यो दात्यो (साह) ॥—२१९  
सुसो मुभकल्यो मम (वळे गण) सूळिक खरगोम ,  
सेही हेडी सेयली प्लवग प्लवगम (पोस) ॥—२२०  
साखाम्रग कप कीस (सुण) माकड कपी मुणात ,  
वनचर मरकट वांदरो हरि लगूर (कुहात) ॥—२२१

हिरण-८, गोहरा-४, छिपकली-६ नाम

म्रग कुरग (अर) मरगलो (कह) सारग छकार ,  
हिरण (वळे) आहू हरण गोवेरक गोघार ॥—२२२  
(इम) विसखपरो गोहिरो पल्ली मुमली (पेख) ,  
छावक विसमर छिपकळी (दुरस) गरोळी (देख) ॥—२२३

गिर्गट-४, भाऊ-३ नाम

कणगेट्यो किरकाट (कह) सरट सयानक (मोहि ,  
गिण) संकोची गातरो जाहक भावू (जोहि) ॥—२२४

त्रहा-५, छछूदर-२, नोल्या-५ नाम

आखू मूसक ऊदरो मूसो खणक (मुणात) ,  
छछूदरी चखचूदरी सरपाऽऽहार (सुणात) ॥—२२५  
(अह) नोल्यो पिगळ नकुल बभ्रू (और विचार) ,  
ओतु विडाळ विलाव (अख) मारजार मजार ॥—२२६

सपं-०२, जहर-११, नशा २ नाम

साप उरग विखहर मरप पनग दुजीह पनग ,  
अही फणी सारग अह भमग भुजग भुयग ॥—२२७  
काळदार अहि व्याळ (कह) काकोदर (जिम) काळ ,  
चाल्ह भुजगम भुजग (जव) गरळ हळाहळ गाळ ॥—२२८

बखम कुटक (जिम) जहर विख काळकूट (कह तात) ,  
विरसन गर रससार (वद) मादक गहळ (मनात) ॥—२२६

डुमुही सर्प-२, अजगर-२, डिडिभ-२, निविष सर्प-२ नाम  
राजसरप दम्मी (रखो) अजगर वाहस (आख) ,  
जळव्याळ अलगरद (अख) दूदुह दुदुह (दाख) ॥—२३०

नाग-२, नागपुरी-१ वासुकी नाग-२ वासुकी रग २ नाम  
काद्रवेय (अर) नाग (कह) भोगावति (पुरिभाख) ,  
सरपराज वासुकि (सुगू इग रो रग) सित (आख) ॥—२३१

#### सर्पिणी नाम

(पढो) फुगाळी सरपणी काकोदरी (कुहात ,  
गिरगू ) भुजगी नागणी सपणी (वळे सुहात) ॥—२३२

फन-३, सर्प की देह-२, सर्प की डाढ-१, कृत्रिम विष-३ नाम  
भोग फटा दरवी (प्रभरा कहो) भोग अहिकाय ,  
आसी (इगारी डाढ अख) विस गर चार (वताय) ॥—२३३

#### शेषनाग नाम

पन्नगीस अहपत फणी अनत तखग अहराव ,  
-सेस फुगाळी वासक (र) नागराज (घरा आव) ॥—२३४  
घराघार पुहवीघरण बखघर नाग (बखारा) ,  
संहसदोयचख (अर) श्रवण आलुक भोगी (आरा) ॥—२३५

उक्तास्थलचरा पचेन्द्रियाः



### खचरान्पंचेन्द्रियानाह

#### पक्षी नाम

विहग विहगम खग वि वय सुकुनी सकुन (सुगात) ,  
दुज पतग (पर) पतग द्विज अडज पछी (आत) ॥—२३६

#### चोंच-५, पख-४, पखों का मूल-१ नाम

चांच चंचु चचू (तवो) त्रोटि सपाटी (तेम) ,  
पिच्छ पच्छ छद पत्र (पढ जपो) पच्छति (जेम) ॥—२३७

अडा-३, घोसला-२, मोर-१२ नाम

अड पेसिका कोस (अख सुण ज्यो) आळ घुसाळ ,  
मोर्यो मोर मयूर (मुण) अहिभक वरही (आळ) ॥—२३८  
(रखो) कलापी मोरडो सिखी मिखडी (सोय) ;  
नीलकठ केकी (नरख जिम) सारग (क जोय) ॥—२३९

कोयल नाम

कोयल कोकिल पिक (कहो) वनप्रिय परभ्रत (बोल) ,  
काकपुसट सारग (कह) तावालयण (तोल) ॥—२४०

तोता नाम

लालचाच फळयदन (लख) तोतो कीर (तुलाट) ,  
मुवो मुंवटो सुक (सुणू) सूडो (वळे सुणात) ॥— २४१

मंन-३, कर्लिंग-२, हूका-२, जीवजीव-१ नाम

सारू मैणा सारिका भृंग कर्लिंग (भणात ,  
कोलाली) कुक्कुट कुहक जीवजीव (जणात) ॥—२४२

हस नाम

सितछद मानसत्रोक (सुण) धीरट (अर) घवलग ,  
(लखो) मुराल मराल (है रखो) हस सारंग ॥—२४३

पपीहा नाम

नभनीरप चात्रग (नरख) चातक (फेर चवात) ,  
पपीहो (र) सारग (पढ) वावव्यो (विख्यात) ॥—२४४

कौआ नाम

काक काग द्विक कागलो वायस करट (वुलात) ,  
इकलोयण वलिभुक (अखो तिम) घूकारि (तुलात) ॥—२४५

जलकौआ-१, उल्लू-६, मुर्गा-४ नाम

(जळवायस) मदगू (जपो) वायससात्रव (बोल ,  
दिवसअघ घूघू (दखो तेम) अलूक (सुतोळ) ॥—२४६  
घूक रातराजा (घडो) ताम्रचूड (कह तात) ,  
ककवाकू (अर) कूकडी चरणायुधक (चवात) ॥—२४७

चकवा-४, टिटहरी-३, चिडिया नर-२ नाम  
कोक रथागाभिध (कहो) चक्रावक चक्रावक चकवाह ,  
टीटोडी टिट्टिभ टिटिभ चटक कुर्लिंगक (चाह) ॥—२४८

बुगला-२, ककपक्षी-२, चील-६, शेनपक्षी-३, गिद्धिनी-७  
चिमगादर-२, बडी चिमगादर-२, आड-२ नाम  
वक बुगलो (रु) वटोक (वद) कक (रु) ढीच (कुहात ,  
बदो) कावळी सावळी समळी चील (सुहात) ॥—२४९  
आतापी सुनखी (अखो) सेन ससाद सिचाण ,  
ग्रीधण खग दुज ग्रीधणी पखण (फेर पढाण) ॥—२५०  
दूरनैण रातग (दख) चरमचडी चमचेड ,  
वागळ मुखविमटा (बदो) आटी आड (सुण्ड) ॥—२५१

कवूतर-३, कमेडी व पडुकी-२, छोटी पडुकी-३  
कावर, गुरगल-२, चिडिया मादा-३, चकोर-३  
रूपारेल-१, तीतर-२, बया-२ नाम  
पारावत (रु) परेवडो कलरव (फेरु कोप) ,  
आखालाल कपोत (अख) होलड ड्रैकड (होप) ॥—२५२  
कम्मेडी गुरगळ (कहो) कावर (फेर कुहाय) ,  
चडी चुडकली (अह) चटी विखसूचक (पुलवाय) ॥—२५३  
चळचचू (रु) चकोर (चव) भारद्वाज (भगोह) ,  
तीतर (अर) खरकोण (तव) बीयो सुघर (बगोह) ॥—२५४

उक्ता एचरा पचेन्द्रिया

## जलचरान् पंचेन्द्रिया नाह

मच्छली नाम

मच्छ मीन भख तिम (कहो) सवर सळकी (सोय) ,  
प्रथुरोमा थिरजीह (पढ जिम) वंसारिण (जोय) ॥—२५५

मगर-३, जलमानस-२, मगर-४ नाम

मकर नक्र(अर) मक्र (मुण) माणस (जळ) सिसुमार ,  
ततुनाग ततुण (तवो) वरुणपास अवहार ॥—२५६

कंकडा-४, कछुआ-४ नाम

मोळपगो करकट (मुगू) कुरचिल (और) कुलीर ,  
कच्छप कूरम कमठ (कह धरो) डुलीसुत (धीर) ॥—२५७

मंडक नाम

भेक डेडरो हरि (भगू) प्लवग डेडको (पेख) ,  
वरसाभू मडूक (वद) दादुर दन्दुर (देख) ॥—२५८

उक्ता जलचरा पचेन्द्रियाः



नरक मे गिरे हूए-४, पीडा-२, वेगार-२ नाम

नारक अतिवाहिक (नरख) प्रेत परेत (पिछारा) ,  
अतपीडा (अर) यातना आजू विसटी (आण) ॥—२५९

नरक-४, पाताल-७ नाम

निरय नरक नारक (नरख) दुरगत (औरू दाख) ,  
बडवामुख बळसदन (वक) अधोभुवन (इम आख) ॥—२६०  
नागलोक (फेरू नरख पढो वळे) पाताळ ,  
(राख) रसातळ (इम रिधू परगट पढो) पयाळ ॥—२६१

छिद्र-६, गढ़ा-४ नाम

रोप रघ्न विल विवर (पढ) छेद छिद्र (उच्चार) ,  
अवट, गरत दर सुन्न (अख विल भू रो विसतार) ॥—२६२

जगत-१५, जन्म-७ नाम

लोक भुवन जगती खलक आलम भव दुनियाण ,  
जग जिहान दुनिया जगत (जिम) समार (सुजाण) ॥—२६३  
विस्व दुनि सँसार (वद) उतपत पैदा (आख) ,  
जनम जणी उतपन जगाण भव उतपत्ती (भाख) ॥—२६४

सास-३, उसास-१, निसास-४ नाम

सांस मुवास (र) स्वास- (सुण मुणज्यो फेर) उमास .  
वहिरमूह रातन (वको) निस्वास (र) नीसास ॥—२६५

## सुख-४, दुःख-६ नाम

सात निरव्रती सरम सुख आरति दुःख आभीन ,  
कछर प्रसूतिज दुःख कसट असुख वेदना (ईल) ॥—२६६

## आधि-१, व्याधि-१, मंदेह-७, दोष-३ नाम

आधी (मनरी आरती) व्याधी (तनरी वेख),  
ससय (डम) सदेह (सुण) द्वापर ससै (देख) ॥—२६७  
आरेक (रु) सासै (अखो) विचिकितना (त्राखाण),  
दोस (अनै) आश्रव (दखो जिम आदी) नव (जांण) ॥—२६८

## स्वभाव-८, स्नेह-५, समाधि-४, धर्म-२, पूर्व कर्म व प्रारब्ध-३

## पाप-१०, अभिप्राय-५ नाम

प्रकृत रीत लच्छण (पढो) सरज मरूप सुभाव ,  
शील (वळे) ससिद्धि (सुण) हारद प्रेम (सुहाव) ॥—२६९  
प्रीती प्रीत सनेह (पढ अख) समाधि अवधान ,  
समाधानं प्रणिधान (सुण) सुकृत धरम (सुजान) ॥—२७०  
श्रेय पुण्य ब्रस (फेर सुण) दैव भाग विधि देख),  
कलक पाप अघ पंक (अख) पातक दुसकत (पेख) ॥—२७१  
(लखो)दुरित कळमस कळुस असभ अह तम(आख),  
अभिप्राय आसय (अखो) भाव छद मत (भाख) ॥—२७२

## शीत-१२ नाम

जड़(जिम) सीतळ सिसिर(जप)सीत ठड सी(सोहि) ।  
हेम तुखार सुमीम हिम जाडो पाळो (जोहि) ॥—२७३

## उष्ण-७, कडा-६, नर्म-२, मधुर-४ नाम

उन्हू तीछण खर उसण नीत्र चड पटु (तेम) ,  
कक्खट करकस क्रूर (कह जप) कठोर द्रढ (जैम) ॥—२७४  
कठण जरठ खर परस (कह) कोमल अदु (कुहात) ,  
रसजेठो (अर) मधुर (मुण) स्वादू स्वाद (सुहात) ॥—२७५

## खट्टा-३, खारा-२, कडुवा-४ नाम

पाचन (खाटो अमल (पढ) लवण सरवरस (लेख) ,  
मुखधोवण कडवो (मुणू) ओसण कटु (अवरेख) ॥—२७६

कसेला-३, चरपरा-२, सफेद-१२ धूसररग-१ नाम

तोरो तुवर कसाय (तव) चरको तिकत (चवात) ,  
घवल सेत सित विसद (धर) अरजुण सुचि अरदात ।—२७७  
घोळ सुकळ पाडू (धरो) पांडुर गोर (पढात ,  
कचित घोळा) रगनू धूसर (नाम घरात) ॥—२७८

पीला-३, हरा-५, कवरा-६ लाल-५ नाम

पीतळ पीळो पीत (पढ लखो) सवज पालास ,  
(राख) हर्यो हरियो हरित (मुण)करवुर कळमास ।—२७९  
सवळ चित्र चित्रक (मुणू अवर) कावरो (आख) ,  
लाल रगत लोहित (लखो) रोहित सोणक (राख) ॥—२८०

नीला-काला-६, लाल-पीला मिला हुष्पा-४ नाम

(सुणू) नील काळो असित सावळ मेचक स्याम ,  
(पीत रगत) पिंजर (पढो) पिंग कपिल हरि (पाम) ॥—२८१

शब्द नाम

सवद धुनी सुर रव ( सुणू ) निनद घोस रुत नाद ,  
आरव ध्वान विराव (डम) ह्याद स्वान निह्हादि ॥—२८२

सप्तस्वर नाम

सडज रखभ गधार (सुण) मद्धम पचम (मान) ,  
धैवत (निखध) निखाद (ये सातू मुर-सूजान) ॥—२८३

कोलाहल-२, हिनहिनाना-२, रभाना-३, चहचहाना-२ नाम

कोलाहल कळकळ (कहो) हेसा हीस (सुहात) ,  
रभा हभा गायरव कूजित विवर (कुहात) ॥—२८४

पक्ति-४ जोडा-७ नाम

माळा तति राजी (मुणू लेखा) वीथि (लखाय) ,  
जुगल हुतिय द्वै दुद जुग यामल जुगम (अखाय) ॥—२८५

बहुत-१०, थोडा-८, मूकम-२, लेश-३, लबा-२ नाम

भोत प्रचुर पुसकळ बहुत वोत घणा (वाखाण) ,  
भूरी भूय अदभ्र बहु तोक तुच्छ तनु (जाण) ।—२८६



अल्प छुद्र कस दभ्र अरागु पेलव सुच्छम (पेख) ,  
लेस (अने) तुट कण (लखो) दीरघ आयत (देख) ॥—२८७

ऊ चा ५, नीचा-४, छोटा-२ नाम

तु ग उच्च उन्नत (अखो) ऊचो उच्छित (आत) ,  
नीच कुवज वावन खरव लघु (अर) ह्रस्व (लखात) ॥—२८८

चौडा-७, विस्तार-३ नाम

व्यूढ विपुल गुरू महत बहु प्रथुळ विसाल (पढाव) ,  
व्यास (बळे) विसतार (वक इम) आभोग (अढाव) ॥—२८९

सक्षेप-४, टुकडा-६ नाम

समाहार सक्षेप (सुण) सग्रह (बळे) समास ,  
अघर खड खडळ (अखो) भित्त विहड दळ (भास) ॥—२९०

विभाग-६, पवित्र-५ नाम

वाटो भाग विभाग वट वट अस (निख्यात) ,  
पावन पुण्य पवित्र (पढ) पूत पवित्तर (पात) ॥—२९१

मैला-५, निर्मल-११, साम्हेने-३, घुला हुआ-२ नाम

मैलो कळमम मळीमस कच्चर मलिन (कुहात) ,  
उजवळ ऊजळ ऊजळो सुचि सुच विमळ (सुहात) ।—२९२  
सुघ विसुद्ध निरमळ (सुणू आख) विसद) अवदात ,  
समुखीन अभिमुख समुह साधित घौत (सुणात) ॥—२९३

खाली-५, सघन-५ नाम

रिक्तक रीतो रिक्त (रख) सूनू तुच्छ (सुरोह) ,  
निविड निरतर घन प्रभण अविरळ गाड (अखेह) ॥—२९४

नया-४ पुराना-५, जंगम-१, थावर-१ नाम

नूतन नवो नवीन नव प्रतन (रु) जरत पुराण ,  
(रखो) पुरातन जीरण (क) जगम थावर (जाण) ॥—२९५

निकट-७, वाका-टेढा-७, चचल-६ नाम

नीडो निकट सनीड (इम) सविध समीप (सुहात) ,  
सनिधान आमन्न (मुण) कु चित कुटिळ (कुहात) ।—२९६

वक्र वाक (अर) वाकडो वेल्लित नमत (सुबोल) ;  
चळ चचळ अणथिर चपळ तरळ चळाचळ (तोल) ॥—२६७

अकेला-५, पहिला-७, पिछला-५, विचला-२ नाम  
एकाकी एकक (कहो) अवगुणा हेकल एक,  
पहलो आदिम आद (पढ वळे) प्रथम (सविवेक) ॥—२६८  
पूरव परथम अग्र (पुणा) अतिम अत (सु आख),  
चरम (रु) पच्छिम पाछलो माभर मद्धम (भाख) ॥—२६९

वीच-४ सादस्य-६ नाम

विच विचाळ (अर) वीच मभ (कह) उपमा अनुकार,  
ककसा (अर) उपमान (कह) उणियारो उणहार ॥—३००

प्रतिविब-५, प्रतिकूल-४ नाम

विब च्छद प्रतिविब (वद) प्रतिनिधि प्रतिमा (पेख),  
प्रतिलोमिक प्रतिकूल (पढ) वाम प्रतीप (बिसेख) ॥—३०१

निरकुश-३, प्रकट-३, गोल-३ नाम

उच्छखळ उट्टाम (अख एम) अनरगळ (आख),  
प्रकट व्यक्त उलवणा (पढो) वरतुल गोळ (विभाग) ॥—३०२

भिह्व-३, मिला हुआ २, अंगीकार-३ नाम

जुदो भिन्न इतरत (जपो) मिश्रित मिसिर (मुणात),  
अग्रीकत प्रतिश्रुत (अखो) सश्रुत (वळे सुणात) ॥—३०३

रक्षित-५, काम-३, रहना-२ नाम

गोपायित आता गुपत रच्छित त्राण (रखेह),  
क्रिया विधा (अर) करम (कह) असना तिथि (अखेह) ॥—३०४

अनुक्रम-४, आलिगन-३ नाम

अनुपूरवी अनुक्रम परिपाटी क्रम (पेख),  
आलिगन परिष्वग (अख) उपगूहन (अवरेख) ॥—३०५

विघन-४, आरम्भ-४ नाम

अतराय प्रत्यूह (अख) विघन विवाय (विख्यात),  
क्रम प्रक्रम उपक्रम (कहो इम) आरम्भ अणात ॥—३०६

## वियोग-३, कारण-७ नाम

विरह वियोग विजोग (बक) कारण नमत (कुहात)  
कारण बीज हेतू (कहो) निमित्त निदान (सुहात) ॥—३०७

## कार्य-३, विश्वास-२, रक्षा-२ नाम

अरथ प्रयोजन (एम अख) कारज (बळे कहाय),  
विखभक विसवास (बद) रच्छा त्राण (रहाय) ॥—३०८

## चिन्ह नाम

लाछण लच्छण (अर) लछण अहनाण (र) ऐनाण,  
चहन चिन्ह (ओरू चवो) सहनाणक सैनाण ॥—३०९

## भैरव नाम

(चव) चावडाराचेलका भैरव भैरू (भाख),  
भै वाण (अर) भैरवा (एम) खेतळा (आख) ॥—३१०  
चामु डानदन (चवो जेम) कमाळी जोघ,  
खेतपाळ (आखो वळे) सभु लागडा (सोघ) ॥—३११

## करनीदेवी नाम

करनल कनियाणी (कहो ईखो) धावळियाळ,  
(सुण) करनी महियासधू आयी लोवडियाळ ॥—३१२  
धावळयाळी (ओर धर) देसणोकपत (दाख,  
अक नाम सब ईहगा आयी रा ऐ आख) ॥—३१३

## अक्षर नाम

अखर अक्खर अक (इम) अच्छर आक (अखात),  
अखर वरण अच्छर (अखो) दसकत (बले दिखात) ॥—३१४

## डाकिनी नाम

डाकण डायण डायणी कहो डाकणी (एम),  
आखरढायीआखणी जरखवाहणी (जेम) ॥—३१५

## भूत नाम

भूत परेत पिसाच (भण) प्रेत (र) जद (पढात),  
सगम गलीच मळीच (सव आठू नाम अखात) ॥—३१६

स्याहरी-२, चुडैल-४ नाम

सकोतरी (अर) स्याहरी चुडावण चुडेल,  
पिसाचरण (अर) प्रेतणी (गण अतरा सिव गैल) ॥—३१७

इति श्री चारण मिश्रण सूर्यमल्लात्मज मुरारिदान  
विरचिते डिगल भाषा कोषे तृतीय खण्ड समाप्त.

• • •



अनेकार्थी-कोष

कवि उर्दराम विरचित

---



## अथ अनेकारथी लिख्यते

### दोहा

एक सबद पद मे उठे अरथ अनेक उपाय ,  
अनेकारथ 'उदा' उक्त विवधा नाम बर्याय ॥—१ ॥

### माल् नाम

माला समकृत सुमरणा नाम (दाम) हरनेह ,  
गुणारणी सूक शृज गुणवळी ('उदा') सिमर (अछेह ॥—२

### जुगल नाम

जमळ जुगळ यम दु द जुग उभय मिथुन द्वय (आण) ,  
दोय करग चख दपती (जुगळ) जाम ऐ जाण ॥—३

### सुरभी नाम

चदण गळ अग अत (चढै) सुमनावळी वसंत ,  
अंतरादि अगमद यसा गांधीहाट (गणत) ॥—४

### मधू नाम

सुजळ दूध मदरा सुधा (सुण) नभ चैत वसंत ,  
विपन मधू मकरद (वळ) मधूसूदन माकत ॥—५

### कल नाम

कळ सूरार निखग (कहि कळ) कळजुग कळेस ,  
कळचाळा (कळ) जुध (कहि विलसँ देस - विदेस) ॥—६

### आतम नाम

मन बुध चित अहकार (मुण) करम जीत निरधार ,  
(त्यु) सुभाव (जग) आतमा परमातमा (पसार) ॥—७

### धनजय नाम

पवन धनजय (नाम पढ) अगनि (धनजय आख) ,  
पथ (धनजय की प्रभा भुजा कण्ण वळ भाख) ॥—८



## अरजुण नाम

ससारजुण अरजुन (सुरौ) द्रुमणारजुन तर (दाख ,  
पथ अरजुन हरि प्रिय सखा सो भारथ जय साख) ॥—६

## पग नाम

परण पत्र रथ (पत्र पढ) बाह (पत्र वळ) वित्त ,  
(पत्र) विहगम (पख सू चचळ पौहचै) चित्त ॥—१०

## पत्री नाम

(पत्री) खग (पत्री) विटप (पत्री) कमळ (प्रकास ,  
पत्री) सर (जुध पथ के जीतो भारथ जास) ॥—११

## बरही नाम

(बरही) सिखि (बरही) विरख (बरही)कुरकट (वेस ,  
बरही) मोरचद्रावळी (हर सिर मुगट हमेस) ॥—१२

## काम नाम

काम काज (सव जग करै काम) मदन (को नांम ,  
काम) भोग अभलाख (कहि सो सारै घणस्याम) ॥—१३

## धाम नाम

तेज धाम (अरु धाम) तन (धाम) जोत ग्रह (धाम) ,  
किरण (धाम कोटक कळा सो सुन्दर घणस्याम) ॥—१४

## वाम नाम

(वाम) मनोहर (वाम) भव कुटळ (वाम कहि) काम ,  
(वाम हाथ आगै वधै सवादौ मगाम) ॥—१५

## भव नाम

(भव) महैस जग जनम (भव भव) कल्याण (भरात ,  
भव भव भज भगवत नै कारण) कमलाकत ॥—१६

## कलप नाम

(कळप) कपट दिव (कळप कहि कळप) बुध परकास ,  
(कळप) समर रथ कलपवूख (जगनाथ भुज सास) ॥—१७

कर नाम

(कर) भुज हस्तीसुड कर (कर लागै कर वाम ,  
कर) विखिया (रस दूर कर नित सिमरौ हर नाम) ॥—१८

दर नाम

(दर) जीवादक भूमदर (दर) बळ हर दरवान ,  
(दर) प्रखत (दर) सख (दर भज 'उदा' भरवान) ॥—१९

वर नाम

वर दाता सिव सेष्ट (वर वर) सुदर (वाखाण ,  
वर) दूल्ह श्रीकृष्ण (वर जग गोपीयत जाण) ॥—२०

व्रख नाम

(व्रख रास मघवान (व्रख) करुण (व्रख व्रख) काम ,  
(व्रख)घोरी तर धरम(व्रख)सुरतर(व्रख घरास्याम) ॥—२१

पतग नाम

रग (पतग पतग) रव (त्यौ) मिख कीट (पतग) ,  
केता गुडि (पतग कहि) तर जगरग (पतग) ॥—२२

पल नाम

(पल) ग्रामख (भाखै प्रथी)खट उभास (पल ख्यात ,  
पल) भारपत कव पलक (नं) विपळ (साथ विख्यात) ॥—२३

दळ नाम

(दळ) तरपत्रा (दाखजै दळ) नृपफौजदुगम ,  
(दळ) लाडू (दळ) पक प्रक (सो हर मुगट सनम) ॥—२४

बळ नाम

धीर वीग्ज (बळ) धरम नृपदळ बळ (निरधार ,  
बळ) हासौ दर्ईतद्र (बळ) सुदर (बळ) ततसार ॥—२५

अळ नाम

(अळ) पूरण समरछ(अळ अळ) समरथ (कथ आख ,  
अळ) भूखण गुण भूठ (अळ राम सरण गुण राख) ॥—२६

## दय, जीव नाम

(वय) विहग (वय काळ (वळ वय वय) क्रम विसतार ,  
सससुर गुर आतम (सदा एता जीव उचार) ॥—२७

## मार, सार नाम

सुधा (मार) विख (मार सुण मार) काम अत(मार) ,  
धीरज वीरज वळ घरम सत (कोटी) घूत (सार) ॥—२८

## कलभ नाम

करी उतावळ कलुख (कहि एता कलभ उचार) ,  
आश्रय सावण गयण नभ (वळ) भाद्रवौ (विचार) ॥—२९

## वसु, पट्ट नाम

सुर अगनी दुत जळ सद्रव (ए वसू नाम उचार) ,  
तीखण निपुण निरोग (तव विध पटू नाम विचार) ॥—३०

## तुरंग, कुरग नाम

मन तुरग धखपख (मुण) वाज तुरग (वखाण) ,  
रग (कुरग कुरंग) अग जग पतग (रग जाण) ॥—३१

## आत्मज, कवध नाम

काम रुधर सुत (कु कहै नाम आत्मज न्याह) ,  
सिरविणसुभट (कवध सुण सर) आसुर (दरसाय) ॥—३२

## हंस, वाण नाम

रव अस धीरट जीव (रट) छद (हस) छिव ग्यान ,  
सरग तीर वळ सुत (सदा वदै वाण विदवान) ॥—३३

## पयोधर, भूधर नाम

तरण मेध कुच सेततर (नाम पयोधर नीत) ,  
गिर नूप आदवराह (गण भूधर कहो अभीत) ॥—३४

## वरुन, गोत्र नाम

सार च्यार जळपत (सदा) विखवर वरण (विख्यात) ,  
सईल सिखर कुळ (नाम सध गोत्र तीन संग न्यात) ॥—३५

तनु नाम

तात सुछम विसतार (तनु) विरला (तनु विधान) ,  
(कव सिस मूरख वाळ कहि विण भगती भगवाँन) ॥—३६

जाल काल नाम

जाळ भरोखा (जाळ गण) मद दभ ग्रहमीन ,  
काळ असत वयजम (कहां रहो राम रस लीन) ॥—३७

ताल, व्याल नाम

(ताळ) ताळ हरताळ सर (ताळ) राग तर (ताळ) ,  
दुष्ट नाग गज अतदिन (व्याळ नाम विकराळ) ॥—३८

जलज, तम नाम

मीन कमळ मोती मयक सख (जळज तत सार) ,  
तमस क्रोध राहू तिमर (विघ तम नाम विचार) ॥—३९

गुण, अब नाम

त्रगुण सूत तूजी (तणा कर गुण) हरगुण क्रीत ,  
गिरघणा सवता ख क (गुण) पढ अबनाम पुनीत) ॥—४०

वन, घण नाम

वन वारद पाती (वळै) वन (वन नाम वताय) ,  
घणा वादळ विसतार (घण) घण (सू लोह घडाय) ॥—४१

वरण नाम

वरण श्रुती च्यारू-वरण अछर (वरण उचार) ,  
वरण-दुजादिक रग-वरण (अवरण ब्रह्म उचार) ॥—४२

पीत, बुध नाम

पीत सिसू नौका (पढी पीत पीत वरठाय) ,  
पडत हरि-अवतार (पढ) ससिसुत बुध (सुणाय) ॥—४३

अनत, क्षय नाम

गिगन सेस अनेक (गण यक) हर-रूप (अनत) ,  
रोग (र) प्रळै विनास (रट पद क्षय नाम पढत) ॥—४४

## राजीव-लोचन नाम

जळ सस मुकता मीन (जप) रांम (नाम राजीव) ,  
रस देही जन व्यापारण (दुत मुरलोक रईव) ॥—४५

## सुक, खग नाम

जेठमास वारज अगन सुक्राचारज सुक्र ,  
ससर वप वन विहंग सुर वारद मग खग वक्र ॥—४६

## कलाप, ब्रह्म नाम

गण तुनीर विकळपगती केकी पत्र कलाप ,  
(देह) जीव विघ ब्रह्म दुज एक (ब्रह्म) जग आप ॥—४७

## उडप, मद नाम

रिख विहग कवरत ससि नाव उडुप निरघार ,  
अलप सनी खग मूढ अघ एता मद (उचार) ॥—४८

## वारन, स्यदन नाम

वरगजण वगतर गयद (वळ) वारण (नाम वताय) ,  
चित्तुरगथ जळ (चढै सिदन नाम सुणाय) ॥—४९

## पंथी, कौसक नाम

राह ग्राह ससि मदन (रट) वटवी पथी (वेस) ,  
विसवामित्र गुगळवृखी अळूक कौसक (अेस) ॥—५०

## पौहकर, अवर नाम

जळ नभ तीरथ सु डगज मारज पौहकर वाण ,  
आवृत नभ असुकाददै (जुगती अवर जाण) ॥—५१

## सवर, फंवल नाम

जळ आमु गिर गाठ (जप) सगना सवर (साख) ,  
गोगळ तनजळ वाहगत ऊनीकावळ (आख) ॥—५२

## नग, नाग नाम

गिरतर जवहर नगर (नग विघ-नग धाम वस्त्राण) ,  
काकोदर गज पत्र कुलट (नाग नाम निरवाण) ॥—५३

करन, अज नाम

श्रवण पोत रवसुत (सदा करन नाम प्रकास) ,  
विद्य सिव वोक अनत वय जोवनादि (अज जास) ॥—५४

सिव, दुज नाम

मुख कल्याण हर श्रेष्ठतर सलिल (नाम सिवसार) ,  
पखी रद ब्रामण (पढी ए दुज नाम उचार) ॥—५५

विरोचन, बल नाम

सिखाभाण सस देत (सुण नाम विरोचन नेम) ,  
हरि गुजरी असनहद (पढ) बळराजा (प्रेम) ॥—५६

वृख, तरक नाम

पावकवृडहा देत (पुन) वलण्टक (नाम बताय) ,  
न्याय विचार जुदा (निरख एता तरक उपाय) ॥—५७

रज नाम

रज रजवट आरत्त (रज रज) वामातनरीत ,  
रजरेणा मन दीन-रज (पढ रज) पाप अनीत ॥—५८

कंबु, भुवन नाम

सख रतन खोडसावरत (कवु नाम कहाय) ,  
गगन नीर मुरभुवण (गण भुवण नाम मन भाय) ॥—५९

कुस, कूट नाम

दनु सीता-सुत जलदरभ (ए कुस नाम उजास) ,  
कपट अहर गिर (वीहत कहि पढ ए-कूट प्रकास) ॥—६०

खर, हरनी नाम

गरघभ राकस सान (गण) तीखण खर (कहि तोल) ,  
उमा भूगी जूथी (एता) खित्त मन हरणी (खोल) ॥—६१

कुज जम नाम

मगल भोमासर (ममभ) तरकु ज (नाम बताय) ,  
जुगक्तत (अरु) राह (जप) जम (का नाम जणाय) ॥—६२

## घात्री, सिवा नाम

धाय आवळा (कहि) घरा घात्री (नाम घराय) ,  
हरडै फौही (वळ) हरा (सिवा नाम सभळाय) ॥—६३

## रस, रभा नाम

काची जिभ्या दाम (कहि) रसन (नाम रचाय) ,  
उसा कदळी उरवसी (दळ रंभा दरसाय) ॥—६४

## साया, यला नाम

दया नेह छळ (दाखजै) द्रव साया (हर दाख) ,  
यळ वुध तिय मनहर यळा (भेद यळा गुण भाख) ॥—६५

## सुमना, जोत नाम

मदती तिय (वळ) मालती सुमना कुसुम सहेत ,  
दीपकरण रिख अगन दुत ब्रमजोत (जगवेत) ॥—६६

## यडा, विध नाम

यळ सुर मनहर अदका पिंड यज्ञ परताप ,  
घाता देव विधान (कहि) आविध करता (आप) ॥—६७

## निसा, अजा नाम

निसा रात हळदी (निसा निसा) पकी (निरधार) ,  
अजा अज्या माया (अजा) ब्रह्महूंतविसतार ॥—६८

## जिह्न, हस्त नाम

कपट मूठ आळस (कहै) जिह्न (नाम घरा जाण) ,  
करीसू ड (कही) नखत्र (कहि विदवत हस्त वखाण) ॥—६९

## ऋतत, मित्र नाम

सास्त्रागम सिधत (कहि) जम (ऋतत ज्यूं ग्यान) ,  
सवता सजन गुण सिखा (नर जग मित्र निधान) ॥—७०

## सारग नाम

गज हय केहर गिगन गिर कज प्रदीप कुरग ,  
दादर चातुक सस दिनद सिखी अळ, सुर (सारग) ॥—७१

हरि नाम

कपी केहर केकाण (कहि) अळियद अरविंद ,  
वाघ गयद कुरग वन (चव) नभ कचण चंद ॥—७२  
पावक पाणी पय पवन नाग गयद नरद ,  
गिर हरि गिरघर(सिमर गुण नित-नित वृज आनद) ॥—७३

ध्रुव, सुमन नाम

(पढ) निसचय ध्रूताल पद जोगादिक (ध्रू जाण) ,  
मन वसत कुसमावळी (वळ) रिख मुमन (वखाण) ॥—७४

विटप, दान नाम

पलव शृग विसतार पुन तर वृख (नाम वताय ,  
दान देत) गजदाण (दख दान) दाण (दरसाय) ॥—७५

रस नाम

नवरस घत जळ नूतरस अम्रत विख (रस) ईख ,  
रस-विद्या वर प्रेम-रस (सदा रांम गुण सीख) ॥—७६

स्नेह नाम

तेल धिरत मन प्रीत (तव सो सनेह तत सार ,  
'जदा' घर लै व्यान उर करलै नदकुमार) ॥—७७

गउरी नाम

सुभ्र उदय कुळ चसवती उभ अप्रसतुत (आख) ,  
दल गोरोचन देवकी (सग) नागौरी (साख) ॥—७८

हार नाम

उपवन रूपा ढिग अजय मुगता कुसम (मिळाय) ,  
खेत (हार) खगत खड़ी (जुगती हार जगाय) ॥—७९

क्षुद्रा नाम

नटी क्षेत्र उत्तपत निठुर असि वैस्यादि (अ्रेह) ,  
मदमाखी खळजन (मुणै क्षुद्रा) खरकीखेह ॥—८०

वाह नाम

पवन खेत अम सिस (पढी) वरण मेघ परवाह ,  
(वाहण) रथ-इत्यादि (वळै विध वखाण मुण वाह) ॥—८१



## कुय नाम

केथा कवळ कीट (त्रहि) प्रातसथाईप्रीत ,  
कूर्थीकारज (कुथ कहीं रर्ची यता कुथ रीत) ॥—८२

## भाव नाम

पूज्य मनुज रस उतपती प्रीत पदाग्रथ (पेख) ,  
मनहुलास पूरणमया (विवधा भाव विसेख) ॥—८३

## कुतप नाम

तिल कवळ खग पात्र (तव) सलल वर कुस छाग ,  
दोहित अगनी काळ (दग्ध यता कुतप कर) आग ॥—८४

## भग नाम

श्री नूरज दिनकर मुखद महिमा (ज) ससि अगंक ,  
काती मर्या सुभकळा मुभग जोन (सग सक) ॥—८५

## कीलान नाम

नीर खीर घ्रत मेघ नद मढ रव पुष्प (प्रमाण) ,  
कव यतरा कीलल कहि जाणै गुणी मुजाण) ॥—८६

## देव नाम

वाळक कुलटी नृप विविध वरखा गुण विवहार ,  
पत मुगती जीवत प्रथी (वाळक देख विचार) ॥—८७

## ललाम नाम

पुरख गुणी कोमळ (पढी) मवर स्निग्ध मेल ,  
भूखातमा विदग्ध (भण नाम ललाम) नवेल ॥—८८

## श्री नाम

(स्ट) करता भरता रमा श्री अछर सुख तार ,  
(विवध आद ज्यू रगण विध श्री श्री श्री ततसार) ॥—८९

एकाक्षरी - ऋष—१

एकाक्षरी नाम-माला

वीरभाण रतनू विरचित

---



अथः एकाक्षरी नाम - माला लिख्यते

इहा

कहत अकार ज विस्तृ कू, पुनि महेस मत मान ।  
आ ब्रह्मा कू कहत है, इ—ई जुग मार जान ॥—१

लघु उकार सकर कह्यो, दीरघ विस्तृ स देख ।  
देव—मात लघु री कहै, दीरघ दनुज विसेख ॥—२

लघु लि—लृ कार सुर मात पुनि, नागमात गुरु होय ।  
ए जु कहत है विस्तृ कू, ऐ जु महेसुर सोय ॥—३

ओ ब्रह्मा जु अनत औ, परब्रह्म अभिमान ।  
कविकुळ सब ही कहत यू, अ महेसुर आन ॥—४

क ब्रह्मा कू कहत कवि, वाय सूर पुनि लेख ।  
कहत आतमा सुख कू, क प्रकास अरु लेख ॥—५

क सिर क जळ कजु सुख, कूं धरती धर चित्र ।  
कु... कूं जाणियौ, वजु विवेक धरि चित्र ॥—६

ख इंद्रिय नभ ख कह्यो, ख जु सरग पुनि सोय ।  
कहै सुपुन्य से ख सवै, ख यू होय ॥—७

अ विष्णु, महेस । आ : ब्रह्मा ।

इ ई मार । उ सकर । ऊ : विष्णु ।

रि (ऋ) : देवमाता । री (ऋ) : दनुजमाता ।

लि (लृ) सुरमाता । लृ (लृ) नागमाता ।

ए विस्तृ । ऐ : महेसुर ।

ओ ब्रह्मा, अनत शेषनाग । औ परब्रह्म, अभिमान ।

क ब्रह्मा, विष्णु, वायु, सूर्य, प्रकास, आत्मा, सुख ।

क : मस्तक, जल, कमल, सुख, पृथ्वी । कु विवेक, वजु ।

ख इंद्रिय, नभ, स्वर्ग, पुन्य ।

वटा किंकर्णी मेघ सू, कह खकार सव कोय ।  
 पुनि धुनि सू धूक है, दक्ष गुणीजण लोय ॥—८  
 कहत डकार जू भैरव वह, अरु जि विसन जिय जान ।  
 पुनि डकार स्वर सू कहैं, चतुर चोर कहुमान ॥—९  
 चद ही कहत चकोर सत्र, अरु ज चोर कह मान ।  
 सोभा सू सव कहत है, पक्ष सवद सू जान ॥—१०  
 छ निरमळ सव ही कहै, वहुरी विजुरी देख ।  
 छेदन कू कहत है कवि, पुनि जु सवर लेख ॥—११  
 कहत जकार जु वेग सू, अरु जु तेज सू कोय ।  
 पूजा हू सू सव कहै, जेता जय न होय ॥—१२  
 कहत भकार जु भर रह, वहुरि नस्ट कहु सोय ।  
 पुनि भकार वचक कह्यो, घर-घर स्वर ही होय ॥—१३  
 रूप विषयात्मा, अरु जु गायन ही गाय ।  
 जर जर सवद सू कहत है, सवै लकार बनाय ॥—१४  
 ज प्रथवी सू कहत कवि, ट वायस वजु आन ।  
 कहत टकार जु इस्वरी, बरहू जु स्वस्त न मानि ॥—१५  
 कहत वकार विसाळ सू, पुनि धन सू सव कोय ।  
 चद म उलहू कहत कवि, भ सकर ध्वनि सोय ॥—१६  
 ढक्का कूढ कहत कवि, ध्वनि निगूढ कह जान ।  
 पुनि णकार कहि जान सू अरु ज स्तुसि तकार स आन ॥—१७

- 
- ख वंटा, किंकर्णी, मेघ, धुनि, धूक ।  
 ड भैरव । जि विस्तु, जिय, स्वर, चतुर, चोर ।  
 च चकोर चद चोर, सोभा, पक्ष ।  
 छ . निर्मल, विजुरी, छेदन, सवर ।  
 ज वेग, तेज, पूजा, जय ।  
 ङ भर, नष्ट, वचक, स्वर, रूप, विषयात्मा, गायन । ल : जर-जर ।  
 ञ पृथ्वी । ट . वायस । ट . ईश्वरी, मोर (वरपू), स्वस्ति ।  
 व विद्याल, धन ।  
 न चद, उलहू (उल्लू) । भ सकर ध्वनि ।  
 ढ . ढक्का (बडा टोम), ध्वनि, निगूढ । ण . जाण ।

चोर क्रोध पुनि पुछि कहू, कहू तकार दे चित्त ।  
 भय रक्षण जु घकार कहू, सिला ममूहि मित्त ॥—१८

वेद दान दातान सू, अरु कलित्र दं मानि ।  
 धान धात धन वधन हि, कहन घकार सुजु आनि ॥—१९

कहत जान विसवास पुनि, अरु ज निखेध नकार,  
 नौ नावक कू कहत है, पडित समझ निहार ॥—२०

प वन पातरी पवन कहू कहू पुकार नित मित ।  
 रग रव सु सुभ्र फकार कहू, प्रगट जु तिन कहू नित ॥—२१

भक्ता वाय भकार कहू, कहू फकार भय रक्ष ।  
 निस्ट जला सु फकार कहू, अरु फकार ही दक्ष ॥—२२

फूकारै फू कहत कवि, अफळ वचन फू आदि ।  
 पुनि वकार सग्राम कहि, अरु प्रवेस कहू माहि ॥—२३

भ नक्षत्र पुनि भ्रमर भ, दीपत भानु भूप ।  
 भय का भीक सब, ता कहू चित्त न भूप ॥—२४

चद्र रुद्र सिर मा कहत, मा लछी परमान ।  
 माल मात अस्ना भी, पुनि वधन मूजी नि ॥—२५

सजमकाळ पकार कहि, सूर श्रेष्ट मन मान ।  
 जान जात अरु त्याग कहू, बुधजन कहत सुजान ॥—२६

काम अनुज अस्तु वज्र पुनि, सबद रूप धरि चित्त ।  
 कहू रकार जल स्व वन की, रटन भय कहू मित्त ॥—२७

---

त • स्तुति, चोर, क्रोध, पुछि (पूछ) । घ भय, रक्षण, सिला, समूही, मित्र ।  
 दा वेद, दान, तान । द • कलित्र । घ : ध्यान, वातु, धन, वधन ।  
 न : जान, विस्वास, निखेध । नौ नाव ।  
 प पवन, पातुरी, वन, नित ।  
 फ : फकार (ध्वनि) भय, रक्षा, निस्ट (खराब) ।  
 भ भक्तावाय फू • फूक । फू अफळ वचन ।  
 व सग्राम, प्रवेस । भ नक्षत्र, भ्रमर, दीपत, (दीप्ती) भानु भूप ।  
 भा चद्र, रुद्र, मिर, लछी, माल, मात, अस्ना, वधन, मूजी ।  
 प सजम, काळ, सूर, श्रेष्ट, मन, जान, जाति, त्याग ।  
 र काम, आग (अनल) अस्तु, शब्द, रूप, जल, वन, ध्वनि ।

इन्द्र लवन दत्त व्वाज पुनि, रहि लकार पर सिद्ध ।  
 ली स्लेख मलप सू कहै, ल निस्तक कहू विध ॥—२८  
 सात्वन वर उर वीत कहू वकार समरत्थ ।  
 गति नय नर अरु श्रेष्ट पुनि, कहू वकार के अर्थ ॥—२९  
 कहत सकार परोख कू, पुनि सोभा अति श्रेष्ट ।  
 ई कल्याण ह कहत है, सजुकति पुनि प्रेष्ट ॥—३०  
 सयनकाज सी कहत कवी, वी दोउ सामान ।  
 कहत खकार परोख कू, ल खरीक हूँ ठान ॥—३१  
 कहत खकार जु स्नेह कू, अरु सूलाक हू मान ।  
 हर हकार विचित्र है, है सवधन ठान ॥—३२  
 कहत क्षकार जु क्षीम कू, क्षमा क्षम का जान ।  
 आद अकार लकार ली, यह विध वरतन मान ॥—३३  
 विहु-स्वन मुख सूं नित रक खट अस्टादस ही पुरान ।  
 नाम-माळ एकाक्षरी, भाखी रतनू "भान" ॥—३४

• • •

---

ल - इन्द्र, लवन(लगन), दत्त, व्वाज । ली श्लेख, मलप । ल निस्तक, विध ।  
 व - सात्वन, वर, उर, वीत (वित्त) समरत्थ, गति, नय (नीति या नगर)  
 नर, श्रेष्ट ।  
 स - शोभा परोक्ष, अति श्रेष्ट । ई - कल्याण, सजुकति प्रेष्ट । सी सयन(रति) ।  
 वी दोउ, समान । ख परोक्ष, स्नेह, सूला, ह हर विचित्र ।  
 है सवोधन । क्ष क्षीम, क्षमा, क्षम ।

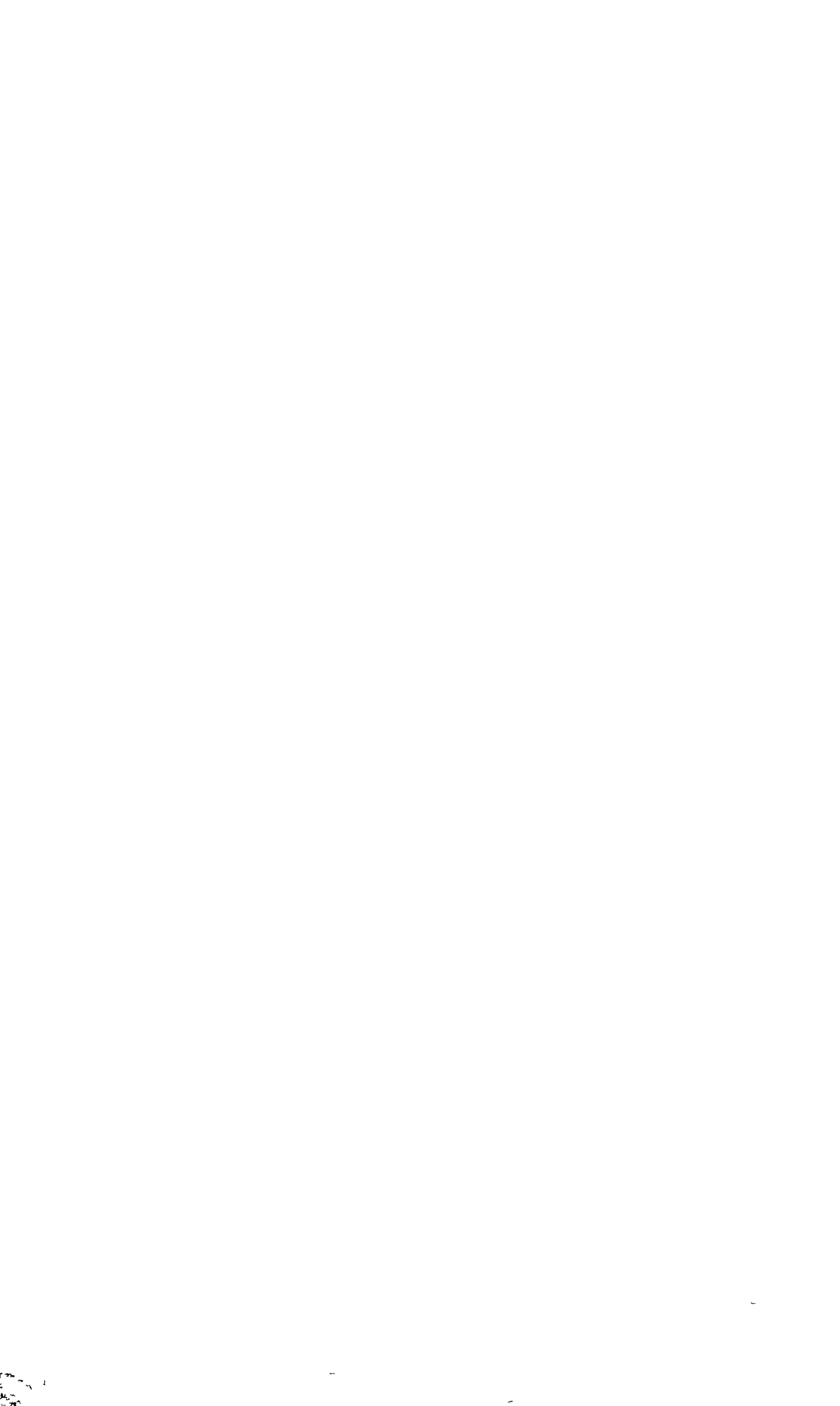
एकाक्षरी - कोष—२

## एकाक्षरी नांम-माला

कवि उदयराम विरचित

---





## अथ एकाक्षरी नाम-माला लिख्यते

### हूहा

सार सार विद्या सकळ, समभै गुण ततसार ।  
फीरत सार उदार कर, देसळ जगदातार ॥—१

श्री गणपत सरसुत सुमत, उक्त वृवत अणपार ।  
घनेकारथ एकाक्षरी, “उदा” करो उचार ॥—२

सुर अच्यर मात्रा सहित, एके अरथ अनेक ।  
जुदी जुदी वरणो जुगत, वरणो नाम विवेक ॥—३

### ऊंकार नाम

ऊं ईस्वर मुगती (उचर) केवळरूप (कहाय),  
मत्र बीज वाचक (गुणी) पूरणग्यान (पढाय) ॥—४

अवय सरवारथ अवच (ऊ) प्रणवधुनअग,  
सरवबीज (घट-घट सदा सोहू सात प्रसंग) ॥—५

### अ नाम

अकर त्रंमा श्री क्रसन अरक सिखा ससियद,  
पवन प्राण सुखया प्रजा काळप्रमाण कवद ॥—६

आदंछर जरऊपनी (गण न्यारा गुण नाम,  
अ अछर यतरा अरथ सरभ जोत घणस्याम) ॥—७

### आ नाम

सिव सुरतर अम सरव गुण असतूत हय गय यद,  
चणकरिखी शुभ धाम चख (वद आ नाम विलद) ॥—८

### इ नाम

सिव रव सेनानी सुची अज अहि मनमथ यद,  
वरण विक्ष धनवान विध व्याळ ससी (इ विद) ॥—९

### ई नाम

ईसुर कमला (वळ) अरुण वभ्र मुकर (वताय),  
श्रीवभया सुतवानत्रिय सक सबकस (सुणाय) ॥—१०

दयावाननर ( दाखजै वदै नम ) विदवान ,  
(दीरघ ई के नान दख गणी एक) ब्र मग्यान ॥—११

## उ नाम

नारदरिख आधीन रव सकर गवरी (सार) ,  
स्वामीकारत तडत सम आश्रीवाद (उचार) ॥—१२  
रावन (नाम) त्रकाळ (रट) त्रगुण काळ ततरग ,  
(उदैराम धुर विहू उकत उ लघु नाम) उतग ॥—१३

## ऊ नाम

पवन चद रव हर पनंग पूरण दळद्री प्रेत ,  
विध अगन मूरख ब्रवण (दीरघ ऊ कहि देत) ॥—१४

## ऋ नाम

उमा रमा सर गर अनत ब्रक्ष साल नळ वास ,  
गुर फूफी सुत नीचगुण (गहि) अदती (ऋ ग्यान) ॥—१५

## ॠ नाम

सकर विध सुरपत क्रसन यम ब्रखमान वयद ,  
वरण अधी नरवर (जपी ॠ दीरघ परसंद) ॥—१६

## लृ नाम

अदती हर पकज अरुण पापी अतक निपुंस ,  
नर हार्यो पाखड (नित कहि) मलेछ (लृ) कस ॥—१७

## लृ नाम

महापुरुख नृप मुंढनर देविपुरुख चिह्न देव ,  
(कथा) कथा नवेख (ईकथी भाख) पुज कच भेव ॥—१८  
पापीनर अपद्वार (पढ) बुधविना नरवाळ ,  
(लृ दीरघ के नाम लख विध माळ विसाळ) ॥—१९

## ए नाम

मेख जीव सूरज विमनु वाळक दुज दनु वाण ,  
नाती सकळी बुधनर उद्धत द्वेखी (आण) ॥—२०

(ग्याता गथा भेद गण एक नाम यत पाद ,  
ए अई के भाखू अवै निपुण सुणौ निनाद) ॥—२१

ऐ नाम

वचनबीज व्यापक विसव लोक सरूप (लखाय ,  
मुण) वळ्या सुरसुत मुक्त (अई के नाम उपाय) ॥—२२

ऐ नाम [ग्रन्थान्तरे]

नृप सिव विखम (रु) पूज्यनर क्रूर विविध कुलाळ ,  
उष्ट मूढ कप असुर (कहि) विखमायुद्ध (अई) बाळ ॥—२३

उ नाम

असुर जक्ष अज उतकष्ट अगस्तरिख ध्रू (आख) ,  
जख कव मुखक मजार (जप भेद) गुरड (ए भाख) ॥—२४

ऊ नाम

सेख विधाता मुन ससी सुखी जार लघु (साख) ,  
स्वान दळद अभ (प्राय सुण ऊ) थळ (कव आख) ॥—२५

अं नाम

पकज पूरण ब्रमपर दुर वरक्त दुख (दाख) ,  
श्रेष्ट भुजन श्रीकृष्ण रौअ अवघा जग आख) ॥—२६

अ नाम

वीतराग विसरगविधी ठौड यती ठहराय ,  
सुध चाकर (फिर) विसन सुत (अध अहन्याय उपाय) ॥—२७

क नाम

अगन विधाता आतमा वरही रव वनवास ,  
जम किंकर (कहि) रूपजग (पुन) गणक परकास ॥—२८

का नाम

यळा सेस दिव (गण) अल्प कायर रथ परकास ,  
(कहत) निरादर, (कू कवि यौ का नाम उजास) ॥—२९

## कि नाम

रमा कसरा मधवान रव करख्य सिकारी (काज) ,  
 कदुख अगन वालम (कही तव लघू कि सिरताज) ।—३०  
 प्रसन तुछ गुण जुगपसा निदा (की वर नाम,  
 वळ) विचार अँजग ब्रथा (रट 'उदा' श्री राम) ॥—३१

## की नाम

यळ कमळा हय गय अही ब्रखभ गुलावी रग ,  
 चारपुरख चीटी जिभ्या पुरख रसत्र (प्रसंग) ।—३२  
 वास कुवध कुळ रोख (वळ दीरघ की गुण दाख ,  
 उदैराम मव तज अवै राम भजन मन राख) ॥—३३

## कु नाम

तनक तळाई उरज तट सरस सवद भू (सोय ,  
 लघु कु नाम कुआर लख जुगत अरथ गुण जोय) ॥—३४

## कू नाम

कूप भूप गभीर (कहि) मध पटाभर (मड) ,  
 कु भ (न) कु जत सवद (कहि) खित (कू नाम प्रखख) ।—३५  
 कारण द्रव भू आद (कहि) कारज (अँर) प्रकास ,  
 (दीरघ कू के नाम दख जुगती यती उजास) ॥—३६

## के नाम

रतन खाण केकी (रटौ) अनुगिन प्राण (उपाय) ,  
 कुण (के के यत्यादि कहि गोवद रा गुण गाय) ॥—३७

## कँ नाम

कनीय मद (रु) वळवत (कँ) मरसत पवन सुणाय ,  
 पुन्ध्र प्रणत कदप (पट) भारथी पवित्र (भणाय) ॥—३८

## की नाम

मोद क्नक नअवाक (नुण) वाळक कोप (रु) वाज ,  
 (स्यात जिती को नर विसघ तये नह हर गुण काज) ॥—३९

कौ नाम

आप वृखभ नर धिष्ट (अव) कद्रप जम जम काज ,  
(कौ कव अवधा गुण कही श्रोता सुरा समाज) ॥—४०

क नाम

काम सीस सुख जळ कनक कज अनळ (कहि नाम) ,  
पय सुभ दुख (रु) जहर (पढ क के नाम सकाम) ॥—४१

ख, खा नाम

खाई घर पकज खिती कमळा (खा कहि नाम ,  
चरणा चत्र भज चाह भू सो नित करै सलाम) ॥—४२

खि नाम

गवण नासकाछिद्र (गरण) रतन रता क्षयरोग ,  
कवनिवास (वळ नाम कहि सुरा खि नाम सजोग) ॥—४३

खी नाम

विध श्रगाळ गुद मदन (वळ और) मळणगरा (आख) ,  
कुसळखेम (कु खी कही भेद यता खी भाख) ॥—४४

खु नाम

मदन विकळ गूधू मुखक सिखावांन सख घांम ,  
विध खद्योत (के नाम वळ लघु खु वरण लख नाम) ॥—४५

खू नाम

कवजन सुरगर सूर (कहि) जीव नखी (खू जांण ,  
घू) कगर जीवादि खित (विण हर नाम वखाण) ॥—४६

खे नाम

कव खेद सभौद्वार (कहि खे) खेचर (सहि) खग ,  
प्राण (नाम खे वळ पढी रिब भुज जात सरग) ॥—४७

खै नाम

सिव नदी गन आत सुत (मुणी मान खै नाम ,  
खै ए नाम वखणिये रटो 'उदा, श्री रांम) ॥—४८

## खो नाम

खज अरुण श्रवराखबौ पुन्य खेड (कहि पात) ,  
मानसहत भय मडमन (विध खो नाम विख्यात) ॥—५०

## खी नाम

ईस्वर मधवा भूगनी जुगळ मोर भू (जाण ,  
कव यतरा खो नाम कहि वळ ख नाम बखाण) ॥—५१

## ख नाम

सिव नभ यद्री रिख सरग ग्रह नृप सुख सुन्य ग्यान ,  
खज (रु) खजन छिद्र खलु (विध ख नाम विधान) ॥—५२

## ग नाम

क्रसन गजानन राग कर पची पवन प्रधान ,  
प्राण गध जळ प्रीत (पढ वद ग नाम विदवान) ॥—५३

## गा नाम

उमा रमा गगा यळा गिरा सकत बुध ग्यान ,  
चौज ग्यान नाभ (गा चढौ वळै) धनी बुधवान ॥—५४

## गि नाम

प्रढ वाक्य सारद (पढौ वळै) धनी बुधवान ,  
गिरा राम (गावै गुणा जै बुधवान जिहान) ॥—५५  
गुजा रव पुर वरण गण सुर (गीणि नाम सुणाय ,  
वृथा नाट गि हरि विना गोवद रा गुण गाय) ॥—५६

## गी नाम

मोभा त्री मदरा सुधा वाणी सकत (वताय) ,  
वृम एक समता विधि (गी वाणी गुण गाय) ॥—५७

## गु नाम

आसवका अतीगुण अरक प्राण मनोज (रु) पाज ,  
कूकर स्वर भय जुगत नर मुर गुण पय समाज ॥—५८

गू नाम

(कहिया गुण) मळ नदकूल(कू) लघू वृद्ध त्रिय(लेख) ,  
सतथि वस्तु ग्लाणि सदा दुनी तमक (गू देख) ॥—५८

गे नाम

राग जमक पाप सट (रट मुण) छद गीत मलार ,  
(गेय कमत के नाम गण एता किया उचार) ॥—५९

गै नाम

सिव रव सोक पळास गत (अत गै नांम उचार) ,  
छटा सरव (अत छोड नै सिव गै नाम सभार) ॥—६०

गो नाम

तर घर वाणी सरग (तव) यद्री खग जळ (आख) ,  
छद वचन दिव वज्र छिव सुरतर सुरभी साख ।—६१  
ग्लाळ वाण द्रप दर (गणी) हसती ब्रखभ (कहाय) ,  
किरण (वळै) रव सबद (कहि गो के नाम गणाय) ॥—६२

गौ नाम

क्राती गणपत कुळ सद्रग (लख्य) लाज भू लाल ,  
देवलोक दिस वाण (दख) मसक जुगपती माळ ॥—६३

ग नाम

मलयाचळ हेमाद्री (मुण) गीत श्रष्ट गभीर ,  
वाजा-राग-छतीसविध सरण तन्नवत सीर ॥—६४

घ नाम

सुधरम गज सिव सिख सबद रव दधसुत घणाराट ,  
अह (तज भुज अनत कर घ के वळ कर घाट) ॥—६५

घा नाम

विध देवी धुन वसुमती असुरी सची (उचार) ,  
निरग किकणी थापना धार घातकी मार ॥—६६



## घि नाम

अगत्रसना (अर) च वर (मुण) वडरु धरम विसतार ,  
(कव घि नाम पछु कहि 'उदा' दीरघ उच्चार) ॥—६७

## घी, घु नाम

द्रव घत वाळ कुमार दळ सुरगुर (घी के) मार ,  
अहि सठ घूक दयाळ (कहि तव घु नाम विसतार) ॥—६८

## घू नाम

गज सुर घण मदरा गुदा यळ अग्यार अलूक ,  
नीलवर (घू नाम लख 'उदा' पढौ अचूक) ॥—६९

## घे, घै नाम

कव स्वान चौकी करा खीली (घे कर ख्यात) ,  
रव धरमी पापी समर (सुन सुत घै दरसात) ॥—७०

## घो नाम

यज घर गोह अहीर घर लोह अस्ववळ (लेख ,  
सवद वळे घो नाम सुण दुत घो भाखु देख) ॥—७१

## घौ नाम

अरूख ताळ देता अगी रव विवाण रट (नाम ,  
कहिवळ) वासकलाल (को सो तज भज घणस्याम) ॥—७२

## घ नाम

गत मलीन (घा) चित (गण) पापी नर पुन व्रान ,  
(उचर नाम घ के यता विघ भाखै विदवान) ॥—७३

## ड (ड) नाम

विखय प्राण वळ भैरव (रु) अस चचळ कुटवाळ ,  
(चवरादिक ड'ड'नाम चव घद डा'डा'नाम विसाल) ॥—७४

## डा (डा) नाम

यळ अघरादिक यदरा (पढ वळ लोक) पताळ ,  
(मुण) सुधमगत सुखमण (गुणियण भज गोपाळ) ॥—७५

डि (डि) नाम

भय जुत अग सुछम (भरौ) द्रग दुगधा सुर (दाख) ,  
दखरा दुज (कू दीजिए भेद डि पछ्यू भाख) ॥—७६

डी (डी) नाम

(कव दीरघ डी नाम कहि भेद हरि गुण भाख) ,  
देवभूम यळ ऋकळ (दख) अहिनूप ठीवर (आख) ॥—७७

डु (डु) नाम

गिडव पवन पावन अगन (लघु डु नाम लखाय) ,  
व्याधी अवधा अग वचन उखर घर (डू आय) ॥—७८

डे (डे) नाम

गज कपोल पारद (गरौ) लाज स्याम (कू लेख) ,  
अजन कठण अमोल (कहि सो डे नाम सपेख) ॥—७९

डै नाम

पारामुर रिख (नाम पढ) गधक (नाम गणाय) ,  
उदयराम तीनूयसा सो डै नाम सुणाय) ॥—८०

डो नाम

असतर पाडौ आरणी (तव वळ) खंचर तुरंग ,  
गवा-वध सबदागती सिंहत दादुर सग ॥—८१  
प्राचत (व पुठै) स्यार (पर) सीह रूपहर (सार) ,  
को) नाकढ मत (डौ कहौ यतरा नाम उचार) ॥—८२

डौ नाम

सस रव अगनी स्वारथी वैद भजन जंबाळ ,  
कद-मूळ (अरथ कहि पडौ) अजव (डौ) पाळ ॥—८३

ड नाम

जळ पय घत सुख भग जेहर चिहूर (वले) चमूह ,  
अग (वळे ड नाम सुण) सगना माळ समूह ॥—८४

## च नाम

आलगन ज्वाळा अगन सस गण वदन (मुणाय) ,  
ओक मनोहर पुन अरथ (रु) अबुध चोर (रचाय) ॥—८५

## चा नाम

(कहू) विप्रकनीजिया कन्या कसना काज ,  
(कवियण चा कै नाम कहि रटौ राम महाराज) । —८६

## चि नाम

रव दिवाल चित्र माख (रट) अजा पिंड भय (आख ,  
लघू चि नांम एता लखो राम नाम चित राख) ॥—८७

## ची नाम

स्याही कगसी हस्तणी (वळ) हरजटा (वखाण ,  
कवियण फिर) माया (कहै जुगत दीरघ ची जाण) ॥—८८

## चु नाम

काळ वज्र सरद (कहै) घर भय जुत उपधान ,  
(अचै नाम) नाडीयडा (वद चु नांम विदवान) ॥—८९

## चू नाम

सुरतर खग रव पवन सर ताळा गणिकव (तोल ,  
वळै) लोद पळ (नांम वण) वक (दीरघ चू बोल ॥—९०

## चे नाम

रव समूह सस कसन (रट) मन अस कीर (मिळाय) ,  
सुपरण कपत भैरी ससि (सो चे नाम सुणाय) ॥—९१

## चै, चौ नाम

दूत चोर प्रेरक दुष्ट जुध (चौ नाम जणाय) ,  
उद्यत नर गड ब्रखभ अस मावत रस चौमाय ॥—९२

## च नाम

चदन तिय पिय सुख चिरत द्रष्ट रुष्ट दुखदाय ,  
अमण जहर कव (च भणौ एता नाम उपाय) ॥—९३

छ, छा नाम

केकी रव सस कुज कर छिव पूरण (छ नाम) ,  
काती छाया हर ढकण रक्षक रछ्या (राम) ॥—६४

छि नाम

कानि कुलाल सिकारी (कहि) काळ (रु) नीव कुठार ,  
(एक) विवुघ अरवधा (यता तव छि लघु ततसार) ॥—६५

छी नाम

अगत्रसना कटमेखळा सीव जीव मदसार ,  
(दाखो) काती छछुदरी (ए छी दीरघ उचार) ॥—६६

छु नाम

मसक जुगपसा कीर (मुण) त्रसना (सवद वताय ,  
कहिया छु नाम लघु कर कवि जुगती वडै जगाय) ॥—६७

छू नाम

थाट सवद गज मुरज थित खुघावत त्रिय स्यात ,  
भिछा (गरण छू नाम मुण भुज हर सज प्रभात) ॥—६८

छे नाम

ऊखर फासी यद्रिया वेणी वसुधा स्याल ,  
(कव यकमत छे के कहो दुमता नाम दिखाय) ॥—६९

छै नाम

देवलोक मदपात्र (दख) तीखीवस्तु (तोल ,  
कव) सेन्या (वरणाण करो वरणी छै कव बोल) ॥—१००

छो नाम

पवन अग पूरण पुणछ रोर अंगार (रचाय ,  
काना कडमत छो कहो सुघ छोह मैं सुगाय) ॥—१०१

छौ नाम

केती वरक्त दकूळ (कहि) परवत वानर (पिख ,  
जाण) नार कव परम (जप) लटा पवन (छो लेख) ॥—१०२

## छ वाम

भू निरमळ घन ज्वाळ (भण)कुळ तट सिखर आकास ,  
मुख जळ (छ के नाम मुण 'उदा' करो उजास) ॥—१०३

## ज नाम

जनम सचारी जीव जड जैतवार नरजार ,  
(गण) ससारी जोगर्या (अहि निस राम उचार) ॥—१०४

## जा, जि नाम

(चर्वा) ब्रद्ध फासी चतुर जोन (नाम जा जाण) ,  
भडग जितद्रिय रस भभक जीत (जि नाम जताय) ॥—१०५

## जी नाम

वादकरण मिठासवचन जवा जीव जग (जाण) ,  
हरसेवा (गण) राग हित ('उदा' लघु जि आण) ॥—१०६

## जू नाम

प्रभुजन मित्र पिसाच नभ वावय गनज सिघ्न व्याळ ,  
जीरण (दीरघ जू जिकै सुण कव नाम विसाळ) ॥—१०७

## जे, जै नाम

सुन समूह केहर सजय (जे को नाम जणाय) ,  
सुरगुर पुख रव विध सरभ अगन (नाम जै आय) ॥—१०८

## जो, जो नाम

आसण सहि सिंगार अज रसण कमळ जो रीत ,  
जो) वचि चिनी जारसुत (वळ) जवान (जौ) वीत ॥—१०९

## ज नाम

कज जनम प्रापत कनक मळ (भयी) रजमड ,  
जत्र मत्र (तज) जगतपत ('उदा' भर्जा अखड) ॥—११०

## झ नाम

मैथुन कर कुरकट (रु) मळ निरभर अव निदान ,  
नम पयान पिय नष्ट (गण विध झ नाम विधान) ॥—१११

भा, भि नाम

रजत जात नागर रटौ भालर घड़िया भाल ,  
पल सुर मावत कपहणू (लघु भि नाम विघ लाल) ॥—११२

भी, भु नाम

गज हथणी घन वेत (गण) काम (पढौ भी काज) ,  
जोन नमत वीरज जरा सास्त्र (भु कहि सिर ताज) ॥—११३

भू नाम

सौघ अघू अरव स्वारथी देव भूठ समदाय ,  
वाव (नाम भू वडौ गोविंद रा गुण , गाय) ॥—११४

भे नाम

राम लखमण (भे रटौ) मरजादा सममड ,  
वन चमार (भे वळ) वनी (एता नाम अखड) ॥—११५

भै नाम

सुरगुर कति आतम सरव करभ-भैकता-काज ,  
गुर(वळ)मईथुनकेगुणी(सो)सरग ध्राण समत क्रिया ।  
(पग भौ पाठ पुराण ऊ भै नाम समाज)\* ॥—११६

भो नाम

क्राति नृप गोकळ करन प्रात श्रवण (भो) पांण ॥—११७

भ नाम

अगत्रसना मईथुन (मुणौ) भैरू भप (भणाय) ,  
भणतकार सुर भभकै (भै भ नाम उपाय) ॥—११८

भ नाम

घरम अगन भय धारणा दान पुन्य (दरसाय) ,  
घरघरधुन (सो) न्यान घण (सो भ नाम सुणाय) ॥—११९

भा नाम

नाग निवारण रासभणी जरा पुज श्रम (जाण ,  
वळ) निखेद नानावचन वाममुख (वाखारा) ॥—१२०

\* स्पष्ट नही है ।

## जि, जी नाम

अक्षा ब्रध राजा अगन प्रापत (सो नि प्रकास) ,  
भयजुतदेवळ वलभ मद पाखडी (जी) पास ॥—१२१

## बु, बू नाम

त्रियमुख दादुर मदतनु (वळ सुवेख वाखाण) ,  
तव) सुथान मदमस्ततिय जवा सोर (जू जांण) ॥—१२२

## जे, जै नाम

सोनो (रु) प्रिय वरक्त तुल्य सघ (जे नाम सुणाय) ,  
मा पचाळी असत महि पिपरी (जै परठाय) ॥—१२३

## जो, जौ नाम

सीमा प्रोढा देतसुत पळास (जो) परमाय ,  
वचन कीर पयजाळ ब्रख दोभ (नाम जौ दाय) ॥—१२४

## अ नाम

ग्यान कमळ परिव्रम (गण) द्रग ध्रत (अ गुण दाख ,  
पाचव रण च छ भ अ पढ सुण ट ठ ड ढ ण साथ) ॥—१२५

## ट नाम

देवदार पीपळ (दखी) जातरूपक (जाण) ,  
रागफिरै (वळ) सुभट (रट) मूत्र कछप (ट आण) ॥—१२६

## टा नाम

वाडवानळ पाठी वसत्र सुक रटणण सुर सिघ ,  
(कवियण यता टा कहो प्रभता नाम प्रसिघ) ॥—१२७

## टि नाम

पुतळी गिरतळ मुर विपुल हथणी हटी (कहाय) ,  
भू खम्य (ए सात भण लघु टि नाम लखाय) ॥—१२८

## टी, टु नाम

गोम ग्रीव क्षति मेघ गिर वेपाला (टी नाम) ,  
कर टकन कुरकट मुकट सिखा (टु) चक्रघणस्याम ॥—१२९

ह, टे नाम

दौड वहन रिध नद मरु, भय छाया (हू) भार,  
जान नान खग जोखता सकत (नाम टे सार) ॥—१३०

टै, टो नाम

भतीज नभ धन अघ भख अरि पोता (टै आख),  
श्रीफळ धुन चपक सिखा रद गुर (अै टो राख) ॥—१३१

टो, टं नाम

दावानळ छत वूख दध नीत पुरख (टो नांम),  
अकुस द्रग मुत भ्रूह यळ अत (रु) गहड (ट नाम) ॥—१३२

ठ, ठा नाम

ससि गुर ग्यानी सिव क्रसन वेग मेघ वाचाळ,  
पूठ धनी सुन (नाम पळ) मेद रख्यक (ठहमाळ) ॥—१३३

ठि, ठी नाम

वेद छद निस्चे कु वर सुर (ठि नाम) सिखराळ,  
छदी सुतजा छुध छय कुळ कुटुव कुटवाळ ॥—१३४

ठु नाम

रोगी माखी कदम (रट) दळद्री रज जमदूत,  
त्वग (लघु ठु नाम तव भाख वडै अदभूत) ॥—१३५

ठू, ठे नाम

रमा मुकद वुध प्रीत (रट) धरज धरम (ठू धार),  
सत्यप मन वामण सिखा सेम थान (ठे सार) ॥—१३६

ठं ठो नाम

सास्त्र व्यास नभ मूढ मिख भग्न घट्ट (ठं भाव),  
रक्त पीड सिर मूरखता नखतुल्य (ठो) निरभाव ॥—१३७

ठी नाम

गोतम रिख दध वेल (गरा गरौ) जीवका ग्यान,  
धार मरजादा कुळधरम (सुण ठी नाम सुग्यान) ॥—१३८



## ठ नाम

सरद नीर मदरा सुधा सुन्यर निमल वसत ,  
छिद्र (नाम ठं कहि छय दूजा नाम वदत) ॥—१३६

## ड नाम

गोधन सिव गन डमरु पारथ घुन (जप सार) ,  
ताडवृख वृधपण (तवौ ए ड नाम उचार) ॥—१४०

## डा, डि नाम

रव भू भूत उमा रमा डाकन वैतरी डार ,  
(पुख उमापदक्रीत पढ तव डि नाम विसतार) ॥—१४१

## डी नाम

आसण हरडै आवळा साकळ नभ (दरसाय) ,  
समद फीण (डी नाम सुण लघु र वडै लखाय) ॥—१४२

## डु नाम

सिवा रक्त चख थभ सकति (कहि) दधवेळ कपोत ,  
(लोडे डु के नाम लख 'उदा' वडै डू वीत) ॥—१४३

## डू, डे नाम

मोर कळावत विध मदन वाळक (वडे डू वास) ,  
धरमराज जिह अग धरम (वद टे नाम विसेस) ॥—१४४

## डै, डो नाम

कोयल कास मित(रु)वृख करन श्रुत(वै नाम सुणाय) ,  
प्रौढत्रिया पापी मुगध पाप (नाम डो पाय) ॥—१४५

## डौ, ड नाम

नर हर पत गऊ जारनर (कर डौ नाम कहाय) ,  
पय जळ अत रद द्रग चपक(ल कर डी फिर ड लाय) ॥—१४६

## ढ नाम

ढोल भैरवा जत्र ढकण अग दस खर मजार ,  
स्वाद सवद निरगुण (सदा ए ढ नाम उचार) ॥—१४७

ढा, ढि नाम

गी पलास नाभी गदा अज मेरु (ढा आख),  
गुडी ढेल निंदा गदा भूख लिंग (ढि भाख) ॥—१४८

ढा, ढु नाम

मत वीलो ब्रमचार सिख कु खर वृछ (ढी काम),  
करम दुष्ट गज सूर कप जिभग (ढु लघु जप) ॥—१४९

ढू, ढे नाम

पाज अधरम (नकु) वप थर हथनी (ढू) हरताळ,  
हीग खाल पुरवर महर मन अग गढ (ढे माळ) ॥—१५०

ढैं, ढो नाम

मेघ छटा वगवत मदन वुढण आस (ढैं वूद),  
सुख प्रधान साधन धनी रोम पत (ढो) रद ॥—१५१

ढी नाम

चपक पकत सुगध (चव) जमो सजन सुर (जाण),  
मेवासी मानी दुष्ट (विध ढी नाम वखाण) ॥—१५२

ण नाम

कूप घ्राण वंवूळ (कहि) क्षाम जैत मछगात,  
मेधा निरफळ वक्रमग (सो ण नाम सुणात) ॥—१५३

णा, णि नाम

हरख नाभ विध वहनी रुच अजा (नाम णा आख),  
हरि करी(र) नद भीम अहि ससि(प्रकार णि साख) ॥—१५४

णी, णु नाम

अेणी चख जळ ईश्वरी सुरगत्रिया (णी सार),  
हथणी धर अहि पाम कर वाणी वस (णु) वार ॥—१५५

णू, णे नाम

जम रव करद सिव जछा जरा अगन (णू जाण),  
मोजा कगुरा विडग मिनी अस लपट (णे आण) ॥—१५६

## रौं, रौ नाम

लाभ सिवा हर राम दळ जवू (रौ के जाण),  
सर खर प्रमाण (सुण वळ) रक्षक (रौ व्राण) ॥—१५७

## रौं ए नाम

मीन भार माया (मुणौ रौ के नाम सुणत),  
नभ सुगध लक्षमण दरस वन जभाय (वराण) ॥—१५८

## त नाम

सुख तीरथ अघ सूगना चौर मोक्ष भव चित्त,  
तत छिब रूप (र) आतमा (त्यू) हिय थान तवित) ॥—१५९

## ता नाम

तान ताळ मा ऊच त्रिय (त) छठी विसतार,  
सिवा ईस मईथुन वस्त्र तरण पुरख निलतार ॥—१६०

## ती, तु नाम

नट जट बेली दध नदी सकळ पात (ती सार),  
रमा कमळ सुरपुर रक्त कण्ट (तु वाक्य उच्चार) ॥—१६१

## तू, ते नाम

असुध जुध कर अगूरी तुछ कटाछ (ते क्षत्र),  
यमुजळ नासा सुर असुर मुत ग्यान (ते सत्र) ॥—१६२

## तै, तो नाम

मोह हेत प्रक धनि समर काति (तै परकास),  
वरण स्याम (र) वमन विघन (ए तो नाम उजास) ॥—१६३

## तौ, त नाम

आचारज यळ (मान) अज सरळागर (तौ) सग,  
(पुन) वळ जुग सुर अपल चरण अमण (त) चग ॥—१६४

## थ, था नाम

गिर गणपत (र) वद (र) गुरड अधर छाक (थ आख),  
दुत धर मुरज मदाकनी (भेद नाम था भाख) ॥—१६५

थि, थी नाम

वृखभ जमा गोदावरी नीद गळारण (थि नाम) ,  
दध रेवा वृण नीद की (वे विचार थी) वाम ॥—१६६

थु, थू नाम

अविद्या कूचील पिक उचष्ट विसन भूठ (थु) त्याग ,  
दामी मुतफिर दास (कहि) पारासर (थू) पाग ॥—१६७

थे, थै नाम

सवोधन वरलळ सुगध नाल वास (थे तोल) ,  
ताळ कील सुर उरध (तव) वृद पूरण (थै वोल ॥—१६८

थो, थौ नाम

तर मन सुत नरसिध चतुर (ए थो नाम उचार) ,  
सग गमण मन अष्टसिध (सुणौ) मोह (थौ सार) ॥—१६९

द, दा नाम

दवण देवगण खग दया साधु अपल (द) सार ,  
रीछ दता धर मुभ रमा दियर हार (दा धार) ॥—१७०

दि दी नाम

दाता पाळग दसदिसा द्रग पाळग (दि दाख) ,  
स्वामी दानी सस मुधा, आसागत (दी आख) ॥—१७१

डु, डू नाम

दळद्री कर गज सूंड दुख प्रधान दुरत प्रचड ,  
दुख विकार सताप दिल मोहनी (डु डू मड) ॥—१७२

दे नाम

सिवा पुराण अठार (सुण) रूपारेल (रचाय) ,  
सुकव तिया (के नाम सुण) दाम (वळ दे जास) ॥—१७३

दो, दौ नाम

वृखभ दैत लट सिधवन जाण दान (दे जास) ,  
नावस लिंग कर पाय निस दोख (नाम दो रास) ॥—१७४

## दौ, द नाम

समरथभ दळद्री समर प्राण काज (दौ पेख),  
दनुत्रिय सुरनर करभ दभ अघ जुग दड (दं देख) ॥—१७५

## घ नाम

विध कवध गणपत त्रिणु नाथ वचन धनवान,  
(वळै) कूलाल कुमेर (वद) खटमुख (ध) व्याखान ॥—१७६

## घा, घि नाम

यळ कमला सारद उमा धारण (घा के धार),  
घरम धिकार सतोख धर (सुण) आश्रय (घि सार) ॥—१७७

## घी, धु नाम

चित्रक मेघा थरज चित दीपक (कू घी दाख),  
तन धोवी कपत पवन यधक दौड (घू आख) ॥—१७८

## घू नाम

धूरत कपण अगन धुज सिव गज कर (कहिसार),  
चिता भार विचार चित (ए घू नाम उचार) ॥—१७९

## घे, घै नाम

पारसनाथ वृख धरम पिव ऋण धरण (घे) काज,  
रावण ग्रीव सुग्रीव रट पठ आश्रय (घै) पाज ॥—१८०

## घो नाम

सुखद धरम सागर सकट अरथ रूपनद (आण),  
वृखभ (नाम घो को वळै) जुगत यसी विघ जाण ॥—१८१

## घौ, घ नाम

धर वाणी देवळ धरम तट (घौ नाम वताय),  
दान सुखासण मान द्रव धूण तक्षन (घ) घाय ॥—१८२

## न नाम

प्रफुल्लत तर पडत प्रभू अन्य बधन अहमेव,  
नत प्रमान नौका (मुणै भरणकार गुण भेव) ॥—१८३

ना नाम

वनता मुख किरपणावचन निपुण वाद नाकार ,  
प्रतखेधर अव्यय (पढौ ए ना नाम उचार) ॥—१८४

नि, नी नाम

दळद्री निस्चय दुरगती नरत स्याम (नि धार) ,  
प्रेम अगद नृप प्रपति अतिसय (नी उचार) ॥—१८५

नु, नू नाम

वन विदेह वप वाळ वळ न्यूनस्कति (नु नाम) ,  
नूपर दपति कठ नित त्रिया वांगण (नू ठाम) ॥—१८६

ने, नै नाम

स्वान अयन चख समवृत्ती वैत छडी (ने वाच) ,  
सिख अग श्रव नित सुध वरक्त(रटौ)न्याय(नै नाम) ॥—१८७

नो, नौ नाम

(रट) प्रतखेध नम थरगण खटमुख मौल विख्यात ,  
(पढ) दळद्री सुर जुगपुरख (ए नौ नाम उदात) ॥—१८८

न नाम

सुख द्रग जग सिंगार श्रव हरख नाम गज (होय) ,  
कत स्याम (मिळसी कदै जुगत नाम न जाण ॥—१८९

प नाम

पापी रत्र रक्षक पवन वूख गुर भूप (वखाण) ,  
सिध काम पीवन (सुणौ पढ प नाम प्रमाण) ॥—१९०

पा, पि नाम

सिवा पान खग रज सुधा पीवन (औ पा नाम) ,  
विसम जोन भीम्म पवत्र सिख (पि नाम) सुरधाम ॥—१९१

पी, पु नाम

पीड हेम अय हळद (पढ) सम्रत पपीलक साख ,  
पुत्र पारह प्रापत पुरख दोभ (नाम पु दाख) ॥—१९२

## पू, पे नाम

पूरण नभ पूरब नगर गंगा वपु (पू ग्यान) ,  
पेटी पीवन भोग पख अड नीर (पै आन) ॥—१६३

## पै, पो नाम

श्राध नीरज टका सगा सुदर (पै दरसाय) ,  
पिड सुत वृध समास प्रभू (ए पो नाम उपाय) ॥—१६४

## पौ, प नाम

पान पुरख गिरजळ प्रभू (पौ के नाम पढत) ,  
पय पवन रण जळपुष्ट कीच (नाम प) कत ॥—१६५

## फ नाम

पाप फीण वरखा पवन माघ मास मा पुन्य ,  
(कहि) वुध बानन (रु) माघ (कव पढ फ नाम) प्रसन्न ॥—१६६

## फा, फि नाम

गरळ तीरथ वैठक गुदा भरथ डगा (फा भाख) ,  
काळचक्र वृध राकसी दाह जठुर (फि दाख) ॥—१६७

## फी, फु नाम

गयी कारल सुर पवन गज (ले फी नाम लखाय) ,  
काती (लो) काती कतग गुण विलव (फु गाय) ॥—१६८

## फू, फे नाम

सरव फूक रिण भू सरण व्थावचन (फु वाच) ,  
अधकागण कीहो भ्रमण रटै राम फे राच) ॥—१६९

## फै फो नाम

साख लाल अनखुलि कुसम रित्त वसत (फै रीत) ,  
फो फळ वैधूत काळ फळ वाभ स्याम (फी) वीत ॥—२००

## फौ नाम

मेम द्रोण मरवन मपती गगा चारज (गगाय) ,  
मेर गुफा रणमड (तू सो फौ नाम सुणाय) ॥—२०१

फ नाम

सुन्य भुजन सभारबौ स्वाद मनोहर सार ,  
छिद्र (और) फालगुनी छटा भगनी (फं सभार) ॥—२०२

व नाम

बोल निबोली ववकरण प्रतविब्रत (कहि पात) ,  
कळस पुलत सुर (फिर कहै वद व नाम विख्यात) ॥—२०३

वा, वि नाम

वाळक वहनी नरवदा (कही) बात (वा किध) ,  
विख ससी नभ धर फल वयण पूरण (वि परसिध) ॥—२०४

वी, वु नाम

विरह वेल निस नूप विनय श्रव खिजूर (वी) साल ,  
कुस त्रुस अग जळ छत्र (कहि) चक्र बाळघ(वु चाल) ॥—२०५

वू नाम

अरक तूल बवूल (अख) वूख अरजुन गुरवाच ,  
साद सूर (वू गुर सुणो रैणव पढ गुण राच) ॥—२०६

वे, वं नाम

जिग क्रम पोहित नीचजन साखी (वे) ससार ,  
करण अरुण बालक श्रवन वच सत (वं विसतार) ॥—२०७

वो नाम

वकरो दाढी जाबुफळ (यु) पग स्वास उसास ,  
प्राणादिक (वो नाम पढ 'उदै' कियो उजास) ॥—२०८

वौ, व नाम

गौडा धातु गग (गण) मिघासन (वौ सार) ,  
वळ (बळ) देव सभारबौ असत (व नाम उचार) ॥—२०९

भ, भा नाम

भारगव अलि जळ नभ ससि सेवा रिख भय (माख) ,  
जस मद निस दुत श्री उजळ (भा) मरजादा (भाख) ॥—२१०



## भि, भी नाम

तीर प्रेम रोहणतिया भैरव मेरु (भि भाख),  
भीम वभीखण अहि(र)भय (सो) दीवाळ(भी साख) ॥—२११

## भु, भू नाम

कग भख वेसक अहि करग (ए भु नाम उपाय),  
(ज्यू) नृप भूखण सतजन (भयौ भू नाम सभाय) ॥—२१२

## भे, भै नाम

भेर कप भैरव गुरड भेद छेद भय (भाय),  
राग वरन ब्रह्मा रमा जम (भै नाम जगाय) ॥—२१३

## भो, भौ नाम

सबोधन नवग्रह सरप मिदर घर (भो मड),  
तन मगळ प्रातर भस्म (ए भौ नाम अखड) ॥—२१४

## भ नाम

अलि जळ रव उडवन रचति सिख (भ नाम सभार),  
(भभ अछर के नाम भगण) वयळ कळा (विसतार) ॥—२१५

## म, मा नाम

सिव समूह नभ गयद सिर ससि रण राम (म सार),  
गिर जाळ घर मान गत पीडथकौ (मा पार) ॥—२१६

## मि, मी नाम

मील दया (रु) प्रमाण भू विसनतर विमेक,  
रमा जती मदवौ करग पढ प्रमाण मी (पेख) ॥—२१७

## मु, मू नाम

पायी उप-सम मुष्ट रिख बहुजीजा (मु वोल),  
वघण प्रक घण चक्र वळी सठ (म् नाम सतोल) ॥—२१८

## मे, मै नाम

वृखभ मेघ उपमेय (वळ) चातक (मे कहिचाव),  
रमण स्वारथी रव प्रणत मित्री (मै समभाव) ॥—२१९

मो, मौ नाम

मोती त्रिय पारद मुगत मोह अछ्या (मो मग) ,  
नम कलाळ वडवानळा (पढ मौ) मुगत (प्रसग) ॥—२२०

मं नाम

मगळग्रह खल गुड मिलण सुदर रूप (सुरणाय) ,  
मगळगीत डछव (मुदै ए म नाम उपाय) ॥—२२१

य, या नाम

सिवा सुतन ईमुर पुरख खवन (नाम यह ह्यात) ,  
जोत रमा कुलजा प्राप्त त्रिय नर जाळ (या) तात ॥—२२२

- यि, यी नाम

जळ जुध दोहरण कमळ जय (यि पिछु नाम उचार) ,  
गज कुठार अतुडड (गण) तरसारथी (यी तार) ॥—२२३

यु, यू नाम

सरप जोख जिग अळमिया मिश्र (नाम यु मड) ,  
जिग अत्रत नर डरत जूय यभ (बोल यू) थड ॥—२२४

ये, यै नाम

साय जोग नर रव सजन (ये के नाम उजास) ,  
जळ पल सिसियद घनद जुग (पढि यै नाम प्रकास) ॥—२२५

यो, यौ नाम

जोत जोजना जोग पग सुरा सयोग (यो साख) ,  
सिख प्राचीदिस कण स्वरग भेद सुपुत्र (यौ भाख) ॥—२२६

य नाम

क्लीव वसत एकादसा रामकरण पसु रस ,  
(वळ) जत्र (य नाम वद एकाक्षर उपदेस) ॥—२२७

र, रा नाम

दध धुनि रव रक्षक मदन सिख कपाट रस (र) सग ,  
राह हेम घन क्रुध रमा पाट श्री द\* (रा) पग ॥—२२८

\* मूल प्रति मे स्पष्ट नही है ।

## रि, री नाम

रावन कळम कपूर रिघ भवरि (नाम भगणाय) ,  
सिख नवोटा कामी ऋण भ्रांति भ्रगी री (भाय) ॥—२२६

## रु, रु नाम

रव अग रुई डर रुदन भाजनमवद (रु) भास ,  
विघ नूप काम गजी वयल कुलाल (रु) प्रकास ॥—२३०

## रे, रै नाम

नीच काम मुख खेद नभ वायम (रे विख्यात) ,  
राजा सुख घर स्याम रग (रै) मनोज (दरमात) ॥—२३१

## रो, रौ नाम

उदर-रोम रिख गद असह त्रमना (रो कहि ताम) ,  
क्रोध रौद्ररस ईस (कहि) जटा मरग (रौ जाम) ॥—२३२

## र नाम

मीस रुदन रत रंग सुख घन (रं अवघा धार) ,  
र रकार एता रटै 'उदा' नाम उचार) ॥—२३३

## ल, ला नाम

चिह्न काळ सार सचवर यद चलण (ल आख) ,  
रक्त रग तियवाळ रत (भर्णी) रमा (ला भाख) ॥—२३४

## लि, ली नाम

सरप विद्धि दार्मी सखी मुखक (पिछ नि माप) ,  
अलि लीलावर मिलण यळ(त्यू) सखी(ली परताप) ॥—२३५

## लु लू नाम

भू माळी छेदन भखी लोक (लु नाम लखाय) ,  
लोप काळ छेदन प्रलै गुदा रुद्र (लू गाय) ॥—२३६

## ले, लै नाम

दान तार मुत राम दख (ले) गी वस्तु मलीण ,  
राम प्रलय उमया रमा करुणा (लै नाम कहीण) ॥—२३७

लो, लौ नाम

सिला मीन सिकार (तव) प्रभू मोह (लो) प्रीत ,  
विघपथ भूखरा चोर (वल) मारुत (लौ कहि) मीत ॥—२३८

ल नाम

लोक वचन सुख सोय लय (नाम चिन्ह के नाम ,  
लख यव ले ल नाम लख सिमर सदा घणस्याम) ॥—२३९

व नाम

वरण मुखी उपमा सिव (ही) अव्यय अरथ (उचार) ,  
पवन (वळ व नाम पढ सुकव सुगौ तत सार) ॥—२४०

वा, वि नाम

अवा विकलय हेत अति (अवय म वरा वा आरा) ,  
रव सिस दध पछी गुरड (वळ वि) लवी (वखाराण) ॥—२४१

वी, वु नाम

सास्त्र वेल गगा विसनु सुभट (वी सार) ,  
प्रात प्रदोख (ह) घणपटल (वळ वु नाम विसतार) ॥—२४२

वू, वे नाम

अरक तूल वहु सरव यभु कवूतर (वू) काज ,  
वेद पलव सुरतर पिपर (सुगौ) वेग (वे साज) ॥—२४३

वं, वो नाम

(अव्यय निष्चय वळ अरथ) ऋण सरग (वं किध) ,  
विनय सातसुर काल वूख सारथि (वो परसिध) ॥—२४४

वौ, व नाम

वडवा उडवा पान (वळ) खग सुत (वौ विख्यात) ,  
अरुण वस्त्र चख दही उरज सुख(व नाम सुणात) ॥—२४५

श नाम

अपरुख भोजन सिव उमा हिमगिर शक (कहि होय) ,  
रग गौर सिख्या रमा सागो गी (कहि मोय) ॥—२४६

## शि, शी नाम

सूरज नाट्य सेवक कमल (लघु शि नाम लखाय) ,  
सिया भाग सीतल वस्तु सिसु प्रवीण (शो भाय) ॥—२४७

## शु, शू नाम

पल पलास ससि सुक उपल (शु) कैलास (सुगगाय) ,  
खेत्र सोक मिव खड नर (वळ) सुद्र (शू कहवाय) ॥—२४८

## शे नाम

सेस सिखर गिर सरस तर पढत कीर (शे पाठ) ,  
उकत नाम एकाक्षरी 'ऊदै' कथी उदात ॥—२४९

## शै नाम

सीतल वरक्त सिव घरम धु धमार नृप (धार) ,  
गैद (वळ) वैसध (गण विध शै नाम विचार) ॥—२५०

## शो, शौ नाम

शोक दोख थिर पवत्र सुग मड त्रभुजा (शो मड) ,  
सख उपासन जप मनि वाळक (शौ) वळवड ॥—२५१

## श नाम

सुख सरीर सुभ सणी सुमर रक्षक रोग रचाय ,  
(ऊदैराम' एकाक्षरी सो श नाम सुगगाय) ॥—२५२

## ष, षा नाम

सिपख खजर नभ श्रेष्ठ (सब्द नाम ष सार) ,  
गधी तीड रेखा (षा) गुफा भावू (नाम पा सार) ॥—२५३

## षि, षी नाम

पवन घूक सुरमुख कपट प्रवल (षि नाम प्रकाम) ,  
जम अतग हसतु वली (ए षी नाम लखाय) ॥—२५४

## षु षू नाम

हय नव खर पु ज कौहक हय (लघु पु नाम लखाय) ,  
विधु निसचरा मलेछ वृव (नाम) केत (पू न्याय) ॥—२५५

वे, वै नाम

सक खेद नभ, साथ (सुण ए पे नाम उपाय ,  
कठणवस्तु षर बाळ (कहि) वट (वै नाम बताय) ॥—२५६

षो, षौ नाम

तन मलीण नर पज (तव) विचार (षो विदवान ,  
भू वुध रव(गण) भूख(वळ) मित्र (षौ) सगना(मान) ॥—२५७

(ष) नाम

(ए) मधु धार यद्रिया नभ (गण प के नाम ,  
'उदैराम' हर नाम उर सिमर सदा घणस्याम ॥—२५८

स नाम

पद तळाव अद्रष्ट (पढ) सरिसनित रव (साख ,  
वळ नाराच (वणाणियै भेद दती स भाख) ॥—२५९

सा, सि नाम

तिय साळी रज माल (तव) रमा (नाम सा राख) ,  
सिख असीस हितु सुर खडग (भेद लघु सि भाख) ॥—२६०

सी, सु नाम

सुख विवाद वदवा (मुणौ) निरफळ (सी) निरधार ,  
रव कुठार छेदन फरस (सु लघु नाम) सुथार ॥—२६१

सू, से नाम

रसा सगर भा विध (रटौ) पारासुर (सू पेख) ,  
वकरी नभ मिधलोक (वळ, दुरस नाम से देख) ॥—२६२

सै, सौ नाम

स्याळ बाळ अहि धरम (सुण) कीर (नाम सै किध) ,  
सुक्रवार पडत ससि (सौ) मंत्र (नाम प्रमिद्ध) ॥—२६३

सौ, सं नाम

श्रेष्ठवाक्य भ्राता (सुणौ पढ) पुनीत (मौ पाय) ,  
सकर सुख कारण सरण (यु स नाम उपाय) ॥—२६४

## ह नाम

हरख चोर कुटबाळ हर काष्ट निखेधा (कीघ ,  
पुन अगाक्ष (ह नांम पढ दळ एकाक्षर दीघ) ॥—२६५

## हा हि नाम

सत्यारथ गधूव सदा हरनद (हा के) हाण ,  
हरा खेद टीटूहरी पनग मोर (हि) प्राण ॥—२६६

## ही ह्री नाम

अगच्छोना पछी मनि हरख पुरख (ही होय) ,  
वसीकरण वीडा अजा मंत्र वीज (ह्री मोह) ॥—२६७

## हु, हू नाम

नृप निद्या निस्चय (कर) सभारण (हु व सार) ,  
सुर दीरघ निस्चय सुरद विप्र रूढ (हू वार) ॥—२६८

## हे, है नाम

सबोधन क्रत अस्व सिव (कहि) प्रसाद (हे काज) ,  
पाय परीक्षक (हय पढौ) हामी (है कहि साद) ॥—२६९

## है, व, हो नाम

ताळ सबद वायस तिया गाथ सिवा (ह्वै ग्यान) ,  
जिग उछाह अरजन अति (हो सबोधन ह्यान) ॥—२७०

## हो नाम

मस्त्र पक्ष जय अतु मकध ब्रह्मा (हो वाखाण ,  
भगती कर भगवत की जगनाथ गुण जाण) ॥—२७१

## हं नाम

पूरण हस समूह (पढ) दीपत जीव उदार ,  
गार चोर हरवौ (गणौ) मिव (हं नाम सभार) ॥—२७२

## ल नाम

कमळ रमा परिव्रम कवि निरमळ (ळ) निरधार ,  
प्रथम नाम स्नका (पढै लग्) गुरु (नाम लकार) ॥—२७३

क्ष, क्षा नाम

दनु खेत मिंदर गवण क्षमावत (क्ष ख्यात) ,  
जमना यल सीता जरा दुरवळ (क्षा कहि दात) ॥—२७४

क्षि क्षी नाम

जोत यद्रिय चख गोख (जप कानो क्षि कह्वाय) ,  
मदरा पखी अगन (मुण) क्षीणपुरख (क्षी भाय) ॥—२७५

क्षु क्षू नाम

रव दध यद (रु) रुद्र (के) क्षय (क्षु नाम लखाय) ,  
मुखक नष्ट पापीमुखा (विघ क्षू नाम वताय) ॥—२७६

क्षे, क्षै नाम

सकल मगळ कुरखेत (मुण) खेडू खेत (क्षे ख्यात) ,  
मुगध जुवारी ठग मिनी क्षय लपट (क्षै) रात ॥—२७७

क्षो क्षौ नाम

क्षुरक वृणाय (लखि कहि) मत्र क्रोध (क्षो मड) ,  
मगळग्रह नूप खज (मुण) जख मद (क्षौ ज मड) ॥—२७८

क्षं नाम

सुव कमळ पय खेत मुख (नाम) भखण आणद ,  
प्रागतीरथ मकरद (पढ वळ क्ष नाम विलद) ॥—२७९

क्षी नाम

कीरत द्रव (सो) कुसळ क्राति रमा प्रकास ,  
सोर वरक्त सित सपदा पीत पत वृतादास ॥—२८०

रतन भूम बुघवान (रट) लाज अजाद (लखाय) ,  
एकाक्षर 'उदा' एता सो श्री नाम सुणाय) ॥—२८१

'उदा' यण एकाक्षरी अरथ अनेक उपाव ,  
कवकुळबोध प्रकास मे देसल जळ दरियाव) ॥—२८२

इति श्री महाराव राजद्र श्री देसलजी राजसमुद्र मध्ये

त्रिविध नाम-माळा निरूपण नाम अवघा

अनेकारथी एकाक्षरी वर्णन नाम

दसमौ लहर या तरंग ।



## अथ अव्यय—नामावली

पहें नाम-माळा परें अव्यय नाम अणार ,  
मेघा सुण व्याकरण मत उदें कियो उचार ॥—१

### प्र नाम

रुद्र गवण प्रथमारथ (रट) देखण (छा) दरसाय ,  
कव सतोख साति (कहौ प्र के नाम उपाय) ॥—२

### अ, इ, ई नाम

अचरज प्रतखेद (रु) अभाय, अनेक (नाम उजास) ,  
सबोधन (लघु इ सुणौ ई) दुख सम्रती उदाम ॥—३

### उ, ऊ, ऋ, ॠ नाम

रोख बचन निसचय प्रसन्न (ऊ ज) निवारण (आख) ,  
दोख क्षोभ वृद्ध (ऋ दखो ॠ) विश्राम गुण (राख) ॥—४

### लृ, लृ नाम

क्षोभी वृद्ध (रु) दोख कहि लृ लघु नाम लखाय ,  
लृ) निखेध (दौरधे लखी अव्यय नाम उपाय) ॥—५

### ए, ऐ, ओ, औ नाम

सबोधन (ए लघु सुणौ ऐ) आचारज (आख ,  
ओ) दिखायवो (आखिये भण अहोतहै भाख) ॥—६

### अ, आ नाम

(अ) सबोधन (आखिये) मान विधान मजाद ,  
आगम (आ अ) पाच (अख ईहग कहत अनाद) ॥—७

### ऋ, र, डु नाम

(आख) समुचय (पुन) अरथ (अव्यय के व अेह) ,  
दुख दुरजन कण्टी दुण्ट (डु वळ अव्यय दाख) ॥—८

### नि नाम

अतिसय निरणय जम (यता) निसचय गवण निखेध ,  
(नि अव्यय के नाम ए वर के डु चत वेध) ॥—९

(नो मा कहि) प्रत खेदना वा विकल्प उपमांन ,  
(अथ) सुवाय त्यदादि (कहि विदवल पढौ विधान) ॥—१०

वि नाम

विखम विजोग विजोग (व्है अरथ जुदा भिन आय ,  
ए वि नाम उचारियै स के नाम सुणाय) ॥—११

सं, सु नाम

(सुण)उतपत भव वरक्त(स) भव्य वरक्त जस (भाख ,  
पूजा सुख सू पाइयै राम कृष्ण चित राख) ॥—१२

स्म ह नाम

(स्व कहिये सवे) स्वरग (कूं ह अव नाम हलाय) ,  
वरजण पदपूरण\* (वळै) मारबो विधी मिलाय ॥—१३

अव्यय भेद अपार है, वरण अरथ विसतार ।  
चवि श्री फकीरचद, उदै कियो उचार ॥

इति अव्यय सपूर्णा ।

---

\*पद-रचना मे मात्राओ की पूर्ति के लिए या तुक के आग्रह से 'ह' का प्रयोग प्राय बहुत से शब्दों के अंत मे होता है । यथा—

सोने री साजाह, नग कण सू जडिया जिके ।

कीन्हो कवराजाह, राजा मालम राजिया ॥



## अनुक्रम

[ पर्यायवाची शब्दों के शीर्षको का अनुक्रम ]

क्रम	पृ स	क्रम	पृ स
अकुर — नाम	२३८	अटा — नाम	१३८
अकुण ,	२१२	अहमा ,	२४०
अकुण की नोक ,	२४६	अत ,	१३७
अकुण से रोकना ,	२४६	अतिवृष्टि ,	१८२
अग ,	२००	अदरक ,	२४२
अगदेश ,	२२७	अथाह पानी ,	२३४
अगिया ,	२०५	अघर (होठ) ,	६५
अगीकार ,	१८६, २५६	अनमना ,	१६५
अगीठी ,	२३०	अनुक्रम ,	२५६
अगीरा ,	२३६	अनुराग ,	१८७
अगीरे की		अन्तर्वेद ,	२२७
ज्वाला ,	२३६	अन्न ,	२४२
अगुली ,	२०१	अपछरा ,	६७
अचल ,	२०५	अपराध ,	२१०
अडा ,	२५३	अपसरा ,	२२
अत्यज ,	२२५	अपान वायु ,	२३७
अघकार ,	१५७, १८४	अप्रसन्न ,	१८८
अघा ,	१६६	अप्सरा ,	२१७
अघारो ,	१२२, ७३	अफीम ,	२२४
अव ,	१०७	अभिप्राय ,	२५६
अकास ,	२१, ८७	अभिशाप ,	१६४
अकेला ,	२५६	अभी ,	१८५
अगन ,	१२६	अभ्रक ,	२३२
अगनी ,	२७, ८१, १६०	अमलताश ,	२४०
अग्नि ,	१७७	अमार्ग ,	२२८
अच्छा ,	२१७	अम्रत ,	१२३
अच्छा चलने		अम्रित ,	७६
वाला ,	२४८	अयाल व बालछा	
अच्छा समय ,	१८३	अयोध्या ,	२२८
अजगर ,	२५२	अरक ,	२३५
अर्जुन ,	२०८	अरजुण ,	५५, १०६

अपरापत — नाम :	१३०
अलक ,	२०४
अलता ,	२०६
अलसी ,	२४२
अवरोध ,	२०६
अशोक ,	२३६
अष्ट मंगल ,	२४८
अष्टदिकपाल ,	१८३
अष्टसिधि ,	१२७, १५६ १८२
अष्टापदसिंह ,	२५०
अमटमिधि ,	८३
अस्ताचल ,	२३१
अस्थि-पजर ,	२०३
अहंकार ,	१२०
अहरन ,	२२३
अक्ष ,	२२०
अक्षर ,	२६०
आख का कोया ,	२४६
आख ,	२६
आखो के ऊपर का भाग ,	२४६
आगन ,	२२६
आगळी ,	६३, ११५
आत ,	२०२
आधी ,	२३७
आत्रा ,	१३६
आवला ,	२४०
आकास ,	१२६, १६२ १८२
आग्या ,	७६
आचार ,	२१८
आचित ,	२२०
आठ ,	२१६
आड ,	२५४
आणद ,	६६, १६
आनग ,	१२४
आदीत ,	१५४

आधि — नाम	२५४
आना-जाना ,	२१६
आभूषण ,	११७
आम ,	२३६
आरभ ,	२५६
आरसी ,	१२४
आरा ,	२२२
आर्यावर्त ,	२२७
आलम्य ,	१८८
आलिंगन ,	२५६
आश्चर्य ,	१८८
आश्विन ,	१८४
आश्विन कार्तिक ,	१८५
आपाठ ,	१८८
आसन ,	२०६
आसव ,	२२३
आहैडी-शिकारी ,	२२४
आज्ञा ,	१८६
इगुर ,	२३३
इद्र ,	८०, १५०, १७८
इन्द्र ,	२७, ६६
इन्द्राणी ,	६७
इद्र के पुत्र त्रयमुख ,	६७
इन्द्रगुर ,	१५१
इन्द्रजाल ,	२२४
इन्द्रदल ,	१५१
इन्द्रपाट ,	१५२
इन्द्रपुरी ,	१५१
इन्द्रपुत्र ,	१५१
इन्द्ररिख ,	१५१
इन्द्र री राणी ,	१५१
इन्द्रवन ,	१५१
इन्द्रवैद ,	१५१
इन्द्रसदन ,	१५१

इन्द्रसभा	— नाम	१५१
इन्द्रिय	,	१४२
इमली	,	४२०
इलायची	,	२४१
ईश्वर	,	१४६
ईर्षा	,	१९३
ईर्षालु	,	१६३
उजळ	,	१२१, १५५
उजास	,	१५५
उज्जैन	,	२२८
उतावळि	;	८५
उत्कठित	,	१६४
उत्तर	,	१८३
उत्साह	,	१८७
उदान-वायु	,	२३७
उदियाचक्र	,	२३१
उपजाऊ भूमि	,	२२६
उपल (घास)	,	२४३
उपला-कडा	,	२५०
उपलो की आग	,	२३६
उपवन	,	१३८
उपवास	,	२१८
उपहास	,	१८७
उमर	,	२१७
उदं	,	२४२
उलटना	,	११६
उल्कापात	,	१८३
उल्लू	,	२५३
उष्ण	,	२५४
ऊमर	,	२२६
उसास	,	२५५
ऊचा	,	२५८
ऊट	,	२८, १०४, २४८
एक	,	२१६
एकान्त	,	२१०

एडी	— नाम	२०३
एरड	,	२४१
एरापती	,	१५१
अेळची	,	१४२
अोखल	,	२३०
अोढनी	,	२०५
अोद	,	२२४
अोळा	,	१८३
अोषध	,	१६६
अोसान	,	२१५
ककपक्षी	,	२५४
कघा	,	२०६
कचन	,	१०५
कघा	,	२०१
कघे का रस्ता	,	२४६
ककडी	;	२४२
कचनार	,	२४१
कचचफल	,	२३६
कछुआ	,	२५५
कज्जल	,	२०६
कटारी	,	२०, २१३
कटि	,	६२
कटा	,	२५६
कडि	,	११५
कडुवा	,	२५६
कदत्र	,	२४०
कदम	,	१३६
कनछ	,	१४०
कनीर	,	२४०
कन्नोज	,	२२८
कपट	,	७०, १२०, १६२
कपटी	,	१६२
कपडे	,	२०५
कपास	,	२४०
कपिल रग का		
घोडा	,	२४७

कपूर	— नाम :	२०४
कबरा	,	२५७
कवूतर	,	२५४
कमठ	,	१०७
कमर	,	२०२
कमरबद	,	२०५
कमल	,	२४१
कमळ	,	५२
कमल की नाली	,	२४२
कमल की बेल	,	२४१
कमेडी व पडुकी	,	२५४
करघनी	,	२०४
करण	,	५६
कर्ण	,	२०८
करन	,	१११
करना	,	२४०
करनीदेवी	,	२६०
करस्ताना	,	२१२
कराडा	,	२३१
करीर	,	२४०
कलई-रागा	,	२३२
कलपन्नछ	,	६६
कलपन्नछ	,	१५२
कला	,	१८४
कलार	,	२२३
कलिंग	,	२५३
कली	,	२३६
कलेजा	,	२०२
कव	,	११२
कवि	,	१८६
कवच	,	२१२
कर्ष (तोल)	,	२२०
कसाई	,	२२५
कसीस	,	२३२
कसेला	,	२५७
कस्तूरी	,	२०४

कक्षा-कखुरी	नाम	२०१
काच	,	२०६
काच जैसा		
श्वेत घोडा	,	२४७
काम	,	२५६
कामरूप	,	६७
कामदेव	,	२२७
कास	,	२४२
कासा	,	२३२
काछिवा	,	५३
काजळ	,	१३२
काटना	,	१६१
कान	,	६६, २००
कान का मूल	,	२४६
काना	,	१६६
काबरा घोडा	,	२४७
कामदार	,	२०६
कामदेव	,	६५ १७६
कामी	,	१६४
कायर	,	१६१
कार्य	,	२६०
कारण	,	२६०
कातिक	,	१८५
काराम्रह	,	२१५
कारीगर	,	२२१
कारीगरी	,	२२१
काला घोडा	,	२४७
काली पिडलियों		
का श्वेत घोडा	,	२४७
कावर, गुरगल	,	२५४
कावेरी	,	२३५
काशी	,	२२८
काश्मीर	,	२२७
काष्ठ	,	१८४
किनारा	,	२३४
किन्नर	,	२२, १८८

किरिण	— नाम :	७२
किला	,	२२७
किरण	,	१२१, १५५, १८१
किवाड	,	२२६
किसान	,	२२१
कीचड	,	२३५
कीडा	,	२४३
कीर्ति	,	१८६
कुज	,	१४२
कुड	,	२३६
कु भकरण	,	२०७
कु भ के नीचे		
का भाग	,	२४६
कु भ के बीच		
का भाग	,	२४६
कुभार	,	२२२
कुआ	,	२३६
कुटी	,	२२६
कुत्ता	,	२५०
कुदाली	,	२२१
कुबडा	,	१६६
कुवेर	,	८३, १८०
कुमार्ग	,	२२८
कुमेर	,	६८
कुम्हडा	,	२४२
कुम्हार की चाक	,	२३०
कुरुक्षेत्र	,	२२७
कुलत्थ	,	२४२
कुशा	,	२४२
कुसळखेम	,	१२०
कुसळ	,	७१
कुहनी	,	२०१
कूकर	,	७५
कूड	,	७७
कूड	,	१२४
कूडा	,	२३०

ककडा	— नाम :	२५५
केरल	,	२२७
केला	,	२३६
केवडा-केतकी	,	२४१
केशर	,	२०४
केस	,	६५, ११७
केसर	,	४८, १०५, १६६
कैची	,	२२२
कैचुवा	,	२४३
कैथ	,	२४१
कैद करना	,	२१५
कैदी	,	२१५
कैलाश	,	२३१
कोकल	,	१४२
कोट	,	२२७
कोना	,	२३०
कोप	,	१८७
कोयल	,	२५३
कोलाहल	,	२५७
कोस	,	२२०
कौआ	,	२५३
कौडी	,	२४३
कौतक-खेल	,	२२४
क्रपा	,	१२०
कृपण	,	१६१
क्रिपा	,	७०
कृत्रिम विष	,	२५२
क्रोध	,	१३५
क्रोधी	,	१६३
खच्चर	,	२४८
खटभाषा	,	१३१, १६३
खटमल	,	२४४
खट्टा	,	२५६
खडा रहना	,	२१६
खाड़ियामिट्टी	,	२३१



खर — नाम :	७५, १२३	गन्ने की जह नाम	२४२
खरगोश	, २५१	गया	, २२८
खलियान	, २२७	गरदन	, २०१
खश	, २४१	गरुड	, ३०, १८१
खश की घास	, २४१	गर्जना	, १८३
खश आदि का		गर्व	, १८६
पंखा	, २०६	गली	, २२७
खाई	, २३६	गळी	, १३८
खान	, २३१	गहरा पानी	, २३४
खानत्र-खणीत्य-		गाठ	, २३६
खानत्र	, २२१	गाव	, २२७
खारभजना-		गाडा	, २११
गजक	, २२३	गाडी	, २११
खारा	, २५६	गाडीवान	, २११
खाली	, २५८	गान	, १८६
खिन्नर	, १४१	गाय	, ७८, १२४, २४६
खिलोना	, २०६	गायो का स्वामी	, २२१
खुरट	, १६६	गाल	, २०१
खुर	, २४८	गिजाई	, २४३
खेवटिया	, १३०	गिद्धिनी	, २५४
खेळ	, २३६	गिनका	, १३६
खैचना	, २१५	गिरद	, १६४
खोपडी	, २०३	गिरजा	, ६२
गंगा	, ४१, ६६, २३५	गिरांट	, २५१
गडूल	, २४१	गिलाफ-खोली	, २०५
गदला पानी	, २३४	गीजह	, २०४
गध्रव	, ६७, १५३	गीदड	, २५१
गच	, २३०	गु जा	, १४१
गठजोडा	, २०५	गु जा-घु गची	, २४१
गड्ढा	, २५५	गुन्छा	, २३८
गढ	, ५३, १०८, २२७	गुजागल्	, २२६
गणेश	, १७०	गुज्जी-रावडी	, १६४
गणेश	, ३५, ६१	गुड	, १६३
गघा	, २४८	गुदा	, २०२
गन्धक	, २३२	गुप्तदूत	, २१०
गम्ना	, २४२	गुप्त मन्त्र सलाह	, २१०

गवाल	—	नाम	२२१
गुपत	,		१३५
गुफा	,		२३१
गुर	,		६७
गुरड	,		१२८, १५८
गुरुड	,		८५
गुलगुला	,		१६३
गुलाबी घोडा	,		२४७
गूथना	,		२०४
गूगल	,		२४०
गूलर	,		२३६
गोंद, खिलीना	,		२०६
गेरू	,		२३१
गेहूँ	,		२४२
गैंडा-हाथी	,		२५०
गोदावरी	,		२३५
गोबर	,		२५०
गोल	,		२५६
गोवडा	,		२४४
गोवडी	,		२४४
गोहरा	,		२५१
ग्रास	,		१६४
श्रीवा	,		६४, ११६
घडनाव	,		२२०
घडा-बेहडा	,		२३०
घण	,		१२६
घर	,		५४, १०८, २२६
घाट	,		२३५
घाव	,		१६६
घास	,		२४३
घास की भीपडी	,		२२६
घी	,		१२५
घुटना	,		२०२
घुसना	,		२१५
घूघट	,		२०५

घोघा	—	नाम	२४३
घोसला	,		२५३
घोडा	,		२०, २८, ५८, ६७, ११३, १७५
घोडा उठाना	,		२१२
घोडी	,		२४८
घोडे की ग्रयाल	,		२१२
घोडो का भुण्ड	,		२१२
घोडो के खेत	,		२४७
घृत	,		१६३
घ्रत	,		७६
चचल	,		२५८
चचळ	,		६७, ११८
चदण	,		४८, १६६
चदन	,		२०४
चंदवा	,		२०५
चदेरी	,		२२८
चद्र	,		३६, १७६
चद्रमा	,		६५, १५५
चद्रिका	,		१८१
चपा	,		१३६, २४०
चपापुरी	,		२२८
चवेर	,		२०६
चळ	,		२२१
चकवा	,		२५४
चकोर	,		२५४
चक्र	,		२१४
चक्रवर्ती राजा	,		२०७
चतुर	,		१६०
चनण	,		१०५
चन्द्र	,		३१
चपळा	,		१५३
चवूतरी	,		२२६
चमडे से			
मठे बाजे	,		१८६
चमार-मोची	,		२२५

चने	— नाम	२४२
चन्द्रकान्त मणि	,	२३३
चमेली	,	२४०
चम्बल	,	२३५
चरपरा	,	२५७
चलना-दौडना	,	२१६
चहचहाना	,	२५७
चहुग्रोर	,	२१७
चादी	,	२३२
चाकर	,	७६, १२३
चार	,	२१६
चारवेद	,	१८५
चालणी	,	२३०
चावल	,	२४२
चिडिया नर	,	२५४
चिडिया मादा	,	२५४
चितेरा	,	२२३
चिनगारी	,	२३६
चिन्ह	,	२६०
चिक्क विदी	,	१३३
चिमगादर	,	२५४
चिरोजी	,	२४०
चीटा	,	२४३
चीटी	,	२४३
चील	,	२५४
चुगखोर	,	१६२
चुडेल	,	२६१
चूर्ण	,	२२७
चूल्हा	,	२३०
चूहा	,	२५१
चैत्र	,	१८४
चैत्र-वैशाख	,	१८५
चोच	,	२५२
चोवदार	,	२०६
चोर	,	७४, १२२, १६२
चोराहा	,	२२८

चौईस अवतार	नाम	१३०, १४५
चीडा	,	२५८
चौदह विद्या	,	१८५
च्यार पदारथ	,	१३२, १६३
च्यार प्रकार री		
मुगती	,	१३२
छ-	,	२१६
छछू दर	,	२५१
छाछ	,	७६
छडीदार	,	५३, १०८
छत	,	२३०
छतीस सस्त्रो के	,	११८
छनीयार	,	६८
छभा	,	६७, १२१
छत्र	,	२०६
छाती	,	२०२
छाल	,	२३८
छिपकली	,	२५१
छिद्र	,	२५५
छुद्रघटिका	,	१३४
छुरी	,	२१३
छोटा	,	२५८
छोटा भाई	,	६२, ११५, १६६
छोटी नस	,	२०४
छोटी पडुकी	,	२५४
छोडना	,	२१५
जंगम	,	२५८
जमीरी	,	२४०
जगत	,	२५५
जटा	,	२१७
जड	,	२३७
जनम	,	६१, ११४
जनेऊ	,	२१८
जनेऊ लेना	,	२१७
जन्म	,	२५५

जम; धरमराज नाम । ६०	जुगनु — नाम	२४४
जम , ६८	जुजठळ ,	१०६
जमना , ४२. ६६	जुघ ,	६०, ११४
जमराज , १६१	जुघिण्ठर ,	५४
जमी , १०४	जुलाहा ,	२२३
जरख , २५०	जुही ,	२४०
जलकौग्रा , २५३	जू ,	२४४
जलना , २१६	जूभार ,	११२
जलमानस , २५४	जूता ,	२२५
जवान हाथी के	जेवर ,	२०४
लाल दाग , २४५	जेष्ठ ,	१८४
जवार , २४२	जेष्ठ-श्रापाढ ,	१८५
जस , ५८, ११२	जोंक ,	२४३
जहर , २५१	जो ,	२४२
जहाज , २१६	जोडना ,	२१६
जाघ , २०२	जोडा ,	२५७
जागरण , १६५	जोत ,	१२२, २२१
जाचिंग , ५७	जोघा ,	१६
जातवत घोडा , २४८	जोरावर ,	१६२
जामिन , २२०	जोरावरी ,	१८३
जायफल , २०४	ज्योतिषी ,	१६६
जार , १६८	ज्वाला ,	२३६
जाल , २२४	झडा ,	२११
जालवाला , २२४	झरना ,	२३६
जासूल , २४०	झाऊ ,	२३६, २५१
जिंग , ५५, १०६	झाग ,	२३४
जीतना , २१५	झाडू ,	२३०
जितेंद्रिय , २१७	झींगर ,	२४४
जीन , २१२	झूलने वाला ,	२११
जीभ , ६४, ११६, २०१	झूला ,	२११
जीरा , १६४	झोपडी-	
जीवजीव , २५३	कच्चा घर ,	२३०
जीव , २०३	टखना ,	२०२
जुआ , २११	टाकी ,	२२२
जुआ का	टिटहरी ,	२५४
निम्न भाग , २११		

टिड्डी	— नाम	२४४	तलाई	— नाम	२३६
टीला	,	२२६	तळाव	,	५१, १०६
टुकडा	,	२५८	तलुआ	,	२०३
टेढा	,	१३३	तावा	,	२३२
टोप	,	२१२	तावो	,	५०
ठगई	,	१६२	तामा	,	१०६
डक	,	२२४	ताड	,	२३६
डर	,	७६	ठापना	,	२३६
डाढ	,	२२०	तापी	,	२३५
डास	,	२४४	तार के बाजे	,	१८६
डाका	,	२१४	तारा	,	८७, १२६, १८२
डाकिनी	,	२६०	ताल-मजीरा	,	१८६
डाकू	,	२१४	तालाव	,	२३६
डाढ	,	२०१	तितली	,	२४४
हाढी	,	२०१	तीतर	,	२५४
डिडिम	,	२५२	तिरछी चोट करने		
डेरा-खेमा	,	२०५	वाला हाथी	,	२४५
डोगी		२१६	तीन	,	२१०
डाक	,	२३६	तीर	,	२१, २१३
डाल	,	२१३	तीस वरस का		
डाल पकडने का	,	२१३	हाथी	,	२४५
ढडाढ	,	२२७	तुरई	,	२४२
ढेला	,	२२७	तुला	,	२२०
तगढाया हुआ	,	१६५	तुपानल	,	२३६
तकिया	,	१३३	तू बी	,	२४०
तट	,	१४२	तेज (उजास)	,	७३, १२१
तनक	,	१३८	तेल	,	१६४
तवेला	,	२१२	तेली	,	२२२
तमाळपत्र	,	१३६	तेंदुआ	,	२५०
तय्यार	,	२१६	तोडना	,	१६२
तरग	,	४१	तोता	,	२५३
तरकस	,	१३४	तोप	,	२१४
तरवार	,	२०, २६, ५८, ११२	तृण-शैया	,	२०६
		१७४	थावला	,	२३६
			थावर	,	२५८
			थूहर-सेंहुड	,	२४०

थोद वाला - नाम :	१६५	दिल्ली — नाम	२२८
थोडा ,	२५७	दिवा ,	१५७
दढ ,	२२०	दिसा ,	१३६
दडित ,	१६५	दीनता ,	१८६
ददभी ,	६७	दीपक ,	७४, २०६
दईत ,	६८	दीमक ,	२४३
दगा-छल ,	२१५	दीरघ ,	१३५
दघजा ,	६४	दु ख ,	२५६
दवाना ,	२१५	दुख ,	१३७
दया ,	१६१	दुचिता ,	१६४
दयावान ,	१६१	दुपहरिया ,	२४०
दरजी-रफूगर ,	२२१	दुवला ,	१६५
दराती ,	२२१	दुमुही सर्प ,	२५२
दरियाव ,	१००	दुर्मा ,	२४२
दरिद्र ,	१६०	दुलहिन ,	१६७
दर्वाजा ,	२२६	दुष्ट हाथी ,	२४५
दस बरस का		दूत ,	२१०
हाथी ,	२४५	दूध ,	७८, १२५, १६३
दही ,	७६, १६३	दूधिया घोड़ा ,	२४७
दही-छाछ ,	१२५	दूब ,	२४२
दक्षिण ,	१८३	दूरवीन-चश्मा- ,	२३३
दात ,	६४, ११६, २०१	दूलह ,	१६७
दान ,	५६, १६२	देखना ,	२००
दाख ,	१४०, २४१	देव ,	२३, ८१
दाडम ,	१३६	देवता ,	१२५, १५३, १७६
दाता ,	१६२	देवता जात ,	१२७
दातार ,	५७, १११	देवता जाति ,	१५३
दामाद ,	१६८	देवर ,	१६६
दाल ,	१६३	देवळ ,	५३, १०८
दाल का रस ,	१६३	देश ,	२२६
दावानल ,	२३६	देस ,	१०६
दास ,	१६०	देह ,	१६६
दासी ,	१३२	देहली ,	२३०
दाह ,	२३५	देहाती ,	२३०
दिन ,	७२, १२१, १५५, १८३	दैंत ,	१६२
		दैंत्य ,	१८१

दो	— नाम :	२१६
दो कोस	,	२२०
दोनो और	,	२१६
दोष	,	२५६
दोहाई	,	२१०
द्रव	,	१५६
द्रव्य	,	१८२
द्रिष्य	,	८३
द्रोपदी	,	११३, २०८
द्वार	,	२२६
द्वारका	,	२२८
घजा	,	५३, १०८
घन	,	१२७
घनवान	,	१६०
घनिया	,	१६४
घनुष	,	११०, १३४
घनुर्वर	,	२१३
घनुष	,	५६, २१३
घनेस	,	१५६
घरती	,	२१, २८, १६३
घरम	,	७१, १२०
घर्म	,	२५६
घुरी	,	२११
घुला हुआ	,	२५८
घूसा	,	२३६
घूप	,	१८१
घूर्त	,	१६२
घूल	,	२२६
घूळ	,	४३
घूसर रंग	,	२५७
घोकनी	,	२२३
घोवी	,	२२३
घोरा	,	२३५
घ्रष्ट हाथी	,	२४५
ध्वजा-पताका	,	२११

नकटा	— नाम :	१६६
नकुल	,	२०८
नख	,	६३, ११६, २०१
नखत्र	,	१५६
नग	,	१३१
नगर	,	५१, १०६, २२७
नगरा	,	१८७
नगारे का बजना	,	१८७
नदी	,	४०, ६७, १००, २३४
ननद	,	१६६
नमक	,	२२६
नमक की खान	,	२२६
नमसकार	,	१३३
नमस्कार	,	१६५
नया	,	२५८
नरक	,	२५५
नरक मे गिरे हुए	,	२५५
नरवर	,	२२८
नर्वदा	,	२३५
नर्म	,	२५६
नव-ग्रह	,	१०१, १५७
नव-निघ	,	१५६
नवनिधि	,	१२७, १८२
नव-निधी	,	८३
नशा	,	२५१
नस	,	२०४
नाम	,	६६, ११६
नाई-हज्जाम	,	२२२
नाक	,	११६, २००
नाग	,	२५२
नागपुरी	,	२५२
नागरखेल	,	२४१, २४२
नागरमोथा	,	२४३
नाच	,	१८६
नाटा	,	१६६
नाहा-नीबी	,	२०५

नाभी — नाम :	२०२
नारगी ,	२४०
नारद ,	२१८
नारियल का वृक्ष ,	२४१
नारेल ,	१४०
नाला ,	२३५
नाळेर ,	१३६
नाव ,	८७, १२६, २१६
नाव की उतराई ,	२२०
नासिका ,	६५
निंदा ,	१८६
निकट ,	२५८
निकाला हुआ ,	१६५
नित्य ,	२०२
नित्य ,	१८५
निमेष आदि	
वर्णन ,	१८४
निरकुश ,	२५६
निर्जल देश ,	२२६
निद्रा ,	१८८
निर्वल ,	१८६
निर्भय ,	१६३
निर्मल ,	२५८
निर्विष सर्प ,	२५२
निसा ,	१५७
निसास ,	२५५
निसैनी ,	२३०
निहानी ,	२२२
नीचा ,	१३६, २५८
नीम ,	२४०
नीर ,	५१
नीला-काला ,	२५७
नीला घोडा ,	२४७
नूपर ,	१३४, २०४
नेत्र ,	६५, ११७, २००
नेत्र वाला ,	२४१

नोक के आगे की	६
अगुली — नाम	२४६
नो ,	२१६
नोल्या ,	२५१
न्याय ,	२१०
पकित ,	२५७
पख ,	२१३, २५२
पखा ,	२०६
पखी ,	१३८
पखो का मूल ,	२५२
पगु ,	१६६
पच देव वृक्ष ,	१८३
पचभभ्र ,	२४८
पङ्कित ,	१६०
पकडना-	
पकडाना ,	२१६
पग ,	६२
पगरखी ,	१३८
पघडी ,	२०४
पङ्कताना ,	२१७
पटना ,	२२८
पराच ,	२१३
पतग ,	२४४
पतला लगावण ,	१६३
पतव्रता ,	१३६
पताळ ,	४३
पति ,	१६७
पतिव्रता ,	१६८
पत्थर ,	२३१
पत्नी ,	१६७
पद ,	११५
पद्मा ,	२३३
पपीहा ,	१३६, २५३
पयोधर ,	६३, ११५
परदा ,	२०५



परवत — नाम	२२
परमेस्वर ,	३६
परशुराम ,	२१८
पराक्रम ,	२१०
पराग ,	२३८
पराधीन ,	१६०
परिश्रम ,	१८६
परी ,	१५२
परीक्षित ,	२०६
पर्वत का	
मध्य भाग ,	२३१
पर्वत ,	२३१
पलग ,	२०६
पल ,	२२०
पलास ,	१३६
पवन ,	८५, १२८, २३७
पवित्र ,	२५८
पशु ,	२४४
पश्चिम ,	१८३
पहर ,	१८८
पहाड ,	४६, १०५
पहिया ,	२११
पहिया की नाह ,	२११
पहिया की	
नेमी-पूठी ,	२११
पहिला ,	२५६
पहुँचा ,	२०१
पक्षी ,	२५२
पत्र ,	२३८
पत्र की नस ,	२३८
पत्रदूत ,	२१०
पत्र ,	१३७
पाँच ,	२१६
पाँच बरस का	
हाथी ,	२४५
पारंगी ,	३०

पान बीडा - नाम	१३४
पाखाग ,	४६, १०५
पागल ,	२१६
पाटल ,	२४०
पाडल ,	१३६
पाताल ,	२२, १०६, २५५
पाताळ ,	२२, १०६
पानी का मोता ,	२३४
पानी ,	२३४
पाप ,	७१, १२०, २५६
पारवती ,	३५ १७३
पारा ,	२३२
पालकी ,	२११
पात्र ,	२३१
पिडत ,	५७
पिडली ,	२०२
पिछना ,	२५६
पिता ,	६१ १६८
पीजनी ,	२०३
पीडा ,	७७, १२४, २५५
पीतरक्त व कृष्ण	
रक्तघोडा ,	२४७
पीतल ,	२३२
पीत-हरित घोडा ,	२४७
पीने का पात्र ,	२३०
पीपर ,	१४०, १६४
पीपळ ,	४७, १०४, १६५
पीपल ,	२३६
पीला ,	२५७
पीला घोडा ,	२४७
पीलू ,	२४०
पु डरीक ,	१०७
पुन धरती ,	२१
पुन सिंह ,	३१
पुन सूर्य ,	१७६
पुन हाथी ,	३०

पुराना	- नाम	२५८
पुरी	,	६७
पुवाह	,	२४१
पुण्ड	,	१६५
पुष्प	,	२३८
पुष्प-रस	,	२३८
पुत्र	,	१६८
पुत्री	,	१३३
पूछ	,	२४८
पूछ का मूल	,	२४६
पूजा	,	१६५
पूजा की सामग्री	,	१६५
पूजित	,	१६५
पूर्व	,	१८३
पूर्व कर्म व		
प्रारंभ	,	२५६
पेट का बधन	,	२१२
पेट	,	६३, ११५, २०२
पेटी	,	२३०
पैर	,	२०३
पोता	,	१६६
पोती	,	१६६
पोष	,	१८४
प्याज	,	२४२
प्याला-बुसकी	,	२२३
प्यास	,	१६३
प्यासा	,	१६३
प्रकट	,	२५६
प्रतिकूल	,	२५६
प्रतिबिंब	,	२५६
प्रमदा वन	,	२३८
प्रमाण	,	२१६
प्रलय	,	१८५
प्रवाळ	,	१४०
प्रवाह	,	२३५
प्रश्न वचन	,	१८६
प्रसन्नता	,	१८८

प्राणवायु	- नाम	२३७
पृथ्वी	,	१७३
फदा	,	२२५
फन	,	२५२
फरी	,	२०
फल	,	२३६
फली	,	२३६
फालकुश्या	,	२२१
फाल्गुन	,	१८४
फिरगी	,	२२५
फू क के वाजे	,	१८६
फूल	,	४५, १०१, १६५
फूले हुये पुष्प	,	२३६
फोंफडा	,	२०६
फौज	,	२१०
वगाल	,	२२७
वछ्या	,	७१
वदर	,	१०२
वदूक	,	२१४
वधन	,	१६५
वधा हुआ	,	१६५
वधूक	,	१४१
वकरा	,	२४६
वकरी	,	२४६
वचन	,	१८५
वछ	,	१२५
वछडा	,	२४६
वछेरा	,	२४७
वच्च	,	२१४
वड	,	१०४
वडवानल	,	२३६
वडा	,	१६३
वडा भाई	,	६२, ११५, १६६
वडी चिमगादर	,	२५४
वढई	,	२२२

वरा	— नाम	२४०
वदला लेना	,	२१५
वन	,	२३७
वनास	,	२३५
वया	,	२५४
वरगद	,	२३६
वरछी	,	२१४
वरता	,	१६७
वराती	,	१६७
वरावर	,	२१५
वरावर वाला	,	२१५
वर्ष	,	२३४
वळघ	,	७७, १२४
वळभ्रद्र	,	८२, १२६, १५८
वलि	,	२०६
वलैया	,	१६७
वलैया लेना	,	१६७
वसत	,	१३८
वसिष्ठ की पत्नी	,	२१८
वसिष्ठ	,	२१८
वहरा	,	१६६
वहिन	,	१६६
वहुत	,	२५७
वहुत हसना	,	१८७
वहेडा	,	२४०
वाका-टेढा	,	२५८
वाण	,	५६
वाघने व पकडने		
का स्थान	,	२४८
वास	,	२४१
वाग	,	२३८
वाछडा	,	७८
वाजा	,	१८६
वाजार	,	२२८
वाजीगरी	,	२२४
वाड़ी	,	२३८

वाणिज्य	— नाम	२१६
वातकु भ के		
नीचेका भाग	,	२४६
वादळ	,	१८३
वादणाह	,	२२५
वाप	,	११४
वामला	,	२२५ २२७
वारै रासा रा	,	१३१
वारै रासी	,	१५७
वाल	,	२०३
वाळक	,	६१, ११५
वालक	,	१८६
वाल-भट्टा	,	२४२
वालो का जूडा	,	२०६
वाल्मीकि	,	२१८
वावडी	,	२३६
वाहन-सवारी	,	२११
बाहर का वगीचा	,	२३८
बाहर के कीडे	,	२४३
विदू के नीचे का		
भाग	,	२४६
विचला	,	२५६
विच्छू	,	२४४
विजली	,	१८३
विजोरा	,	२४०
विना जुली भूमि	,	२२६
विमलाचल	,	२३१
विल्व	,	२३६
विसत	,	२२०
विस्तार	,	२५८
वीच	,	२५६
बीजळी	,	१२६
बीणा	,	१३४, १८६
बीणा अग	,	१८६
बीणा की खू टी	,	१८६
बीणादड	,	१८६

बीर बहुटी - नाम	२४४
वीर्य ,	२०३
बीस बरस का	
हाथी ,	२४५
बुगला ,	२५४
बुद्धि ,	१८८
बुधी ,	३६, १००, १६१
बुरा चलने वाला ,	२४८
बुरा समय ,	१८३
बुर्ज ,	२२७
बुझाना ,	१८६
बू द ,	२३५
बेगार ,	२५५
बेचना ,	२१६
बेटी ,	१६८
बेडा ,	१४०
बेदव्यास ,	२१८
बेरी ,	२३६
बेल ,	२३८
बेला ,	२४०
बैकू ठ ,	१५२
बैत ,	२३६
बैतरणी ,	२३५
बैल ,	२४६
बैल का कुव्रड ,	२४६
बैल हाकने का ,	२२१
बैहन ,	६२
बोहरा ,	२२०
व्यजन ,	१६३
व्याज का घन ,	२१६
व्याधि ,	२५६
व्यान-वायु ,	२३७
व्रत ,	२१८
व्रद्ध ,	१८६
ब्रह्स्पत ,	१३४
ब्रह्मा ,	२३ ३८, १४६, १७८, २२३

ब्राह्मण - नाम	२१७
ब्रिख ,	१०१
बिदू के नीचे	
का भाग ,	२४६
भग ,	२२४
भगी ,	२२५
भडार ,	२२६
भवर ,	२३४
भमर ,	४५, १०२, १६५
भय ,	१८७
भयकर ,	१८७
भरखपन ,	१६२
भरणा ,	२२०
भरत ,	२०७
भरतार ,	६८, ११६
भस्म ,	२१८
भाई ,	६२, ११५
भाड ,	२३०
भाद्रपद ,	१८४
भार ,	२२०
भारवाही नाव ,	२१६
भाळ ,	१३३
भाला ,	२६, २१४
भालू ,	२५०
भालू-बनरक्षक ,	२२४
भिक्ष ,	२५६
भीम ,	५५, १०६
भीमसेन ,	२०८
भीष्म ,	२०८
भुजवद ,	२०४
भुजागल ,	२२६
भूख ,	१६३
भूखा सिंह ,	२५०
भूत ,	२६०
भूमि ,	४३
भेड ,	२४६

भेडिया - नाम	२५१
मैरव ,	२६०
मैस ,	२४६
मैसा ,	२४६
भोरा-वर्	२४४
भोह ,	२००
भोज ,	२०६
भोजन ,	७६, १२५ १६४
भोजपत्र का वृक्ष ,	२४०
मगळ ,	१३२
मजरी ,	२३८
मडप ,	२२६
मडलेश्वर	
राजा ,	२०७
मत्रवी ,	१६
मकना हाथी ,	२४५
मकडी ,	१६३
मकरद ,	१४२
मकरी ,	१३६
मवलन ,	१६३
मक्खी ,	२४४
मगध ,	२२७
मगर ,	२५४
मच्छर ,	२४४
मद्य ,	१०७
मछली ,	२५४
मछली पकडने	
का काटा ,	२२४
मछी ,	५२
मज्जा ,	२०३
मटकी ,	२३०
मठा ,	१६४
मतवाला ,	१६४
मतवाला हाथी ,	२४५
मथुरा ,	२२८

मद उत्तरा नृग्रा	
हाथी — नाम	२४५
मदरा ,	१३७
मदार-घतूरा ,	२४१
मदारी ,	२२८
मद्य ,	२२३
मधुमक्खी ,	२४४
मधुर ,	२५४
मन ,	६६, २०२
मनिहार ,	२२३
मनुख ,	११४
मनुष्य ,	१८६
मरकट ,	१६५
मरघट ,	२२८
मर्यादा ,	२१०
मल ,	२०४
मल्लाहा घीवर ,	२२४
मस्तक ,	६५, २००
मस्तक कु भ ,	२४६
मस्त हाथी ,	२४५
महादेव ,	२६, १७१
महावत का पैर	
हिलाना ,	२४६
महीना ,	१८४
महुवा ,	२४०
माखण ,	७६, १२५
माण ,	७०
मास ,	२०३
मास की बोटी ,	२०३
मास की हड्डी ,	२०३
माघ ,	१८४
माघ-फाल्गुन ,	१८५
माता ,	६१, ११४ १६८
माथा ,	२१३, ११७
माघवी ,	१४१
मानना ,	२१५

माया — नाम	६७
मारना ,	१६१
मारने को तैयार ,	१६२
मारवाड ,	२२७
मार्ग ,	२२८
मार्गशिर ,	१८४
मार्गशिर-पीप ,	१८५
मालती ,	१४१
मालपुवा ,	१६३
मालवा ,	२२७
मालिन ,	२२१
माली ,	२२१
माशा ,	२२०
मिट्टी ,	२२६
मिथिलापुरी ,	२२८
मिथ्या बचन ,	१८६
मिनख ,	६०
मिरच ,	१४०
मिर्च ,	१६४
मिलना ,	२१६
मिला हुआ ,	२५६
मिश्री-बूरा ,	१६३
मित्र ,	६६, ११६, २०६
मित्रता ,	२०६
मुक्की ,	२०१
मुख ,	६४, ११६, २००
मुरदे को आग मे फेरने की लकड़ी ,	२१६
मुर्गा ,	२५३
मुलक ,	५१
मुसलमान ,	२२५
मू ग ,	२४२
मू गा ,	२३३
मू छ ,	२०१
मू ठ-बैटा ,	२२१
मूलधन ,	२१६

मूरख — नाम	१२२
मूरिख ,	७४
मूर्ख ,	१६०
मूर्छा ,	२१५
मूली ,	२४२
मूमल ,	२३०
मूमा ,	३५, १३१, १६१
मूत्र ,	२०४
मेघ ,	३१, ८६, १५२, १८२
मेघज्योति ,	२३६
मेघतिमिर ,	१८२
मेघनाद ,	२०७
मेघमाळा ,	१८२
मेद ,	२०३
मेघ्य-ढेले	
फोडने का ,	२२१
मेरगिर ,	१२५, १६२
मेरुदड ,	२०२
मेवाडा ,	२२७
मैडक ,	२५५
मैडा ,	२४६
मैनसिल ,	२३३
मैना ,	२५५
मैल ,	२०४
मैला ,	२५८
मोंगरी ,	२२१
मोती ,	८४, १२७, १६०, २३३
मोम ,	२४४
मोर ,	८४, १२७, १६१, २५३
मोरी ,	२३५
मोल ,	२१६
मोलसरी ,	२३६
म्यान ,	२१३
अग ,	१०२
मृगपाषा ,	२२५

मृतक	- नाम :	१६२, २००
मृत्यु	,	१८६
म्लेच्छ-भेद	,	२२६
यमराज	,	१८०
यमुना	,	२३५
यत्न	,	२१५
यक्ष	,	१८१
यज्ञ	,	२१७
याचक	,	१११
याद करना	,	१८८
यान मुख	,	२११
युधिष्ठिर	,	२०८
युद्ध	,	२१४
युद्ध के लिए		
सज्जित हाथी	,	२४५
युद्ध में से भागना	,	२१४
युद्ध योग्य हाथी	,	२४५
यूथपति हाथी	,	२४५
योजन	,	२२०
योनी	,	२०२
रगरेज	,	२२३
रगसाल	,	१३८
रभाना	,	२५७
रई	,	२३१
रई का थभा	,	२३१
रज	,	११०
रजपूती	,	२१०
रक्त का घोड़ा	,	२८७
रत्न	,	२३३
रथ	,	२०
रसोई का घर	,	२२६
रसोई का दरोगा,		२०६
रसोईदार	,	२०६
रहन-वधक	,	२२०
रहना	,	२५६

रक्षा	— नाम	२६०
रक्षित	,	२५६
रामचन्द्रजी	,	६८
राम	,	१४५
रामण	,	१६२
राई	,	१६४
राकस	,	६८, १६२
राजकर	,	२१०
राजघर	,	२२६
राजमार्ग	,	२२८
राजा	,	१६, ५४, १०८, १७४
राजा की नवारी		
का हाथी	,	२४५
राजा प्रथु	,	२०७
राजावर्त हीरा	,	२३३
राज्य के सात अंग		२०६
रात	,	१२२
रात का डाका	,	२१४
रामण	,	६६
रामवेलि	,	१४१
रावटी	,	२०५
रावण	,	२०७
राक्षस	,	१८१
रात्रि	,	७३, १८३
रात्रि-प्रारम्भ	,	१८४
रिख	,	६७
रिख दरवान	,	६७
रीढ	,	२०२
रु ड-घड	,	२००
रुधिर	,	१३५, २०३
रुई	,	२४०
रूपा	,	५०, १०६
रूपारेल	,	२५४
रेत	,	२३५
रैहट	,	२३६
रोग	,	१६६

रोगी — नाम	१६६	लोघ — नाम	२४१
रोम्भ	, २५०	लोभ	, १६४
रोमावली	, ६४, ११६, २०२	लोभी	, १६४
लका	, २०८	लोमडी	, २५१
लगडा	, १६६	लोह	, ५०, १०६
लगूर	, २५१	लोहा	, २३२
लवा	, २५७	लोहार	, २२२
लवे दात वाला	, २४५	लोहे की जाली	, २१२
लकडी के कीड़े	, २४३	ल्लिहोडा	, २४०
लगाम	, २१२	वश	, १६६
लछमण	, ६६, १४६	वस	, १६५
लज्जा	, १८८	वसी	, १०४, १३३
ललकारया	, २१६	वज्र	, ६६, १५१
ललाट-भाग्य	, २००	वड	, ४७, १६५
लवग	, १४१	वन	, ४४, ६७, १०१, १६४
लव	, १८४	वरण	, १२६, १५६
लहगा	, २०५	वश्या	, ८२, १८१
लहर	, २३४	वर्षा	, १८२
लहसुन	, २४२	वसत्र	, ६६, ११७
लक्ष्मण	, २०७	वसूला	, २२२
लक्ष्मी	, १८०	वहमी	, १६५
लाख	, २०६	वानर	, ४५
लाज	, १३७	वास	, ४७
लार	, २०४	वाट	, ४४
लाल	, २३३, २५७	वाण का टाटवा	, २१३
लाल कमल	, २४१	वाणिज्य	, २१६
लाल घोडा	, २४७	वाली-वानर	, २०७
लाल-पीला		वासुकी नाग	, २५२
मिला हुआ	, २५७	वासुकी रग	, २५२
लिंग	, २०२	वाहरण	, ६७
लिखमी	, ४१	वाहित्य के नीचे	
लीक	, २४४	का भाग	, २४६
लू	, २३७	विध्याचल	, २३१
लेश	, २५७	विक्रम	, २०८
लेस	, १८४	विल	, १२३



विघ्न	— नाम	२५६
विपत्ति	,	१६६
विपत्तिवाला	,	१६६
विभाग	,	२५८
विभीषण	,	२०७
विमुता	,	६७
वियोग	,	२६०
विवाह	,	१६८
विश्वामित्र	,	२१८
विश्वास	,	२६०
विष्णु	,	१७२
विस	,	७५
विष्णु	,	२३
वीजळी	,	८६
वीजा	,	२४०
वीजावेल	,	२३३
वुरभी	,	२१
वेग	,	१२८
वेग वाला	,	
वछेरा	,	२४७
वेद	,	१३५, १८५
वेळा	,	७७, १२४
वेश्या	,	१६८
वैद	,	६७
वैदूर्य मणि	,	२३३
वैद्य	,	१६६
वैर	,	२०६
वैशाख	,	१८४
वैश्या	,	२१६
व्यभिचारिणी	,	१६८
व्यवहार	,	१८६
व्याज	,	२२०
व्रख	,	४४, १६४
व्रखभ	,	२०
वृष्टियुक्त पवन	,	२३७
वृक्ष	,	२३८

शख	— नाम :	२४३
शक्कर	,	१६३
शक्ति	,	२१५
शपथ	,	१८६
शब्द	,	२५७
शयन-गृह	,	२२६
शरमिदा	,	१६५
शरीर के कीड़े	,	२४३
शस्त्र चलाना	,	२१६
शस्त्र	,	२१२
शाहद	,	२४४
शत्रू	,	२०६
शाखा	,	२३८
शासन	,	१६०
शिकार	,	२२४
शिखर	,	२३१
शिलाजित	,	२३३
शीत	,	२५६
शुद्ध आचरण	,	२१७
शूद्र	,	२२१
शूरवीर	,	१६१
शेनपक्षी	,	२५४
शेषनाग	,	२५२
शोच	,	१८७
शोथ	,	१६६
शृ गारादि		
नवरत्न	,	१८७
श्वेत कमल	,	२४१
श्वेत घोडा	,	२४३
श्वेत पिगल	,	२४६
पट्ट वेदाग	,	१८५
सख	,	८७, १२६, २४३
सचर	,	२२६
सतोष	,	१८८
सदेह	,	२५६

सध्या	— नाम :	१३६, १८४	सरसो	— नाम :	२४२
सपत्ति	,	१६०	सरस्वती	,	३५, १७०
सपूर्ण	,	२१७	सरीर	,	६६, ११७
सत्रघी	,	१६६	सर्प	,	२५१
सवत	,	१८४	सर्प की डाढ	,	२५२
सक्षेप	,	२५८	सर्प की देह	,	२५२
सकलीगर	,	२२२	सर्पिणी	,	२५२
सखी	,	१३२, १६८	सलवती	,	२१८
सगा भाई	,	१६६	सवार	,	२११
सघन	,	२५८	सहदेव	,	२०८
सजीवनी	,	१४१	सहस्रबाहु	,	२०६
सज्जन	,	१६२	सत्र	,	५६
मताईम नक्षत्र	,	१५६	सत्रू	,	११३
सताईस नक्षत्र	,	१३०	सत्रुघ्न	,	२०७
सत्य वचन	,	१८६	साकल	,	२१२
सदासिव	,	६२	साच	,	७७, १२४
सदृश्य	,	२५६	साड	,	२४६
सनेह	,	६६	सावा	,	२४२
सपतपुरी	,	१००	सास	,	२५५
सप्तस्वर	,	२५७	साईस	,	२१२
सफेद	,	२५७	साडी	,	२०५
सबद	,	७२, १२१	सात	,	२१६
सभा	,	७१, १६६	सात उपघात	,	१३१
सभाव	,	१२०	सात घात	,	१३१
सभासद	,	१६६	साथ	,	२१६
समाधि	,	२५६	सान	,	२२२
समिधा-ईंधन	,	२१८	साफ पानी	,	२३४
समानवायु	,	१३५	सामान्य दिशा	,	१८३
समीप	,	१३५	सामान्य निधि	,	१८२
समुद्र	,	२२, २८, ४०, १७७	सामान्य बात	,	१८५
समूह	,	७०, १३७, २१६	सामान्य सतति	,	१६६
सरकडा	,	२४२	सामान्य समय	,	१८३
सरग	,	८०, ६६, १५२	साम्हने	,	२५८
सरजात	,	१११	सायकाल	,	१८५
सरप	,	४२, ११०	सायक	,	११०
सरल	,	१६२	सारदा	,	६१

सात्व — नाम	२२७	सूठ — नाम .	१४०
माक्षी ,	२२०	सूठ का पानी ,	२४६
सिध ,	४६, १०३	सूठ की नोक ,	२४६
सिधजात ,	१०३	सूमर ,	४६, २५०
सिह ,	२५०	सूतिका-गृह ,	२२६
सिटपिटाया		सूना भाग ,	२२८
हुआ	१६५	सूप ,	२३०
सिपाही	२१३	सूर ,	१०२
सिरहाना ,	२०६	सूरज ,	२६, ३६, ६४
सिलावटा ,	६७	सूरन ,	२४२
सिव ,	२३, ३८, १४६	सूरिमा ,	५८
सींग ,	२४६	सूर्यकान्त मणि ,	२३३
सीढी ,	१३३, २३०	सूर्य ,	१७६
सीता ,	६६, १३०, १४५	सूक्ष्म	२५७
	२०७	सूक्ष्म कीडा ,	२४३
सीप ,	२४३	सेज ,	१३३, २०६
सीमा ,	२२७	सेत (श्वेत) ,	७३
सीमा ,	२३२	सेना ,	५६, ६७
सुन्दर ,	६८, ११६	सेना का	
सुई ,	२२२	अगला भाग ,	२११
सुक्र ,	१३२	सेना का	
सुख ,	२५६	दहिना भाग ,	२११
सुगन्ध ,	२३६	सेना का पडवा ,	२१०
सुग्रीव ,	२०७	सेना का	
सुछम ,	१३६	पिछला भाग ,	२११
सुद्रसणचक्र ,	६८	सेना का	
सुदरसण चक्र ,	१५८	वाया भाग ,	२११
सुपारी ,	२४१	सेना की चढाई ,	२११
सुभट ,	२१२	सेनापति ,	२१०
सुभाव ,	६६	सेन्या ,	११३
सुमार्ग ,	२२८	सेर ,	३०
सुमेर-गिर ,	८०	सेव ,	१६३
सुमेरु ,	२३१	सेवा ,	६६, ११७
सुरब्रह्म ,	१०२	सेस ,	४२, ११०
सुवक्कड ,	१६५	सेही ,	२५१
सुष्मा ,	१३५	सेंधा ,	२२६
		सेंठ ,	१६४

सोखना — नाम	१६३
सोनजुही ,	१४१, २४०
सोना ,	४६, २३२
सोनार ,	२२३
सोपारी ,	१४०
सोभा ,	७२, १२१, १५५
स्तन ,	२०२
स्तुति ,	१८६
स्थानिक बाग ,	२३८
स्थिर ,	२१५
स्नान ,	२०४
स्नेह ,	११६, २५६
स्नेह वाला ,	१६६
स्मरण ,	१८८
स्याम ,	७३, १२२, १५७
स्याम कारतक ,	१२७
स्याम कारतिकेय ,	८४
स्यामी कारतिक ,	१६०
स्याहारी ,	२६१
स्वजन ,	१६६
स्वभाव ,	२५६
स्वर्ग ,	१८१
स्वान ,	१२३
स्वाधीन ,	१६०
स्वामी ,	११६०
स्वामी कार्तिक ,	१८२
स्वारथी ,	६७
स्त्री ,	६७, ११८, १६७
स्त्री का	
अघोवस्त्र ,	२०५
हडिया ,	२३०
हस ,	३६, १०३, १३१
	१६१, २५३
हजामत ,	२२२
हठ ,	२१५
हहमान ,	६६

हड्डी — नाम	२०३
हरामत ,	१४६
हताई ,	२२८
हथिनी ,	२४४
हथोडा ,	२२३
हनुमान ,	२०७
हरड ,	२४०
हरड-बहेडा-	
आवला ,	०४०
हरडी ,	४८
हरडे ,	१०४, १६६
हरताल ,	२३२
हरा ,	२५७
हल ,	२२१
हळद ,	१३५
हलवाई ,	२२२
हल्दी ,	१६४
हषित ,	१६४
हस्ती ,	१०३
हाथ ,	६३, ११५, २०१
	२२०
हाथ का गहना ,	२०४
हाथियो की	
रचना ,	२४५
हाथी ,	१६, २७, ४७, ६७
	१७५
हाथी का कघा ,	२४६
हाथी का कपोल ,	२४८
हाथी का दात ,	२४६
हाथी का मद ,	२४५
हाथी का ललाट ,	०४६
हाथी का सवार ,	२१२
हाथी का सेवक ,	२१२
हाथी की	
चार जात ,	२४८
हाथी की साकल ,	२४८
हाथी की सूंड ,	२४६

हाथी वाघने का	हृदय	—	नाम	२०२
स्तभ — नाम	२४६			
हाट	, २२६		क्षमा	, १६२
हारना	, १६५, २१५		क्षत्रिय	, २१६
हाल	, २२१		त्रिगर्त	, २२७
हास्य	, १८७		त्रिशूल	, २१४
हिगोट	, २४०		ऋणी	, २२०
हिद्द	, २१७		ऋण	, २२०
हिनहिनाना	, २५७		शृ गार	, २३३
हिमालय	, २३१		श्रवण	, ११६
हिग्ण	, ४६, २५१		श्रावण	, १८८
हीग	, १६४		श्रावण-	-
हीरा	, १३२, २३३		भाद्रपद	, १८५
हुकम	, १२३		श्रीकृष्ण	, ६३
हूका	, २५३		श्रीखड	, १६३
होठ	, ११६, २०१		श्रीरामचन्द्र	, २०७
होद कसने का				
रस्मा	, २४६			



रज	— नाम : २७१	विटप	— नाम : २७३	सुमना	— नाम : २७२
रम	, २७२	विध	, २७२	सुरभी	, २६५
	२७३	विरोचन	, २७१	सुक्र	, २७०
राजीवलोचन	, २७०	व्याळ	, २६६	स्यदन	, २७०
		ब्रह्म	, २७१		
ललाम	, २७४			हस	, २६८
		सवर	, २७०	हरनी	, २७१
वय	, २६८	सनेह	, २७३	हरि	, २७३
वर	, २६७	सारग	, २७२	हस्त	, २७२
वरण	, २६६	सार	, २६८	हार	, २७३
वमु	, २६८	सिव	, २७१	क्षय	, २६६
वाम	, २६६	मिवा	, २७२	क्षुद्रा	, २७३
वारन	, २७०	सुमन	, २७३	श्री	, २७४
वाह	, २७३				

## एनाक्षरी शब्दों का अनुक्रम

ऊकार नाम	२८३	अ	— नाम : २८५	वा	— नाम : २८७
अ	, २७७, २८३	अ	, २८५	व्ति	, २८७
आ	, २७७, २८३	क	, २७७, २८५	खी	, २८७
इ	, २७७, २८३	का	, २८५	खु	, २८७
ई	, २७७, २८०	कि	, २८६	खू	, २८७
	२८३	की	, २८६	खे	, २८७
उ	, २७७, २८४	कु	, २७७	खै	, २८७
ऊ	, २७७, २८४	कुं	, २८६	खो	, २८८
ए	, २७७, २८४	कू	, २८६	खी	, २८८
ऐ	, २७७, २८५	कै	, २८६	ख	, २७८, २८८
उ	, २८५	के	, २८६		
ऊ	, २८५	की	, २८६	ग	, २८८
घो	, २७७	को	, २८७	गा	, २८८
घी	, २७७	क	, २७७, २८७	गि	, २८८
		ख	, २७८, २८०	गी	, २८८
			२८७	गु	, २८८
				गू	, २८८

गे—नाम	२८६	
गै	, २८६	
गो	, २८६	
गी	, २८६	
गं	, २८६	
घ	, २८६	
घा	, २८६	
घि	, २९०	
घी	, २९०	
घु	, २९०	
घू	, २९०	
घे	, २९०	
घै	, २९०	
घो	, २९०	
घी	, २९०	
घ	, २९०	
ट(ढ)	, २७८, २९०	
डा(ढ)	, २९०	
डि(डि)	, १९१	
डी(डी)	, २९१	
डु(डु)	, २९१	
डो(डे)	, २९१	
डै	, २९१	
डो	, २९१	
डौ	, २९१	
ट	, २९१	
च	, २७८, २९२	
चा	, २९२	
चि	, २९२	
ची	, २९२	
चु	, २९२	
चू	, २९२	
चे	, २९२	
चै	, २९२	

ची—नाम	२९२	
च	, २९२	
छ	, २७८, २९३	
छा	, २९३	
छि	, २९३	
छी	, २९३	
छु	, २९३	
छू	, २९३	
छे	, २९३	
छै	, २९३	
छो	, २९३	
छी	, २९३	
छ	, २९४	
ज	, २७८, २९४	
जा	, २९४	
जि	, २७८, २९४	
जी	, २९४	
जू	, २९४	
जे	, २९४	
जै	, २९४	
जो	, २९४	
जौ	, २९४	
ज	, २९४	
झ	, २७८, २९४	
झा	, २९५	
झि	, २९५	
झी	, २९५	
झु	, २९५	
झू	, २९५	
झे	, २९५	
झै	, २९५	
झो	, २९५	
झी	, २९५	
झ	, २९५	

ब—नाम	२७८, २९५	
बा	, २९५	
बि	, २९६	
बी	, २९६	
बु	, २९६	
बू	, २९६	
बे	, २९६	
बै	, २९६	
बो	, २९६	
बी	, २९६	
ब	, २९६	
ट	, २७८, २९६	
टा	, २९६	
टि	, २९६	
टी	, २९६	
टु	, २९६	
टू	, २९७	
टे	, २९७	
टै	, २९७	
टो	, २९७	
टौ	, २९७	
ट	, २७८, २९७	
ठ	, २९७	
ठा	, २९७	
ठि	, २९७	
ठी	, २९७	
ठु	, २९७	
ठू	, २९७	
ठे	, २९७	
ठै	, २९७	
ठो	, २९७	
ठी	, २९७	
ठ	, २९८	
ड	, २९८	



डा—नाम	२६८
दि	, २६८
ढी	, २६८
डु	, २६८
झ	, २६८
झं	, २६८
झँ	, २६८
ढी	, २६८
ली	, २६८
ड	, २६८
ढ	, २७८, २६८
ढा	, २६९
ढि	, २६९
ढी	, २६९
डु	, २६९
झ	, २६९
झं	, २६९
झँ	, २६९
ढी	, २६९
ढी	, २६९
रा	, २७८, २६९
रा	, २६९
रि	, २६९
री	, २६९
रु	, २६९
रु	, २६९
णे	, २६९
सौ	, ३००
सा	, ३००
सौ	, ३००
रा	, ३००
त	, २७९ ३००
ता	, ३००
ती	, ३००

तु—नाम :	३००
तू	, ३००
ते	, ३००
तै	, ३००
तो	, ३००
ती	, ३००
त	, ३००
थ	, ३००
था	, ३००
थि	, ३०१
थी	, ३०१
थु	, ३०१
थू	, ३०१
थे	, ३०१
थै	, ३०१
थी	, ३०१
थी	, ३०१
द	, ३०१
दा	, २७९, ३०१
दि	, ३०१
दी	, ३०१
दु	, ३०१
दू	, ३०१
दे	, ३०१
दो	, ३०१
दो	, ३०२
द	, २७९, ३०२
घ	, २७९, ३०२
घा	, ३०२
घि	, ३०२
घी	, ३०२
घु	, ३०२
घू	, ३०२
घे	, ३०२

वै—नाम :	३०२
वो	, ३०२
वो	, ३०२
वं	, २७९ ३०२
न	, २७९, ३०२
ना	, ३०३
नि	, ३०३
नी	, ३०३
नु	, ३०३
नू	, ३०३
ने	, ३०३
नै	, ३०३
नी	, ३०३
नी	, २७९, ३०३
न	, ३०३
प	, २७९ ३०३
पा	, ३०३
पि	, ३०३
पी	, ३०३
पु	, ३०३
पू	, ३०४
पे	, ३०४
पै	, ३०४
पो	, ३०४
पी	, ३०४
प	, ३०४
फ	, २७९, ३०४
फा	, ३०४
फी	, ३०४
फु	, ३०४
फू	, २७९
फू	, २७९, ३०४
फे	, ३०४
फै	, ३०४

को—नाम	३०४
कौ	३०४
फ	३०५
व	२७६, ३०५
वा	३०५
बि	३०५
वी	३०५
वु	३०५
वू	३०५
वे	३०५
वै	३०५
वो	३०५
वौ	३०५
वं	३०५
भ	२७८, २७९
	३०५
भा	३०५
भि	३०६
मी	३०६
मु	३०६
भू	३०६
भे	३०६
भै	३०६
भो	३०६
भौ	३०६
भं	३०६
म	३०६
मा	२७६, ३०६
मि	३०६
मी	३०६
मु	३०६
मू	३०६
मे	३०६
मै	३०६
मो	३०६
मौ	३०६
मं	३०६

मो—नाम	३०७
मो	३०७
म	२७८, ३०७
य	३०७
या	३०७
यि	३०७
यी	३०७
यु	३०७
यू	३०७
ये	३०७
यै	३०७
यो	३०७
यौ	३०६
यं	३०६
र	२७६, ३०७
रो	३०७
रि(ऋ)	२७७, ३०८
री(ऋ)	२७७, ३०८
रु	३०८
रू	३०८
रे	३०८
रै	३०८
रो	३०८
रौ	३०८
रं	३०८
ल	२०८, २०९
	३०८
ला	३०८
लि(लृ)	२७७, ३०८
ली(लृ)	२७७, २०९
	३०८
लु	३०८
लू	३०८
ले	३०८

लै—नाम	३०८
लो	३०८
ली	३०८
ल	३०८
व	२७८, २८०
	३०८
वा	३०८
वि	३०८
वी	२८०, ३०८
वु	३०८
वू	३०८
वे	३०८
वै	३०८
वो	३०८
वौ	३०८
वं	३०८
श	३१०
शि	३१०
शी	३१०
शु	३१०
शू	३१०
शे	३१०
शै	३१०
शो	३१०
शौ	३१०
शं	३१०
प	३१०
पा	३१०
पि	३१०
पी	३१०
पु	३१०
पू	३१०
पे	३११
पै	३११



डिगल कोष अत्यंत महत्त्वपूर्ण है। इसकी थारोनेस मुझे बहुत पसन्द है।

—राहुल साक्रत्यायन

डिगल कोष मिला। देख कर बड़ी प्रसन्नता हुई। इस उपयोगी प्रकाशन के लिए हार्दिक बधाई स्वीकार करें।

—डॉ० हजारीप्रसाद द्विवेदी

भाषा-विज्ञान के विद्यार्थियों के लिए ही नहीं, राजस्थानी ग्रन्थों का अध्ययन तथा संपादन करने वाले विद्वानों के लिए भी यह ग्रन्थ बहुत ही उपयोगी प्रमाणित होगा। आपने इस प्रकार बहुत ही उपयोगी परन्तु अब तक प्रायः अप्राप्य सामग्री प्रस्तुत कर राजस्थानी साहित्य की ही नहीं भारतीय साहित्य तथा इतिहास के विद्यार्थियों और विद्वानों की अमूल्य सेवा की है।

—डॉ० रघुवीरसिंह

कोष को देख कर बड़ी प्रसन्नता हुई। इसने प्रदेश का गौरव बढ़ाया है।

—डॉ० कन्हैयालाल सहल

कोष की आवश्यकताओं के अलावा ऐतिहासिक और सांस्कृतिक दृष्टि से भी यह कार्य महत्त्वपूर्ण है और राजस्थानी भाषा का अध्ययन अथवा भारतीय भाषाओं का अध्ययन करने वालों को इसमें बहुत-सी आवश्यक सामग्री मिलेगी।

—डॉ० रामविलास शर्मा

डिगल कोष अत्यंत सुन्दर, उपादेय तथा महत्त्वपूर्ण है।

—चन्द्रगुप्त विद्यालंकार